वार्षिक प्रतिवेदन

2011–2012

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

56–57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,

नई दिल्ली–110058

प्रकाशक:
प्रो. के.बी.सुब्बरायुडु
प्रभारी-कुलसचिव,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
तार : संस्थान
ई मेल : rsks@nda.vsnl.net.in
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

		पृष्ठ
1.	**पर्यवलोकन**	**7-10**
1.1	संस्था	7
1.2	भूमिका एवं कार्य	7
1.3	कार्यक्रम तथा क्रियाकलाप	7
1.4	अध्यापन	8
1.5	शिक्षक-प्रशिक्षण	8
1.6	शोध	8
1.7	आंतरिक छात्रवृत्ति	8
1.8	प्रकाशन	10
2.	कुलाध्यक्ष, कुलपति एवं कुलसचिव के विषय में	11-13
3.	2011-2012 के दौरान उपलब्धियाँ	14
4.	2011-2012 के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अनुपम उपलब्धियाँ	15
5.	संरचना एवं क्रियाकलाप	17-20
6.	अनुभाग	21-40
6.1	शैक्षणिक अनुभाग	21
6.2	शोध एवं प्रकाशन अनुभाग	21
6.3	छात्रवृत्ति अनुभाग	23
6.4	पत्राचार पाठ्यक्रम एवं अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग	24
6.5	परीक्षा अनुभाग	27
6.6	प्रशासन अनुभाग	29
6.7	वित्त अनुभाग	29
6.8	योजना अनुभाग	30
6.9	पालि एवं प्राकृत	36
6.10	परियोजनाएँ	37
6.11	पुस्तकालय एवं विक्रय इकाई	38
6.12	मुक्त स्वाध्यायपीठम्	39
7.	**परिसर**	**41-82**
7.1	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	42
7.2	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)	45
7.3	श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)	48

7.4	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)	57
7.5	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	59
7.6	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	61
7.7	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)	62
7.8	वेदव्यास परिसर, बलहार (हिमाचल प्रदेश)	70
7.9	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	73
7.10	के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)	79
7.11	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	82
8.	**योजनाएँ**	**83-92**
8.1	संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों, संस्थाओं तथा पाठशालाओं को वित्तीय सहायता	84
8.2	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्-स्पर्धा	86
8.3	शास्त्रचूडामणि योजना	86
8.4	व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना	87
8.5	संस्कृत शब्दकोश परियोजना	87
8.6	संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फ़ारसी विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान प्रमाण-पत्र प्रदान करने की योजना	88
8.7	संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना	88
8.8	ग्रन्थ क्रय योजना	89
8.9	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना	89
8.10	शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु योजना	90
8.11	असहाय परिस्थितियों वाले प्रसिद्ध संस्कृत पंडितों को सम्मान-राशि देने की योजना	91
9.	**वर्ष 2011-12 की प्रमुख गतिविधियाँ**	**93-123**
9.1	सम्मान समारोह	93
9.2	15वां विश्व-संस्कृत-सम्मेलन	96
9.3	शंकर जयंती व्याख्यानमाला	103
9.4	बुद्ध जयंती व्याख्यानमाला	103
9.5	प्राकृत कार्यशाला	104
9.6	राष्ट्रिय संस्कृत सम्मेलन	104
9.7	अखिलभारतीय संस्कृत/हिन्दी सम्मेलन	106
9.8	संस्कृत सप्ताहोत्सव	106
9.9	पूर्वोत्तर क्षेत्र में बौद्ध धर्मविषयक अध्ययन के लिए भारतीय सभा का ग्यारहवां वार्षिक सम्मेलन	110
9.10	युवा महोत्सव	111
9.11	हिन्दी पखवाड़ा	115
9.12	स्थापना दिवस	116
9.13	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा एवं शलाका परीक्षा	116
9.14	बसंतोत्सव	118
9.15	अखिल भारतीय संस्कृत नाट्योत्सव	121

10.	**संलग्नक**	**124–200**
	क. प्रबन्ध–मण्डल के सदस्यों की सूची	124
	ख. वित्त–समिति के सदस्यों की सूची	126
	ग. संकाय–सदस्यों का परिसर–वार विवरण	127
	घ. विद्यावारिधि (पी–एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण	139
	ङ. सम्बद्ध संस्थाएँ	141
	च. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें	149
	छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय	152
	ज. मुख्यालय में अनुभागवार कार्यरत स्टाफ संख्या	158
	झ. वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य–वार संख्या का विवरण	161
	ञ. वित्तीय सहायता से प्रकाशित पुस्तकों का विवरण	162
	ट. प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण	163
	ठ. वार्षिक अनुदान प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का विवरण	165
	ड. वर्ष 2011–12 की लेखा–परीक्षा रिपोर्ट तथा लेखा–परीक्षित वार्षिक लेखे	168

1. पर्यवलोकन

1.1 संस्था

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (इसमे इसके बाद इसे संस्थान कहा जाये) की संस्थापना अक्टूबर, 1970 में, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में, पूरे देश में संस्कृत के समग्र विकास तथा प्रोन्नयन हेतु हुई। अपने निर्माण काल से ही यह भारत-सरकार द्वारा पूर्णरूपेण निधि प्रदत्त है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है तथा संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु, विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की सहायता करता है। संस्कृत भाषा के प्रतिरक्षण, प्रसार तथा विकास और इसके सभी पक्षों की शिक्षा हेतु, 1956 में भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित संस्कृत आयोग के विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसने एक केन्द्रीय अभिकरण के रूप में निभाई है।

संस्थान के पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में योगदान, इसके श्रेष्ठ प्रकाशनों और इसके द्वारा 55,000 से भी अधिक दुर्लभ संस्कृत पाण्डुलिपियों के संरक्षण तथा प्रबन्धन को महत्त्व देते हुए भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से प्रभावी, मानित विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है, जो अधिसूचना संख्या एफ. 9-28/2000 यू 3 के अन्तर्गत है तथा जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.पी.पी.-1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया है।

मानित विश्वविद्यालयों की पुनरीक्षण योजना के अन्तर्गत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.) ने संस्थान के मुख्यालय एवं संस्थान के सभी परिसरों का निरीक्षण किया। संस्थान द्वारा शैक्षणिक स्तर को बनाए रखने की भूमिका को सराहा है और आगे मानित विश्वविद्यालय की स्थिति की संस्तुति की।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण, विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. संस्कृत विद्या की सभी विधाओं में शोध का आरम्भ, अनुदान, प्रोत्साहन तथा संयोजन करना है, साथ-साथ शिक्षक-प्रशिक्षण तथा पाण्डुलिपि विज्ञान आदि को भी संरक्षण देना है जिससे पाठमूलक प्रासंगिक विषयों के साथ आधुनिक शोध के निष्कर्ष का सम्बन्ध स्पष्ट किया जा सके तथा इनका प्रकाशन हो सके।
ii. देश के विविध भागों में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना, अधिग्रहण तथा संचालन करना एवं समान उद्देश्यों वाली अन्य संस्थाओं को संस्थान से संबद्ध करना।
iii. केन्द्रीय प्रशासनिक निकाय के रूप में सेवा करते हुए इसके द्वारा स्थापित अथवा अधिगृहीत समस्त केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों का प्रबंधन तथा उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में अधिकाधिक प्रभावी सहयोग करना जिससे विशिष्ट क्षेत्रों में विद्यापीठों के बीच कर्मचारियों, छात्रों व शोध तथा राष्ट्रीय कार्य-विभाजन के अन्तर्विनिमय और स्थानान्तरण को सुसाध्य एवं तर्कसंगत बनाया जा सके।
iv. संस्कृत के संवर्धनार्थ भारत सरकार के केन्द्रीय अभिकरण के रूप में उनकी नीतियों एवं योजनाओं को लागू करना।
v. उन शैक्षणिक शाखाओं में अनुदेश एवं प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना जिन्हें संस्थान उचित मानती हो।
vi. शोध एवं ज्ञान के प्रसार हेतु समुचित मार्गदर्शन एवं व्यवस्था करना।
vii. अतिरिक्त प्राचीर अध्ययन, विस्तारित कार्यक्रमों तथा सम्बन्धित दूरस्थ क्रिया-कलापों का उत्तरदायित्व लेकर समाज के विकास को योगदान देना।
viii. इनके अतिरिक्त उन सभी उत्तरदायित्वों एवं कार्यों का निष्पादन करना जो संस्थान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक या अभीष्ट हों।
ix. पालि एवं प्राकृत भाषाओं को प्रोत्साहन देना।

1.3 कार्यक्रम तथा क्रियाकलाप

संस्थान अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख

कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक अर्थात् शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।
- विज़िटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वज़ीफे, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।
- दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।
- संस्कृत, पालि तथा प्राकृत के प्रोन्नयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

संस्थान के अपने दस परिसरों में, संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है। विद्यालय स्तर पर संस्थान अंग्रेजी, हिन्दी तथा अन्य आधुनिक विषय जैसे इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, गृहविज्ञान और गणित आदि के लिए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रमों का अनुसरण करता है। शास्त्री-स्तर पर हिन्दी और अंग्रेजी जैसे आधुनिक विषयों के लिए सामान्यतया दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों का अनुसरण किया जाता है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं। सभी परिसरों में संस्कृत शिक्षा की आधुनिक प्रणाली के छात्रों को परम्परागत प्रणाली में सम्मिलित होने की सुविधा देने हेतु प्राक्शास्त्री नामक + 2 स्तर का द्विवर्षीय मध्यवर्ती पाठ्यक्रम है।

1.5 शिक्षक-प्रशिक्षण :

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम. एड. के समकक्ष शिक्षा आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का संचालन जयपुर एवम् जम्मू परिसर में किया जाता है।

1.6 शोध :

गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद, कुछ चयनित शाखाओं में मात्र शोध-गतिविधियों हेतु पूर्ण समर्पित है। हालांकि, सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

तथापि गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद विशेष रूप से चयनित शाखाओं में अनुसंधान गतिविधियों को समर्पित है। परिसर का पुस्तकालय देश के सबसे उच्च पुस्तकालयों में से एक है। पुस्तकालय में 56 हजार से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियों का संग्रह है। यह भी पुस्तकालय में सरंक्षित है।

1.7 आन्तरिक छात्रवृत्ति :

छात्रों को संस्कृत शिक्षण के साथ-साथ संस्कृत की विविध विधाओं में गहन अध्ययन हेतु आकर्षित तथा प्रोत्साहित करने की दृष्टि से संस्थान अपने परिसरों में सभी पाठ्यक्रमों तथा शोध के लिए योग्य छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है। प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति क्रम से 300 रुपये, 400 रुपये, 400 रुपये तथा 500 रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे विद्वानों को 3000 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 2000 रुपये वार्षिक निरंतरता अनुदान भी दिया जाता है।

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2011-12 में छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है :

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		शिक्षा आचार्य	विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III	-	I	II		
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–		18
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	30	30	50	43	50	64	131	120	–	15
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	23	18	35	50	43	92	14	11	27	07
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	36	39	50	28	53	76	39	38	–	13
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	28	30	60	60	60	50	39	38	18	–
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	23	13	23	21	14	50	35	17	–	18
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	43	42	48	29	35	49	36	34	–	02
8.	वेदव्यास परिसर, बलहार	31	15	28	12	23	–	34	15	–	09
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	18	11	17	12	09	50	21	19	–	09
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	03	04	05	02	07	45	07	02	–	07
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	04
योग		**235**	**202**	**316**	**257**	**294**	**476**	**364**	**295**	**45**	**102**

कुल योग - 2586

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है–

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	235	136	99	14	13	58
प्राक् शास्त्री-II	202	122	80	11	13	26
शास्त्री-I	316	205	111	33	14	55
शास्त्री-II	257	169	88	21	08	42
शास्त्री-III	294	185	109	24	09	55

कक्षा	कुल योग	पुरुष	स्त्री	अनुसूचित जाति	अनुसूचित जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
शिक्षा शास्त्री	476	342	134	35	05	66
आचार्य-I	364	181	183	25	05	69
आचार्य-II	295	119	176	21	05	49
शिक्षा आचार्य	45	37	08	01	-	07
विद्यावारिधि	102	75	27	02	-	10
कुल योग	**2586**	**1571**	**1015**	**187**	**72**	**473**

1.8 प्रकाशन :

शोध पत्रिकाएँ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान **'संस्कृत विमर्श:'** और **'गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद पत्रिका'** नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्थान के मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएं भी प्रकाशित की जाती हैं।

भोपाल एवं जयपुर परिसर ने अपनी वार्षिक पत्रिका का उन्नयन कर शोध-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया है।

संस्थान एवं परिसरों द्वारा विद्वतापूर्व प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाडुंलिपियों का प्रकाशन किया गया है। संस्थान ने अब तक अपने प्रकाशन कार्यक्रम के अन्तर्गत 355 पुस्तकों को प्रकाशित किया है तथा पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत दुर्लभं एवं अनुपलभ्य पुस्तकों का पुनर्मुद्रण करा चुकी है।

'संस्कृत वार्ता' एक तिमाही समाचार बुलेटिन का भी नियमित रूप से प्रकाशन करती है।

कुलाध्यक्ष–श्री कपिल सिब्बल

श्री कपिल सिब्बल 31 मई 2009 ई. से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्व विद्यालय), नई दिल्ली के कुलाध्यक्ष रहे हैं। चंडीगढ़ स्थित संत जॉन हाई स्कूल से माध्यामिक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के उपरांत उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्ययन किया तथा वहाँ से एल.एल.बी. की डिग्री प्राप्त की। तदुपरांत उन्होंने इतिहास में दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.ए. की डिग्री प्राप्त करने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के हार्वर्ड लॉ स्कूल की एल.एल.एम कक्षा में नामांकन कराया तथा उसके अपेक्षित पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद तत्सम्बद्ध परीक्षा में बैठने की अर्हता 1977 ई में प्राप्त की।

नई दिल्ली स्थित सर्वोच्च न्यायलय में अनेक वर्षों तक अधिवक्ता के रूप में अभ्यास करने के बाद उन्हें 'वरिष्ठ अधिवक्ता' की उपाधि प्रदान की गई। 1989 ई. में केन्द्रीय सरकार ने उन्हें भारत के अतिरिक्त महान्यायाभिकर्त्ता (एडिशनल सोलीसिटर जेनरल) के रूप में नियुक्त किया। इस पद पर उन्होंने 1990 ई. तक कार्य किया।

श्री सिब्बल जुलाई 1998 ई. में राज्य-सभा के सदस्य के रूप में चयनित हुए। 2004 ई. में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के रूप में वे दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के चांदनी चौक लोक-सभा चुनाव क्षेत्र से विजयी घोषित हुए। उन्हें तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह के द्वारा गठित मंत्रि-परिषद् में विज्ञान, प्राविधिकी तथा भू-विज्ञान के मंत्री के रूप में सम्मिलित किया गया। वे 2009 ई. में हुए लोक-सभा चुनाव में उपरोक्त क्षेत्र से पुनः विजयी घोषित हुए।

श्री सिब्बल इंदिरा गांधी राष्ट्रिय मुक्त विश्वविद्यालय के व्यवस्था बोर्ड, संवैधानिक तथा संसदीय अध्ययन संस्थान की कार्यकारिणी समिति, उद्योग परामर्श समिति, गृह-कार्य समिति, अन्तार्राष्ट्रिय एड्स टीका-द्रव्य पहल कार्यक्रम, बिल प्रोग्राम बोर्ड एवं मेलिन्दा गेट फाउन्डेशन के भारतीय एड्स फलक, तथा मानव-अधिकार आयोग, जेनेवा द्वारा ऐच्छिक डिटेंशन पर गठित कार्यकारी दल के सदस्य रहे हैं। इसके अतिरिक्त वे भारत-संयुक्त-राज्य-अमेरिका के संसदीय फोरम के सह-अध्यक्ष भी रहे हैं।

श्री सिब्बल ने वैश्विक आर्थिक फोरम (वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम) के तत्त्वावधान में 2005 ई. तथा 2009 ई. में स्विट्जरलैंड के डैभोस, नामक स्थान में समायोजित बैठकों में भारत के प्रतिनिधि के रूप में भाग लिया। फिलिस्तीनियन राज्य के निर्माण तथा इजराइली-फिलिस्तीनियन शांति की स्थापना में अन्तर्राष्ट्रिय सहयोग की प्राप्ति के उद्देश्य से संयुक्त राज्य अमेरिका में नवम्बर 2007 ई. में समायोजित अन्नापोलिस सम्मेलन में उन्होंने भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्त्व किया। उन्होंने संयुक्त राज्य अमेरिका के बाली में दिसंबर 2007 ई. में प्रायोजित जलवायु परिवर्तन यू.एन.प्राधार सभा (यू.एन.एफ.सी.सी.सी.) में भी भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्त्व किया। ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत मुद्देनाहाली में भारतीय प्राविधिकी संस्थान की स्थापना को उन्होंने अपने अधिकार-क्षेत्रानुसार स्वीकृति प्रदान की।

श्री सिब्बल ने वर्ग 09 तथा 10 के लिये भारत में सतत तथा सर्वसमावेशी मूल्यांकन पद्धति (सी.सी.ई.) को लागू किया तथा भारतीय प्राविधिकी संस्थानों के जी. प्रतिमानों में परिवर्तन का प्रारम्भ किया। उन्होंने पटना में भारतीय प्राविधिकी संस्थान (आई.आई.टी.) का शिलान्यास किया।

राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय समस्याओं पर श्री सिब्बल के कतिपय आलेख विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में छपे हैं। इनका एक कविता-संग्रह "आइ विटनेसः पार्शियल ऑबसरभेशन" रोली बुक्स, नई दिल्ली ने प्रकाशित किया है।

कुलपति-आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी

आचार्य राधावल्लभ त्रिपाठी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) में 14 अगस्त, 2008 से कुलपति के पद पर सुशोभित हैं। आपके सफल नेतृत्व में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान संस्कृत तथा पालि एवं प्राकृत भाषाओं के चहुँमुखी विकास के लिए महनीय योगदान दे रहा है। अपने उल्लेखनीय कार्यों के फलस्वरूप आपको देश के वरिष्ठतम आचार्यों में सम्मिलित कर समादृत किया जा चुका है। आप विगत 42 वर्षों से उदयपुर तथा सागर स्थित विश्वविद्यालयों में शिक्षण कार्य में रहे हैं- जिसमें हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय, सागर में 25 वर्षों से अधिक समय तक आप संस्कृत विभागाध्यक्ष रहे। साथ ही इसी विश्वविद्यालय में दो सत्रों तक आप कला संकायाध्यक्ष भी रहे। वरिष्ठतम आचार्य होने के कारण आपने 6 माह तक कुलपति पद को भी अलङ्कृत किया। इसके अतिरिक्त मध्य प्रदेश के महामहिम राज्यपाल द्वारा आपको दो बार कुलपति के पद पर अस्थायी काल के लिए पदासीन किया गया।

अपने अनुकरणीय एवं उल्लेखनीय शैक्षणिक कीर्तिमान के फलस्वरूप आप नाट्यशास्त्र तथा साहित्यशास्त्र में अपने मौलिक एवं अमूल्य योगदान के कारण बहुशः अभिनन्दित हुए हैं। आपकी 150 पुस्तकें, 198 शोध पत्र एवं विवेचनात्मक निबन्ध तथा 30 से अधिक संस्कृत नाटकों के अनुवाद एवं कुछ गौरव ग्रन्थ संस्कृत से हिन्दी में प्रकाशित हो चुके हैं। अपने बहुमूल्य एवं उपयोगी सृजनात्मक लेखन के कारण आप प्राच्य विद्या की विभिन्न शोध पत्रिकाओं द्वारा समादृत हैं। साथ ही अनेक विश्वविद्यालयों में आपकी इन कृतियों पर शोध छात्र पीएच.डी. (विद्यावारिधि) की उपाधि से समलङ्कृत हो चुके हैं और आगे भी निरन्तर शोध कार्य कर रहे हैं। आपके वैदुष्यपूर्ण सारस्वत जीवन एवं कृतियों को रेखांकित करते हुए प्रतिष्ठित विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में उन्होंने विभिन्न समारोहों में एक दर्जन से अधिक सबोधन किये हैं तथा अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रिय संगोष्ठीयों में 30 से भी अधिक व्याख्यान दिये हैं। कतिपय पत्र-पत्रिकाओं ने उनके जीवन तथा लेखन से सम्बद्ध विशेषांकों का प्रकाशन किया है।

आप हॉलेण्ड, अस्ट्रीया, जर्मनी, थाईलैण्ड, यूनाईटेड किंगडम, नेपाल, भूटान, संयुक्त राज्य अमेरिका एवं अन्य देशो में विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों हेतु विदेश यात्रा पर गए। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद नई दिल्ली द्वारा आपको सिलपोकरोन विश्वविद्यालय, बैंगकॉक (थाईलैण्ड) में अभ्यागत आचार्य (2002-2005) के रूप में नियुक्त किए गए।

आपको उल्लेखनीय साहित्यिक योगदान के लिए अनेक राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कारों एवं सम्मान पत्रों से विभूषित किया जा चुका है जिसमें संस्कृत काव्य के लिए **साहित्य अकादमी** तथा 'नाट्यशास्त्रविश्वकोश' (चार खण्डों में) के लिए के.के. बिड़ला ट्रस्ट का **शंकर पुरस्कार** विशेष उल्लेखनीय हैं। आपको महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल द्वारा संस्कृत के लिए कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर के **'आजीवन-उपलब्धि पुरस्कार'** श्रीमति पुरुन्देश्वरी देवी-केन्द्रीय राज्यमंत्री, मानवसंसाधन विकास मंत्रालय द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के **'वेदव्यास'** पुरस्कार, महामहिम जयेन्द्र सरस्वती, काँचीपीठ, काँचीपुरम (तमिलनाडु) द्वारा **संस्कृत साहित्य रत्न सम्मान,** कुंजनी राजा एकेडमी ऑफ इंडोलोजी रिसर्च 2010 द्वारा **राजप्रभा राष्ट्रीय पुरस्कार** एवं संस्कृत साहित्य में अमूल्य योगदान हेतु **कुंद कुंद भारती** पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

कुलसचिव-आचार्य के.बी. सुब्बरायुडु

आचार्य के.बी. सुब्बरायुडु सम्प्रति प्रभारी कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली संस्कृत भाषा एवं साहित्य में विशिष्ट अर्हताएं रखते हैं। इन्होंने भारत के लब्धप्रतिष्ठ अर्वाचीन अध्ययनपीठ बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्राच्य विद्या संकाय से 1984 ई. में आचार्य, अद्वैत वेदान्त (एम.ए. के समकक्ष) की उपाधि प्रथम श्रेणी में प्राप्त की तथा तत्सम्बद्ध परीक्षा में शीर्षस्थ स्थान प्राप्त करने के उपलक्ष में स्वर्णपदक के लिये अर्ह हुए। 1984 ई. में इन्होंने उपरोक्त विश्वविद्यालय से 'विज्ञान एवं योग' में डिप्लोमा किया। 1985-88 में इन्होंने बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी से वेदांत में विद्या-वारिधि (पी.एच.डी. के समकक्ष) की उपधि हेतु शोध-कार्य सम्पन्न किया। श्री सुब्बरायुडु अद्यपर्यन्त शोध ार्थियों का समय-समय पर निर्देशन करते रहे हैं। 1990 ई. में ये काशी विद्यापीठ वाराणसी से संस्कृत साहित्य में एम.ए. की परीक्षा में उत्तीर्ण हुए। 1988-1993 में इन्होंने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के उदासीन आर्दश संस्कृत महाविद्यालय के वेदान्त-विभाग में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष के रूप में कार्य किया। 1993-2002 में इन्होंने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान गुरुवायूर परिसर, केरल में वेदान्त विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर तथा अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। वहां उन्हें समय समय पर प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार भी प्राप्त हुआ। 2002-2010 में इन्होंने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा) में वेदान्त-विभाग में अध्यक्ष एवं प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। वहां भी उन्हें आवश्यकतानुसार प्राचार्य का अतिरिक्त प्रभार दिया गया। 2010 ई. में इन्होंने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गरली परिसर, हिमाचल प्रदेश में प्रभारी प्राचार्य के रूप में कार्य किया। 1991-1992 में इन्होंने एम.आइ.यू. हालैंड एवं संयुक्त राज्य अमेरिका में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में कार्य किया। 2008 ई. में वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ संस्कृत स्टडीज के तत्त्वावधान में फ्लोरिडा (संयुक्त राज्य अमेरिका) स्थित सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी में समायोजित सप्तम अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलन में श्रीसुब्बरायुडु को वेद-विद्या-निधि अवार्ड से सम्मानित किया गया। 15 से अधिक राष्ट्रिय एवं अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलनों तथा सेमिनारों में इन्होंने भाग लिया तथा भारत, कनाडा एवं संयुक्त राज्य अमेरिका आदि देशों में अपने शोधपत्रों का वाचन किया। इनके द्वारा लिखित एवं दशाधिक राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलनों से सम्बद्ध शोधपरक पत्र विभिन्न पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं।

इनके द्वारा लिखित पुस्तकें "सर्वदर्शन समन्वय" 2002 ई. में सदानन्द पब्लिकेशन्स, त्रिश्शूर, केरल द्वारा, "सद्गुरु महिमामृतम्", रामा प्रेस पुरी (उड़ीसा) द्वारा 2003 में, "श्री दक्षिणामूर्ति सुप्रभातम् एन्ड स्तोत्रम्" (संस्कृत के साथ हिन्दी टीका सहित) श्री वेदव्यास प्रेस, चित्तूर द्वारा 1984 ई. में तथा "श्रीसद्गुरु शिष्यत्रयम्" (तेलुगु तथा हिन्दी) श्री वेदव्यास प्रेस, चित्तूर द्वारा 1985 ई. में प्रकाशित हुई हैं।

श्री सुब्बारायुडु राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली एवं जगतगुरु रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान) की अकादमिक परिषदों के सदस्य हैं। दिनांक 5-10 जनवरी, 2012 को विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित 15वें विश्व संस्कृत सम्मेलन में स्थानीय सचिव का दायित्व निभाया जिसका उद्घाटन माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार द्वारा किया गया।

3. 2011-2012 के दौरान प्रमुख उपलब्धियाँ

मानित विश्वविद्यालय के रूप में क्रियाकलाप

- संस्थान द्वारा दिनांक 20-24 सितम्बर 2011 को श्री रणबीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर) में अन्तःपरिसरीय युवा महोत्सव का आयोजन।
- 3 दिसम्बर 2011, गरली परिसर, गरली (हिमाचल प्रदेश) में महिला अध्ययन केन्द्र का शुभारम्भ।
- नाट्यशास्त्र अध्ययन केन्द्र का भोपाल परिसर, भोपाल में शुभारम्भ।
- दिनांक 28 जनवरी 2012 को गरली परिसर के नूतन भवन का बलाहर (हिमाचल प्रदेश) का उद्घाटन।
- 16 नये ग्रन्थ प्रकाशित किये गये।
- कौमुदीमहोत्सव में 10 संस्कृत नाटकों का मंचन 30 जनवरी 2012 से 1 फरवरी 2012 मे हुआ।
- 10 विशिष्ट स्मारक व्याख्यान आयोजित किये गये।
- भोपाल परिसर, भोपाल में अखिल भारतीय संस्कृत नाट्य महोत्सव का आयोजन।
- 'संस्कृत विमर्शः (नूतन माला)' शोध पत्रिका के षष्ठ खंड का विमोचन हुआ।
- 16787 छात्र विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकित किये गये।
- 26 छात्रों को विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई।
- 4044 छात्रों का संस्थान परिसरों में दाखिला हुआ।
- 5-10 जनवरी, 2012 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में "15वें विश्व संस्कृत सम्मेलन" का आयोजन हुआ।
- अनेक राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं कार्यशालाएं नई दिल्ली एवं विभिन्न परिसरों में आयोजित की गई।

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत क्रियाकलाप

- 11725 छात्रों को शोध व 'उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना' के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- संस्कृत वाङ्मय प्रकाशन योजना के अन्तर्गत प्रकाशकों/विद्वानों ने 16 प्रकाशन प्रकाशित किये।
- स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अन्तर्गत 776 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- 1608 शिक्षकों को 'स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना' के अन्तर्गत समेकित वेतन प्रदान किया गया।
- 8944 छात्रों को 'स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान' योजना के अधीन छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- आधुनिक शिक्षकों हेतु 222 संस्थाओं/संस्कृत पाठशालाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- 'संस्कृत पाठशालाओं की विकास योजना के अन्तर्गत' 134 आधुनिक विषय के शिक्षकों को समेकित वेतन प्रदान किया गया।
- अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा के अन्तर्गत शलाका परीक्षा सहित विभिन्न स्पर्धाओं का आयोजन किया गया।
- 33,668 छात्रों को अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत संपूर्ण भारतवर्ष के 1156 केन्द्रों में मौखिक (स्पोकन) संस्कृत में प्रशिक्षित किया गया।

4. 2011-12 के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अनुपम उपलब्धियाँ

1. दिनांक 6 मई 2011 को राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

2. 09.05.2011 को द्वितीय शंकर जयंती स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

3. 12.05.2011 को बुद्ध जयंती व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया।

4. मई 2011 में भोगी लाल लहरचन्द प्राच्य विद्यासंस्थान अलीपुर, दिल्ली के सहयोग से प्राकृत गोष्ठी का आयोजन।

5. 19 से 21 मई, 2011 तक संस्कृत विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहटी असम के सहयोग से गुवाहटी में राष्ट्रिय संस्कृत सम्मेलन का आयोजन।

6. अखिलभारतीय संस्कृत/हिन्दी सम्मेलन का आयोजन दिनांक 26-28 मई, 2011 को केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, दीमापुर, नागालैण्ड के सहयोग से दीमापुर, नागालैण्ड में आयोजित किया गया।

7. 11वें वार्षिक सम्मेलन में भारतीय सोसायटी के बौद्ध अध्ययन केन्द्र, बौद्ध अध्ययन विभाग जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संयुक्त तत्त्वाधान में दिनांक 16-18 सितम्बर 2011 त्रिदिवसीय राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन का आयोजन उत्तर-पूर्वी राज्य सिक्किम में आयोजित।

8. 05-10 जनवरी 2012 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में **"15वें विश्व संस्कृत सम्मेलन"** का आयोजन।

9. दिनांक 16-18 जनवरी 2012 तक श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी में 'विश्व विचार के विन्यास में संस्कृत का योगदान' विषय पर अर्न्तराष्ट्रीय गोष्ठी।

10. विशिष्ठ स्मारक व्याख्यानमाला के अन्तर्गत वर्ष 2011-12 में निम्नलिखित व्याख्यान आयोजित।
    1. डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान का आयोजन लखनऊ में।
    2. पंडित मंडन मिश्र स्मृति व्याख्यान का आयोजन इलाहाबाद में।
    3. प्रो. वी. राघवन स्मृति व्याख्यान का आयोजन चेन्नई में।
    4. श्री राजीव गांधी अन्तर्राष्ट्रीय स्मारक व्याखान का आयोजन शृंगेरी में।
    5. डॉ. राधा कृष्ण स्मृति व्याख्यान का आयोजन भोपाल में।
    6. श्री कुरियाक्कोस् स्मारक व्याख्यान का आयोजन गुरूवयूर में।
    7. पंडित गोपीनाथ कविराज स्मृति व्याख्यान का आयोजन लखनऊ में।
    8. प्रो हीरा लाल जैन स्मृति व्याख्यान का आयोजन जयपुर में।

9. एम.एम. मधूसूदन ओझा स्मृति व्याख्यान का अयोजन जयपुर में।

10. पंडित गौरीनाथ शास्त्री स्मृति व्याख्यान का आयोजन पुरी में।

11. राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) बैंगलुरु द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के विभिन्न परिसरों में निरीक्षण हेतु तिथि निर्धारित।

12. दिनांक 9-11, सितम्बर 2011 को उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के सहयोग से अन्तर्राष्ट्रिय सम्मेलन का हरिद्वार में आयोजन।

5. संरचना एवं क्रियाकलाप

मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान का पदेन प्रधान होता है। वर्ष के दौरान, **माननीय श्री कपिल सिब्बल जी, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान के कुलाध्यक्ष रहे।** कुलपति प्रधान कार्यपालक अधिकारी हैं। वे संस्थान के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन करते हैं तथा संस्थान के सभी प्राधिकारियों के निर्णयों को लागू करते हैं। इस वर्ष के दौरान प्रो. राधा वल्लभ त्रिपाठी उपकुलपति के पद पर आसीन रहे। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त संस्थान के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकारी हैं:

1. **प्रबन्ध मण्डल**–संस्थान में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। नीति-निर्णयों तथा निर्णयों के कार्यन्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
2. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
3. **योजना तथा परिवीक्षण परिषद्**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।
4. **वित्त समिति**-प्रबन्ध मण्डल के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, संस्थान में अन्य निकाय भी संघटित हैं, जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा–सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2011-12 में संस्थान के प्राधिकारियों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या दर्शाने वाली तालिका नीचे दी जा रही है:

मण्डल/परिषद्/समिति	बैठकों की संख्या
प्रबन्ध मण्डल	4
वित्त समिति	4
शैक्षिक परिषद्	2
सहायता अनुदान समिति	2
परीक्षा मण्डल	-
शोध मण्डल	2
छात्रवृत्ति चयन समिति	2
प्रकाशन समिति	3
योजना तथा पर्यवीक्षण मण्डल	1

प्रबन्ध मण्डल तथा वित्त समिति का संघटन क्रमश: **संलग्नक 'क'** व **'ख'** में दिया गया है। अपने समृद्ध पुस्तकालय के अतिरिक्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान निम्नलिखित प्रमुख अनुभागों जिनके प्रभारी उप/सहायक निदेशक के माध्यम से कार्य करता है–

1. शैक्षणिक अनुभाग
2. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
3. छात्रवृत्ति विभाग
4. पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

5. परीक्षा अनुभाग
6. प्रशासन अनुभाग
7. वित्त अनुभाग
8. योजना अनुभाग
9. पालि एवं प्राकृत विभाग
10. परियोजना विभाग
11. पुस्तकालय एवं विक्रय केन्द्र
12. मुक्तस्वाध्यायपीठम्

9. परिसर :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है–

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, (ओड़िशा)
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	शृंगेरी, कर्नाटक
8.	वेद व्यास परिसर	बलाहर, हिमाचलप्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	के.जे. सौमैया सं. वि. परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र
11.	दिल्ली परिसर	नई दिल्ली

दिल्ली परिसर से पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का संचालन किया जा रहा है। इस परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, स्टाफ क्वार्टर तथा छात्रावास उपलब्ध हैं। ये निम्नांकित पाठ्यक्रमों हेतु निर्देशन कार्य करते हैं। केवल इलाहाबाद परिसर में शोध कार्यक्रम का संचालन होता है –

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
2.	शास्त्री	बी.ए.
3.	आचार्य	एम.ए.
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	शिक्षा आचार्य	एम.एड.
6.	विद्यावारिधि	पी–एच.डी.

बी.एड. कार्यक्रम का संचालन पुरी, जम्मू, जयपुर, लखनऊ, शृंगेरी, भोपाल, गुरुवायूर और मुम्बई परिसरों में किया जाता है। जयपुर एवं जम्मू परिसर में शिक्षा आचार्य कार्यक्रम संचालित किया जाता है। शैक्षिक सत्र का प्रारम्भ प्रतिवर्ष जुलाई में, छात्रों के विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश के साथ होता है।

निम्नलिखित तालिका से वर्ष 2011-12 में परिसरों में प्रति-कक्षा प्रवेश का पता चलता है-

		कक्षा									
		प्राक् शास्त्री		**शास्त्री**			**शिक्षा शास्त्री**	**आचार्य**		**शिक्षा आचार्य**	**विद्या-वारिधि**
क्रम.सं.	**परिसर**	**I**	**II**	**I**	**II**	**III**	**-**	**I**	**II**	**-**	**-**
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	–	46
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	71	57	98	52	57	127	246	151	–	29
3.	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	23	18	35	50	43	92	14	11	27	07
4.	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	36	39	50	28	53	76	39	38	–	10
5.	जयपुर परिसर, जयपुर	49	66	172	170	142	100	102	65	35	54
6.	लखनऊ परिसर, लखनऊ	24	15	31	22	20	101	58	23	–	18
7.	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी	47	44	66	32	35	99	37	36	–	23
8.	वेदव्यास परिसर, बलहार	38	22	51	41	60	–	51	17	–	05
9.	भोपाल परिसर, भोपाल	43	25	44	39	19	93	28	26	–	35
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर, मुम्बई	03	04	05	02	07	45	07	02	–	07
11.	दिल्ली परिसर, नई दिल्ली	–	–	–	–	–	–	–	–	–	16
	योग	**334**	**290**	**552**	**436**	**436**	**733**	**582**	**369**	**62**	**250**
							कुल योग - 4044				

विभिन्न कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित हैं–

कक्षा	योग	पुरुष	स्त्री	अनु. जाति	अनु. जनजाति	अन्य पिछड़ा वर्ग
प्राक् शास्त्री-I	334	195	139	21	18	73
प्राक् शास्त्री-II	290	193	97	14	14	38
शास्त्री-I	552	341	211	51	22	89
शास्त्री-II	436	320	116	28	14	73
शास्त्री-III	436	286	150	33	13	79
शिक्षा शास्त्री	733	494	239	66	16	85
आचार्य-I	582	286	296	35	06	109
आचार्य-II	369	159	210	27	06	59
शिक्षा आचार्य	62	48	14	02	01	07
विद्यावारिधि	250	190	60	06	04	35
कुल योग	**4044**	**2512**	**1532**	**283**	**114**	**647**

परिसरों के छात्रों ने 2011-12 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। निम्नांकित ग्राफ़ परिणाम की प्रतिशतता को प्रति कक्षानुसार/सेमेस्टरनुसार दर्शाता है–

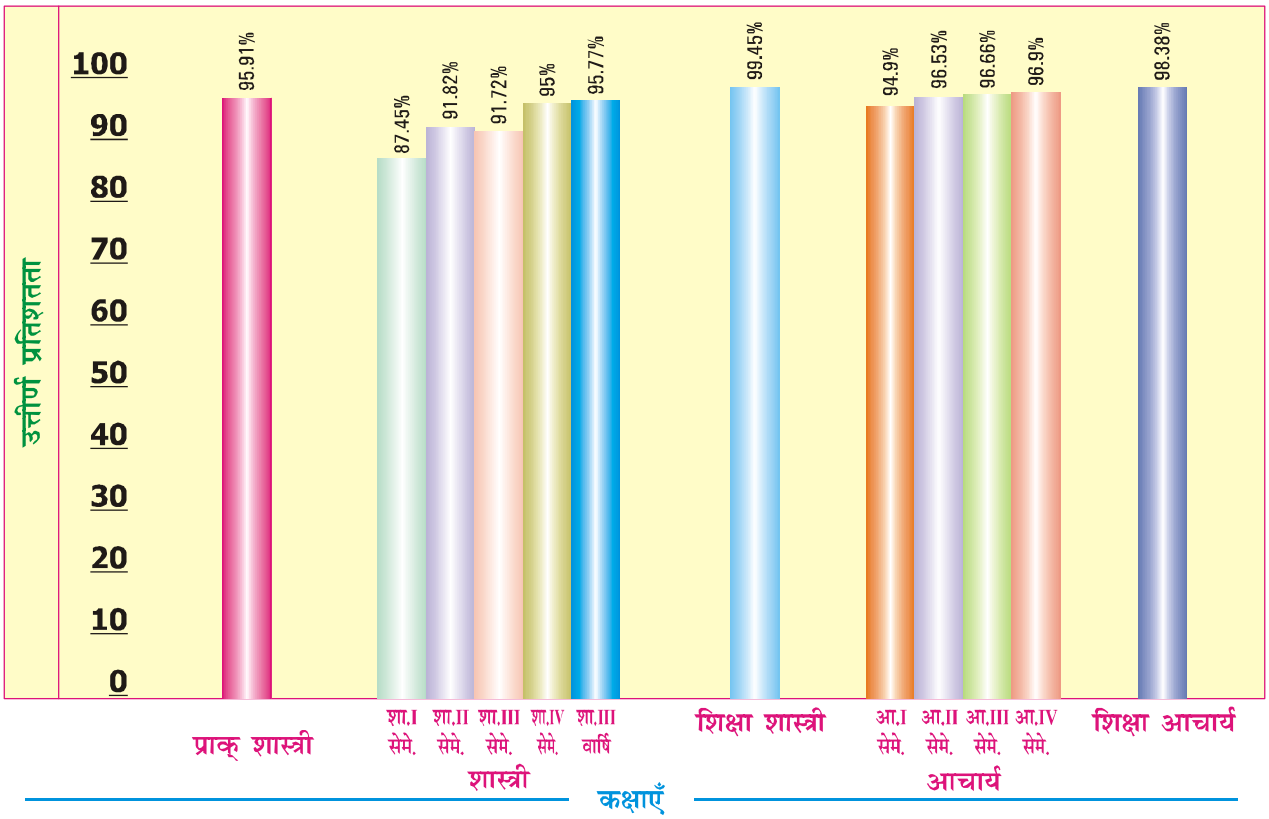

परिसरों में प्रशिक्षित एवं कुशल प्राध्यापक-वर्ग हैं। तथापि जिन विषयों में पूर्णकालिक शिक्षक उपलब्ध नहीं थे, उनमें अंशकालिक शिक्षक भी रखे गए। परिसर-वार संकाय-सदस्यों का विवरण **संलग्नक-'ग'** में दिया गया है।

6. अनुभाग

6.1 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :–

संस्थान के शैक्षिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना और विभिन्न कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।

प्रथमा से आचार्य तक के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम बनाने के लिए विभिन्न विषयों की समितियों का गठन करना।

विद्वत् परिषद् की बैठक व अध्ययन परिषद् की बैठक के आयोजन का समन्वय करना और अनुवर्ती कार्रवाई करना।

यह विभाग शैक्षणिक गुणवत्ता एवं शैक्षिक कार्यक्रमों का कार्यक्रम भी निधार्रित करता है।

रिपोर्ट वर्ष के दौरान अप्रैल 2011 और सितम्बर 2011 में शैक्षणिक परिषद की दो बैठकों का आयोजन हुआ। इस बैठक के अतिरिक्त शैक्षणिक परिषद की स्थायी समिति की भी बैठक जून 2011 में आयोजित हुई।

वर्ष 2011–12 के दौरान इस विभाग के अन्य महत्त्वपूर्ण क्रियाकलाप निम्नलिखित हैं–

1. जून 2011 में अंग्रेजी, हिन्दी, दर्शन एवं राजनीति विज्ञान के पाठ्यपुस्तकों हेतु संगोष्ठी का आयोजन।

2. सितम्बर 2011 में योजना तथा पर्यवीक्षण मण्डल की बैठक का आयोजन।

शैक्षणिक विभाग को संस्थाओं को संबंधन देने के कार्य की जिम्मेवारी सौंपी गई है। संस्थान का प्रारंभ कुछ केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों से हुआ था परन्तु बाद में कुछ शिक्षण संस्थाओं का भी संबंधन किया गया। इन निजि शिक्षण संस्थाओं को केवल सामान्य पाठ्यक्रमों, प्रथमा से आचार्य विद्यार्थी के लिये संबद्धता प्रदान की। गत वर्षों की अपेक्षा मानित संस्थाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। इस वर्ष के दौरान संस्थान से संबद्ध मानित संस्थाओं की सूची इस रिपोर्ट के **संलग्नक 'ङ'** में दी गई है।

संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता प्रदान करने वाली सरकारों एवं विश्वविद्यालयों की सूची **संलग्नक "च"** एवं **"छ"** में डाली गई है।

6.2 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं : मुख्यालय और परिसरों के शोध और प्रकाशन कार्यों में सामंजस्य स्थापित करना और मन्त्रालय द्वारा अन्तरित योजनाओं को कार्यान्वित करना। ये निम्नलिखित हैं–

1. संस्कृत समाचार–पत्रों और पत्रिकाओं के साथ संस्कृत साहित्य का सृजन।

2. संस्कृत–ग्रन्थों का क्रय और अप्राप्य तथा दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण।

3. पाण्डुलिपियों का क्रय और प्रकाशन।

यह अनुभाग अनुदान समिति की बैठकों का समन्वयन भी करता है।

वर्ष 2011–2012 में संस्थान की अनुदान समिति की बैठक 01 अगस्त 2011 और 07 फरवरी, 2012 को हुई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु रु. 25.70 लाख जारी किए गए जिनसे कि योजनाओं पर व्यय पूरा किया जा सके।

संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना के अन्तर्गत संस्थान की वित्तीय सहायता से विभिन्न सम्पादकों ने 16 ग्रन्थों का

सम्पादन किया।

इसके अतिरिक्त 22 संस्कृत पत्रिकाओं को भी वार्षिक प्रकाशन अनुदान प्रदान किया गया।

इस वर्ष ग्रन्थ क्रय योजना का विवरण निम्नलिखित है–

आवेदकों की संख्या	244+25
प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या	496+47
कुल क्रय किए गए शीर्षकों की संख्या	44

संस्थान ने अपनी प्रकाशन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थ प्रकाशित किए:-

1. रूपकत्रयी
2. काव्यकावेरी
3. आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा
4. जगन्नाथ-सुभाषितम्
5. तारा अरुन्धती
6. पण्डितपरिषद्व्याख्यानमाला
7. काव्यसङ्ग्रह
8. समुद्रमंथन
9. श्रीकृष्णलीलामृतम्
10. वागीश्वरकण्ठसूत्रम्
11. आदिशंकरलघुप्रबन्धावलि:
12. आचार्यनागार्जुनकृतसुहल्लेख
13. कच्छवंशमहाकाव्यम्
14. विषमपरिणयम्
15. आधुनिकसंस्कृतसाहित्यसन्दर्भसूची
16. पत्रमूल्याङ्केषु संस्कृतम्
17. Sixty Years of Sanskrit Studies (Vol. I : India)
18. Sixty Years of Sanskrit Studies (Vol. II : Countries other than India)
19. विश्ववारा - Sanskrit for Human Survival.
20. कल्पतरु

संस्थान ने अपनी पुर्नमुद्रण प्रकाशन योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित ग्रन्थों का प्रकाशन किया।

1. चरक संहिता (ए सेम्पल स्वें)
2. द्वैत वेदान्त दर्शन ऑफ श्रीमाध्वाचार्य
3. वैज्ञानिकषाण्मुखम्
4. भज गोविन्दम्

पुर्नमुद्रण योजना के अन्तर्गत संस्थान द्वारा निम्न नये प्रकाशन भी मुद्रित किये।

1. मनुसंहिता
2. वेदान्तपरिभाषा
3. अभिधर्मकोश

निम्न दुर्लभ ग्रन्थ भी पुर्नमुद्रण योजना में प्रकाशित किये गये।

1. चरकसंहिता (5 भाग)
2. रघुवंशम
3. छन्द:शास्त्रम्
4. श्रीमद्भगवदगीता
5. संस्कृत:-अंग्रेजी शब्दकोश

इसके अतिरिक्त संस्थान डायरी तथा संस्कृत वार्ता बुलेटिन भी प्रकाशित किये गये।

संस्थान ने अपनी प्रकाशन समिति के माध्यम से दिनांक 26.04.2011, 29.09.2011 एवं 10.02.2012 को विभिन्न महत्वपूर्ण शीर्षकों के प्रकाशन हेतु स्वीकृति दी।

प्रकाशन का कार्य प्रगति पर।

1. भासनाटकम् चक्रम्
2. निरुक्तम्
3. उपनिषद् रहस्य

संस्थान के केन्द्रीय शोध मंडल की बैठक 30.11.2011 एवं उप-शोध मण्डल की बैठक दिनांक 21.06.2011 को हुई। विद्यावारिधि शोध उपाधि पाठ्यक्रम हेतु विभिन्न परिसरों में 218 शोध छात्रों के पंजीकरण की स्वीकृति प्रदान की गई। विद्यावारिधि में 10 कनिष्ठ शोध अध्येताओं को पंजीकरण दिया गया है।

6.3 छात्रवृत्ति विभाग

यह अनुभाग देश भर में छात्रवृत्तियों का संवितरण करता है। छात्रवृत्तियाँ दो प्रकार की हैं–

1. पारम्परिक पाठशालाओं के छात्रों हेतु शोध छात्रवृत्तियाँ;

2. इण्टर, बी.ए., एम.ए. और पी–एच.डी. तथा समकक्ष पारम्परिक पाठ्यक्रम जारी रखने हेतु उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ।

वर्ष 2011–2012 में संस्कृत पाठशाला/महाविद्यालयों/ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों/ महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु दी गई वित्तीय सहायता का विवरण इस प्रकार है–

कक्षा	छात्र संख्या					छात्रों की	कुल
	सामान्य	अनु.जा.	अनु.ज.जा.	अ.पि.व.	विकलांग	कुल संख्या/रु.	रु.
नवीं	2252	183	30	341	17	2823x2500	7057500
10वीं	2485	129	22	325	16	2977x2500	7442500
11वीं	2285	178	42	449	27	2983x3000	8949000
12वीं	1400	100	19	327	25	1871x3000	5613000
बी.ए.–I	607	147	27	192	3	976x4000	3904000
बी.ए.-II	171	19	3	32	2	227x4000	908000
बी.ए.-III	301	17	7	61	1	387x4000	1548000
एम.ए.-I	285	83	6	82	7	463x5000	2315000
एम.ए.-II	279	67	9	95	5	455x5000	2275000
पीएच.डी.	97	10	2	21	0	130x20000	2600000
आचार्य-I	103	11	3	31	2	150x5000	750000
आचार्य-II	96	9	0	13	2	120x5000	600000
प्राक्शास्त्री - I/11वीं	1	0	0	0	0	1x3000	3000
प्राक्शास्त्री-II/12वीं	10	0	0	0	0	1x3000	3000
पूर्व–मध्यमा-I/9वीं	44	0	0	0	0	44x2500	110000
पूर्व–मध्यमा-I/10वीं	21	0	0	0	0	21x2500	52500
शास्त्री-I	844	1	0	2	0	847x4000	3388000
शास्त्री-II	34	0	0	0	0	34x4000	136000
शास्त्री-III	42	1	0	5	0	48x4000	192000
उपशास्त्री-I/11वीं	35	0	0	0	0	35x3000	105000
उपशास्त्री-II/12वीं	9	0	0	0	0	9x3000	27000
उत्तरमध्यमा-I/11वीं	199	0	0	0	0	199x3000	597000
उत्तरमध्यमा-II/12वीं	118	4	0	2	0	124x3000	372000
विद्या वारिधि	5	0	0	1	0	6x20000	120000
कुल	**11725**	**955**	**170**	**1979**	**107**	**14940**	**49094500**

6.4 पत्राचार पाठ्यक्रम एवं अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2011-2012 के दौरान इस विभाग के माध्यम से निम्नलिखित योजनाएँ/कार्यक्रम संचालित किए :

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र
2. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग
3. संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण
4. संस्कृत स्वाध्याय योजना

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम

2011-2012 के मध्य, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा के दो चक्रों का संचालन अखिल भारतीय स्तर पर किया गया। **33,668** छात्रों ने उत्तरपूर्वी राज्यों, आन्ध्रप्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, केरल, पंजाब, राजस्थान, जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, उत्तराखण्ड, मध्य प्रदेश, बिहार, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, ओडीशा एवं दिल्ली के 1156

क्रम सं	राज्य	I&II चक्र 2011-12
1.	आन्ध्र प्रदेश	34
2.	बिहार+झारखण्ड	38
3.	दिल्ली	14
4.	गुजरात	34
5.	हरियाणा	30
6.	हिमाचल प्रदेश	34
7.	जम्मू एवं काश्मीर	16
8.	कर्णाटक	84
9.	केरल	54
10.	महाराष्ट्र	18
11.	मध्यप्रदेश+छत्तीसगढ़	68
12.	ओड़िशा	86
13.	पंजाब	96
14.	राजस्थान	62
15.	उत्तराखण्ड	22
16.	उत्तप्रदेश	205
17.	पश्चिमबङ्गाल	83
18.	पूर्वोत्तर राज्य	248
	कुल	**1156**

केन्द्रों में तीन महीने के अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

देशभर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के खुलने से लोगों ने संस्कृत एवं भारत की सांस्कृतिक विरासत का ज्ञान अर्जित किया है। समाज के सभी वर्गों के लोगों ने संस्कृत सीखने में अति उत्साह दिखाया। विभिन्न केन्द्रों पर भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह आयोजित किए गए। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा तैयार की गई प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा की पाठ्य-सामग्री विभिन्न केन्द्रों में संस्कृत शिक्षण का मुख्य आधार है। अध्येताओं ने इस पाठ्य-सामग्री को श्रेष्ठ माना है। प्रथमा, द्वितीया एवं तृतीया दीक्षा की समाप्ति पर सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इन केन्द्रों के अध्येताओं ने बहुत उत्साह दिखाया। छात्रों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, अभियन्ताओं, बैंककर्मियों, उद्योगपतियों, अधिकारियों, वकीलों, वैज्ञानिकों, कृषकों और गृहिणियों आदि ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया।

इन अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन न केवल देश के नगरों और महानगरों में किया गया, अपितु दूरवर्ती छोटे गाँवों और छोटे कस्बों, जम्मू व कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। संस्कृत शिक्षकों को अति दूर के स्थानों से भी आना पड़ा। देश भर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों (डिग्री कॉलेजों), इण्टर कॉलेजों, उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, कनिष्ठ उच्च विद्यालयों, पब्लिक स्कूलों, मदरसों और स्वैच्छिक संस्थाओं में किया गया। परिणाम अत्यन्त उत्साहवर्धक रहे।

इन केन्द्रों की सम्यक् क्रियाशीलता हेतु सम्बद्ध राज्यों से केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों के लिए प्रस्ताव प्राप्त होने पर, राज्यों में केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों को नामित किया गया। प्रसिद्ध/महत्त्वपूर्ण संस्थाओं से सीधे प्रस्ताव प्राप्त होने पर भी संस्थान द्वारा केन्द्रों हेतु संस्वीकृति प्रदान की गई।

राज्य-संयोजक (अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा)

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्र प्रदेश	डॉ. सुब्रह्मण्य शर्मा, उपनिदेशक, संस्कृतपरिषद्, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद (आन्ध्रप्रदेश)
2.	बिहार+झारखण्ड	डॉ. श्री प्रकाश पाण्डेय, सहाचार्य, संस्कृतविभाग, बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, क्वा. नं.-23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)
3.	दिल्ली	डॉ. हरि राम मिश्रा, विशिष्टसंस्कृताध्ययनकेन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-67.
4.	गुजरात	डॉ. भा.वं. रामप्रिय, प्राचार्य, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, एस्.जी.वी.पी. सर्किल, ए.जी. हाईवे छारोडी, अहमदाबाद-3284818 (गुजरात).
5.	हरियाणा	डॉ. सुरेन्द्र मोहन मिश्र, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र-136119 (हरियाणा).
6.	हिमाचल प्रदेश	डॉ. भक्तवत्सल शर्मा, प्राचार्य, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश-174307.
7.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, 3/127, इन्दिरा विहार, ओल्ड जानीपुर, जम्मू पिन-180007
8.	कर्नाटक	प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी-577139, जिला-चिकमंगलूर, कर्नाटक।
9.	केरल	डॉ. सुब्रामण्यम् शर्मा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गुरुवायूर परिसर, डाकघर-पुरनाट्टुकड़ा-680551, जिला त्रिचूर(केरल)
10.	महाराष्ट्र	प्रो. रविन्द्र अंबादसमुले, संस्कृत प्रगट अध्ययन केन्द्र पुणेविश्वविद्यालय, गणेश खिन्द रोड, पुणे-411037 (महाराष्ट्र).
11.	म.प्र.+छत्तीसगढ़	प्रो. पी.एन. शास्त्री, राष्टिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया, भोपाल-462043 (मध्यप्रदेश)
12.	उत्तर पूर्व राज्य	डॉ. नृपेन्द्रनाथशर्मा, पांचजन्य, लक्ष्मीनगर, राधा गोविन्द बरुआ मार्ग, गुवाहाटी असम-781005
13.	ओड़ीशा	डॉ. सुकान्त कुमार सेनापति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), श्री सदाशिव परिसर, पुरी-752001 (ओड़ीशा)
14.	पंजाब	डॉ. इन्द्रमोहन सिंह, संस्कृत विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला-147002 (पंजाब)
15.	राजस्थान	डॉ. पूर्ण चन्द्र उपाध्याय, संस्कृत विभागाध्यक्ष, राजकीय बिरला महाविद्यालय, भवानी मंडी, राजस्थान-326502
16.	तमिलनाडु	डॉ. आर. रामचन्द्रन्, व्याख्याता, संस्कृतविभाग, रामाकृष्णमिशन, विवेकानन्द कॉलेज, मैलापुर, चेन्नई-110004 तमिलनाडु

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
17.	उत्तराखण्ड	डॉ. बुद्धदेव शर्मा, 11, नालापानी रोड़, चुग कालोनी, देहरादून, उत्तराखण्ड।
18.	उत्तर प्रदेश	डॉ. लक्ष्मी निवास पाण्डेय, प्रवाचक:, शिक्षाशास्त्रविभाग, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) विशाल खण्ड-04, गोमती नगर, लखनऊ-226010
19.	पश्चिम बंगाल	श्री तन्मयकुमारभट्टाचार्य, ए एफ-159, रवीन्द्रपल्ली, पत्रालय-प्रफुल्लकानन्म् कृष्णपुरम्, कोलकाता

डॉ. रत्न मोहन झा, सहायकाचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली को अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रिय संयोजक के रूप में कार्यक्रम संयोजन का भार सौंपा गया है।

संस्कृतभाषाबोधनवर्ग

दिनांक 09.12.2011 से 18.12.2011 तक 10 दिनों का संस्कृत भाषाबोधन वर्ग, हेन्द्रावाड़ी, गुवाहाटी, असम में आयोजित किया गया। जिसमें उत्तर पूर्वी राज्यों से 75 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया।

क्रमांक	स्थान	अवधि	प्रशिक्षार्थियों की संख्या	प्रशिक्षक
1.	शंकरदेव शिशु विद्या निकेतन, हेन्द्रावाड़ी गुवाहटी, असम	09.12.11 से 18.12.2011	75	डॉ. वाई.एस. रमेश (प्रशिक्षण प्रमुख) डॉ. रत्न मोहन झा (राष्ट्रिय संयोजक) डॉ. नृपेन्द्र नाथ शर्मा डॉ. दीपक कुमार शर्मा डॉ. नारायण दास

दिनां. 20.03.2012 से 04.04.2012 तक 15 दिनों का व्याकरण बोधन वर्ग, असमविश्वविद्यालय, सिल्चर, असम में आयोजित किया गया। जिसमें उत्तर पूर्वी राज्यों से 55 प्रशिक्षार्थियों ने भाग लिया।

क्रमांक	स्थान	अवधि	प्रशिक्षार्थियों की संख्या	प्रशिक्षक
1.	असम विश्वविद्यालय सिल्चर, असम	20.03.12 से 04.04.12 तक	55	प्रो. पुष्पा दीक्षित डॉ. रत्न मोहन झा

इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्रसिद्ध स्वाध्याय पुस्तकों का पुनर्मुद्रण निम्नानुसार किया गया–

1.	प्रथमादीक्षा (पांच पुस्तकों का सेट)	9वां पुनर्मुद्रण	7000 प्रतियां
		10वां पुनर्मुद्रण	10000 प्रतियां
2.	संक्षेपरामायणम्	पुनर्मुद्रण	1000 प्रतियां
3.	भर्तृहरिनीतिशतकम्	पुनर्मुद्रण	1000 प्रतियां

5. पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए दो वर्ष की अवधि वाले पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन दो स्तरों पर करता है, अर्थात् (अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम। वर्ष 2011-2012 के दौरान पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से संस्कृत अध्ययन हेतु 1405 (1401 भारतीय एवं 4 विदेशी) नये छात्रों ने पंजीयन करवाया।

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या
1.	हिन्दी माध्यम (प्रथम वर्ष)	731
2.	हिन्दी माध्यम (द्वितीय वर्ष)	19
3.	अंग्रेजी माध्यम (प्रथम वर्ष)	647
4.	अंग्रेजी माध्यम (द्वितीय वर्ष)	08
	कुल	1405

6.5 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा विभाग का मुख्य दायित्व, विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन तथा संस्थान के परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन कराना है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री, शिक्षा आचार्य तथा विद्यावारिधि जैसी विभिन्न परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र प्रवेश पाते हैं। ये परीक्षाएँ शैक्षिक परिषद् एवं परीक्षा मंडल द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2011-12 में परिसरों एवं मानित (संबंध) संस्थाओं में विभिन्न कक्षाओं के लिए कुल 16787 छात्रों ने प्रवेश लिया। इन सभी छात्रों में से कुल 13465 छात्रों ने परीक्षा दी। वर्ष 2011-12 में केन्द्रीय रूप से आयोजित, अलग-अलग कक्षाओं एवं उनके छात्रों की संख्याओं सहित, शामिल विभिन्न परीक्षाओं एवं उनमें उत्तीर्ण होने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है:-

क्रमांक	कक्षा	परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण
1.	प्रथमा–III	190	182
2.	पूर्वमध्यमा–II	1121	993
3.	उत्तरमध्यमा–II	355	346
4.	प्राक्शास्त्री–II	1041	994
5.	शास्त्री–I	1502	1231
6.	शास्त्री–II	1574	1439
7.	शास्त्री–III	1403	1354
8.	आचार्य–I	1082	1009
9.	आचार्य–II	842	815
10.	शिक्षाशास्त्री	731	731
11.	शिक्षाआचार्य	61	61
12.	शास्त्री सेमिस्टर-I	580	523
13.	शास्त्री सेमिस्टर-II	572	537

14.	शास्त्री सेमिस्टर-III	420	388
15.	शास्त्री सेमिस्टर-IV	418	399
16.	आचार्य सेमिस्टर-I	474	462
17.	आचार्य सेमिस्टर-II	447	446
18.	आचार्य सेमिस्टर-III	325	319
19.	आचार्य सेमिस्टर-IV	327	327
	योग	**13465**	**12556**

इस वर्ष के दौरान 26 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि से पुरस्कृत किया गया। इन शोध-छात्रों का विवरण **संलग्नक-घ** में दिया गया है।

इस वर्ष के दौरान शिक्षा शास्त्री/बी.एड. पाठ्यक्रम में संयुक्त पूर्व शिक्षा शास्त्री परीक्षा का संचालन राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरूपति, आन्ध्र-प्रदेश द्वारा किया गया। शिक्षाचार्य/एम.एड. एवं विद्यावारिधि/पी.एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु पूर्व शिक्षा आचार्य प्रवेश परीक्षा एवं पूर्व-शोध परीक्षा का आयोजन भी राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति आन्ध्र-प्रदेश द्वारा किया गया।

वार्षिक परीक्षा 2011-12 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है:

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	कक्षा/विषय	परिसर/संस्थान
1.	120156	गिरीश कुमार चौधरी	प्रथमा-III	वसंत ग्राम आदर्श सं.वि. नई दिल्ली
2.	116704	ज्योदीप गोराय	पूर्व माध्यमा-II	रामकृष्ण मठ, वि.वे.वि. पश्चिम बंगाल
3.	117591	विश्वजीत घोषाल	उत्तर माध्यमा-II	रामकृष्ण मठ, वि.वे.वी. पश्चिम बंगाल
4.	118532	अहल्या ए. भट्ट	प्राक् शास्त्री-II	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
5.	118545	वाणी मंजूनाथ हेगड़े	प्राक् शास्त्री-II	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
6.	108670	श्रुति जैन	शास्त्री-III	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
7.	20413	अशोक वशिष्ठ	आचार्य-II (नव्य-व्याकरण)	जयपुर परिसर, जयपुर
8.	1020999	महिमा तिवारी	आचार्य-II (प्रा.व्याकरण)	लखनऊ परिसर, लखनऊ
9.	20424	निशा शर्मा	आचार्य-II (साहित्यम्)	जयपुर परिसर, जयपुर
10.	20309	रोमालिन महापात्रा	आचार्य-II (सि.ज्योतिषम्)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
11.	20214	अमित कुमार शुक्ला	आचार्य-II (फ.ज्योतिषम्)	भोपाल परिसर, भोपाल
12.	113030	अजय कुमार पाण्डेय	आचार्य-II (सर्व.दर्शनम्)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
13.	20337	बाणी बंधन महापात्रा	आचार्य-II (धर्मशास्त्र)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
14.	20344	एलसा बहिनीपति	आचार्य-II (पुराणेतिहास)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
15.	112310	प्रदीप कुमार दीक्षित	आचार्य-II (शुक्लयजुर्वेद)	श्री बटुकनाथ,सं.म.वि., वाराणसी
16.	112453	ज्ञानेन्द्र पाण्डेय	आचार्य-II (पौरोहित्य)	रानी पी.टी.टी. आ.म.वि., वाराणसी
17.	112623	राज कुमार मण्डल	आचार्य-II (बौद्धदर्शनम्)	श्री.सीताराम वै.आ.सं.म.वि., कोलकत्ता
18.	20368	चिन्मयी साहू	आचार्य-II (सांख्ययोग)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
19.	20144	संदीप भास्कर के.	आचार्य-II (नव्य-न्याय)	श्री राजीव गांधी परिसर,शृंगेरी
20.	20149	जानकी शर्मा	आचार्य-(अद्वैत-वेदान्त)	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
21.	12938	प्रभाषिनी	शिक्षा-शास्त्री	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
22.	349	सृष्टि	शिक्षा-आचार्य	जयपुर परिसर, जयपुर

6.6 प्रशासन अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में प्रशासन अनुभाग नियमों, विनियमों और प्रक्रियानुसार आन्तरिक व्यवस्था के कार्य करता है। यह संस्थान के विभिन्न अंगीभूत परिसरों को अधिक प्रभावी और कार्यकुशल बनाने हेतु आवश्यक स्थापन सहायता प्रदान करता है। यह अनुभाग प्रमुख रूप से सामान्य प्रशासन, स्थापना सम्बन्धी मामलों, सेवा और आपूर्ति, भूमि और भवन अधिग्रहण, नए परिसरों की स्थापना और प्रबन्धन परिषद् तथा वित्त समिति की बैठकों के संचालन आदि कार्य करता है।

वेदव्यास परिसर के प्रथम चरण का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुकी है। इस उद्देश्य के लिये परिसर को रु. 474 लाख की धनराशि इस वर्ष दी गई। रु. 175 लाख भोपाल परिसर के द्वितीय चरण के निर्माण हेतु जारी किए गए है। इसके अतिरिक्त रू 177 लाख श्री सदाशिव परिसर, पुरी के द्वितीय चरण के निर्माण हेतु आबंटित किए गए है।

वर्ष 2011-12 में संस्थान के मुख्यालय में कार्यरत अनुभागानुसार स्टाफ की संख्या **संलग्नक-ज** में दी गई है।

सूचना के अधिकार के अधीन मुख्यालय कार्यालय में कुल 204 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये। जिसमें से 169 के उत्तर दिये जा चुके है। 31 प्रार्थना पत्र सम्बन्धित परिसरों को स्थानान्तरित किये गये हैं।

6.8 वित्त अनुभाग

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व निम्नलिखित हैं–

बजट (2011-2012) :

वर्ष 2010-11 की 428.04 लाख रूपये (रू 263.13 लाख योजनागत जिसमें रू. 108.78 लाख उत्तर-पूर्वी राज्यों एवं रू. 164.91 लाख योजनेत्तर हेतु) की अप्रयुक्त शेष धनराशि को वित्तीय वर्ष 2011-12 मे समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) 11228.04 लाख रूपये का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को संस्थान के अधीन इकाईयों को निम्नलिखित रूप से आबंटित किया गया:–

(रू. की संख्या लाखों में)

क्रमांक	एकक का नाम	योजना	योजनेतर	योग
1.	मुख्यालय	4047.71	1982.86	6030.57
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	185.87	626.93	812.80
3.	जम्मू परिसर	25.00	461.45	486.45
4.	इलाहाबाद परिसर	32.02	298.12	330.14
5.	गुरुवायूर परिसर	11.36	532.24	543.60
6.	जयपुर परिसर	15.03	635.14	650.17
7.	लखनऊ परिसर	32.45	528.17	560.62
8.	श्री राजीवगांधी परिसर, शृंगेरी	351.97	0.00	351.97
9.	वेद व्यास परिसर, बलहार	759.85	0.00	759.85
10.	भोपाल परिसर	517.71	0.00	517.71
11.	मुम्बई परिसर	184.16	0.00	184.16
	कुल योग	**6163.13**	**5064.91**	**11228.04**

वर्ष के दौरान यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत शिक्षण के विकास के अन्तर्गत अन्य विभिन्न योजनाओं तथा व्यय की अन्य रख-रखाव की मदों पर उपयोग में लाया गया।

लेखा :–

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु महानिदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय व्यय को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2011-12 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन **संलग्नक-ड** में रखे गए हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण :–

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

इस अनुभाग को संस्कृत, पाली/प्राकृत, अरबी तथा फारसी भाषाओं के लिए अपना उत्कृष्ट योगदान हेतु भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को मानदेय देने का कार्य भी सौंपा गया है। इसके साथ ही, देश भर के उन संस्कृत पंडितों को जो दयनीय अवस्था में रहते हैं, उन्हें वित्तीय सहायता देने की योजना का कार्यभार भी इसे सौंपा गया है।

6.8 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है:–

(i) स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को उनके संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान और संस्थान-भवन के निर्माण के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष में संस्थान द्वारा रुपये 695.72/- लाख की राशि व्यय की गई। वर्ष के दौरान 776 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(ii) अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा अखिल भारतीय शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन ऐसे परम्परागत छात्रों जो कि संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरूकुलों में अध्ययन रत है के लिए आयोजित किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता के आयोजन के साथ ही साथ राज्य स्तर पर भी इसी क्रम में प्रतियोगिता आयोजित की जाती है।

वर्ष 2011-12 में राज्य स्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिता निम्न स्थानों एवं राज्यों में आयोजित की गई।

1.	जम्मू और कश्मीर	: रणबीर परिसर, जम्मू
2.	हि.प्र., चण्डीगढ़, पंजाब	: गरली परिसर, गरली
3.	दिल्ली, हरियाणा	: एस.डी. आर्दश संस्कृत कॉलेज, अम्बाला
4.	उत्तराखण्ड	: श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिद्वार
5.	उत्तर-प्रदेश	: लखनऊ परिसर, लखनऊ
6.	राजस्थान	: जयपुर परिसर, जयपुर
7.	म.प्र./ छत्तीसगढ़	: भोपाल परिसर, भोपाल
8.	बिहार, झारखण्ड और पश्चिम बंगाल	: सीताराम आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकता
9.	उत्तरपूर्वी राज्य	: श्री राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय नम्बोल, मणिपुर

10. ओड़िशा	: सदाशिव परिसर, पुरी
11. गुजरात	: दर्शनम् संस्कृत, महाविद्यालय, छरोड़ी, गुजरात
12. गोवा और महाराष्ट्र	: के.जे. सौमेया परिसर, मुम्बई
13. आ.प्र./ पाण्डीचेरी और तमिलनाडु	: मद्रास आदर्श संस्कृत कॉलेज, चेन्नई
14. कनार्टक	: (कनार्टक सरकार द्वारा आयोजित)
15. केरल	: गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर

राष्ट्रीय स्तर की अखिल भारतीय शास्त्रीय प्रतियोगिताओं का आयोजन दिनांक 26-28 नवम्बर 2011 तक दर्शन संस्कृत महाविद्यालय, छारोड़ी, गुजरात में आयोजित किया गया। राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में चयनित 234 छात्रों ने 22 विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे की वाक्स्पर्धा 8 विभिन्न शास्त्रीय विषयों पर, 7 विभिन्न श्लाका परीक्षा परम्परागत शास्त्रीय ग्रन्थों से सम्बन्धित विषयों पर, 2 कंठपाठ प्रतियोगिता अमरकोश एवं अष्टाध्यायी पर समस्यापूर्ति एवं अन्ताक्षरी प्रतियोगिताओं में सम्मिलित हुये।

समारोह का उद्घाटन परमपूज्य श्री श्री सदगुरु शास्त्री श्री माधवाप्रियदास जी स्वामी, अध्यक्ष एस.जी.वी.पी., प्रो. रामकरण शर्मा, भूतपूर्व अध्यक्ष, संस्कृत स्टडीस अन्तराष्ट्रिय संघ (IASS) और डॉ. राजेन्द्र नानावती समोराह में मुख्य अतिथि थे। डॉ. हर्शद भाई त्रिवेदी, महासचिव, संस्कृत साहित्य अकादमी, गांधी नगर समारोह के मुख्य अतिथि थे। डॉ. मनीभाई प्रजापति, अध्यक्ष, ए.एन.एस.एस. स्वाध्याय संस्थान, मेहसाना एवं प्रो. पंकज एल जानी, कुलपति, श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय समापन समारोह के अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा उद्घाटन एवं समापन समारोह की अध्यक्षता की गई।

निम्न मूर्धन्य विद्वान प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में आमन्त्रित किये गये।

1. डॉ. रमाकान्त शुक्ल
2. विद्वान् महाबलेश्वर भट्ट
3. डॉ. एच. वी. नागराज राव
4. डॉ. श्रीकृष्णा शर्मा
5. प्रो. श्रीपदा सुब्रह्मयम्
6. प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी
7. प्रो. रामचन्द्र झा
8. डॉ. हरीराम मिश्र
9. डॉ. देवदत्त गोविन्द पटिल
10. प्रो. राजाराम शुक्ल
11. प्रो. सोमनाथ नेने
12. प्रो. विन्देश्वरी प्रसाद मिश्र
13. डॉ. आर. कृष्णमूर्त्ति शास्त्री
14. प्रो. रामाकृष्णा भट्ट
15. डॉ. जी.एस.आर. कृष्ण मूर्त्ति
16. प्रो. के.ई. देवनाथन

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालो को क्रमशः रू 7000/- स्वर्ण पदक सहित, रू 5000/- रजत पदक सहित एवं रू 3000/- कांस्य पदक सहित पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त श्लाका परीक्षा में 80% और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65% सहित प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को विशेष पुरस्कार क्रमशः रू 2000/- एवं रू 1500/- प्रदान किये गये।

कर्नाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विजयावैजन्ती प्राप्त की। गुजरात एवं राजस्थान राज्य क्रमशः द्वितीय एवं तृतीय स्थान पर रहे।

(iii) शास्त्रचूडामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत-संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संस्थाओं में की जाती है। प्रत्येक विद्वान् को रुपये 6000/- प्रति माह दो वर्ष की अवधि हेतु दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 70 अन्य शास्त्रचूडामणि विद्वानों का चयन वर्ष 2011-12 में किया गया। इस योजना के अन्तर्गत रु. 54.58/- लाख व्यय किए गए।

(iv) व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संस्थाओं को उनके ज्योतिष, कर्म-काण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2011-12 में रु. 5.36 लाख व्यय किए गए।

(v) मान्यता-प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 25 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से संस्थान के अधीन चल रही हैं। इस योजना के लिए वित्त का बड़ा भाग संस्थान द्वारा जारी किया जाता है। इस योजना के अन्तर्गत मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को व्यय की आवर्ती मदों पर 95% तथा अनावर्ती मदों पर 75% अनुदान दिया जाता है। इस वर्ष योजना के अधीन रुपये 1229.09 लाख तथा योजनेतर में रुपये 805.26 लाख रुपए की धनराशि संस्थान द्वारा इन संस्थाओं को दी गई।

(vi) संस्कृत शब्दकोश परियोजना

ऐतिहासिक सिद्धान्तों के आधार पर एक अतिव्यापक शब्दकोश तैयार करने की परियोजना डेकन कॉलेज, स्नातकोत्तर तथा शोध संस्थान, पुणे द्वारा आरम्भ की गई है। इस परियोजना में व्यय का प्रमुख स्रोत, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। इस परियोजना पर वर्ष 1948 में विचार किया गया था तथा संबद्ध सामग्री के संग्रहण के बाद सम्पादन-कार्य 1973 में प्रारम्भ किया गया। अब तक 9 खण्ड, जिनमें 24 भाग हैं, सम्पादित एवं प्रकाशित हो चुके हैं जिनमें एक लाख से अधिक शब्द सम्मिलित हैं। वर्ष 2011-12 के दौरान संस्कृत शब्दकोश परियोजना हेतु रुपये 30.00 लाख की राशि राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान द्वारा आबंटित की गई है।

(vii) भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मान-पत्र प्राप्त विद्वानों को मानदेय राशि

भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मान-पत्र प्राप्त विद्वानों को संस्थान प्रति वर्ष मानदेय राशि प्रदान करता है।

संस्कृत के लिए पुरस्कार

वर्ष 2008 से संस्कृत विद्वानों को 5 लाख रूपये की मानदेय राशि दी जा रही है।

पालि/प्राकृत, अरबी एवं फारसी हेतु पुरस्कार

पालि/प्राकृत, फारसी एवं अरबी के पुरस्कृत विद्वानों को जीवनपर्यन्त प्रति वर्ष 50,000/- रूपये की मानदेय राशि दी जाती है।

महार्षि बदरायण व्यास सम्मान

30 से 40 वर्ष की आयु वर्ग के युवा विद्वानों को संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी एवं फारसी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए महार्षि बदरायण व्यास सम्मान।

* संस्कृत में 5 पुरस्कार एक बार रु. 1 लाख की नकद राशि।
* पाली/प्राकृत में 1 पुरस्कार एक बार रु 1 लाख की नकद राशि।
* अरबी में 1 पुरस्कार एक बार रु 1 लाख की नकद राशि।
* फारसी में 1 पुरस्कार एक बार रु 1 लाख की नकद राशि।
* इस वर्ष के दौरान इस मद में रुपये 258.54 लाख व्यय किए गए।

(viii) उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में संस्कृत भाषा को प्रोत्साहन:

वर्ष 2011-12 में संस्थान ने देश के उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में संस्कृत भाषा के अध्ययन, प्रसार और प्रोत्साहन हेतु रुपये 178.93 लाख व्यय किए।

(ix) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए वित्तीय सहायता

संस्कृत संवर्धन की इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में शिक्षकों हेतु आधुनिक विषयों के लिए प्रतिमास रु. 6000/- प्रति विषय के हिसाब से वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। योजनानुसार प्रत्येक संस्था में वित्तीय सहायता को

आधुनिक विषयों में तीन शिक्षकों तक सीमित किया गया है।

संस्थान द्वारा वर्ष 2011-12 में इस योजना के अन्तर्गत रु. 59.76 लाख व्यय किए गए। 222 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

(x) विभिन्न राज्यों के विभिन्न सरकारी विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों हेतु वित्तीय सहायता:-

संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान विभिन्न राज्यों में सरकारी विद्यालयों के संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। यह सहायता एक संस्कृत शिक्षक के वेतन हेतु प्रदान की जाती है। वर्ष 2011-12 में कुल 105 सरकारी विद्यालयों लाभग्राही थे और इस योजना के अधीन रु. 40.73 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

(xi) विभिन्न परियोजनाओं पर गैर सरकारी संगठन, संस्कृत विश्वविद्यालयों, संस्थाओं को वित्तीय सहायता:-

गैर सरकारी संगठन/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/ विश्व-विद्यालयों/संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार हेतु आरम्भ की गई विविध परियोजनाओं व कार्यक्रमों से सम्बन्धित शत-प्रतिशत व्यय का वहन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किया जाता है।

वर्ष 2011-12 में संस्थान ने विभिन्न परियोजनाओं हेतु रु. 114.50 लाख व्यय किए। शोध परियोजनाओं, राष्ट्रीय/ अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठीयों का ब्यौरा निम्न है।

क्र.सं.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	शोध परियोजनाओं का नाम
1.	संस्कृत साहित्य परिषद्, 168/1, राजा दीनेन्द्र स्ट्रीट, कोलकाता-70004 (प.बं.)	बंगाल के परम्परागत पंडितों का वृद्धि विशेष, पोषण एवं संस्कृत भाषा के विकास में योगदान।
2.	महर्षि पातंजलि संस्कृत संस्थान, (मध्यप्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग का उपक्रम) तुलसी नगर, भोपाल, मध्यप्रदेश-462003	महाकवि कालिदास की समग्र कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर आधारित कालिदास प्रसंग का आयोजन
3.	राजकीय संस्कृत कालेज, त्रिपुनीथुरा, केरल	SASTRA SADAS हेतु वित्तीय सहायता।
4.	संस्कृत साहित्य परिषद्, 168/1, राजा दीनेन्द्र स्ट्रीट, कोलकाता-70004 (प.बं.)	संस्कृत-अंग्रेजी तकनीकी शब्दकोश के प्रकाशन हेतु
5.	सरस्वती, सरस्वती विहारा, बरापदा, भद्रक - 756113 (ओडिशा)	पाम के पत्तों पर उपलब्ध पाण्डुलिपियों का वर्णनात्मक पुस्तक सूची का निर्माण।
6.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, विश्वविद्यालय	पाणिनीयव्याकरणे उत्सर्गापवादशैल्या अनुसंधानात्मक विश्लेषणम्।
7.	राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) भोपाल परिसर, संस्कृत मार्ग बाग सेवनिया, भोपाल (एम.पी.)	बृहद् अनुसंधान परियोजना।

क्र.सं.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	शोध परियोजनाओं का नाम
8.	पाणिनीय शोध संस्थानम्, आर्य समय के पास, गोंडापरा, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)	नव्यसिद्धान्तकौमुदीमदी लेखन परियोजना
9.	श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कलाडी, केरल	संस्कृत अध्ययन केन्द्रों की संख्या।
10.	इन्स्टीट्यूट ऑफ संस्कृत एवं इन्डोलॉजिकल स्टडीज, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	पदानुकरण कोश का प्रकाशन।

क्र.सं.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन
1.	संस्कृत भारती, अक्षरधाम, 8वां क्रास, फेस 2, गिरिनगर, बैंगलूर	प्रथम विश्व-संस्कृत पुस्तक मेला
2.	संस्कृत विभाग पालि-प्राकृत एवं प्राच्य भाषा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय (उ.प्र.)	पश्चिमी विवेचना में संस्कृत
3.	उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, संस्कृत भवन, हरिद्वार, उत्तराखण्ड	वैशेषिक सन्दर्भ में संस्कृत
4.	विशेष संस्कृत अध्ययन केन्द्र, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	चतुर्थ अन्तराष्ट्रिय संस्कृत कम्पूटेशनल भाषाई संगोष्ठी।
5.	श्री वादिराजा रिसर्च फाउंडेशन, श्री पुथीग मठ, कार स्ट्रीट, उडुपी, कर्नाटक	वेद विद्या विजनाना पर त्रिदिवसीय अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन।
6.	लोक भाषा प्राच्य समिथि, बारापादा, भद्रक, ओड़िशा	भाक्तकवि श्री जयदेव समारोह का आयोजन।
7.	कालिकट विश्वविद्यालय, केरल - 673635	राष्ट्रीय शास्त्रार्थ।
8.	कालिदास संस्कृत अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृत परिषद्, उज्जैन (मध्य प्रदेश)	1. सारस्वतम्-संस्कृत साहित्य पर केन्द्रित परिसम्वाद/व्याख्यान। 2. संस्कृत गौरव दिवस-संस्कृत साहित्य एवं पतञ्जली पर केद्रित कार्यक्रम। 3. संस्कृत-नाट्य समारोह-संस्कृत नाट्यविधा के सन्रक्षार्थ त्रिदिवसीय आयोजन। 4. बाल्मीकि समारोह-महर्षि बाल्मीकि के साहित्य पर केन्द्रित द्विदिवसीय कार्यक्रम।

क्र.सं.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन
		5. भवभूति समारोह महर्षि भवभूति के साहित्य पर केन्द्रित द्विदिवसीय कार्यक्रम। 6. भोज महासभा-राजा भोज के सारस्वताध्ययनम् पर केन्द्रित द्विदिवसीय कार्यक्रम। 7. राजशेखर समारोह-महाकवि बाणभट्ट के साहित्य पर केन्द्रित त्रिदिवसीय कार्यक्रम। 8. कलपवली-वेद, दर्शन, साहित्यकला पर केन्द्रित त्रिदिवसीय कार्यक्रम 9. बाणभट्ट समारोह-महाकवि बाणभट्ट के साहित्य पर केन्द्रित त्रिदिवसीय कार्यक्रम। 10. शंकर समारोह-आचार्य शंकर के साहितय पर केन्द्रित त्रिदिवसीय कार्यक्रम। 11. भर्तृहरि प्रसंग-शातक्कर भर्तृहरि के साहित्य पर केन्द्रित द्वि दिवसीय कार्यक्रम। 12. विक्रमोत्सव-सम्वत् प्रवर्तक शकरी विक्रमादित्य पर केन्द्रित कार्यक्रम।
9.	राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति-517064 (आं.प्र.)	अखिल भारतीय संस्कृत छात्र प्रतिभा समारोह।
10.	उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थानम्, संस्कृत भवनम्, नया हैदराबाद, लखनऊ (उ.प्र.)	अखिल भारतीय व्यास महोत्सव।
11.	देववाणी परिषद्, दिल्ली, वाणि विहार, उत्तम नगर, नई दिल्ली	पण्डित राजमहोत्सव-रजत जयंती समारोह 2012
12.	नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ वैदिक साइंस ट्रस्ट, (आर.) नं. 58, राघवेन्द्र कॉलोनी, 5वां मेन, चमाराजपेत, बैंगलोर-560018	प्राचीन भारत में जीव विज्ञान एवं तकनीकी विषय पर चतुर्थ अन्तराष्ट्रीय सम्मेलन।
13.	चिन्मय इन्टरनेशनल फाउंडेशन शोध संस्थान, आदि शंकरा नीलयम्, आदि शंकरा मार्ग, वेलियानाद, अरनाकुलम-682319 (केरल)	संस्कृत परिक्षण के समझने हेतु संस्कृत कम्प्यूटेशनल उपकरण पर एक सप्ताह की कार्यशाला।
14.	श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली - 110016	द्विदिवसीय राष्ट्रिय संस्कृत संगोष्ठी।

6.9 पालि एवं प्राकृत

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय भारत सरकार ने वर्ष 2008-09 में 11वीं योजना काल के दौरान रू 5 करोड़ पालि एवं प्राकृत भाषाओं के प्रोत्साहन के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को प्रदान किये। वर्ष 2011-12 में पालि एवं प्राकृत अध्यायन की उन्नति के लिए निम्नलिखित गतिविधियाँ सम्पन्न हुई।

पालि अध्ययन केन्द्र लखनऊ परिसर में एवं प्राकृत अध्ययन केन्द्र जयपुर परिसर में स्थापित किया गया।

वर्ष 2009 में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा पालि एवं प्राकृत भाषाओं के विकास योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित नियुक्तियाँ हुई एवं निम्न शोध परियोजनाएँ सौंपी गई।

विकास अधिकारी-02 (पालि एवं प्राकृत दोनों में एक)

वरिष्ठ शोध अध्येता - 10 (पालि एवं प्राकृत में पाँच-पाँच)

कनिष्ठ शोध अध्येता - 10 (पालि एवं प्राकृत में पाँच-पाँच)

विकास अधिकारी (प्राकृत) एवं वरिष्ठ शोध अध्येता एवं कनिष्ठ शोध अध्येता प्राकृत अध्ययन केन्द्र, जयपुर परिसर में तथा पालि भाषा के कनिष्ठ शोध अध्येता एवं वरिष्ठ शोध अध्येता पालि अध्ययन केन्द्र लखनऊ परिसर में कार्यरत है। विकास अधिकारी (पालि-प्राकृत) एवं एक कनिष्ठ शोध अध्येता एवं एक वरिष्ठ शोध अध्येता पालि तथा दो कनिष्ठ शोध अध्येता प्राकृत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय में कार्यरत है।

पालि एवं प्राकृत भाषा के लिए पाठ्यक्रम एवं अध्ययन सामग्री

आचार्य परीक्षाओं में ऐच्छिक विषय के रूप में जैन एवं बौद्ध धर्म का पाठ्यक्रम तैयार कर लिया गया है।

दूरस्थ शिक्षा के अन्तर्गत पालि एवं प्राकृत प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम तैयार एवं मुद्रित कर लिया गया।

प्रकाशित ग्रन्थ

1. **"प्राकृत भाषा और व्याकरण के विविध आयाम"** नामक ग्रंथ का प्रकाशन किया गया है।

2. 'भारतीयपरम्परायां प्राकृतभाषाय: साहित्यस्य च अवदानम्' विषयक राष्ट्रियप्राकृतसंगोष्ठी के शोधपत्रसार का प्रकाशन।

3. सुत्तपिटके खुद्दकनिकाये **खुद्दकपाठपालि** एवं **उदानपालि** एवं **इतिवुत्तकपालि** (संस्कृतच्छाया-हिन्दी अनुवादसहितम्)

4. **सुत्तनिपातपालि** (रोमन-संस्कृतच्छाया-हिन्दी-आङ्गलानुवादसहितम्)

5. **विमानवत्थुपालि** एवं **पेतवत्थुपालि** (संस्कृतच्छाया-हिन्दी अनुवादसहितम्)

6. **थेरगाथाथेरीगाथापालि** (संस्कृतच्छाया-हिन्दी अनुवाद-सहितम्)

7. **संयुत्तनिकाय सगाथवग्गपालि** (संस्कृतच्छाया- हिन्दी अनुवादसहितम्)

प्रकाशनाधीन ग्रंथ

1. **जातक पालि एकक एवं दुकनिपात** (रोमन-संस्कृतच्छाया-हिन्दी-आङ्गलानुवादसहितम्)

2. **भद्रबाहु कृत क्रियासार** (संस्कृतच्छाया)

3. **रयणसार** (संस्कृतच्छाया)

4. **णाणसार** (संस्कृतच्छाया)

5. **आख्यानकमणिकोश सवृत्ति** (हिन्दी अनुवाद)

6. **धूर्ताख्यान** (संस्कृतच्छाया-हिन्दी अनुवादसहितम्)

7. **नाट्यशास्त्र के प्राकृत सन्दर्भ** (संस्कृतच्छाया)

8. **ऑनलाइन के प्राकृत-संस्कृत शब्दकोश**

राष्ट्रिय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों व संगोष्ठियों का आयोजन

मई 2011 में तीन दिवसीय पालि/प्राकृत संस्कृत छाया कार्यशाला (लखनऊ परिसर) का आयोजन हुआ जिसमें विशेषज्ञों द्वारा ग्रन्थों का संशोधन कार्य सम्पन्न हुआ।

प्राकृत शिक्षण पाठ्यशाला का आयोजन भोगीलाल लेहरचन्द प्राच्य विद्या संस्थान, दिल्ली में बी. एल. आई. एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संयुक्त तत्वाधान मे दिनांक 08 मई से 21 मई 2011 में किया गया।

"डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान शृंखला" का आयोजन 2011 में प्रो. उमाशंकर व्यास के व्याख्यान के साथ सम्पन्न हुआ।

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन का आयोजन आई.एस. बी.एस एवं राष्ट्रियं संस्कृत संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में

सिक्किम में दिनांक 16-18 सितम्बर 2011 को किया गया।

मार्च 2012 में 14 दिवसीय पालि/प्राकृत संस्कृतच्छाया सम्पादन संशोधन कार्यशाला (लखनऊ परिसर) सम्पन्न हुई जिसमें पलि के 9 ग्रन्थों का संशोधन एवं सम्पादन कार्य सम्पन्न हुआ।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान तथा लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विद्यापीठ के संयुक्त तत्वाधान में त्रिदिवसीय '**भारतीयपरम्परायां प्राकृतभाषायः साहित्यस्य च अवदानम्**' राष्ट्रिय प्राकृत संगोष्ठी का आयोजन।

मार्च 2012 में 8 दिवसीय प्राकृत संस्कृतच्छाया सम्पादन संशोधन कार्यशाला (मुख्यालय परिसर) में सम्पन्न हुई जिसमें प्राकृत के 14 ग्रन्थों एवं पालि के 1 ग्रन्थ का संशोधन एवं सम्पादन कार्य सम्पन्न हुआ।

पालि एवं प्राकृत में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

यह पाठ्यक्रम लखनऊ एवं जयपुर परिसर द्वारा संचालित है। 40 छात्रों ने प्रवेश लिया जिसमें 38 छात्रों को उत्तीर्ण घोषित किया गया।

6.10 परियोजनायें

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 2004 से कुछ परियोजनायें प्रारम्भ की हैं। परियोजनाओं का वर्तमान प्रतिवेदन इस प्रकार हैं-

1. भाषा मन्दाकिनी (दूरदर्शन प्रसारण)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सितम्बर, 2003 से संस्कृत कार्यक्रमों का प्रसारण इग्नू के ज्ञान दर्शन चैनल के द्वारा प्रतिदिन एवं सप्ताह में तीन दिन क्रमशः डी.डी. भारती और डी.डी. इण्डिया से कराता है। वर्ष 2011-12 के दौरान, तीन मिनट के 730 कथानक इग्नू से, तीस मिनट के 153 कथानक डी.डी. इण्डिया से और 156 कथानक डी.डी. भारती से प्रसारित हो चुके हैं।

2. संस्कृत साहित्य का राष्ट्रिय ई-डाटा बैंक (ई-टैक्स्ट्)

परियोजना का उद्देश्य संस्कृत में ई-लर्निंग विकसित करना एवं ई-संस्कृत संग्रह को इलैक्ट्रानिक्स टैक्स्टों एवं इन्टरनेट के माध्यम से जन सामान्य को उपलब्ध कराना है। संस्थान के विभिन्न परिसरों के शिक्षकों को उनकी विशेषज्ञता एवं अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर ग्रंथ आबंटित किये गये हैं। ग्रंथों को टंकित करने एवं कम्प्यूटर पर फाईल तैयार करने के लिए डाटा एन्ट्री आपरेटरों की नियुक्ति की गयी है।

36 ग्रन्थ वेबसाईट पर डाल दिये गये हैं। पालि की एक पुस्तक Parmanvartik भी सर्च मोड सहित वेबसाईट पर डाली जा चुकी है।

3. श्रव्य/दृश्य माध्यमों के द्वारा संस्कृत शिक्षण (मल्टी मीडिया परियोजना)

इस परियोजना में, डीवीडी एलबम तैयार किये जा चुके है। संस्कृत भाषा शिक्षण, वैदिक गणित, संक्षेप रामायणम, नाट्यविंशतिका, कथादशकम्, प्रथमा दीक्षा वी.सी.डी. तदेव गगनं सैव धरा, कविभास्करी, अभिशाकुन्तलम्, शब्दकल्पद्रुम एवं प्रथम स्तरीय प्रथम दीक्षा का कम्प्यूटर कार्यक्रम के अन्तर्गत कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कथादशक की 10 कहानियों की सी.डी. का भी इसी वर्ष विमोचन किया जा चुका है।

4. प्रस्तुत कथानक

दूरदर्शन प्रसारण के 131 कथानक 2011-12 वर्ष के दौरान तैयार हो चुके हैं। मार्च 2011 तक कुल 872 कथानक तैयार हो चुके हैं।

5. एम.पी.-3 ऑडियो

तत्त्वचिन्तामणि के सभी खण्डों को प्रो. के.ई. देवनाथन, तिरुपति द्वारा रिकार्ड कर लिया गया है। इसके दो भाग पहले ही पूर्ण किये जा चुके हैं।

6. ई-ग्रन्थालय

ई-ग्रन्थालय साफ्टवेयर के द्वारा संस्थान एवं सभी परिसरों के पुस्तकालयों को नेटवर्किंग के माध्यम से निकट भविष्य में जोड़ा जा रहा है। प्रथम स्तर पर 50,000 प्रविष्टियां की जा चुकी हैं।

7. मानस साफ्टवेयर

मानस साफ्टवेयर के द्वारा इलाहाबाद परिसर में स्थित संस्कृत पाण्डुलिपियों का डाटा बैंक तैयार किया जा रहा है।

8. हू इज हू

संस्थान संस्कृत के विद्वानों का डाटा बैंक पुस्तक के रूप में और साफ्टवेयर के रूप में तैयार कर रहा है। पुस्तक के रूप में "संस्कृतविद्वत्परिचायिका" तैयार की जा चुकी है।

9. संस्कृत शब्दकोश

अन्तर्भाषायी अध्ययन भाषाओं के प्रोत्साहन व संरक्षण के लिये एक उपयुक्त मार्ग उपलब्ध करा सकता है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने "बोलियों व उप-बोलियों सहित संस्कृत एवं अन्य भारतीय भाषाओं का शब्दकोश" की एक परियोजना प्रारम्भ की है। यह परियोजना 2009 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन वित्तीय सहायता के साथ शुरू की गयी है। एक परियोजना अध्येता की नियुक्ति की गई। प्रथम खण्ड तैयार किया जा रहा है, यदि इस मद में धन उपलब्ध होता है तो संस्कृत के साथ भारतीय भाषाओं, बोलियों और उपबोलियों के संबन्ध में क्षेत्रीय केन्द्र स्थापित किये जा सकते है। आशा है यह संस्कृत भाषा के साथ संकटग्रस्त भाषाओं हेतु सहायक सिद्ध होगी। यह विविध भारतीय बोलियों व उप-बोलियों में समान परिभाषिक शब्दों के अध्ययन के माध्यम से पारम्परिक ज्ञान एवं भाषाई दक्षता के संरक्षण एवं सुरक्षा में भी योगदान देगी।

10. सांख्ययोग/पातञ्जल योग दर्शन

इस परियोजना में पातञ्जल योगदर्शन के नवीन संस्करण को तैयार किया जा रहा है जिसमें स्मृद्ध अलंकारपूर्ण पारिभाषिक शब्दों एवं बारह पौराणिक टीकाओं का समावेश है यह प्राच्य संस्कृत पाठ्यपुस्तकों के संरक्षण में सहायक होगी। इस विशाल परियोजना में दो वरिष्ठ शोध अध्येता राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में सहयोग कर रहे हैं।

11. पाण्डुलिपियों के डिजिटाईजेशन एवं एकत्र करने हेतु विशेष अभियान

संस्थान के सभी परिसरों में स्वतंत्र पुस्तकालय हैं। इसके अतिरिक्त इलाहाबाद, पुरी, गुरुवायूर एवं लखनऊ परिसरों में पाण्डुलिपियों हेतु अलग से ग्रन्थालय का प्रावधान है। 2008-09 से गुरुवायूर परिसर द्वारा पाण्डुलिपियों को एकत्र करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया है। संस्थान द्वारा उपलब्ध पाण्डुलिपियों के **डिजिटाईजेशन** हेतु परिसरों के विभिन्न पुस्तकालयों में पहल की जा रही है। **डिजिटाईजेशन** का कार्य राष्ट्रीय सूचना केन्द्र (एन.आई.सी.) के माध्यम से सम्पन्न होगा।

6.11 पुस्तकालय एवं विक्रय इकाई

संस्थान सभी दस परिसरों के समृद्ध पुस्तकालयों के अतिरिक्त मुख्यालय में भी शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 26000 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय है। परियोजना अधिकारी इस कक्ष के प्रधान हैं जो विक्रय व कम्प्यूटर के कार्यों की भी देखरेख करते हैं। संस्थान के अधीन सभी पुस्तकालयों की नेटवर्किंग 2011-12 में आरम्भ की गई है। 50,000 प्रविष्टियाँ की जा चुकी हैं।

इकाई ने परिसरों को पहले से ही कम्प्यूटर प्रदान कर दिए हैं। संस्थान के पुस्तकालय हेतु वर्ष में प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण तथा बिक्री आय निम्नलिखित है-

पुस्तकालय		
1.	क्रीत ग्रन्थ	रूपये 1,40,372.00
2.	उपहार के रूप में प्राप्त ग्रन्थ	रूपये 1,54,169.00

विक्रय		**आय**
1.	पुनर्मुद्रित दुर्लभ ग्रन्थ	रूपये 11,48,881.70
2.	संस्थान के प्रकाशन	रूपये 18,46,075.00
3.	ज्ञानदर्शन डी.वी.डी.	रूपये 05,45,373.00
	कुल योग	**रूपये 35,40,329.70**

6.12 मुक्त स्वाध्यायपीठम्
(दूरस्थ शिक्षा संस्थान)

1. मुक्त स्वाध्यायपीठम् (दूरस्थ शिक्षा संस्थान)

मुक्तस्वाध्यायपीठ, दूरस्थ शिक्षा परिषद्, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्तविश्वविद्यालय, नई दिल्ली से मान्यता प्राप्त, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का एक स्वायत्त संस्थान है, जिसकी स्थापना अगस्त, 2010 ई. में हुई। वर्तमान में संस्थान के सभी परिसरों के माध्यम से इसके स्वाध्याय केन्द्र संचालित हो रहे हैं। इस समय संस्थान मुख्यालय के साथ कुल 11 स्वाध्याय केन्द्र हैं। इसकी वर्ष में 05 सम्पर्क कक्षाएं चलती हैं, जिनमें परीसरीय प्राध्यापकों/संस्थान मुख्यालय स्थित प्राध्यापकों द्वारा शिक्षण कार्य सम्पन्न किया जाता हे। मुक्तस्वाध्यायपीठ द्वारा अध्येताओं के लिए समय-समय पर विशेष कक्षाओं का भी आयोजन किया जाता रहा है। इसका अपना एक समृद्ध पुस्तकालय हैं तथा निदेशक, उपनिदेशक को लेकर कुल 10 प्राध्यापक हैं। सत्र 2011-12 में कुल अध्येताओं की संख्या 250 थी।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

1. प्राक्शास्त्री (2 वर्ष)-(साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष)
2. प्राक्शास्त्री सेतु (6 माह)-(संस्कृतावतरणी)
3. शास्त्री (3 वर्ष) - (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष)
4. शास्त्री सेतु (1 वर्ष) - (संस्कृतावगाहनी)
5. आचार्य (2 वर्ष) - (व्याकरण, साहित्य)

प्रस्तवित पाठ्यक्रम

दूरस्थ शिक्षा परिषद् से स्वीकृति मिलते ही अधोलिखित प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों (Certificate Courses) को यथाशीघ्र संचालित किया जाना है, जिसकी प्रक्रिया अन्तिम चरण में हैं-

1. पालि प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम
2. प्राकृत प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम
3. संस्कृत पत्रकारिता पाठ्यक्रम

अधोलिखित प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रमों के क्रियान्वयन पर त्वरित कार्यवाही चल रही है, इसके पूर्ण होते ही दूरस्थ परिषद् से संचालनार्थ स्वीकृति ली जाएगी।

1. संस्कृत अंग्रेजी अनुवाद प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम
2. संस्कृत हिन्दी अनुवाद प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम
3. नाट्यशास्त्र प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

अधोलिखित पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु अभिकल्पसमिति द्वारा स्वीकृति मिल गई है, जिन पर कार्यवाही पूरी की जा रही है-

1. शारीरिक शिक्षा एवं योग का प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम
2. आयुर्वेद में प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम
3. वास्तुशास्त्र में प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम
4. भारतीय काव्यशास्त्र में प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम

प्रवेशित छात्र (2011-12)

स्वाध्याय केन्द्र		प्राक् शास्त्री (प्र.वर्ष)	प्राक् शास्त्री सेतु	शास्त्री			शास्त्री सेतु	आचार्य			कुल
				सा.	व्या.	ज्यो.		सा.	व्या.	ज्यो.	
1.	दिल्ली	01(1स)	-	03	-	1	22	05	-	-	32
2.	बलाहर7	01(व.)	-	-	-	-	04	-	-	-	05

प्रवेशित छात्र (2011-12)

स्वाध्याय केन्द्र		प्राक् शास्त्री (प्र.वर्ष)	प्राक् शास्त्री सेतु	शास्त्री			शास्त्री सेतु	आचार्य			कुल
5.	जयपुर	01 स	–	–	01	–	03	06	–	–	11
4.	पुरी	02 व्य	05	02	–	–	01	74	02	–	86
5.	जम्मू	–	01	01	–	03	03	–	–	–	08
6.	मुम्बई	–	04	01	01	–	01	01	01	–	09
7.	गुरुवायूर	11	05	11	04	01	08	10	–	–	50
8.	लखनऊ	–	–	–	01	01	02	–	01	–	05
9.	भोपाल	01 व्य.	–	01	–	–	05	04	–	–	11
10.	इलाहाबाद	02 व्य.	02	–	–	–	07	01	–	–	12
11.	शृंगेरी	03 व्य.	01	–	03	01	03	02	07	–	20
योग		**22**	**18**	**36**			**59**	**114**			**249**

परिसरों की एक झलक

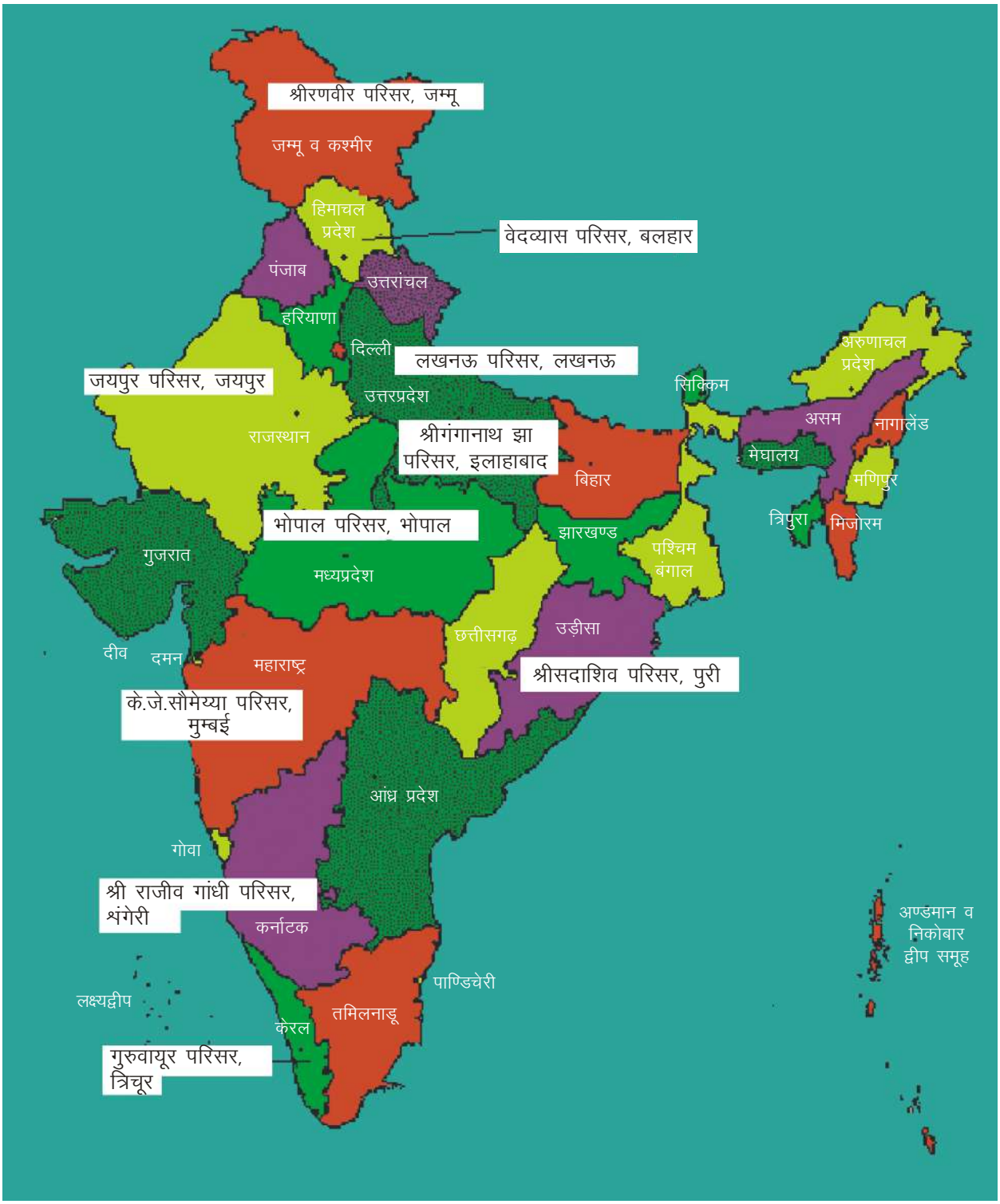
श्रीरणवीर परिसर, जम्मू
जम्मू व कश्मीर
हिमाचल प्रदेश
वेदव्यास परिसर, बलहार
पंजाब
उत्तरांचल
हरियाणा
दिल्ली
लखनऊ परिसर, लखनऊ
जयपुर परिसर, जयपुर
उत्तरप्रदेश
राजस्थान
श्रीगंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद
बिहार
भोपाल परिसर, भोपाल
गुजरात
मध्यप्रदेश
झारखण्ड
पश्चिम बंगाल
छत्तीसगढ़
उड़ीसा
दीव
दमन
महाराष्ट्र
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी
के.जे.सौमेय्या परिसर, मुम्बई
आंध्र प्रदेश
गोवा
श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
कर्नाटक
पाण्डिचेरी
लक्ष्यद्वीप
तमिलनाडू
केरल
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
सिक्किम
अरुणाचल प्रदेश
असम
नागालेंड
मेघालय
मणिपुर
त्रिपुरा
मिजोरम
अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह

7. परिसर

7.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)

परिसर के विषय में

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (गंगानाथ झा परिसर) पहले गंगानाथ झा शोध संस्थान (1943-1971) और उसके बाद गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ (1971-2002), मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन 17 नवम्बर 1943 को भारतीय प्राच्य विद्या के सुप्रसिद्ध विद्वान महामहोपाध्याय प्रो. सर गंगानाथ झा स्मृति में स्थापित किया गया था। प्रारम्भ से ही, अनेक सुप्रसिद्ध भारतीय संस्कृति के विद्वान और प्रकाण्ड पण्डित जैसे म.म.डा.गोपीनाथ कविराज, डॉ. ईश्वर प्रसाद, म.म.डा. उमेश मिश्र, पं. प्रकाश चन्द्र चट्टोपाध्याय और कई अन्य इस शोध संस्थान से निकट से सम्बद्ध रहे हैं। यह संस्थान बहुमूल्य शोध परियोजनाओं, प्राचीन संस्कृत पाण्डुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों और उनके प्रकाशन कार्यो के समन्वय के लिए सुप्रसिद्ध है। म.म.डा. सरगंगानाथ झा के दुर्लभ संग्रह से पाण्डुलिपि ग्रन्थालय का प्रारम्भ हुआ उसके बाद अनेक नए संग्रह प्राप्त कर लिए गए। वर्तमान मे पाण्डुलिपि ग्रन्थालय में विभिन्न विषयों पर और विभिन्न लिपियों में 50,000 से भी अधिक कागजों पर तथा पाम के पत्रों पर लिखी पाण्डुलिपियों से सम्पन्न है जो प्रायः 13 से 15 ईसवी ए.डी. से सम्बद्ध हैं।

संस्कृत और भारतीय संस्कृति से सम्बद्ध विषयों पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर का एक जर्नल भी इस संस्था द्वारा प्रारम्भ से ही प्रकाशित किया जा रहा है जिसमें पाठ्यपुस्तकों पर आधारित अध्ययनों अर्थात् पाठ्यपुस्तक समालोचनाओं को तथा पाण्डुलिपियों और पाण्डुलिपि विज्ञान से सम्बद्ध बहुमूल्य शोध कार्यों को प्राथमिकता दी जाती है। इसके अतिरिक्त, कुछ छोटी और दुर्लभ पाण्डुलिपियों को भी इस पत्र में गैर्वाणवाणी गौरवग्रन्थमाला शृंखला शीर्षक के अन्तर्गत परिशिष्ट में सम्मिलित किया जाता है। वह भी बताना यहाँ उचित होगा कि यहाँ पुस्तकें सामान्यतः दो धाराओं में प्रकाशित की जाती हैं अर्थात् गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ सीरीज (प्रमुख धारा) और गैर्वाणवाणीगौरवग्रन्थमाला सीरिज (गौण धारा)। इन दोनों धाराओं के अन्तर्गत प्रकाशित पुस्तकों के विशिष्ट सामान्य लक्षण हैं।

प्रायः अधिकांश पुस्तकें गंगानाथ झा परिसर के पाण्डुलिपि ग्रन्थालय में उपलब्ध पाण्डुलिपियों की सहायता से सम्पादित या समालोचनात्मक विधि से सम्पादित की गई होती है।

अनेकों शोधकर्ता छात्र राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की 'विद्यावारिधि' (पी.एच्.डी)उपाधि प्राप्त करने के लिए यहाँ नामांकित किए जाते हैं। यहाँ के पुस्तकालय और पाण्डुलिपि विभाग केवल यहाँ स्टाफ और सदस्यों के लिए ही नहीं, बल्कि सभी विद्वानों के लिए एक संदर्भ पुस्तकालय के रूप में उपलब्ध है।

परिसर में नामांकित शोध-विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के अतिरिक्त यहाँ के शैक्षणिक विभाग के आचार्यगण अपने-अपने शोध कार्य में जो उन्हें संस्थान द्वारा निर्दिष्ट किये जाते है, निरन्तर लगे रहते हैं।

अ. गौरवमय इतिहास

म.म. सर गंगानाथ झा (1871-1941) प्राच्य विद्या सम्पन्न और भारतीय विद्याओं के अन्तर्राष्ट्रिय ख्याति प्राप्त सुप्रसिद्ध विद्वान थे उन्होंने 1911 में इलाहाबाद में प्राच्य विद्या विषयक शोध संस्थान खोलने की योजना बनाई।

इस संस्थान की स्थापना डा. सर गंगानाथ झा की द्वितीय पुण्य स्मृति दिवस 17.11.43 को हुई, जिससे उनके नाम और कृतियों को अमर बनाया जा सके। इस संस्थान का उद्घाटन महामना पण्डित मदनमोहन मालवीय द्वारा किया गया था।

इस संस्थान का पञ्जीकरण 12 जुलाई 1945 को हुआ। वर्तमान भवन की नींव 13 फरवरी 1945 को माननीय राज्यपाल (उ.प्र.) मॉरिस जी हेलेट द्वारा रखी गई। इस संस्थान को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली (मानव संसाधन विकास मन्त्रालय भारत सरकार के अधीनस्थ) द्वारा अपने अधीन 1971 में कर लिया गया और इसका नामकरण गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ हो गया। 2002 के बाद जब संस्थान को विश्वविद्यलाय अनुदान आयोग द्वारा मानितविश्वविद्यालय घोषित कर दिया गया, तबसे इसका नाम गंगानाथ झा परिसर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान हो गया।

ब. महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

रजत जयन्ती समारोह

इस संस्थान ने 1969 में अपना रजत जयन्ती उत्सव मनाया। भारत के पूर्व राष्ट्रपति श्री वी.वी.गिरि और उ.प्र. के राज्यपाल डा. गोपाल रेड्डी ने इस अवसर पर पधारकर शोभा बढाई। अन्य गणमान्य व्यक्ति जो उपस्थित हुए, वे थे- आदित्य नारायण झा (कनिष्ठ पुत्र, गंगानाथ झा), उमापति द्विवेदी, बी.एस्.फडनीसा, पं. जयकिशोर झा, डॉ. ताराचन्द, डॉ. जोगीराज वसु, श्री नटराज अय्यर, श्री हरीश चन्द्र दिवाकर, न्यायाधीश हरिश्चन्द्रपति त्रिपाठी, प्रो. सुब्रहमण्यम् शास्त्री, पं. बदरीनाथ शुक्ल, प्रो. सरस्वती प्रसाद चतुर्वेदी।

स्वर्ण जयन्ती समारोह

संस्थान ने 14 मई 1994 को अपना स्वर्णजयन्ती समारोह मनाया। माननीय पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह इस अवसर पर उपस्थित थे।

स. परिसर के पांच महत्त्वपूर्ण घटक

पुस्तकालय

* परिसर का पुस्तकालय 1943 में स्थापित हुआ। सामान्य रूप से न केवल हमारे देश के संस्कृत के विद्वान्/प्राच्य विद्याविद् ही इस पुस्तकालय का उपयोग करते है बल्कि विशेष रूप से समस्त उत्तर-प्रदेश के अन्य विद्वान भी इससे लाभ उठाते हैं।
* पुस्तकालय में वर्तमान में 50, 485 पुस्तक उपलब्ध है।
* इस पुस्तकालय में सर गंगानाथ झा, प्रो. के.सी. चट्टोपाध्याय, प्रो. सरस्वती प्रसाद चतुर्वेदी और प्रो. महावीर प्रसाद लखेड़ा की पुस्तकें भी संकलित हैं।
* श्री के.सी. चट्टोपाध्याय संकलन से प्राप्त पुस्तक संख्या 5,331.
* इस पुस्तकालय में 1063 पी.एच्.डी. शोधपत्र है जिनमें से 230 इसी परिसर के छात्रों द्वारा समर्पित किए गए हैं।
* परिसर के द्वारा अनेकों जर्नल/पत्रिकाओं (राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय) आदान-प्रदान किया जाता है।
* इस पुस्तकालय में कुल 50,485 पुस्तकें हैं जिनका मूल्य 36,81,786,00 रू है और 2481 पत्रिकाओं के अंक मंगवाये जाते हैं।

पाण्डुलिपि पुस्तकालय

परिसर में पाण्डुलिपि खण्ड का प्रारम्भ महामहोपाध्याय डॉ. सर गंगानाथ झा पाण्डुलिपियों के अनेक दुर्लभ संग्रहों से हुआ। उसके बाद आज परिसर के पास 52007 प्रविष्टियां हैं और उत्तर भारत में यह सर्वोत्तम संग्रहों में से एक माना जाता है। ईसा पश्चात् 15वीं शताब्दी से प्रारम्भ ये पाण्डुलिपियाँ विभिन्न विषयों से सम्बद्ध हैं। कुछ पाण्डुलिपियों पर उनके लिखने की तिथि अंकित नहीं है लेकिन फिर भी वे 13 और 15वीं शताब्दी (ई.प.) के बीच की मानी जा सकती हैं। पाण्डुलिपि पुस्तकालय में कागज पर लिखी और पाम-पत्रों पर लिखी पाण्डुलिपियाँ हैं।

ये पाण्डुलिपियाँ अनेक विषयों से सम्बद्ध हैं और विभिन्न लिपियों में हैं जैसे देवनागरी, मैथिली, बंगाली, उड़िया, तेलुगु, ग्रन्थ, शारदा आदि। जिन विषयों से ये सम्बद्ध हैं वे हैं-वैदिक साहित्य, पौराणिक पुस्तकें, व्याकरण, दर्शन, संगीत, नाटक, स्तोत्र, तन्त्र, औषधिविज्ञान, उपनिषद, ज्योतिष, नक्षत्रविज्ञान, प्रयोग, पूजा, छन्द, अलंकार, नीति, काव्य, नाटक, सुभाषित, इतिहास, निरुक्त, धर्मशास्त्र आदि। पुस्तकालय में पत्रलिखित सर्वाधिक प्राचीन पाण्डुलिपि है मोरेश्वर द्वारा लिखित वैद्यामृत (आयुर्वेद) जो 1546 ई. पश्चात् की है। पाण्डुलिपि पुस्तकालय में कुल पाण्डुलिपियों की संख्या है 52, 099 जिनकी कीमत लगभग रु. 16,37,505.46 है।

प्रकाशन - पुस्तकें/जर्नल/सावधिक पत्रिकाएँ

संस्थान में एक प्रकाशन कार्यक्रम विभाग है जिसकी देखभाल प्रकाशन समिति करती है। प्रकाशन और विक्रयविभाग पुस्तकों की छपाई और उनके विक्रय का प्रबन्ध करते हैं। एक शोध संस्थान होने के कारण गंगानाथ झा परिसर शोध कार्यों और पाण्डुलिपियों के समालोचनात्मक संस्करण भी प्रकाशित करता रहा है।

पुस्तकें

परिसर ने अब तक 100 से अधिक पुस्तकें प्रकाशित की हैं जो प्रमुख रूप से अप्रकाशित पाण्डुलिपियों की सम्पादित प्रतिलिपि के रूप में हैं।

पत्र (जर्नल्ज)

'गंगानाथ झा परिसर' जर्नल प्रारम्भिक वर्ष से ही लगातार नियमित रूप से प्रकाशित हो रहा है।

* अब तक 64 भाग 252 अंकों में प्रकाशित हो चुके हैं। इनमें से कुछ अभिनन्दन तथा स्मृतिपरक ग्रन्थ के रूप में हैं।
* पाठ्यपुस्तक आधारित अध्ययन को प्राथमिकता दी जाती है। (अर्थात् पाठ्यपुस्तक समालोचना, पाठ्यपुस्तक विषयका सराहना आदि) तथा बहुमूल्य शोधकार्य जो पाण्डुलिपियों और पाण्डुलिपि विज्ञान से सम्बद्ध हैं।
* शोध पत्र तथा पुस्तक समीक्षाएँ आदि नियमित रूप से जर्नल में प्रकाशित की जाती हैं।
* इसके अतिरिक्त कुछ लघु और दुर्लभ पाण्डुलिपियों को जर्नल के परिशिष्ट में **गैर्वाणवाणीगौरवग्रन्थमाला** शृंखला के अन्तर्गत प्रकाशित किया जाता है।

जर्नल के अब तक प्रकाशित अभिनन्दन/स्मृतिपरक अंकों का विवरण इस प्रकार है–

* पं. के.सी. चट्टोपाध्याय अभिनन्दन ग्रन्थ
* गंगा नाथ झा स्मृति-ग्रन्थ
* आदित्यनाथ झा स्मृति ग्रन्थ
* गोपीनाथ कविराज स्मृति ग्रन्थ
* बलदेव उपाध्याय अभिनन्दन ग्रन्थ
* राम शरण शास्त्री स्मृति ग्रन्थ
* जी.सी.पाण्डे अभिनन्दन ग्रन्थ (गोविदाभिनन्दनम्) और
* उमेश मिश्र स्मृति अंक

परिसर समय-समय पर अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुस्तक मेलों में (जो देश के विभिन्न भागों में आयोजित होते रहे हैं), भाग लेता रहा है।

जर्नल के प्रकाशन मण्डल के विद्वान सदस्य हैं–

* प्रो. आर् डी राणाडे,
* एम् एम् डॉ. उमेश मिश्र
* डा. ईश्वरी प्रसाद
* डा. के. सी. चट्टोपाध्याय
* डा. बी सी लाल
* डा. जयकान्त मिश्र
* डा. बी.आर् सक्सेना
* म. म. डॉ. गोपीनाथ कविराज
* डा. के. एस. अय्यर
* प्रो. आर् एम शास्त्री
* डा. आद्याप्रसाद मिश्र
* डा. रमाशंकर द्विवेदी
* प्रो. श्याम नारायण
* प्रो. जी. सी. त्रिपाठी
* प्रो. जगन्नाथ पाठक

परिसर की स्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गंगानाथ झा परिसर, चन्द्रशेखर आजाद पार्क (कम्पनी बाग) इलाहाबाद-211002 भूमि 1.5 एकड़। कुल निर्मित क्षेत्र 958.20 वर्ग मीटर। कुल लागत-पुराना भवन। गंगानाथ झा शोध संस्थान, इलाहाबाद का 1971 में अधिगृहीत।

पाठ्यक्रम उपलब्ध-विद्यावारिधि (पी.एच.डी)

7.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)

परिसर परिचय

श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के बृहत्तम परिसरों में से एक है। इसका अपना इतिहास है। 1865 में पूर्ववर्ती स्व. पं. एच् एच् दाश, जो उस समय के सुप्रसिद्ध विद्वान थे, उनके उत्साह के फलस्वरूप बलरामपुर (उ.प्र.) के महामहिम दिग्विजय सिंह बहादुर के द्वारा प्रदत्त वित्तीय सहायता से यह एक संस्कृत पाठशाला के रूप में प्रारम्भ हुआ। 1888 में पुरी के कलक्टर की अध्यक्षता में गठित एक समिति के पर्यवीक्षण में यह एक स्कूल बन गया। इसी साल स्कूल के पढ़े हुए एक प्रतिभाशाली छात्र श्री सदाशिव मिश्र के अथक प्रयत्नों से ओड़िशा और बिहार की सरकारों द्वारा वर्तमान परिसर नि:शुल्क उपहार के रूप में प्रदान किया गया। 1918 में यह एक महाविद्यालय के स्तर तक पहुंच गया। 1951 में राज्य सरकार ने इस संस्था के प्रति की गई उनकी सेवाओं के फलस्वरूप इस महाविद्यालय का नाम श्री सदाशिव मिश्र के नाम पर रख दिया। 15.08. 1971 को, श्री सदाशिव महाविद्यालय को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा अधीकृत कर लिया और इसका नाम श्री सदाशिव केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ हो गया। 07.05. 2002 को जब राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली को मानित विश्वविद्यालय का स्तर प्रदान कर दिया गया, यह संस्था भी श्री सदाशिव परिसर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, कहलाने लगी।

यहाँ यह भी लिखना आवश्यक है कि जहाँ भारत की अधिकांश संस्कृत संस्थाएँ उस समय के शासन वर्ग द्वारा स्थापित की गई थीं, जो जमींदार और राजनैतिक नेता थे, यह ओड़ीशा का सर्वप्रथम संस्कृत संस्थान है जो इस भारतीय मिट्टी में पले बढ़े पारम्परिक संस्कृत विद्वानों द्वारा परिवर्धित एवं परिपोषित किया गया।

परिसर की स्थिति

स्थान मौजा गांधी घाट, पुरी

1. शैक्षिणिक परिसर हेतु 4,780 एकड़ भूमि मौजा गांधी घाट, पुरी में स्थित है।

2. 10.5 एकड़ भूमि मौजा बालुढण्डा, पुरी पर स्थित आवासीय परिसर हेतु 10.5 एकड़ भूमि मौजा बालुदण्डा, पुरी में स्थित है जिसमें 8339 स्का॰मी॰ पर भवन बना है।

निर्धारित पाठ्यक्रम

क्र.	पाठ्यक्रम	समकक्ष	अवधि
1.	प्राक्शास्त्री	इन्टरमीडिएट	2 वर्ष
2.	शास्त्री (प्रतिष्ठा)	बी.ए. (आनर्स)	3 वर्ष
3.	आचार्य	एम्.ए.	2 वर्ष
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड्.	1 वर्ष
5.	विद्यावारिधि	पी.एच्.डी.	2 वर्ष

समारोह/गोष्ठियां आदि सहित सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

शैक्षणिक सत्र 2011-12 में बहुत सी सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ आयोजित की गईं। उनमें से कुछ प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं-

क. वाणी-विलास परिषद् की गतिविधियाँ

छात्रों में विश्वास की भावना भरते हुए शास्त्रों के प्रति रुचि उत्पन्न करने के लिए और शैक्षिक कौशलों को संवर्धित करने के लिए वाणी विलास परिषद की स्थापना की गई है। इस परिषद् का उद्घाटन श्री सारंगधर रायगुरु आई.पी.एस. (सेवानिवृत्त) तथा प्रो. प्रमोद चन्द्र मिश्र, मुख्यसचिव, ओड़िशा संस्कृत अकादमी द्वारा 30.08.2011 को किया गया। इसी परिषद् ने एक नई योजना 'प्रतिभा पाठ्यक्रम' के नाम से प्रारम्भ की है जिसका उद्देश्य है शास्त्रों में छात्रों की विद्वत्ता को प्रोत्साहन देना और विशेष प्रतिभा को प्रोत्साहित करना। इस वर्ष परिषद के आठ सत्र आयोजित हुए जिनमें शास्त्रों और सामान्य ज्ञान के विविध मन्त्रों पर प्रकाश डाला गया। इन सभी सत्रों में छात्रों का उत्साहपूर्ण प्रतिभागित्व देखने लायक था। परिसर के शिक्षक वर्ग ने वरिष्ठ और कनिष्ठ स्तरों पर अनेको भाषण प्रतियोगिताओं के निर्णायक मण्डल का कार्य करते हुए अपना भरपूर सहयोग प्रदान किया। वरिष्ठ वर्ग में श्री मानस रञ्जन साहु, आचार्य द्वितीय वर्ष, और कनिष्ठ वर्ग में श्री सूरज कुमार पाणिग्रही ने विद्यार्थी समूह नेताओं की भूमिका का निर्वाह किया। दोनों ही वर्गों में छह विद्यार्थी अतिविशिष्ट वक्ता निर्णीत हुए। डॉ. सुकान्त कुमार सेनापति परिषद के संयोजक थे और डॉ. दुर्गाचरण सारंगी, डॉ. भगवान सामन्तराय, डॉ. गणपति शुक्ल, डॉ उमेश चन्द्र मिश्र

तथा श्रीनन्दी घोष महापात्र सदस्य थे।

ख. अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता

इस वर्ष, दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, अहमदाबाद में 26-28 नवम्बर 2011 को एक अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। सदाशिव परिसर से आठ विद्यार्थी डॉ. भगवान सामन्तराय के मार्गदर्शन में इस प्रतियोगिता में सम्मिलित हुए। विद्यार्थियों में सुब्रत सारंगी ने कांस्य पदक प्राप्त करके परिसर की प्रतिष्ठा का संवर्धन किया।

ग. छात्र प्रतिभा समारोह

षष्ठ अखिल भारतीय शास्त्रीय छात्र प्रातिभा समारोह में परिसर के 12 विद्यार्थियों ने डॉ. भगवान सामन्तराय के मार्गदर्शन में, विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। अजय कुमार पाण्डे ने सांख्य योग भाषण प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त कर परिसर की प्रतिष्ठा का मानवर्धन किया।

घ. परिसर शैक्षिक प्रतियोगिता

शास्त्रीय भाषण प्रतियोगिता में, जो वार्षिक दिवस समारोह (2011-12) के सम्बन्ध में आयोजित की गई थी, सौम्य रंजन सारंगी, आचार्य प्रथम वर्ष और रमेश चन्द्र महापात्र, शास्त्री प्रथम वर्ष, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ वर्ग में क्रमशः सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागी घोषित किए गए।

ङ. परिसर की वार्षिक खेल प्रतियोगिताएँ

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी वार्षिक खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन 22.01.2012 को केन्द्रीय विद्यालय के परिसर में किया गया। इस अवसर पर इस परिसर के 150 विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रतियोगिताओं में जिन प्रतिभागियों को सर्वोत्तम खिलाड़ी घोषित किया गया वे हैं–मलय रञ्जन महापात्र, आचार्य प्रथम वर्ष-वरिष्ठ श्रेणी (बाल), लक्ष्मी प्रिया मानसिंह, शास्त्री तृतीय वर्ष, वरिष्ठ वर्ग (बालिका), तुनु हो, प्राक्शास्त्री द्वितीयवर्ष, कनिष्ठ वर्ग (बाल), तथा स्वागतिका आचार्य, प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष, कनिष्ठ वर्ग (बालिका)।

च. स्थानीय विभाग स्तरीय प्रतियोगिताएँ

अनुकम्पा मिश्र, शास्त्री द्वितीय वर्ष की छात्रा ने विभागीय जन सम्पर्क विभाग द्वारा 15 अगस्त 2011 को आयोजित भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान, तथा मण्डल स्तरीय निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान और मण्डल प्रशासन द्वारा आयोजित भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान शिक्षक दिवस पर आयोजित उड़िया भाषण प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान, पर्यटन विभाग, उड़ीसा सरकार द्वारा आयोजित भाषण प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार और 65वें स्वतन्त्रता दिवस के सम्बन्ध में मण्डलीय स्तर पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त करके परिसर की प्रतिष्ठा बढ़ाई। मिताली जेना, इस परिसर की दूसरी छात्रा ने मण्डलीय स्तर पर आयोजित युवा (कुमार) समारोह में रंगोली प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

छ. अन्तः परिसरीय युवा महोत्सव

2011-12 शैक्षणिक वर्ष में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा श्री रणबीर परिसर, जम्मू में 21-24 सितम्बर 2011 में अन्तःपरिसरीय युवा महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें श्री सदाशिव परिसर, पुरी के भी एक दल ने डॉ. बिमल प्रसाद मोहन्ती, डॉ. श्रीमती निर्मला पाणिग्रही और श्री पूर्णचन्द्र महापात्र के संयुक्त मार्गदर्शन में भाग लिया। शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्र सरोजिनी तराई और लक्ष्मीप्रिया मानसिंह 100 मीटर दौड़ और 400 मीटर दौड़ों में क्रमशः तृतीय रहीं। आचार्य, द्वितीय वर्ष के छात्र मानस रंजन साहू ने कार्टून बनाने और भित्तिपत्र बनाने की प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। भित्तिपत्र बनाने की प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान शास्त्री प्रथम वर्ष के ज्योतिप्रकाश नन्दा ने भी प्राप्त किया। आचार्य द्वितीय वर्ष की छात्रा ज्योत्सना डे ने रंगोली प्रतियोगिता में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। शास्त्री, तृतीय वर्ष की छात्रा सुश्री भाग्यश्री श्रीचन्दन ने शास्त्रीय नृत्य में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र जगन्नाथ स्वाईं और आचार्य प्रथम वर्ष के सौम्या रञ्जन सारंगी ने वादविवाद प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

ज. गौरव महोत्सव

परिसर के 50 छात्रों ने पुरी में संगणक शिक्षक श्री विश्वनाथ मिश्र के मार्गदर्शन में गौरव महोत्सव में भाग लिया। जिन छात्रों ने इस महोत्सव में विभिन्न पुरस्कार प्राप्त किए उनके नाम हैं-सुश्री भाग्यश्री श्रीचन्दन, ज्योत्सना डे, आदित्य नारायण दास, संगीता महाराणा, सोनालिन राउत राय, ईप्सिता जाना, शुचिस्मिता जेना, ममता दाश और सुब्रत सारंगी।

झ. संस्कृत सप्ताह आयोजन

पूर्व वर्षों की भांति, श्रावणी पूर्णिमा के अवसर पर अगस्त 12 से 17, 2011 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. राधा माधव दाश, उत्कल विश्वविद्यालय थे। समारोह की अध्यक्षता परिसर के प्राचार्य ने की और उसका संचालन डॉ. भगवान सामन्त राय द्वारा किया गया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रो. रामानुज देवनाथन, कुलपति, जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृतविश्वविद्यालय जयपुर थे। पं. गोविन्द चन्द्र मिश्र को इस समारोह में सम्मानित किया गया। इस पूरे सप्ताह भर के उत्सव में परिसरीय छात्रों ने बहुत उत्साहपूर्वक विभिन्न शास्त्रीय भाषण प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

भ. हिन्दी दिवस आयोजन

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निर्देशानुसार हिन्दी पखवाड़ा और हिन्दी दिवस का आयोजन 1 सितम्बर से 14 सितम्बर 2011 तक किया गया। इस सम्बन्ध में परिसरीय विद्यार्थियों ने एक 15 दिवसीय हिन्दी समारोह का आयोजन किया। हिन्दी भाषण प्रतियोगिता, स्वरचित हिन्दी कविता वाचन प्रतियोगिता तथा हिन्दी निबन्धलेखन प्रतियोगिताएँ भी इस अवसर पर आयोजित की गईं। इनके उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता डॉ. एम् पाण्डे, प्राचार्य (प्रभारी) द्वारा की गई। श्री अमितेन्दु नाथ सिंह इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। सुश्री अंजुयन द्वारा समापन समारोह में मुख्य अतिथि थीं। 'नीलांचन सौरभ' ग्रन्थ का इस अवसर पर विमोचन किया गया। इस पन्द्रह दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन डॉ. केतकी महापात्र द्वारा किया गया।

ञ. कौमुदी महोत्सव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने जनवरी 30 से फरवरी 1, 2012 तक कौमुदी महोत्सव का आयोजन किया। श्री सदाशिव परिसर, पुरी के 26 छात्रों ने डॉ. शम्भुनाथ महालिक, डॉ. विकासिनी गुमानसिंह और श्री विपिन कुमार झा के संयुक्त मार्गदर्शन में भाग लिया और 'उत्तररामचरितम्' नाटक का प्रभावशाली प्रदर्शन करके द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। सर्वोत्तम निर्देशक का पुरस्कार डॉ. शम्भु नाथ महालिक को प्रदान किया गया जबकि सुब्रत कुमार सारंगी को सर्वोत्तम अभिनेता घोषित किया गया।

ऊ. नवीकरण पाठ्यक्रम/उन्मुखी कार्यक्रम (आचार्यगण द्वारा)

डॉ. एन सी साहू परिसर के सह आचार्य ने 2011-12 वर्ष में भुवनेश्वर में आयोजित उत्कल विश्वविद्यालय, ओड़ीशा के उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया। इसी प्रकार डॉ. बी. आर. पति, सह-आचार्य ने भी इसी वर्ष बनारस में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005

प्रार्थना पत्र प्राप्त - 12

उत्तर दिए गए - 12

7.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

परिसर के विषय में

कश्मीर की धरा पर कल्हण, बिल्हण, मम्मट, अभिनवगुप्त, आनन्दवर्धन, भामह तथा क्षेमेन्द्र सदृश प्रकाण्ड विद्वान् हुए हैं, जिनकी रचनाओं से संस्कृत साहित्य समृद्ध हुआ। यदि संस्कृत साहित्य से जम्मू कश्मीर के योगदान को पृथक् कर दिया जाए तो संस्कृत साहित्य की आभा शून्य हो जायेगी।

समस्त भारत में संस्कृत-शिक्षा के अध्यापन एवं प्रचार-प्रसार के लिए भारत सरकार ने सन् 1954 में संस्कृत आयोग का गठन किया था। इस आयोग के अध्यक्ष स्वनामधन्य प्रो. सुनीति कुमार चटर्जी थे। उन्होंने दो वर्षों के उपरान्त सन् 1956 ई. में अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इनकी संस्तुति थी कि, भारत के प्रत्येक राज्य में संस्कृत के केन्द्र स्थापित किये जाएँ तो कालान्तर में विश्वविद्यालय का रूप ले लेंगे।

जम्मू-कश्मीर राज्य के संस्थापक महाराजा गुलाब सिंह के सुपुत्र महाराजा श्री रणवीर सिंह जी को भारतीय संस्कृति के प्रति दृढ़ अनुराग था। उन्होंने संस्कृत के संवर्धन एवं प्रचार-प्रसार के लिए मन्दिरों, संस्कृत पाठशालाओं, औषधालयों और पुस्तकालयों आदि की स्थापना की थी।

उन्होंने श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना सन् 1838 ई. में की जिसमें न केवल जम्मू-कश्मीर के अपितु भारत के अन्य राज्यों तथा नेपाल के कई छात्रों ने अध्ययन करके उपाधियाँ प्राप्त की है।

संस्कृत आयोग की संस्तुति को ध्यान में रखते हुए तत्कालीन शिक्षा-मंत्रालय ने जम्मू-कश्मीर राज्य में संस्कृत का एक केन्द्र स्थापित करने का निर्णय लिया था। परिमणामस्वरूप महाराजाधिराज स्व. श्री रणवीर सिंह जी के द्वारा स्थापित श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का 1 अप्रैल 1971 ई. को अधिग्रहण कर, इसका नाम श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, जम्मू रखा गया।

सन् 2002 ई. में प्रो. वी. आर. पंचमुखी जी की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नामित समिति ने जम्मू के श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) श्री रणवीर परिसर, के नाम से घोषित किया। उनके दूसरे दिन परिसर के सभी अध्यापकों/प्राध्यापकों की उपस्थिति में प्रो. प्रियतम चन्द शाास्त्री, कार्यकारी प्राचार्य के प्राचार्यत्व में प्रो. केवल कृष्ण शास्त्री तथा प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री के आचार्यत्व में एवं प्रो. यशपाल खजूरिया की देख रेख में कोट-भलवाल में श्री रणवीर परिसर के नूतन भवन के लिए प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री जी के कर कमलों द्वारा शिलान्यास हुआ।

तत्कालीन शिक्षा मंत्री माननीय श्री अर्जुन सिंह जी के आदेशानुसार माननीय डॉ. कर्ण सिंह ने 18 मार्च 2007 को परिसर के नए भवन का उद्घाटन किया। तबसे इस नए परिसर में प्रथम प्राचार्य के रूप में प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री जी ने कार्य किया। नई दिल्ली में संस्थान के दीक्षान्त समारोह (दिनांक 12.09.2009) के अवसर पर कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी जी एवं भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री श्री कपिल सिब्बल जी ने जम्मूस्थ श्री रणवीर परिसर के पुरुष तथा महिला छात्रावासों का इन्टरनेट के माध्यम से उद्घाटन किया तथा दिनांक 27.02.2010 को परिसर के वार्षिकोत्सव के अवसर पर छात्रावासों के शिलापट्टों का अनावरण भी किया गया। शिक्षा मन्त्रालय तथा संस्थान के आदरणीय कुलपति, सम्माननीय कुलसचिव जी के कुशल नेतृत्व में परिसर दिन-प्रतिदिन अग्रसर हो रहा है।

इस सम्बन्ध में विशेष कथनीय है कि सन् 2009 के वार्षिकोत्सव के अवसर पर कुलपति जी ने शिक्षाचार्य (M.Ed) कक्षा चलाने के लिए अपनी अनुमति दे दी, जिससे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, पंजाब, हरियाणा के छात्रों को पर्याप्त लाभ मिलेगा।

कुलपति जी से प्रार्थना करने पर सत्र 2010-2011 से वेदाचार्य विभाग प्रारम्भ करने के लिए कुलपति जी ने अनुमति प्रदान की। जिससे परिसरीय विभागों में एक नूतन विभाग का शुभारम्भ हुआ।

इस विद्यापीठ के प्रथम प्राचार्य-डॉ. अनन्त मराल शास्त्री थे तथा क्रमशः डॉ. दयानन्द भार्गव, डॉ. जे. गांगुली, डॉ. मण्डन मिश्र, डॉ. अनन्त मराल शास्त्री (कार्यवाहक), डॉ. मुरलीधर पाण्डेय, डॉ. जगन्नाथ पाठक, डॉ. राघव प्रसाद चौधरी, डॉ. राम किशोर शुक्ल, डॉ. प्रियतम चन्द शास्त्री (कार्यवाहक) और डॉ. जी गंगन्ना जी प्राचार्य रहे। सन् 2006 से सन् 2011 अक्टूबर तक प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री जी रणवीर परिसर के प्राचार्य रहे। इसके पश्चात् प्रो. यशपाल खजूरिया कार्यवाहक प्राचार्य रहे।

परिचय

मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली, विश्व का एकमात्र बृहत्तम बहुपरिसरीय मानित विश्वविद्यालय है। वर्तमान में माननीय प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी इसके कुलपति हैं। देशभर में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के दस परिसर हैं। जम्मू स्थित श्री रणवीर परिसर उन्हीं दस परिसरों में से एक है। यह परिसर 84 कनाल भूमि पर निर्मित है।

उद्देश्य एवं पृष्ठभूमि

महाराजाधिराज श्रीरणवीरसिंह ने संस्कृत विद्या के पारम्परिक एवम् अगाध-अद्भुतज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जम्मू प्रान्त में आज से 173 वर्ष पूर्व सन् 1938 ईस्वी में श्रीरघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी। दिनाङ्क 01 अप्रैल, 1971 को केन्द्र सरकार ने इसका अधिग्रहण किया तथा इसे "श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" का नाम दिया। 02 मई, 2002 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को बृहत्तम बहुपरिसरीय मानित विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त हुआ। तब से श्रीरणवीर परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय के नाम से विख्यात है।

विषय एवं विभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री रणवीर परिसर में अध्ययन-विषयानुरूप आठ विभाग हैं-

1) व्याकरण विभाग

2) साहित्य विभाग

3) दर्शन विभाग

4) सिद्धान्त ज्योतिष एवं फलित ज्योतिष विभाग

5) वेद विभाग

6) शिक्षाशास्त्र विभाग

7) कश्मीर शैवदर्शन परियोजना

8) मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र

1.4 अध्ययन-अध्यापन एवं शोध कार्य

श्री रणवीर परिसर में पारम्परिक शिक्षाप्रणाली के अन्तर्गत आधुनिक विषयों का भी सुन्दर सामञ्जस्य बिठाकर अध्ययन-अध्यापन किया जाता है। संस्थान मुख्यालय के निर्देशानुसार पूर्व सत्र से यहां सत्रार्द्धक परीक्षा प्रणाली (Semester System) भी लागू की जा चुकी है। कक्षानुसार परिसर में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था इस प्रकार है-

(i) पारम्परिक संस्कृत शिक्षा

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के अन्तर्गत श्री रणवीर परिसर में प्राक्शास्त्री (10+2), शास्त्री त्रिवर्षीय (6 सेमेस्टर) (बी. ए.) तथा आचार्य द्विवर्षीय 4 सेमेस्टर (एम.ए.) पर्यन्त अध्ययन की व्यवस्था है। इन कक्षाओं में व्याकरणशास्त्र, साहित्यशास्त्र, दर्शनशास्त्र, सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिष शास्त्र तथा वेदवाङ्मय इन संस्कृत के पारम्परिक शास्त्रीय विषयों के साथ-साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीतिशास्त्र, कम्प्यूटर एवं पर्यावरणशिक्षा इत्यादि आधुनिक विषयों का भी अध्ययन करवाया जाता है।

(ii) व्यावसायिक शिक्षा

श्री रणवीर परिसर में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग (Education Department) में शिक्षाशास्त्री -एक वर्षीय (B.Ed.) तथा शिक्षाचार्य-एक वर्षीय (M.Ed.) का प्रशिक्षण दिया जाता है।

(iii) शोधकार्य

संस्कृत विद्या की विविध विद्याओं में प्रासंगिक विषयों में बहुआयामी शोध के उद्देश्य से श्रीरणवीर परिसर में विद्यावारिधि (Ph.D.) के निर्देशन की भी समुचित व्यवस्था है। गत वर्ष तक इस परिसर में 104 शोधार्थी विद्यावारिधि (Ph.D.) की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं।

मुक्तस्वाध्याय केन्द्र

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने दूरस्थ शिक्षा परिषद् (Distance Education Council) की मान्यता प्राप्त करके संस्कृत के विश्वव्यापी विस्तार के उद्देश्य से पूर्व सत्र में दूरस्थशिक्षा निदेशालय (Institute of Distance Education) का शुभारम्भ किया है। इस दूरस्था शिक्षा निकाय को "मुक्तस्वाध्याय पीठम्" (मु.स्वा.पी./M.S.P.) का नाम दिया गया है। मुख्यालय सहित संस्थान के सभी परिसरों को मुक्तस्वाध्याय केन्द्र बनाया गया है। इस प्रकार श्री रणवीर परिसर पूर्व सत्र से मुक्तस्वाध्याय केन्द्र भी बन चुका है।

इसमें प्राक्शास्त्री (10+2), शास्त्री (B.A.) तथा आचार्य (M.A.) कक्षा पर्यान्त अध्ययन-अध्यापन सत्रार्द्धक प्रणाली (Semester System) द्वारा शुरू किया जा चुका है।

मुक्तस्वाध्याय की विशेष उपादेयता एवम् आकर्षण यह है कि इसमें संस्कृतेतर (Non-Sanskrit) विद्यार्थियों तथा अन्य जिज्ञासु जनों के संस्कृत में प्रवेश लेने के लिये विविधस्तरों पर सेतुपाठ्यक्रमों को भी तैयार किया गया है। इसमें विद्यार्थियों को पुस्तकीय सामग्री के साथ-साथ दृश्यश्रव्य (Audio-Visual) सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाती है ताकि संस्कृत से अनभिज्ञ लोग भी अत्यन्त अल्प अवधि में सरल संक्षिप्त मार्ग से संस्कृत का सामान्य एवं शास्त्रीय ज्ञान अर्जित कर सकें।

पूर्व में साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष विषयों के साथ मुक्तस्वाध्याय की शुरूआत की गई है। भविष्य में अन्यशास्त्रीय विषयों की भी सुचारू व्यवस्था किये जाने की योजना सुनिश्चित है। इनके अतिरिक्त नाट्यशास्त्र, पत्रकारिता, पालि, प्राकृत आदि विविध विषयों में प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम (Certificate Programme) भी अतिशीघ्र प्रारम्भ किये जायेंगे। संस्कृत के क्षेत्र में माननीय कुलपति महोदय प्रो. त्रिपाठी द्वारा किये गये इस नये सुदूरगामी सूत्रपात के लिए संस्थान मुख्यालय, मुक्तस्वाध्यायपीठ एवं सभी संस्कृतानुरागी बधाई के पात्र हैं।

कश्मीर शैव दर्शन परियोजना

कश्मीर शैवदर्शन जम्मूकश्मीर प्रान्त की अमूल्य धरोहर है। इस धरोहर के संरक्षण के उद्देश्य से श्री रणवीर परिसर में कश्मीर शैव दर्शन परियोजना चल रही है। यह परियोजना संस्थान के केवल इसी परिसर में है। स्वर्गीय डॉ. बल्जिनाथ पण्डित एवं शैवदर्शन कोश से सम्बद्ध शोधसहायकों के अथक प्रयास से कश्मीर-शैवदर्शन कोश का प्रकाशन दो भागों (2 Volumes) में हो चुका है। ये दोनों भाग क्रय के लिये सर्वजनसुलभ हैं। इनकी प्रतियाँ सम्पूर्ण भारत में तथा भारत से बाहर विदेशों में भी जा रही हैं। इस विभाग में लगभग 125 दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ विद्यमान हैं। ये पाण्डुलिपियाँ शारदालिपि एवं देवनागरी लिपि में निबद्ध हैं। इनका लिप्यन्तरण तथा अनुवाद कार्य परिसर के द्वारा किया जा रहा है।

प्रकाशन

विविधज्ञान-विज्ञान, दर्शन आदि से सम्बन्धित 23 ग्रन्थ परिसर द्वारा प्रकाशित किये जा चुके हैं। इनमें कश्मीर शैव दर्शन से सम्बन्धित ग्रन्थों की मांग सम्पूर्ण देश से की जा रही है। संस्कृत, हिन्दी, डोगरी तथा अंग्रेजी भाषा में गवेषणापूर्ण वैचारिक निबन्ध, कविता आदि से सुसज्जित "श्रीवैष्णवी" नामक वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन भी परिसर से होता है। इस पत्रिका को इसी वर्ष (National Institute of Science Communication and Information Resources, New Delhi से ISSN नम्बर भी मिल गया है।

ई-पुस्तकालय

श्री रणवीर परिसर की ग्रन्थात्मक ज्ञाननिधि को परिचयात्मक दृष्टि से सर्वजनसुलभ बनाने के उदार उद्देश्य से परिसर में ई-पुस्तकालय का अङ्कनात्मक उपक्रम चल रहा है।

वेधशाला

विद्यार्थियों को सौविध्यपूर्वक ज्योतिषशास्त्र का सैद्धान्तिक एवं प्रयोगिक ज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से श्री रणवीर परिसर में एक लघुवेधशाला भी स्थापित की गई है। इस वेधशाला में लघुतारामण्डल, दूरवीक्षणयन्त्र, ग्रहकक्षाक्रमयन्त्र, चन्द्रकलायन्त्र, सौरचन्द्रग्रहणयन्त्र तथा गोलयन्त्र आदि अनेक यन्त्र एवं चित्रफलक विद्यमान हैं।

परम सौभाग्य एवं हर्ष का विषय है कि इस वेधशाला को समृद्ध बनाने हेतु संस्थान मुख्यालय से एक लाख अठ्ठासी हजार रूपये (रू 1,88,000/-) की राशि स्वीकृत हुई थी। जिससे वेधशाला के लिए निम्नलिखित यन्त्र क्रय किए गए हैं।

वेधशाल के लिये कोनुसमोटर

कोनु स्पेस

टेरेस्ट्रायल टेलिस्कोप

स्काई वॉचर

ओरायन डॉ. सोनियन

तथा कोनु स्पॉट आदि आधुनिक यन्त्रों को भी मँगवाया जा चुका है

सम्मेलनकक्ष

कुलपति महोदय के विशेष अनुग्रह से श्री रणवीर परिसर में एक मन्त्रणासभागर बनाया गया है जो कि आधुनिक एवम् उत्कृष्ट सुविधाजनक फर्नीचर से सुसज्जित है। इस मन्त्रणागार में 62 व्यक्तियों के बैठने की सुखदव्यवस्था है। इसी वर्ष कुलपति/कुलसचिव महोदय के आदेशानुसार दो एयरकंडिसनर लगाने की व्यवस्था भी की गई है।

"वाणीविलास" सभागार

विद्वद्व्याख्यान तथा विद्यार्थियों की नृत्य-नाट्य-भाषाणादि साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को सुचारू रूप से सञ्चालन के लिये श्री रणवीर परिसर में आधुनिक तकनीकी युक्त ध्वनि प्रकाशादिव्यवस्था से सम्पन्न तथा सुन्दर फर्नीचर से सुसज्जित "वाणीविलास" सभागार भी है। इस भव्य सभागार में 500 लोगों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है। इसी सत्र में कुलपति/कुलसचिव महोदय के आदेशानुसार छः एयरकंडिसनर लगाए गए हैं और सभागार पूर्ण रूप से वातानुकूलित कर दिया गया है।

इस वार्षिकोत्सव का उद्घाटन माननीय प्रो. के. बी. सुब्बारायुडु, प्रभारी कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मा. वि.वि.) नई दिल्ली द्वारा किया गया।

संगणक कक्ष

आधुनिक विषयों के अन्तर्गत शास्त्री स्तर तक विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से परिसर में संगणक कक्ष भी बनाया गया है। इस संगणक कक्ष में पर्याप्त रूप से उपयोगी फर्नीचर की सुविधा सहित 15 संगणक यन्त्रों (Computers) की व्यवस्था है।

अध्यापक वर्ग

श्री रणवीर परिसर में विविध विषयानुसार प्रोफेसर, एसो. प्रोफेसर, असि. प्रोफेसर, अंशकालिक एवम् अतिथिशिक्षक आदि शैक्षणिक सदस्य कार्यरत हैं।

कार्यालयीय एवम् अन्य कर्मचारी

परिसर में कार्यालयीय सदस्य, 4 संगणकज्ञ (Computer Operators), 4 पुस्तकालयार्थ, 5 सुरक्षा प्रहरी तथा 4 केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के कर्मचारी कार्यरत हैं।

छात्र संख्या

श्री रणवीर परिसर में सत्र 2011-2012 के विद्यार्थियों की संख्या का विवरण इस प्रकार है-

क्र.	कक्षा	छात्रसंख्या
1.	प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	23
2.	प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	18
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	35
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	50
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	43
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	14
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	11
8.	शिक्षाशास्त्री	93
9.	शिक्षाचार्य	27
10.	शोधार्थी	10
11.	मुक्तस्वाध्यायी	11

छात्रवृत्ति

श्री रणवीर परिसर में विद्यार्थियों को प्रतिमास प्रदान किये जाने वाली छात्रवृत्ति का विवरण इस प्रकार है-

क्र.	कक्षा	छात्रवृत्ति (प्रतिमास)
1.	प्राक्शास्त्री (I+II)	300/-
2.	शास्त्री (I+II+III)	400/-
3.	आचार्य (I+II)	500/-
4.	शिक्षाशास्त्री (B.Ed.)	400/-
5.	शिक्षाचार्य (M.Ed.)	500/-
6.	शोधार्थी (Research Scholar)	3,000/-

छात्रावास

दूरदराज तथा अन्य राज्यों से आने वाले शिक्षार्थियों के लिये श्री रणवीर परिसर में अलग-अलग पर्याप्त विस्तृत सुविधासम्पन्न पुरुषछात्रावास तथा महिला छात्रावास हैं। इन छात्रावासों में कुल 84 आवासकक्ष हैं। दोनों छात्रावासों में 4 गीजर लगे हुए हैं एवं इसी सत्र में दोनों छात्रावासों में 01-01 एवं भोजनशाला में 01 वाटर कूलर भी लगाया गया है। छात्रावासीय छात्रों की भोजन व्यवस्था के लिये भोजनशाला भी बनाई गई है।

कर्मचारी आवास

प्राचार्य, छात्रावासीय अधीक्षक तथा परीसरीय सदस्यों आवासीय सुविधार्थ परिसर में शिक्षकावास भी बनाये गये हैं।

व्यायामशाला

विद्यार्थियों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के लिये श्री रणवीर परिसर में योग, क्रीडा तथा व्यायाम का भी

प्रशिक्षण दिया जाता है जिसके लिये अलग से एक व्यायामशाला है। इस व्यायामशाला में सुगठित स्वास्थ्य सौष्ठव की दृष्टि से विविध आधुनिक उपकरण (Machines) भी जुटायें गये हैं।

क्रीडा क्षेत्र

परिसर में एक सुविशाल खेल का मैदान भी है जिसमें सभी प्रकार की क्रीडात्मक गतिविधियों के लिये सुपर्याप्त प्रबन्ध किये गये हैं। यहाँ निम्नलिखित खेलों के लिए क्रीड़ा मैदान की सुविधा है:-

1. बालीवॉल कोर्ट
2. बैडमिन्टन कोर्ट
3. कबड्डी मैदान
4. खो-खो मैदान
5. ट्रैक एण्ड फिल्ड
6. शतरंज एवं
7. कुश्ती

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ

सरस्वती परिषद् एवं विभागीय गोष्ठी

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व एवं बौद्धिक विकास के उद्देश्य से श्री रणवीर परिसर में सन् 1971 से सरस्वती परिषद् का आयोजन किया जाता है। सन् 2006 से साहित्य, व्याकरण, दर्शन, ज्योतिष, शिक्षाशास्त्र एवम् आधुनिक विषयों की भी विभागीय परिषद् गोष्ठी प्रत्येक मास के तृतीय सप्ताह में अपने-अपने विषय में भाषण, कण्ठस्थग्रन्थपाठ, श्लोकपाठ, उच्चारण आदि का अभ्यास करवाती है। इन सभी विभागीय परिषदों को मिलाकर प्रत्येक मास के अन्तिम सप्ताह में सरस्वती परिषद का आयोजन किया जाता है जिसके अन्तर्गत सामूहिक सभी विषयों की शैक्षणिक, शास्त्रीय इत्यादि की प्रतियोगियों करवाई जाती हैं।

शास्त्राभ्यास

शास्त्र में विशेषरुचि रखने वाले जिज्ञासु विद्यार्थियों को नियमित कक्षा के पश्चात् विविध शास्त्रों का अभ्यास करवाया जाता है। स्वावलम्बनहेतु विद्यार्थियों को रुद्राष्टाध्यायी एवं विविध वैदिक मन्त्रों का भी विधान सहित पाठ कण्ठस्थ करवाया जाता है। एतदर्थ परिसर में शास्त्राभ्यास कक्ष की विशेष व्यवस्था की गई है।

कौमुदी महोत्सव

संस्थान मुख्यालय में प्रतिवर्ष कौमुदी महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाता है इस महोत्सव में नाट्य स्पर्धा का विशेष आयोजन होता है। जिसके अन्तर्गत संस्थान के सभी परिसरों से एक-एक नाट्य प्रस्तुत किया जाता है।

इस वर्ष श्री रणवीर परिसर के विद्यार्थियों द्वारा "बालरामायण" नाटक का मञ्चन डॉ. सतीश कुमार कपूर के निर्देशन में किया गया। सम्पूर्ण नाट्यप्रस्तुति प्राचार्य जी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुई। नाटक में विद्यार्थियों को व्यक्तिगत पात्रानुरूप प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार मिला।

युवा महोत्सव

संस्थान के द्वारा भिन्न-भिन्न परिसरों में प्रतिवर्ष युवा महोत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें क्रीडा एवं सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धाओं का विशेष आयोजन होता है। इस वर्ष श्री रणवीर परिसर, कोट-भलवाल में युवा महोत्सव का आयोजन 22 से 24/09/2011 तक सम्पन्न हुआ।

वार्षिक शैक्षिक तथा क्रीडा एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता

परिसर में प्रतिवर्ष भाषण, वादविवाद, श्लोकपाठ, काव्यपाठ, अन्त्याक्षरी एवं प्रश्नमञ्च आदि शैक्षिक प्रतियोगिताओं तथा खेलकूद की विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। इनमें प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त विद्यार्थियों को वार्षिकोत्सव में प्रस्तुत किया जाता है।

पर्यावरण एवं शैक्षिक भ्रमण

परिसर में प्रतिवर्ष प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्री एवं शिक्षाचार्य कक्षा के विद्यार्थियों को पर्यावरण भ्रमण, शैक्षिक भ्रमण तथा ऐतिहासिक भ्रमण के लिए विविध स्थानों पर ले जाया जाता है।

समारोह

* दिनाङ्क 01-04-2011 से 20-04-2011 तक प्राक् शास्त्री प्रथम एवं द्वितीय वर्ष की परीक्षाएँ प्राचार्य जी की अध्यक्षता में निर्विघ्न सम्पन्न हुई।
* दिनाङ्क 06-05-2011 को परिसर के प्राचार्य प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री जी को राष्ट्रपति भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य सहित परिसर के समस्त प्राध्यापकों, अध्यापकों एवं कार्यालयीय कर्मचारियों ने भाग लिया।

* दिनाङ्क 08-05-2011 को शिक्षाचार्य विभाग में सत्र समापन समारोह सम्पन्न हुआ।

* दिनाङ्क 23-05-2011 को संस्थान मुख्यालय की स्वीकृति के अनुसार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा कार/स्कूटर पार्किंग, रेसिंग ट्रैक, बैडमिंटन कोर्ट-2, ग्रिल (ओपन साईड आफ दा कैंपस), मैश वर्क इन प्लेग्राऊंड आदि कार्य परिसर में करवाए गये।

* दिनाङ्क 18-06-2011 को परिसर में शिक्षाचार्य (CPSAT) तथा विद्यावारिधी (CPRT) की प्रवेश परीक्षा निर्विघ्न सम्पन्न हुई।

* दिनाङ्क 23-06-2011 को परिसर में प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष के प्रवेश के लिए साक्षात्कार हुआ, 27-06-2011 को परिसर में शास्त्री प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष में प्रवेश के लिए साक्षात्कार हुआ तथा 29-06-2011 को परिसर में आचार्य प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के लिए साक्षात्कार निर्विघ्न सम्पन्न हुआ।

* दिनाङ्क 29-06-2011 तथा 30-06-2011 को संस्थान निर्देशानुसार शिक्षाशास्त्री की कक्षा में प्रवेश के लिए छात्र साक्षात्कार हुआ।

* दिनाङ्क 28-06-2011 से 30-06-2011 परिसर में विभिन्न विषयों के लिए साक्षात्कार हुए। साक्षात्कार के लिए अपने-अपने विषय के विषय विशेषज्ञ (परिसर के विभागाध्यक्ष तथा जम्मू विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष) परिसर में पहुंचे।

* दिनाङ्क 04-07-2011 को परिसर में युवामहोत्सव हेतु आवश्यक विषय में परस्पर परामर्श करके संस्थान को सारभूत सूचना देने हेतु एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. वैद्यनाथ झा, दर्शनविभागाध्यक्ष, प्रो. एम्. चन्द्रशेखर, शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष व अन्य मौजूद थे।

* दिनाङ्क 08-07-2011 को प्रातः 11:00 बजे परिसर में सत्रारम्भ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें परिसर के समस्त विभागाध्यक्षों ने पूजा होम में अपने-अपने विभाग का प्रातिनिधित्व किया। हवन व पूजा इत्यादि का कार्यक्रम परिसर के प्राचार्य द्वारा सम्पन्न हुआ।

* दिनाङ्क 10-07-2011 को परिसर के प्राचार्य जी को जम्मू हरिद्वार ट्रस्ट के द्वारा विशेष समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया।

* दिनाङ्क 21-07-2011 को परिसर में सत्र 2011-2012 में छात्र/छात्राओं की वार्षिक गतिविधियों एवं कक्षाओं के नियमित संचालन के लिए प्रत्येक कार्यक्रम के छात्र/छात्राओं की सम्पूर्ण उपस्थिति तथा वेशभूषा के साथ-साथ अनुशासन बनाए रखने के लिए आदर्श छात्र योजना के अन्तर्गत कक्षा अध्यापक नियुक्त किए गये।

* दिनाङ्क 22-07-2011 को सत्रारम्भ से सत्रान्त तक परिसर के विविध कार्यों की विधिवत् सम्पन्नता हेतु परिसर में समितियों का गठन किया गया तथा समिति सदस्यों से अनुरोध किया गया कि वह अपना-अपना कार्य निर्विघ्न सम्पन्न करने का कष्ट करें।

* दिनाङ्क 23-07-2011 को परिसर में प्राचार्य प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री जी ने श्राईन बोर्ड गुरुकुल एडवाईजरी कमेटी की मीटिंग में भाग लिया।

* दिनाङ्क 25-07-2011 को संस्थान कार्यालय प्रोजेक्ट अधिकारी के निर्देशानुसार राष्ट्रिय मूल्यांकन प्रत्यायन समिति (NAAC) का निरीक्षण अगस्त मास के द्वितीय सप्ताह में सम्भावित है। (NAAC) सम्बन्धित समस्त कार्यो की सफलतापूर्वक संचालन हेतु एक समिति का गठन किया गया। यह समिति (NAAC) सम्बन्धी समस्त औपचारिकताएं पूर्ण करेगी।

* दिनाङ्क 25-07-2011 से 27-07-2011 तक प्रो. एम्. चन्द्रशेखर, शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष जी ने मुख्यालय दिल्ली में शिक्षाचार्य छात्रों के साक्षात्कार परामर्श में भाग लिया।

* दिनाङ्क 26-07-2011 से 30-07-2011 तक डॉ. सतीश कुमार कपूर, साहित्य विभागाध्यक्ष ने मुक्तस्वाध्यायपीठ, मुख्यालय, नई दिल्ली में हिन्दी-संस्कृत अनुवाद पाठ्य-सामग्री लेखक के रूप में भाग लिया।

* दिनाङ्क 08-08-2011 को परिसर में शिक्षाचार्य कक्षा का उद्घाटन परिसर के प्राचार्य जी की एवं प्रो. एम्. चन्द्रशेखर जी की अध्यक्षता में प्रारम्भ हुआ।

* दिनाङ्क 16-08-2011 को परिसर के समस्त विभागों (साहित्य, दर्शन, व्याकरण, शिक्षाशास्त्र, ज्योतिष, वेद, आधुनिक विषय) की विभागीय परिषद् सम्पन्न हुई। जिसमें समस्त विभागों के छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसी अवसर पर परिसर के प्राचार्य के द्वारा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण की प्रथम व द्वितीय दीक्षा

का उद्घाटन समारोह दिनांक 16-08-2011 को सम्पन्न हुआ। परिसर के प्राचार्य एवं प्रान्तीय संयोजक प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री की अध्यक्षता में समारोह का प्रारम्भ हुआ। इस समारोह में परिसर के साहित्यविभागाध्यक्ष डॉ. सतीश कपूर मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित हुए। दोनों दीक्षाएँ छात्रों की लिखित एवं मौखिक परीक्षाओं के साथ सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई, तथा छात्र इन दीक्षाओं से बहुत लाभान्वित हुए। परिसर की विविध गतिविधियों के कारण दीक्षाओं का यथोचित समापन नहीं हो सका। अत: आप सभी महानुभावों की सादर उपस्थिति में इन दोनों दीक्षाओं के औपचारिक समापन की उद्घोषणा की जाती है।

* दिनाङ्क 18-08-2011 को परिसर में द्विदिवसीय संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। परिसर के प्राचार्य जी की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि भूतपूर्व जम्मू विश्वविद्यालय की विभागाध्यक्षा प्रो. वेद घई जी तथा प्रो. राम प्रताप शुक्ल इस अवसर पर उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें परिसर के छात्रों ने सोत्साह भाग लिया।

* दिनाङ्क 19-08-2011 को परिसर में संस्कृत सप्ताह की सम्पन्नता हेतु मुख्यातिथि माननीय पूर्व शिक्षामंत्री जम्मू व कश्मीर राज्य के श्री हर्षदेव सिंह उपस्थित थे। श्री सिंह जी ने छात्रों को पुरस्कार वितरित किए और साथ ही जम्मू-कश्मीर से परिसर में आए संस्कृत विद्वानों को शाल, श्रीफल तथा प्रशास्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जम्मू प्रान्त के तथा परिसर के संस्कृत कवियों के द्वारा कवितापाठ किया गया। प्रो. वैद्यनाथ झा जी ने कार्यक्रम का संचालन तथा साहित्य विभागाध्यक्ष, डॉ. सतीश कपूर जी ने कवि गोष्ठी का संचालन किया। इस अवसर पर परिसर के समस्त विभागाध्यक्ष, अध्यापक/प्राध्यापक तथा कार्यालयीय कर्मचारी भी सभागार में उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो. एम्. चन्द्रशेखर जी द्वारा किया गया।

* दिनाङ्क 30-08-2011 को परिसर में छात्र अभिभावक समिति का आयोजन परिसर के प्राचार्य जी की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में अभिभावकों ने परिसर की उन्नति हेतु अनेक विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन शिक्षाशास्त्र विभाग के डॉ. श्री गोविन्द पाण्डेय, सहायक आचार्य द्वारा किया गया।

* दिनाङ्क 04-09-2011 को परिसर में होने वाले युवामहोत्सव 2011 की तैयारी तथा परिसर के निरीक्षण हेतु मुख्यालय से कुलसचिव महोदय डॉ. के.बी. सुब्बरायुडु का आगमन हुआ।

* दिनाङ्क 19-09-2011 को युवमहोत्सव में भाग लेने वाले भिन्न-भिन्न परिसरों के प्रतिभागियों का आगमन आरम्भ हुआ।

* दिनाङ्क 21-09-2011 से 24-09-2011 तक परिसर में अन्त:परिसरीय युवमहोत्सव आयोजित किया गया। महोत्सव का उद्घाटन 21 सितम्बर को सांय 5:00 बजे राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम मुख्यातिथि श्री ध्यान सिंह भऊ, निदेशक शारीरिक शिक्षा, जम्मू विश्वविद्यालय, विशिष्टातिथि पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र की उपस्थिति में ध्वजारोहण तथा विभिन्न परिसरों से आए हुए प्रतिभागियों की शोभा यात्रा (मार्च पास) के साथ आरम्भ हुआ। उद्घाटन समारोह का संचालन प्रो. वैद्यनाथ झा (दर्शन विभागाध्यक्ष) तथा अतिथियों का स्वागत युवमहोत्सव के मुख्य संयोजक प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री ने किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो. एम्. चन्द्रशेखर (शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष) ने किया। कार्यक्रम के इस प्रथम दिन संस्कृत संङ्घ नृत्य प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें सभी परिसरों के प्रतिभागियों ने सोत्साह भाग लिया।

  इस अवसर पर परिसर के सम्मेलन कक्ष का उद्घाटन भी प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी जी के करकमलों द्वारा हुआ। इस दौरान सम्मेलन कक्ष में कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया गया।

* दिनाङ्क 22-09-2011 को युवमहोत्सव के दूसरे दिन क्रीड़ा स्पर्धा में योगासन के अतिरिक्त शतरंज, बालीवॉल (पुरुष), कब्बड़ी (पुरुष), खो-खो (महिला), मल्लयुद्ध (पुरुष), बैडमिन्टन (पुरुष/महिला), क्वार्टर फाईनल प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक स्पर्धा में - सांस्कृतिक गीत, अशुचित्र प्रतियोगिता, रंगोली तथा शास्त्रीय एवं सांस्कृतिक स्पर्धा में शास्त्रीय वाद्य प्रतियोगिता, शास्त्रीय गायन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

* दिनाङ्क 23-09-2011 को युवमहोत्सव के तीसरे दिन क्रीड़ा स्पर्धा में - 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर धावक (पुरुष तथा महिला) प्रतियोगिता, 1500 मीटर धावक प्रतियोगिता (पुरुष), ऊँची कूद, लम्बी कूद, गोलाफेंक के अतिरिक्त खो-खो (महिला) सेमीफाईनल, मल्लयुद्ध, बैडमिन्टन (पुरुष तथा महिला) तथा शतरंज प्रतियोगिताओं, शास्त्रीय एवं सांस्कृतिक स्पर्धा में - प्रश्नमंच, व्यङग्यचित्र (कार्टून) प्रतियोगिताओं शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता तथा शैक्षिकस्पर्धा में साहित्यिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

* दिनाङ्क 24-09-2011 को युवमहोत्सव के चतुर्थ तथा अन्तिम दिन प्रातः 7:30 से अपराह्न 1:00 बजे तक शास्त्रीय स्पर्धा सुभाषितकण्ठपाठ, पोस्टर पेंटिग प्रतियोगिताओं, शैक्षिक स्पर्धा में संगणक, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। क्रीड़ा स्पर्धाओं में - गोलाफेंक के अतिरिक्त मल्लयुद्ध, बॉलीवाल, खो-खो (महिला) 100, 200, 800 मीटर धावन प्रतियोगिता (पुरुष एवं महिला) का फाईनल मैच खेला।

  युवमहोत्सव का समापन समारोह सायं 4:00 बजे से आरम्भ हुआ। इसमें जम्मू-काश्मीर के चिकित्सा शिक्षा एवं क्रीडा मन्त्री श्री आर. एस. चिब, मुख्यातिथि तथा आचार्य रामानुजदेवनाथन (कुलपति जगद्गुरू रामानन्दचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय) विशिष्टातिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति जी ने की। कार्यक्रम में मुख्य संयोजक प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, समन्वयक प्रो. एम्. चन्द्रशेखर, समन्वयिका डॉ. शुक्ला मुखर्जी तथा संरक्षक के रूप में प्रो. के. बी. सुब्बारायुडु उपस्थित थे। इस अवसर पर विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार तथा प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इसमें प्रथम स्थान शृंगेरी परिसर, द्वितीय स्थान जम्मू परिसर तथा तृतीय स्थान जयपुर परिसर को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रत्न मोहन झा ने किया।

* दिनाङ्क 26-09-2011 को मध्याह्न सम्मेलन कक्ष में युवमहोत्सव की सुसम्पन्नता के उपलक्ष्य में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिसर के प्राचार्य सहित समस्त प्राध्यापक/अध्यापक एवं कार्यलयी कर्मचारी उपस्थित हुए। इस बैठक में सभी ने युवमहोत्सव की सभी व्यवस्थाओं की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

* दिनाङ्क 10-10-2011 को परिसर में काञ्ची कामकोटि पीठाधीश्वर श्री श्री जयेन्द्र सरस्वती जी ने पर्दापण किया। इस अवसर पर लौगाक्षिगृह सूत्रम् का विमोचन किया। इस अवसर पर परिसर के प्राचार्य सहित समस्त प्राध्यापक/अध्यापक, छात्र/छात्राएँ तथा कर्मचारी भी मौजूद थे।

* दिनाङ्क 12-10-2011 से 14-10-2011 तक जयपुर परिसर में आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रिय संगोष्ठी में परिसर के अध्यापकों में डॉ. हरिनारायण तिवारी, डॉ. सतीश कपूर और सुश्री नीतू शर्मा ने भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. सतीश कपूर जी ने आयोजित कवि गोष्ठी में अपना काव्य पाठ किया।

* दिनाङ्क 19-10-2011 को ज्योतिष विभाग के अंश का. प्राध्यापक श्री उपेन्द्र भार्गव ने अरूणांचल प्रदेश में स्थित राजीव गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में "नागार्जुन" पर आयोजित राष्ट्रिय संगोष्ठी में शोध पत्रवाचन किया।

* दिनाङ्क 20-10-2011 को परिसर में अखिल भारतीय स्पर्धा हेतु प्रतिभागियों का चयन किया गया।

* दिनाङ्क 21-10-2011 को दर्शन विभागाध्यक्ष डॉ. वैद्यनाथ झा अखिल भारतीय स्पर्धा में प्रतिभागियों के चयन हेतु निर्णायक के रूप में लखनऊ परिसर गये।

* दिनाङ्क 12-12-2011 से 26-12-2011 तक परिसर में आचार्य तथा शास्त्री कक्षाओं की सत्रार्द्ध परीक्षाओं का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

* दिनाङ्क 12/13-12-2011 को परिसर के साहित्य विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश कुमार कपूर ने उत्तराखण्ड संस्कृत निदेशालय (उत्तराखण्ड शासन), देहरादून द्वारा उत्तराखंड-संस्कृत-संस्थान ज्वालापुर, हरिद्वार में आयोजित माध्यमिकशिक्षा पाठ्यक्रम हेतु द्विदिवसीय कार्यशाला में सहभागिता ग्रहण की।

* दिनाङ्क 18-12-2011 को मुक्तस्वाध्याय पाठ्यक्रम के अंतर्गत शास्त्री तथा आचार्य कक्षाओं की वार्षिक परीक्षा सम्पन्न हुई।

* दिनाङ्क 05-01-2012 से 10-01-2012 तक दिल्ली के विज्ञानभवन में आयोजित 15 वें विश्वसंस्कृतसम्मेलन में परिसर के प्राचार्य प्रो. यशपाल खजूरिया, शिक्षाशास्त्र-विभागाध्यक्ष प्रो. एम्. चन्द्रशेखर, साहित्यविभागाध्यक्ष

डॉ. सतीश कुमार कपूर तथा ज्योतिषविभाग से श्री नरेश शर्मा ने भाग लिया।

* दिनाङ्क 14-01-2012 से 18-01-2012 तक रूहेल-खण्डविश्वविद्यालय, बरेली में आयोजित नेशनल बॉलीबॉल प्रतियोगिता में परिसर की बॉलीबॉल टीम ने भाग लिया।
* दिनाङ्क 26-01-2012 को परिसर के प्रभारी प्राचार्य प्रो. यशपाल खजूरिया की अध्यक्षता में गणतंत्र दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें परिसर के प्राध्यापकों, अध्यापिकायें, कर्मचारी तथा छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।
* दिनाङ्क 28-01-2012 को बसन्त पंचती के उपलक्ष्य में परिसर में सरस्वती पूजन का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता परिसर के प्रभारी प्राचार्य प्रो. यशपाल खजूरिया ने की।
* दिनाङ्क 30-01-2012 से 01-02-2012 तक दिल्ली में आयोजित कौमुदी महोत्सव (अन्त:परिसरीयनाट्यस्पर्धा) में सुश्री नीतूशर्मा, श्रीधनञ्जय मिश्र, श्री उपेन्द्रभार्गव के निर्देशन में परिसर के प्रतिभागी छात्र-छात्राओं ने भाग लिया और बालरामयण नाटक का मंचन किया।
* दिनाङ्क 02-02-2012 से दिनांक 29-02-2012 तक पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में आयोजित Orientation course में परिसर में डॉ. सतीश कुमार कपूर ने सहभागिता की।
* दिनाङ्क 03-02-2012 से 08-02-2012 तक शिक्षाशास्त्री ने छात्र/छात्राओं की प्रायोगिक परीक्षा सम्पन्न हुई। जिसमें लखनऊ परिसर के प्राचार्य प्रो. सुरेन्द्र झा बाह्य परीक्षक के रूप में उपस्थित हुए। प्रो. राम चन्द्र शास्त्री, प्रो. प्रियतम चन्द शास्त्री सेवा निवृत्त प्रोफेसर की अतिथि अध्यापक के रूप में नियुक्ति, सगणक अतिथि अध्यापिका श्रीमती आशा रानी की नियुक्ति और पर्यावरण के लिए श्रीमती रीतू जसयोटिया अंशकालिक अध्यापिका के रूप में नियुक्ति हुई।
* दिनाङ्क 06-02-2012 उपर्युक्त सभी अतिथि अध्यापक/अध्यापिकाओं ने कार्यभार ग्रहण किया।
* दिनाङ्क 24-02-2012 से 01-03-2012 तक शिक्षाशास्त्री के छात्र/छात्राओं का स्काउट/गाइड कैंप का आयोजन यूथ होस्टल नगरोटा में सम्पन्न हुआ।
* दिनाङ्क 16-03-2012 से 17-03-2012 को शिक्षाशास्त्री के छात्र/छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण परिसर से अमृतसर अटारी बार्डर तक सम्पन्न हुआ।
* दिनाङ्क 22-03-2012 को स्नातक/स्नातकोत्तर विभाग के छात्र/छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण परिसर से सुद्दमहादेव एवं मानतलायी तक सम्पन्न हुआ।
* दिनाङ्क 24-03-2012 से 27-03-2012 को शिक्षाचार्य के छात्र/छात्राओं का शैक्षिक भ्रमण परिसर से कांगडा, चामुंडा, मकलौडगंज, ज्वाला जी, चिंतपूर्णि, अमृतसर, अटारी बार्डर तक हुआ।
* दिनाङ्क 31-03-2012 को परिसर में सारस्वत व्याख्यानमाला का आयोजन जिसमें श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली के भूतपूर्व कुलपति प्रो. श्रीधर वशिष्ठ एवं हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला के शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. लोकेश कौल ने व्याख्यान दिए। जिनकी अध्यक्षता परिसर के प्रभारी प्राचार्य प्रो. यशपाल खजूरिया ने की।

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005

आवेदन पत्र-02

उत्तर दिया-02

7.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गुरुवायूर परिसर संस्थान के अन्तर्गत देश के विभिन्न प्रदेशों में स्थित और कार्यरत परिसरों में से एक है। यह संस्थान भारतसरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन है।

गुरुवायूर परिसर 16.07.1979 को गुरुवायूर साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ, जो गुरुवायूर के पास पावरत्ती में स्थित था और जिसकी स्थापना स्व. श्री पी.टी. कुरियाकोश मास्टर द्वारा की गई थी, के अधिग्रहण के फलस्वरूप स्थापित हुआ। यह पूर्ववार्णित विद्यापीठ केरल के अन्दर और बाहर के समस्त क्षेत्रों में संस्कृत ज्ञान के प्रमुख केन्द्र के रूप में प्रसिद्ध था और स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर तक, मद्रास विश्वविद्यालय के साथ सम्बद्धता प्राप्त करके, शिक्षा प्रदान करता था। जनवरी 1970 में यह प्राचीन पारम्परिक अध्ययन का भण्डार गृह भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से सम्बद्ध हो गया। 7 मई 2002 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को मानित विश्वविद्यालय घोषित कर दिया गया।

गुरुवायूर परिसर के दो केन्द्र हैं एक पुरनाट्टुकरा में और दूसरा पावरती में। प्रमुख केन्द्र पुरनाट्टुकरा में है जो 14 एकड़ के विस्तार में अत्यन्त सौन्दर्यपूर्ण प्राकृतिक वातावरण में स्थित है। इसमें प्रमुख शैक्षणिक खण्ड, प्रशासनिक खण्ड, पुस्तकालय, छात्रों और छात्राओं के छात्रावास, अतिथि गृह, आडिटोरियम, खेल का मैदान, अर्ध कार्यरत भवन और आवासीय भवन स्थित हैं। पावरती केन्द्र में 50 सेन् की विस्तृत भूमि में बसा है और इसका नाम है पी.टी.कुरियाकोस स्मृति भवन। इसमें एकमंजिला भवन है जिसमें दो बड़े हॉल हैं, एक प्रशासनिक कक्ष है और अन्य दस कक्षा गृह है जो आधुनिक सुविधाओं से सम्पन्न हैं।

संस्थान के अधिकारी गण और परिसर इस केन्द्र पर शीघ्रतिशीघ्र शिक्षाचार्य पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने का सर्वाधिक प्रयत्न कर रहा है।

परिसर की स्थिति

गुरुवायूर परिसर केरल में त्रिचूर जिले में आदत पञ्चायथ स्थान पर एक शैक्षिक संकुल क्षेत्र में स्थित है और इसके चारों और आमला मेडिकल महाविद्यालय, श्रीरामकृष्ण आश्रमम् एस.आर्.के.जी.वी.एम्. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और शारदा बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय तथा आई.ई.एस्. इन्जीनियरिग कालेज, त्रिचूर शहर से गुरुवायूर परिसर उत्तर पूर्व में 8 किलोमीटर दूर है। कोच्चि अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, जो नेदुम्बेसेरी में स्थित है, परिसर से केवल 61 किलोमीटर दूर है।

गुरुवायूर परिसर के दो कार्यरत केन्द्र हैं।

1. पुरुनाट्टुकरा अर्थात प्रमुख परिसर
2. पावरती में कुरियाकोस मास्टर स्मृति भवन जो मुख्य परिसर से 15 किलोमीटर की दूरी पर है।

वर्तमान में पुरुनाट्टुकरा स्थित परिसर में निम्नलिखित पाठ्यक्रम पढाए जा रहे हैं–

1. प्राक्शास्त्री (इन्टरमीडिएट)
2. शास्त्री (ग्रेजुएशन), वेदान्त, साहित्य, व्याकरण, न्याय और ज्योतिष।
3. आचार्य (स्नातकोत्तर) वेदान्त, साहित्य, व्याकरण और न्याय।
4. शिक्षा–शास्त्री (बी.एड्)
5. विद्यावारिधि (पी.एच्.डी)

परिसर में आधुनिक विषय भी यथा इतिहास, अंग्रेजी, मलयालम, हिन्दी, संगणक शिक्षा एवं पर्यावरण अध्ययन प्राक् शास्त्री से शास्त्री तक विद्यार्थियों को आधुनिक जगत से परिचित कराने के लिए आयोजित किए जाते हैं।

प्रवेश

वर्तमान शैक्षणिक सत्र के दौरान निम्नानुसार प्रवेश हुये।

क्र.सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	36
2.	प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	39
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	50
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	28
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	53
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	39
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	38
8.	शिक्षाशास्त्री	76
9.	विद्यावारिधि	10
	कुछ छात्र	**369**

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम/अभिविन्यास कार्यक्रम (आचार्यगण द्वारा)

क्र.सं.	नाम एवं पद	पुनश्चर्या/अभिविन्यास	आयोजक	अवधि	ग्रेड
1.	श्रीमती के.ए. जैसी, सहायक आचार्य (मलयालम)	पुनश्चर्या	यू.जी.सी. अकेडेमिक, कॉलेज, कालीकट विश्वविद्यालय केरल	09.06.2011 से 29.06.2011	ए
2.	डॉ. ललिथा चन्द्रन सहायक आचार्य (व्याकरण)	अभिविन्यास	यू.जी.सी. अकेडेमिक, कॉलेज, कालीकाट विश्वविद्यालय केरल	15.06.2011 से 12.07.2011	ए
3.	डॉ. विजयालक्ष्मी राधाकृष्णन्न सहायक आचार्य (व्याकरण)	अभिविन्यास	यू.जी.सी. अकेडेमिक, कॉलेज, कालीकट विश्वविद्यालय केरल	15.06.2011 से 12.07.2011	ए

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005

आवदेन पत्र-04

उत्तर दिया-04

7.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

परिसर का संक्षिप्त इतिहास

राजस्थान राज्य के तत्कालीन मुख्यमन्त्री स्व. श्री शिवचरणमाथुर महोदय के अनुरोध पर पद्मश्री डॉ. मण्डनमिश्र, (पूर्व निदेशक) के सद् प्रयासों से प्रथम निदेशक आचार्य रामकरण शर्मा के द्वारा 13.05.1983 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली का परिसर: "केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" के नाम से स्थापित किया गया। इस समय यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), जयपुर परिसर के नाम से प्रसिद्ध है। परम्परागत शिक्षा के प्रचार प्रसार के लिए, दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण, उनके प्रकाशन के लिए, संस्कृत विद्या क्षेत्र में शोध कार्यों के संवर्धन के लिए, शास्त्र ज्ञान के साथ-साथ आधुनिक, लोकापयोगी नूतन विषयों के ज्ञान प्रदान के लिए प्रयासरत यह जयपुर-परिसर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान का 28 वाँ वार्षिक समारोह सम्मान्य कुलपति महोदय, जगद्गुरू रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृतविश्वविद्यालय तथा समाज के विशिष्ट विद्वानों की उपस्थिति में आयोजित कर गौरव का अनुभव कर रहा है। इस सत्र में यह संस्थान न केवल राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के दसों परिसरों में श्रेष्ठ रहा है अपितु छात्र संख्या तथा शैक्षिक उपलब्धियों की दृष्टि से भी देश के अनेक सुप्रतिष्ठित संस्कृत विश्वविद्यालयों में श्रेष्ठ

प्रवेश

वर्तमान शैक्षणिक सत्र के दौरान निम्नानुसार प्रवेश हुये :

क्र.सं.	कक्षा	छात्र संख्या
1.	प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष	49
2.	प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष	66
3.	शास्त्री प्रथम वर्ष	172
4.	शास्त्री द्वितीय वर्ष	170
5.	शास्त्री तृतीय वर्ष	142
6.	आचार्य प्रथम वर्ष	102
7.	आचार्य द्वितीय वर्ष	65
8.	शिक्षाशास्त्री	100
9.	शिक्षाआचार्य	35
10.	विद्यावारिधि	54
	कुछ छात्र	**955**

विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा पुनश्चर्या/अभिविन्यास पाठ्यक्रम का विवरण

क्र.सं.	नाम	पद	पाठ्यक्रम	अवधि	वि.वि.का नाम
1.	डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी	स.आ. (साहित्य)	पुनश्चर्या	01.08.11 से 20.8.11	राज.वि.वि. जयपुर
2.	डॉ. शुभस्मिता मिश्र	स.आ. (ज्योतिष)	पुनश्चर्या	01.08.11 से 20.08.11	राज.वि.वि. जयपुर
3.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	स.आ. (ज्योतिष)	अभिविन्यास	01.08.11 से 20.08.11	राज.वि.वि. जयपुर
4.	श्री दरियाव सिंह	स.आ. (शि.शा.)	अभिविन्यास	01.08.11 से 20.08.11	राज.वि.वि. जयपुर

रहा है। मेरा मानना है कि संस्कृत शिक्षा के किसी भी एक संस्थान में इतनी संख्या में छात्र नहीं हैं।

परिसर की स्थिति

डॉ. सरोजिनी महिषी महोदया के उपाध्यक्ष काल में उनके सत्प्रयास से केन्द्र सरकार के द्वारा दी गई वित्तीय सहायता से 7.27 एकड़ भूखण्ड में 60 कमरों से युक्त संस्थान का अध्यापन, प्रशासनखण्ड, व्यायामशाला, सुसज्जित सभागार, पुस्तकालय, परियोजना खण्ड, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, प्राकृतशोध अध्ययन केन्द्र, मुक्तस्वाध्याय केन्द्र, छात्र-छात्राओं का पृथक् पृथक् छात्रावास, प्राध्यापक-कर्मचारी आवास, क्रीडा मैदान, बगीचे जैसी भौतिक सम्पदाओं से युक्त हमारा यह परिसर शोभायमान है।

नवीन क्रियाकलाप

1. राज्य स्तरीय चयन स्पर्धा में संस्थान के छात्रों का वर्चस्व।
2. अखिल भारतीय शलाका परीक्षा एवं शास्त्रीय स्पर्धा (18) राज्यों में तृतीय स्थान।
3. दिल्ली में आयोजित कौमुदी महोत्सव नाटक स्पर्धा में द्वितीय स्थान।
4. अन्तः परिसरीय युवमहोत्सव में (10 राज्यों) द्वितीय स्थान।
5. तिरूपति राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ के छठे प्रतिभा सम्मान समारोह में प्रतिभागिता तथा पुरस्कार प्राप्त।
6. वाराणसी में आयोजित गीता कण्ठपाठ प्रतियोगिता में छात्रों ने भाग लिया।
7. संस्कृतभारती द्वारा बैंगलुरु में आयोजित अखिलभारतीय शलाका प्रतियोगिता में छात्रों ने भाग लिया।
8. जे.एस.शाह चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा क्रीडा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त छात्र को छात्रवृत्ति।
9. राजस्थान संस्कृत अकादमी के सहयोग से रवीन्द्रमंच पर कुन्दमाला नाटक का मंचन।
10. जालन्धर में आयोजित लोकनृत्य प्रतियोगिता में छात्राओं ने भाग लिया।

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005

आवेदन प्राप्त-23

उत्तर दिया-23

7.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

परिसर का संक्षिप्त परिचय

उत्तर-प्रदेश की राजधानी लखनऊ में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लखनऊ परिसर की स्थापना 2 अगस्त, 1986 को केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के अधीन हुई। आरम्भिक समय से ही यह केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ परम्परागत संस्कृत विद्या की उन्नति प्रचार-प्रसार, अध्ययन-अध्यापन एवं शोध के क्षेत्र में अग्रणी रूप से कार्यरत है। वर्ष 2002 में मानित विश्व विद्यालय घोषित होने के पश्चात् राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली का यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ लखनऊ से लखनऊ परिसर के रूप में संस्कृत भाषा के उन्नयन हेतु प्रयत्नशील है, लखनऊ परिसर में अन्य भाषाओं के साथ ही साथ पालि एवं प्राकृत भाषाओं के अध्ययन केन्द्र की भी स्थापना की गई है। संस्कृत भाषा के अनेक विद्वानों एवं लेखकों ने इस परिसर के विकास में अपना योगदान दिया है। अवध क्षेत्र में स्थित होने के कारण यह परिसर क्षेत्र के लोगों भारतीय संस्कृति, राष्ट्रिय एकता एवं धार्मिक सौहार्द को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहा है। यह परिसर विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ में स्थित है तथा दिन-प्रतिदिन समृद्धि की ओर अग्रसर है।

परिसर की स्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानित विश्वविद्यालय लखनऊ परिसर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में विशाल खण्ड-4, गोमती नगर लखनऊ में विशाल भवन में स्थित है। परिसर के अन्दर ही महिला छात्रावास, संकाय एवं कर्मचारी आवास भी उपलब्ध है।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

(1) व्याकरण- (i) प्राचीन (ii) नव्य

(2) ज्योतिष- (i) फलित (ii) सिद्धान्त

(3) संस्कृत साहित्य

(4) बौद्ध दर्शन

(5) आधुनिक विषय- (i) हिन्दी (ii) अंग्रेजी (iii) अर्थशास्त्र (iv) राजनीति विज्ञान एवं सगंणक

(6) शिक्षाशास्त्र

(7) शारीरिक शिक्षा

(8) पालि एवं प्राकृत

(9) शोध एवं प्रकाशन

शैक्षिक गतिविधियाँ

1. 02.05.2011 से 04.05.2011 तक त्रिदिवसीय पालि/प्राकृत संस्कृत छाया प्रशिक्षण कार्यक्रम।
2. 10.08.2011 से 16.08.2011 तक संस्कृत सप्ताहोत्सव का आयोजन।
3. 21.09.2011 से 24.09.2011 अन्तर परिसरीय युव समारोह में छात्रों एवं छात्राओं द्वारा प्रतिभागिता एवं पुरुस्कार प्राप्त।
4. परिसर के 2 छात्रों द्वारा दस दिवसीय न्याय शास्त्र गोष्ठी में पूर्व-प्रज्ञ विद्यापीठ, बैंगलूरु में सहभागिता।
5. 22.10.2011 से 23.10.2011 को अखिल भारतीय संस्कृत भाषण स्पर्धा के लिये उत्तर प्रदेश राज्य के राज्य स्तरीय छात्रों की चयन स्पर्धा परसर में सम्पन्न।
6. 01.11.2011 से 04.11.2011 परिसर का बैडमिंटन दल अर्न्तविश्व विद्यालय बैंडमिटन प्रतियोगिता में पंजाब तकनीकी वि.वि. जलन्धर में सहभगिता।
7. 23.11.2011 से 26.11.2011 परिसर का कब्बड़ी दल अर्न्तविश्व विद्यालय कब्बडी प्रतियोगिता में डी.आई.एस. परमार कृर्षि विश्वविद्यालय, सोलन हिमाचल प्रदेश में फाईनल स्तर तक पहुँचे।
8. 07.12.2011 को परिसर में त्रैमासिक ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम का शुभारम्भ।
9. 19.12.2011 को ज्योतिष विषय पर विस्तार व्याख्यान।
10. 22.02.2012 को स्काऊट आंदोलन के जनक लार्ड बाटॉन पावेल के जन्मदिन के अवसर पर कैम्प फायर कार्यक्रम का आयोजन।
11. 24.02.2012 को गोपीनाथ कविराज की स्मृति में साहित्य विषय पर विस्तार व्याख्यान।
12. 16.02.2012 से 29.02.2012 पालि एवं प्राकृत विषय पर कार्यशाला आयोजित।
13. 16.03.2012 से 22.03.2012 तक हिन्दी विषय पर कार्यशाला आयोजित।

7.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने 13 जनवरी 1992 को शृंगेरी में अपने एक अंगीभूत इकाई के रूप में राजीव गांधी-केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की। उस समय भारत सरकार में मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह थे। तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर वेंकटरमण ने 5 मार्च 1992 के पवित्र दिन इस परिसर का उद्घाटन किया। इस परिसर को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, वर्तमान में राजीव गांधी परिसर का नाम दिया गया है। यह परिसर कर्नाटक प्रदेश के चिकमगलूर जिले में प्रादेशिक सरकार द्वारा प्रदत्त 10.2 एकड़ जमीन में स्थापित है। यह परिसर मैंगलोर से 120 कि.मी., बैंगलूर से 380 कि.मी., उडिपी से 90 कि.मी. तथा शिमोगा से 105 कि.मी. की दूरी पर है। यह शिमोगा-बैंगलूरू ट्रेन रूट पर स्थित है। इस परिसर के भवन का निर्माण केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग के द्वारा 1.63 करोड़ की लागत से करवाया गया। द्वितीय चरण में लड़कों और लड़कियों के छात्रावास और शिक्षक वर्ग की न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्त्ति हेतु आवासीय परिसर 4.17 करोड़ की लागत से बनवाए गए।

परिसर में निम्नलिखित पाठ्यक्रम पढाए जाते हैं-नव्य व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, मीमांसा, नव्यन्याय और फलित ज्योतिष (आचार्य और शास्त्री स्तर पर) यहाँ पर शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) और प्राक् शास्त्री (इन्टर-मीडिएट) कक्षाओं का भी प्रबन्ध है। जो विद्यार्थी शोधकार्य सफलता पूर्वक पूरा कर लेते हैं उन शोध-छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि भी प्रदान की जाती है। आधुनिक विषयों के साथ इस परिसर में संगणक भी सिखाया जाता है।

2011-12 वर्ष में इस परिसर द्वारा सञ्चालित विविध पाठ्यक्रमों में 419 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया। इस परिसर के छात्रों को दोनों समय का भोजन प्रदान करने के लिए महात्मा जगद्गुरू श्री श्रीभारती तीर्थ महास्वामी जी और शृंगेरी के श्री शारदापीठ के प्रमुख प्रशासक धन्यवाद के पात्र हैं।

2011-12 वर्ष में प्रविष्ट छात्र

क्र	कक्षा	विद्यार्थी संख्या
1.	प्राक्शास्त्री I	47
2.	प्राक्शास्त्री II	44
3.	शास्त्री I	66
4.	शास्त्री II	32
5.	शास्त्री III	35
6.	आचार्य I	37
7.	आचार्य II	36
8.	शिक्षा शास्त्री	99
9.	विद्यावारिधि	23
	कुलयोग	419

आर टी आई एक्ट के अन्तर्गत प्राप्त सूचनाएँ - 1

इन सूचनाओं के प्रत्युत्तर भेजे गए-1

सह पाठ्यक्रम गतिविधियाँ

राजीव गांधी स्मृति अन्तर्राष्ट्रीय व्याख्यान

सम्पूर्ण विश्व में विभिन्न संस्कृत विद्वानों में परस्पर सम्बन्ध स्थापित करने और उनके विभिन्न विषयों के प्रति ज्ञान में वृद्धि करने के उद्देश्य से परिसर ने 16.01.2012 को तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय भाषण का आयोजन किया जिसकी अध्यक्षता संस्थान के मान्य कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी द्वारा की गई। महामहोपाध्याय प्रो. जोर्ज कार्डोना, पेन्सिलवानिया विश्वविद्यालय, यू.एस्.ए ने भाषाविज्ञान पर भाषण किया।

अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत गोष्ठी

परिसर में एक तीन दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय गोष्ठी का आयोजन परिसर में 16.01.2012 से 18.01.2012 तक बहुत सफलतापूर्वक किया गया। विषय था-विश्व विचार के विन्यास में संस्कृत का योगदान। गोष्ठी का उद्घाटन महा-पवित्रात्मा जगद्गुरूशंकराचार्य श्री श्री भारतीतीर्थ महास्वामी जी द्वारा किया गया। विदेशों से 16 प्रतिनिधि और भारत से पांच विद्वानों ने गोष्ठी में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला

छात्रों और शिक्षक वर्ग के ज्ञानवर्धन के लिए श्री शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाला के अन्तर्गत प्रतिवर्ष भाषण शृंखला का आयोजन किया जाता है। डॉ. रामचन्द्रलु बालाजी, सह-आचार्य शिक्षा शास्त्र, तथा डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट सह-आचार्य (व्याकरण विभाग) इस वर्ष इस व्याख्यानमाला के संयोजक थे। इस वर्ष

यह व्याख्यान माला परिसर में पढ़ाए जाने वाले सभी सातों विषयों में आयोजित की गई थी। अपिच बहुप्रसिद्ध राष्ट्रस्तरीय प्रसिद्ध विद्वानों को इस भाषण माला हेतु आमन्त्रित किया गया था। कार्यक्रम का विस्तृत विवरण इस प्रकार है–

क्र.	तिथि	शास्त्र	विद्वान का नाम	विषय
1.	07.07.12	शिक्षाशास्त्र	प्रो. आर् देवनाथन	चिन्तनम्
2.	26.08.12	साहित्य	डॉ.एन् लक्ष्मीनारायण	काव्यशास्त्रयोर्वैलक्षण्यम् भाट
3.	12.09.12	अ.वेदान्त	प्रो. स्वामिनाथन	प्रकाशात्मयतीन्द्रोक्तम् मिथ्यात्वलक्षणम्
4.	06.03.12	मीमांसा	प्रो. श्रीराम शर्मा	जिज्ञासाधिकरणम्
5.	31.10.11	ज्योतिष	पं. नारायण शर्मा	मलमासविचार
6.	15.11.11	व्याकरण	प्रो. श्रीपाद सत्यनारायणमूर्त्ति	स्फोटस्वरूपम्
7.	16.03.12	नव्यन्याय	डॉ. विश्वनाथ शास्त्री (तिरुपति)	न्यायदर्शने साधनाचत्तुष्टयम्

वाक्यार्थ परिषद

शिक्षकों तथा छात्रों में वक्तृत्व कौशल के विकास के लिए और शास्त्रों का अध्ययन शास्त्रीय रीति से करने के लिए इस परिसर में वाक्यार्थ परिषद का आयोजन करने की परम्परा चली आ रही है। यह कार्यक्रम प्रतिमास एक बार आयोजित किया जाता है। इसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है–

इस वर्ष इस परिषद का संयोजन डॉ. चन्द्रकला आर् कोंडी, सह आचार्य (साहित्य) और डॉ. गणेश टी पण्डित, सह आचार्य, शिक्षाशास्त्र, ने बहुत प्रभावी ढंग से किया। अन्य तीन परिषदों सहित इस वर्ष की परिषद् का उद्घाटन प्रो. आर् देवनाथन, कुलपति, श्री जगद्गुरु रामानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, राजस्थान द्वारा किया गया। परिषद का प्रथम सत्र 19.07.2011 को आयोजित हुआ जिसमें डॉ. महाबलेश्वर पी.भट्ट, डॉ. सुब्राय वी भट, डॉ. चन्द्रकान्त तथा डॉ. नवीन होल्ला ने अपने अपने शास्त्रों से सम्बद्ध वाक्यार्थ प्रस्तुत किए। द्वितीय सत्र 23.08.2011 को आयोजित हुआ जिसमें डॉ. सी.एस्.एस्. नरसिंहमूर्त्ति, डॉ. हरिप्रसाद के, डॉ. चन्द्रकला आर्. कोण्डी तथा श्री आर. नवीन ने वाक्यार्थ प्रस्तुत किए।

डॉ. रामचन्द्रलु आर बालाजी, श्री श्रीनाथ और सुदर्शन शिपलुंकर ने 20.09.2011 को तृतीय सत्र में वाक्यार्थ प्रस्तुत किए।

चतुर्थ सत्र 21.10.2011 को आयोजित किया गया जिसमें डॉ. एस् राधा, डॉ. कृष्णानन्त पद्मनाभम्, डॉ. सूर्यनारायण भट, डॉ. राघवेन्द्र भट तथा डॉ. वेङ्कटरमण भट ने वाक्यार्थ प्रस्तुत किए।

पांचवां सत्र 22.11.2011 को आयोजित हुआ जिसमें डॉ. गणेश ईश्वर भट, डॉ. रामचन्द्र जोयसा, श्री रामकृष्ण पेजातव और श्री श्रीकर जी.एन् ने वाक्यार्थ प्रस्तुत किए।

27.01.2012 को आयोजित छठे सत्र में प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द, डॉ. सोमनाथ साहू, श्री वेंकटेश तातार्चार्य, श्री श्यामसुन्दर तथा श्री. विनायक रजत ने वाक्यार्थ प्रस्तुत किए।

सातवाँ और अन्तिम सत्र 15.03.2012 को आयोजित हुआ जिसमें प्रस्तुत किए गए वाक्यार्थों पर चर्चा हुई।

संस्कृतोत्सव

14.08.2011 को परिसर में संस्कृतोत्सव अतीव हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया। महा पवित्रात्मा जगद्गुरु श्री श्री भारतीतीर्थ महास्वामी जी ने गुरुभवन में समारोह का उद्घाटन किया और अनुग्रह भाषण प्रस्तुत किया। संस्कृतोत्सव के समापन समारोह में डॉ. गिरिधर वी–शास्त्री ; प्रवक्ता श्री जे सी बी एम् महाविद्यालय, शृंगेरी मुख्य अतिथि थे और उन्होंने संस्कृतोत्सव के अन्तर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए।

शिक्षक दिवस समायोजन

भारत के सम्मानीय भूतपूर्व राष्ट्रपति डॉ. एस. राधाकृष्णन् की स्मृति में परिसर में 05.09.2011 को शिक्षक दिवस मनाया गया। श्री राममूर्त्ति, प्राचार्य, अभिनव रामानन्द सरस्वती पदविपर्व महाविद्यालय, हरिहरपुरा तथा श्रीमती सुवर्ण, संस्कृत शिक्षक, राजकीय उच्च विद्यालय शृंगेरी 'शिक्षक प्रवर' उपधि से सुशोभित किए गए।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र ने प्रथमा दीक्षा पाठ्यक्रम का श्रीगणेश किया जिसका उद्घाटन श्रीमती पुष्पा लक्ष्मीनारायण, सदस्य, जिला पञ्चायत ने 16.08.2011 को किया और समापन समारोह 11.01.2012 को आयोजित हुआ।

द्वितीय दीक्षा का उद्घाटन 01.02.2012 को शिवशंकर बी जिला पंचायत, सदस्य मेनासे और इसका समापन समारोह 24.05.2012 को आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि श्री सतीश जी एम् अधिवक्ता थे।

सम्मान कार्यक्रम

18.10.2012 को परिसर ने पद्मश्री गुरुसेवाधुरीन डॉ. वी. आर्. गौरीशंकर को श्री शृंगेरी शंकराचार्य महासंस्थानम् के प्रशासन कार्य के 25 वर्ष पूर्ण करने पर और परिसर के स्थानीय परामर्शदात्री समिति की अध्यक्षता के 20 वर्ष पूर्ण करने पर सम्मानित किया।

विशेष व्याख्यान

31.10.2011 को प्रो. पेरी सुब्बराह्मन् राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के द्वारा शिक्षाशास्त्र विभाग में एक विशेष व्याख्यान दिया गया। भाषण का विषय था–आप्तवाक्याधिगमसिद्धान्ताः।

स्वेच्छा आधारित अङ्क व्यवस्था

डॉ. सत्यवती त्रिपाठीजी ने नये प्रारम्भ किए गए स्वेच्छाधारित अंक व्यवस्था का 15 जनवरी 2012 को परिसर में उद्घाटन किया। माननीय कुलपति प्रो. राधावल्लभत्रिपाठी ने समारोह की अध्यक्षता की।

वार्षिक दिवस

23 जनवरी 2012 को हमारे परिसर के द्वारा वार्षिक दिवस महापवित्रात्मा जगद्गुरू श्री श्रीभारती तीर्थ महास्वामीजी के आशीर्वाद के साथ मनाया गया। हमारे कुलसचिव प्रो. के. बी. सुब्बारायडु ने समारोह की अध्यक्षता की।

चारों परिषदों का समापन समारोह

वाग्वर्धिनी परिषद, स्पर्धिष्णु परिषद, अध्यापक वाक्यार्थ परिषद और शारदा विशिष्ट व्याकरणमाला का समापन समारोह 20 मार्च 2012 को आयोजित किया गया। प्रो. महाबल भट्ट, एस् डी एम् महाविद्यालय, उजरे, मुख्य अतिथि के रूप में आमन्त्रित किए गए।

मध्याह्न में शास्त्रीय बांसुरी वादन का आयोजन किया गया। मुम्बई से प्रसिद्ध कलाकार आमन्त्रित किए गए।

छात्रावास दिवस समारोह

परिसर ने 25 मार्च 2012 को छात्रावास दिवस समारोह आयोजित किया। डॉ. अनित कुमार इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में आमन्त्रित किए गए। इस दिन बहुत सी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया और सफल विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए।

मुक्तस्वाध्यायपीठम्

यह परिसर मुक्त स्वाध्यायपीठम् का एक अध्ययन केन्द्र है। डॉ. चन्द्रकान्त इस केन्द्र के संयोजन हैं।

शोध छात्रों की गोष्ठी

डॉ. सुब्राय वी भट और डॉ. राघवेन्द्र भट के संयुक्त नेतृत्व में इस वर्ष शोध छात्रों के लिए चार गोष्ठियाँ आयोजित की गईं।

संभाषणशिविरम्

नये प्रविष्ट छात्रों में संस्कृत बोलने के कौशल को विकसित करने के लिए और पुराने छात्रों में इस कौशल को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए एक 15 दिवसीय भाषिक संस्कृत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत भाषिक संस्कृत कक्षाओं का प्रबन्ध प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष, प्राक् शास्त्री, द्वितीय वर्ष एवं शास्त्री प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए किया गया और अग्रिम पाठ्यक्रम का प्रबन्ध शिक्षाशास्त्री और आचार्य प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए प्रो. कुटुम्ब शास्त्री के मार्गदर्शन में डॉ. हरिप्रसाद के तथा डॉ. वेंकटरमण एस् भट द्वारा किया गया।

वाग्वर्धिनी परिषद्

परिसर के प्राचार्य के अधीक्षण में और डॉ. चन्द्रकान्त तथा श्री वेङ्कटेश तातार्य के मार्गदर्शन में वाग्वर्धिनी परिषद् ने बहुत सराहनीय कार्य किया। सभी कक्षाओं के लिए प्रतिनिधि चुने गए। श्री राघवेन्द्र पी. अरोली और कुमारी सौदामिनी महासचिव पद के लिए चुने गए और अन्य चयन योग्य विद्यार्थी विभिन्न उत्तरदायित्वों के लिए चयनित किए गए। इस परिषद् के अन्तर्गत विद्यार्थियों ने प्रत्येक बृहस्पतिवार

को आचार्यों के अधीक्षण में भाषण दिए। परिषद् के प्रयत्नों के फलस्वरूप, इस वर्ष छात्रों का बहुमुखी विकास सम्भव हो सका।

वाग्वर्धिनी महोत्सव

वाग्वर्धिनी परिषद ने एकदिवसीय वाग्वर्धिनी महोत्सव का आयोजन 20.03.2012 को विद्यार्थियों की गतिविधियों और प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए किया। प्रो. ई. महाबल भट, एस्.डी.एम. महाविद्यालय, उजरे ने समारोह का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बहुत से साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

स्पर्धिष्णु परिषद्

वाग्वर्धिनी परिषद् के एक अंशीभूत कार्यक्रम के रूप में एक नई परिषद स्पर्धिष्णु के नाम से संगठित की गई जिससे स्थानीय स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने, चुनने और प्रशिक्षित करने के लिए विद्यार्थियों को उत्साहित किया जा सके। डॉ. महाबलेश्वर पी भट और डॉ. कृष्णानन्त पद्मनाभम् इस परिषद के समन्वयक थे।

हिन्दी दिवस

परिसर में 14 सितम्बर 2011 को हिन्दी दिवस का समारोह पूर्वक आयोजन किया गया। डॉ. शान्ति नायर, श्री शकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, केरल इस समारोह में अतिथि थीं और उन्होंने विभिन्न हिन्दी प्रतियोगिताओं के प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए।

कन्नड़ राज्योत्सव

परिसर में 01.11.2011 को कन्नड़ राज्योत्सव मनाया गया। प्रो. गजानन हेगडे, अध्यक्ष, कन्नड़ विभाग, श्री जे.सी. बी.एम्. कालेज, शृंगेरी अतिथि थे और प्राचार्य वी. कुटुम्ब शास्त्री ने समारोह की अध्यक्षता की। डॉ. रामचन्द्र जोइस तथा श्रीमती कविता इस समारोह के संयोजक थे।

शिक्षक वर्ग की गतिविधियाँ

प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री

* प्रो. वी. कुटुम्बशास्त्री जी ने वेदान्तभारती, यादातौर योगानन्द पीठ, मैसूर द्वारा संयोजित विद्वत्सभा में 21.07.2011 से 22.07.2011 तक भाग लिया।
* 17.07.2011 को महापवित्रात्मा श्री श्री शंकरभारती महास्वामी जी वेदान्त भारती, यदातोरे योगानन्दपीठम् मैसूर द्वारा शास्त्रों में उनके पांडित्य और प्रशासन में उत्तमता के लिए सम्मानित किया गया।
* 01.09.2011 से 13.09.2011 तक श्री महागणपति वाक्यार्थ सभा, श्री मठ शृंगेरी में भाग लिया और महापवित्रात्मा श्री श्री भारतीतीर्थ महास्वामी जी दक्षिणाम्नाय श्री शृंगेरी शारदापीठम् शृंगेरी द्वारा स्वर्ण मुद्रिका प्रदान करके सम्मानित किया गया।
* राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा 05.11.2011 से 08.11.2011 तक बैंगलूरू के पूर्णप्रज्ञ शोध केन्द्र में विवेकचूडामणि हेतु कार्यशाला में भाषण दिया।
* कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन, (म.प्र.) द्वारा 09-10.11.2011 द्वारा आयोजित कालिदास स्मृति व्याख्यान माला के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागित्व किया।
* अहमदाबाद, गुजरात में 11 नवम्बर 2011 को डॉ. गौतम पटेल के स्वर्ण जयन्ती सम्मान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभागित्व किया।

फ्रेंच इन्स्टीट्यूशन पांडिचेरी में 24-25 नवम्बर 2011 को काव्यदर्पण पर कार्यशाला में संदर्भ व्यक्ति के रूप में प्रतिभागित्व किया।

* विद्यातीर्थ फाउन्डेशन चेन्नई द्वारा 27 नवम्बर 2011 को नकद राशि प्रदान करके सम्मानित किया गया।
* श्री शारदापीठम् शृंगेरी में 28 से 30 नवम्बर 2011 को आयोजित श्री पेरी सूर्यनारायण शास्त्री व्याकरणवागीश के शतायुजयन्त्युत्सव की स्मृति में आयोजित शास्त्रार्थ संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और भाषण दिया।
* मुम्बई में 4, 5 दिसम्बर 2011 को तेलुगु साहित्य समिति द्वारा आयोजित सभा में महाभारतम् और अद्वैत वेदान्त पर दो भाषण दिए।
* दिसम्बर में सुरभारती, बैंगलूरू द्वारा आयोजित मार्गशीर्ष महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
* वेदान्त भारती द्वारा 26, 27, 28 दिसम्बर 2011 को टुमकुर विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में, अद्वैत वेदान्त पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रो. ए. पी. सच्चिदानन्द

* श्री जगन्नाथ विश्वविद्यालय पुरी में 1 मार्च 2012 को शिक्षाशास्त्री के पाठ्यचर्या विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. एस् राधा, साहित्य विभागाध्यक्ष

* 28.12.2011 को राजकीय संस्कृत कालेज त्रिपनट्टुरा केरल में 'भावध्वनिः' पर एक वाक्यार्थ प्रस्तुत किया।
* 2012 में नई दिल्ली में 15 वें विश्व संस्कृत सम्मेलन में भाग लिया।
* के.जे. सोमैय्या संस्कृत विद्यापीठम् मुम्बई में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. महाबलेश्वर पी.भट, अद्वैतवेदान्त के विभागाध्यक्ष

* 21.07.2011 से 23.07.2011 तक वेदान्तभारती, यदातोर योगानन्द पीठ मैसूर द्वारा आयोजित विद्वत्सभा में भाग लिया।

डॉ. सुब्राय वी भट, मीमांसा विभागाध्यक्ष

21.07.2011 से 23.07.2011 तक वेदान्त भारती, यदातोर योगानन्द पीठ, मैसूर द्वारा आयोजित विद्वत्सभा में भाग लिया।

* 01.09.2011 से 13.09.2011 तक श्री महागणपति वाक्यार्थ सभा, श्री मठ, शृंगेरी में भाग लिया।
* श्री शारदापीठम्, शृंगेरी में 28-30 नवम्बर 2011 को व्याकरणवागीश श्री पेरी सूर्यनारायण शास्त्री के शतजयन्त्युत्सव की स्मृति में आयोजित शास्त्रार्थ संगोष्ठी में भाग लिया और मीमांसासम्मतविध्यर्थः विषय पर भाषण दिया।
* 4 दिसम्बर 2011 को अवधूत दत्तपीठम् में व्याकरणाधिकरणम् पर भाषण दिया।
* 21 दिसम्बर 2011 को श्री वेङ्कटेश्वर विश्वविद्यालय में आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में सन्दर्भ व्यक्ति के रूप में भाषण दिया।
* 12.03.2012 से 21.03.2012 तक श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ मानित विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में एक संदर्भ व्यक्ति के रूप में भाग लिया।

डॉ. सी.एस्. एस्. एन्. मूर्त्ति, व्याकरणविभागाध्यक्ष

* परिसर में 14 अगस्त 2011 को सह-आचार्य के पद पर नियुक्त हुए।
* 01.09.2011 से 13.09.2011 तक श्री महागणपति वाक्यार्थ सभा, श्रीमठ, शृंगेरी में भाग लिया।
* श्री शारदापीठम् शृंगेरी में 28-30 नवम्बर 2011 को व्याकरणवागीश श्री पेरी सूर्यनारायण शास्त्री के शतजयन्त्युत्सव की स्मृति में आयोजित शास्त्रार्थ संगोष्ठी में भाग लिया।
* 2 दिसम्बर 2011 को कालीकट विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय गोष्ठी में प्रातिपदिकार्थः विषय पर भाषण दिया।
* फरवरी 2012 में श्री शंकराचार्य विश्वविद्यालय, कलडी में आयोजित राष्ट्रीय गोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. आर् बाला जी, सह-आचार्य

* 28 नवम्बर 2011 को एस्. जी. वी. ओरियन्टल कालेज, तिम्मसमुद्र, आ.प्रदेश द्वारा शास्त्रपण्डित उपाधि से सम्मानित किया गया।
* श्री शारदापीठम् शृंगेरी में 28 से 30 नवम्बर 2011 को व्याकरणवागीश श्री पेदी सूर्यनारायण शास्त्री के शतजयन्त्युत्सव की स्मृति में आयोजित शास्त्रार्थ संगोष्ठी में 'न्यायलक्षणम्' विषय पर भाषण दिया।
* 2 दिसम्बर 2011 को कालीकट विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय गोष्ठी में भाग लिया।
* 23.02.2012 को जे.सी. विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. चन्द्रकान्त, सह-आचार्य

* 13.09.2011 और 05.02.2012 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की विद्वत् परिषद की बैठक में भाग लिया।
* 10.06.12 की राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुक्तस्वाध्यायपीठम् की बैठक में भाग लिया।
* 05 मई 2012 को बी.जी.एस्. जूनियर कालेज, जयपुर में बी.जी.एस.बी.एड छात्रों के लिये आयोजित एन.एस.एस्. कैम्प के समापन समारोह के अवसर पर शैक्षिक मूल्यों पर एक विस्तार भाषण दिया।

डॉ. नवीन होला, नव्यन्याय विभागाध्यक्ष

* 01.09.2011 से 13.09.2011 तक श्री महागणपति वाक्यार्थ सभा, श्रीमठ, शृंगेरी में भाग लिया।
* फरवरी के महीने में श्री शंकराचार्य विश्वविद्यालय कालडी में आयोजित राष्ट्रीय गोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. चन्द्रशेखर भट, सह-आचार्य

* 01.09.2011 से 13.09.2011 तक श्री महागणपति वाक्यार्थ सभा, श्री मठ, शृंगेरी में भाग लिया।

डॉ. कृष्णानन्त पद्मनाभम्, सह-आचार्य

* 01.09.2011 से 13.09.2011 तक श्री महागणपति वाक्यार्थ सभा, श्री मठ शृंगेरी में भाग लिया।
* 28 से 30 नवम्बर को श्री शारदापीठम् शृंगेरी में व्याकरण वागीश श्री पेरी सूर्यनारायण शास्त्री के शतजयन्त्युत्सव की स्मृति में आयोजित शास्त्रार्थ संगोष्ठी में भाग लिया और कर्मकर्तृ-प्रक्रिया विषय पर भाषण दिया।
* 20 और 21 दिसम्बर और फरवरी में कांची कामकोटिपीठम् में आयोजित शास्त्रार्थसभा में भाग लिया।
* जनवरी में शारदापीठम्, विशाखापट्टनम् में आयोजित शास्त्रार्थ सभा में भाग लिया।

डॉ. गणेश ईश्वर भट, सह-आचार्य

* 01.09.2011 से 13.09.2011 तक श्री मठ शृंगेरी में आयोजित श्री महागणपति वाक्यार्थ सभा में भाग लिया।
* 21.07.2011 से 23.07.2011 तक वेदान्त भारती, यदातोरे योगानन्द पीठ, मैसूर में आयोजित विद्वत्सभा में भाग लिया।
* जनवरी 2012 में बैंगलोर में वेद विज्ञान गुरुकुलम् में एक परीक्षक के रूप में कार्य किया।
* फरवरी 2012 में एस्.एस्.एम्.वाई. यूनिवर्सिटी में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. राघवेन्द्र भट, सह-आचार्य

* 8 अगस्त से 27 अगस्त 2011 तक हिमाचल प्रदेश में विश्वविद्यालय शिमला में आयोजित पुनर्नवीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. हरिप्रसाद के. सह-आचार्य

* 3 जुलाई से 10 जुलाई 2011 तक संस्कृत भारती मट्टूरु शिमोगा द्वारा कालेज के विद्यार्थियों के लिए आयोजित शिविर की शैक्षिक गतिविधियों के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
* 11 सितम्बर 2011 को शिमोगा में तरुणोदय संस्कृत सेवा संस्था और संस्कृत भारती द्वारा आयोजित राज्यस्तरीय संस्कृत भाषण प्रतियोगिता में समापन भाषण दिया।
* 8 और 9 अक्टूबर 2011 को कोटा, राजस्थान में आयोजित संस्कृत भारती के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. चन्द्रकला आर कोण्डी, सह-आचार्य

* 10 अक्टूबर 2011 को उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. रामचन्द्र जोयसा, सह-आचार्य

* 01.08.2011 से 20.08.2011 तक राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित पुनर्नवीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।
* 2012 में नई दिल्ली में आयोजित 15वें विश्व संस्कृत सम्मेलन में भाग लिया।

डॉ. सूर्यनारायण भट, सह-आचार्य

* 21 और 22 अगस्त 2011 को मनगांव, गोआ में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के असवर पर 'मीमांसा का परिचय' विषय पर भाषण दिया।
* शिमोगा में संस्कृतोत्सव के अवसर पर 'संस्कृतभाषाया: लोकोपयोगिता' विषय पर भाषण दिया।
* 31 अक्टूबर से 26 नवम्बर 2011 तक राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित उन्मुखीकरणकार्यक्रम में भाग लिया।
* 17.03.2012 को श्रीपाद सेवा मण्डल, पुणे में संस्कृत के महत्त्व पर भाषण दिया।

डॉ. गणेश टी पण्डित, सह-आचार्य

* 09.01.2012 से 01.02.2012 तक राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।
* 30-31 मार्च 2012 को राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

डॉ. वेङ्कटरमण भट, सह-आचार्य

* 09.01.2012 से 04.02.2012 तक राजस्थान विश्वविद्यालय में आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।

श्री वैङ्कटेश ताताचार्य, सह-आचार्य

* 01.09.2011 से 13.09.2011 तक श्रीमठ, शृंगेरी में श्री महागणपति वाक्यार्थ सभा में भाग लिया।
* 28 से 30 नवम्बर को श्री शारदापीठम् शृंगेरी में व्याकरण वागीश श्री पेदी सूर्यनारायण शास्त्री के शतजयन्त्युत्सव की स्मृति में आयोजित शास्त्रार्थ संगोष्ठी में भाग लिया और क्रियाविशेषणोत्तरा द्वितीया विषय पर भाषण दिया।
* 2 दिसम्बर 2011 को कालिकट विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'निरलम्बनवाद' विषय पर भाषण दिया।
* 4 दिसम्बर 2011 को अवधूतदत्तपीठम् में 'विरोधाधिकरणम्' विषय पर भाषण दिया।
* 23.02.2012 से 21.03.2012 तक बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय में आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।

संविदागत अध्यापक :-

श्री श्यामसुन्दर

* 01.09.2011 से 13.09.2011 तक श्री महागणपति वाक्यार्थ सभा, श्रीमठ, शृंगेरी में भाग लिया।

श्री विनय एम् एस्

* जी ए. एम् विद्यापीठ, तारीकेरे में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

श्री रामकृष्ण पेजत्तय

* 1 जुलाई से 3 जुलाई 2011 तक कर्णाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के निर्देशालय द्वारा आयोजित संस्कृत पाठशालाओं के शिक्षकों के लिए आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम में सन्दर्भ व्यक्ति के रूप में कार्य किया।

श्री एस् नवीन

* 16.08.2011 से 18.08.2011 तक कांची कामकोटि पीठम् में आयोजित विद्वत्सभा में भाग लिया।

श्री विनायक रजतभट

* 19-20 नवम्बर 2011 को गुन्टूर में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'आधुनिक सन्दर्भ में संस्कृत व्याकरण' विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
* 08-16 अक्टूबर 2011 में शास्त्रोत्तेजकसभा द्वारा संयोजित परीक्षा में सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होकर शास्त्रचूडामणि उपाधि से अलंकृत किया गया।

डॉ. सुदर्शन चिपलुंकर

* 4 से 10 जुलाई 2011 में मठूरू शिमोगा में संस्कृत भारती द्वारा आयोजित महाविद्यालय विद्यार्थी शिविर में प्रशिक्षक के रूप में प्रतिभागित्व किया।
* 1 से 3 जुलाई 2011 तक कर्णाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के निर्देशालय द्वारा आयोजित कर्णाटक संस्कृत पाठशालाओं के शिक्षकों के लिए पुनर्नवीकरण कार्यक्रम में संयोजक के रूप में प्रतिभागित्व किया।

श्री श्रीकर जी एन्

* 21.07.2011 से 23.07.2011 तक वेदान्तभारती, यादातोरे योगानन्द पीठ मैसूर द्वारा आयोजित विद्वत्सभा में प्रतिभागित्व किया।

श्री एच् डी. रामचन्द्र

* 6 जनवरी 2012 को कुवेम्पु विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ

युवा महोत्सव

अक्टूबर 2011 में रणवीर परिसर, जम्मू में आयोजित अन्त:परिसरीय युवा महोत्सव में हमारे परिसर के विद्यार्थियों ने 395 अंक प्राप्त करके विजयवैजयन्ती जीती।

राष्ट्रस्तरीय शास्त्रीय भाषण शलाका प्रतियोगिता

* बैंगलोर, कर्णाटक में आयोजित राष्ट्रस्तरीय शास्त्रीय भाषण शलाका प्रतियोगिता में 6 स्वर्णपदक, 3 रजत पदक और 3 कांस्य पदक जीत कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की।
* जनवरी 2012 में महात्मा गांधी काशी विद्यापीठम्, वाराणसी में आयोजित विभिन्न शास्त्रीय प्रतियोगिताओं में 5 प्रथम पुरस्कार प्राप्त किए।

* फरवरी 2012 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित कौमुदीमहोत्सव में **सीताराघवम्** संस्कृत नाटक प्रस्तुत करके सर्वोत्तम प्रदर्शन हेतु प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया।
* बैंगलोर में आयोजित राज्यस्तरीय शास्त्रीय भाषणशलाका प्रतियोगिता में 12 स्वर्णापदक, 4 रजतपदक तथा 3 कांस्यपदक जीत कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की।

आदि चम्वनगिरि संस्थानम्

* नवम्बर 2011 में आदि चञ्चनगिरि संस्थानम् हासनैन में आयोजित संस्कृत वादविवाद प्रतियोगिता में दोनों प्रतिभागियों ने प्रथम और द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किए।

छात्र प्रतिभा उत्सव

* फरवरी के महीने में राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति में आयोजित छात्र प्रतिभा उत्सव में 1 प्रथम पुरस्कार, 1 द्वितीय पुरस्कार, 2 तृतीय पुरस्कार तथा दो सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त किए।
* जे.सी.बी.एम् कालेज, शृंगेरी में जनवरी 2012 में आयोजित विद्यार्थी प्रतिभा उत्सव में सर्वाधिक अंक प्राप्त करके विजयवैजयन्ती जीती।

7.8 वेद व्यास परिसर, बलहार (हिमाचल प्रदेश)

परिसर परिचय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जो भारत सरकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय के अधीन संचालित एक स्वायत संस्था है उसका एक परिसर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ नाम से 16.09. 1997 को हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के गरली ग्राम में भारत की स्वर्णिम जयन्ती के अवसर पर स्थापित हुआ। वर्तमान में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मानितविश्व-विद्यालय **वेदव्यास परिसर** के नाम से नामित है जो कि बलाहर में 13.26 करोड़ रुपये की लागत से अपने नव निर्मित भवन में 28.01.2012 से संचालित है।

वेदव्यास परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के स्वप्न एवं लक्ष्य को वास्तविकता में परिणत करने में सतत प्रगतिशील है। परिसर के लक्ष्य एवं उद्देश्य संस्कृत भाषा एवं उसके विविध शास्त्रीय परम्परा का परिरक्षण करना है। परिसर व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य एवं वेदान्त दर्शन विषयों में प्राक्शास्त्री, शास्त्री एवं आचार्य पाठ्यक्रमों को संचालित कर रहा है। उपर्युक्त विषयों पर विद्यावारिधि (पी.एच.डी.) उपाधि के लिए शोध कार्यक्रम भी परिसर के द्वारा संचालित हैं। इसके अलावा संगणक विज्ञान, पर्यावरण, हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास एवं अर्थशास्त्र आदि आधुनिक विषयों को भी स्नातक स्तर पर पढ़ाया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि एक ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होने से परिसर के विकास एवं संस्कृत भाषा के प्रचार हेतु अधिक सम्भावना है। हिमाचल प्रदेश के लोग अत्यन्त नम्र और धार्मिक परम्पराओं एवं संस्कृति में विश्वास रखते हैं। यह परिसर समीपस्थ जन समुदायों को संस्कृत से जोड़ने के लिए प्रयासरत हैं। इस दिशा में परिसर के अन्तेवासियों का योगदान उल्लेखनीय है।

परिसर की अवस्थिति

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानितविश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में देहरा के पास बलाहर नामक एक लघु ग्राम में व्यास नदी के तट में अवस्थित है। इस परिसर के आस-पास के क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी-देवाताओं के मन्दिर चिन्तपूर्णी, ज्वालाजी एवं कालेश्वर महादेव अवस्थित हैं।

उपलब्ध पाठ्यक्रम

नियमित पाठ्यक्रम :-

परिसर में निम्नलिखित नियमित पाठ्यक्रम परिचालित हैं।

क्र.सं.	कक्षा का नाम	अवधि	समकक्ष	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	बारहवीं	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, दर्शन,	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा।
2.	शास्त्री	3 वर्ष	बी.ए.	फलित ज्योतिष, सहित्य, व्याकरण, वेदान्त, विषय	हिन्दी, अंग्रेजी, संगणक विज्ञान, इतिहास, अर्थशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, पर्यावरण।
3.	आचार्य	2 वर्ष	एम.ए.	फलित ज्योतिष, सहित्य, व्याकरण, वेदान्त।	
4.	विद्यावारिधि	2 वर्ष	पीएच.डी	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण, वेदान्त।	
5.	शिक्षा-शास्त्री	1 वर्ष	बी.एड.		प्रस्तावित

पत्राचार पाठ्यक्रम :-

परिसर में मुक्तस्वाध्यायपीठ के स्वाध्याय केन्द्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम पत्राचार माध्यम से संचालित है।

क्र.सं.	कक्षा का नाम	अवधि	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, सहित्य, व्याकरण	इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र।
2.	शास्त्री	3 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण,	इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र।
3.	आचार्य	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण।	
4.	प्राक्शास्त्री सेतु (संस्कृतावतरणी)	6 माह	सामान्य संस्कृत।	
5.	शास्त्री सेतु (संस्कृतावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण।	
6.	आचार्य सेतु (शास्त्रावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण।	

अनौपचारिक पाठ्यक्रम :-

उपर्युक्त नियमित एवं पत्राचार पाठ्यक्रम के अलावा परिसर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र के माध्यम से सरल संस्कृत सम्भाषण के दो कार्यक्रम संचालित हैं। **1. प्रथम दीक्षा, 2. द्वितीया दीक्षा।**

अन्य क्रियाकलाप

1. वेदान्त विभाग का उद्घाटन : परिसर में दिनांक 01.07.2011 को वेदान्त विभाग का उद्घाटन माननीय कुलसचिव महोदय प्रो. के. बी. सुब्बरायुडु के द्वारा किया गया।

2. संस्कृत सप्ताह समारोह : परिसर में दिनांक 10.07.2011 से 16.07.2011 तक संस्कृत सप्ताह समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संस्कृत गीत, वाद-विवाद तथा प्रश्नमंच स्पर्धायें आयोजित की गई।

3. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण : परिसर में दिनांक 16.09.2011 को अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

4. स्थापना दिवस : परिसर में दिनांक 16.09.2011 को स्थापना दिवस मनाया गया जिसमें प्रो. के. बी. सुब्बरायुडु, कुलसचिव एवं स्थानीय विधायक श्री योगराज जी ने अतिथि के रूप में भाग लिया।

5. युवा महोत्सव में प्रतिभागिता : परिसर के 59 छात्र छात्राओं ने संस्थान के रणबीर परिसर, जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय युवामहोत्सव में प्रतिभगिता की जिसमें निम्न प्रकार से सफलता प्राप्त हुई।

क्र.सं.	प्रतिभागी	स्पर्धा	पदक
1.	कु. राधा	बैडमिण्टन	स्वर्ण
2.	कु. सुषमा	बैडमिण्टन	स्वर्ण
3.	कु. मधुबाला	खो-खो	रजत
4.	कु. शिल्पा	डिस्कस थ्रो	कांस्य
5.	अजय कुमार	कुश्ती	कांस्य
6.	कु. प्रज्ञा	संगणक	कांस्य

6. राज्यस्तरीय वाक्स्पर्धा : परिसर के द्वारा दिनांक 17.10.2011 एवं 18.10.2011 को राज्यस्तरीय शलाकास्पर्धा का आयोजन डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति के संयोजन से हुआ जिसका उद्घाटन प्रो. के. बी. सुब्बरायुडु, कुलसचिव जी ने किया एवं जिसमें प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, जम्मू परिसर के

प्राचार्य ने सारस्वत अतिथि के रूप में भाग लिया।

7. महिला संस्कृत अध्ययन केन्द्र : दिनांक 03.12.2011 को परिसर में महिला संस्कृताध्ययन केन्द्र का उद्घाटन संस्थान के कुलसचिव महोदय प्रो. के. बी. सुब्बरायुडु के द्वारा किया गया। प्रो. भक्तवत्सलम् जी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित किया। प्रो. हरेकृष्ण महापात्र ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया एवं महिला संस्कृताध्ययन केन्द्र के संयोजक डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति ने लक्ष्य एवं उद्देश्यों को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर अनेक विशिष्ट महिलाओं का सम्मान किया गया।

8. नवीन भवन का उद्घाटन : दिनांक 28.01.2012 को परिसर के नवीन भवन का उद्घाटन किया गया जिसमें डॉ. सरोजिनी महिषी, भूतपूर्व केन्द्रीय मन्त्री, भारत सरकार एवं संस्थान के कुलसचिव, प्रो. के. बी. सुब्बरायुडु जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

9. कौमुदी महोत्सव में प्रतिभागिता : परिसर के छात्र छात्राओं ने नई दिल्ली में दिनांक 30.01.2012 से 01.02.2012 तक आयोजित राष्ट्रिय नाट्य प्रतियोगिता कौमुदी महोत्सव में **"प्रतिमा नाटक"** प्रस्तुत किया एवं **तृतीय पुरस्कार** अर्जित किया।

10. वार्षिक समारोह : दिनांक 31.03.2012 को परिसर का वार्षिक समारोह माननीय कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी जी की मुख्यातिथित्व में सम्पन्न हुआ।

11. "संस्कृत वाङ्मय के प्रति महिलाओं का अवदान" विषय पर राष्ट्रिय कार्यशाला : दिनांक 31.03.2012 एवं 01.04.2012 को **"संस्कृत वाङ्मय के प्रति महिलाओं का अवदान"** शीर्षक पर एक राष्ट्रिय कार्यशाला सम्पन्न हुई जिसमें देश के विभिन्न भागों से 16 संस्कृत विद्वान् एवं विदूषियों ने प्रतिभागिता की। कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान के कुलसचिव प्रो. के. बी. सुब्बरायुडु जी ने एवं संयोजन डॉ. सुज्ञान कुमार माहान्ति ने किया।

12. विस्तार व्याख्यान माला : परिसर में निम्न विवरणानुसार व्याख्यान मालाएं आयोजित हुई।

क्र.सं.	विभाग	विद्वान का नाम	तिथि
1.	वेदान्त	प्रो. के.बी.सुब्बरायुडु	24.02.2012
2.	ज्योतिष	प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी	02.03.2012
3.	साहित्य	प्रो. कृष्ण चन्द्र चतुर्वेदी	23.03.2012

पुनश्चर्या/अभिविन्यास पाठ्यक्रम :

परिसर के निम्न संकाय सदस्यों द्वारा पुनश्चर्या अभिविन्यास पाठ्यक्रम में सफलतापूर्वक प्रतिभागिता की।

क्र.सं.	विद्वान का नाम	पाठ्यक्रम	स्थान	मास
1.	डॉ. किशोर कुमार दलाई	पुनश्चर्या	कोलकत्ता	जुलाई, 2011
2.	डॉ. हरिनारायणधर द्विवेदी	अभिवि-न्यास	बनारस,	जनवरी, 2012

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005

आवेदन प्राप्त-04

उत्तर दिया-04

7.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर की स्थापना वर्ष 2002 में मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई थी। मध्यप्रदेश के तत्कालीन महामहिम राज्यपाल भाई महावीर जी ने 16 सितम्बर 2002 को इसका औपचारिक शुभारम्भ किया था। इस परिसर के विकास हेतु मध्यप्रदेश शासन ने बागसेवनिया में 10 एकड़ भूमि निःशुल्क प्रदान की है, जिस पर शैक्षिक, प्रशासनिक, पुस्तकालय एवं प्रेक्षागार निर्माण हेतु तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री माननीय श्री अर्जुन सिंह जी ने 19 सितम्बर 2005 को शिलान्यास किया था। अब वह भवन निर्मित हो चुका है, अतः मई 2010 से परिसर की सभी शैक्षिक गतिविधियाँ इस नवनिर्मित अपने भवन में प्रारंभ हो गई हैं। किन्तु छात्रों/छात्राओं के आवास की व्यवस्था अभी किराये से प्राप्त भवनों में की गई है। अपने परिसर में द्वितीय चरण के अन्तर्गत पुरूष छात्रावास, कन्या छात्रावास, अतिथि गृह एवं आवासीय गृह निर्माण हेतु स्वीकृति प्राप्त हो गयी है तथा निर्माण कार्य की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है।

पाठ्यक्रम

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के भोपाल परिसर में पाठ्यक्रम के अन्तर्गत शिक्षण, प्रशिक्षण एवं शोध विभाग संचालित है। शिक्षण विभाग में प्राक्शास्त्री (10+2), शास्त्री (बी.ए.) एवं आचार्य (एम.ए.) की कक्षाओं का अध्यापन होता है। जिनमें साहित्यशास्त्र, व्याकरणशास्त्र एवं ज्योतिषशास्त्र के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, कम्प्यूटर विज्ञान एवं पर्यावरण की शिक्षा दी जाती है। प्रशिक्षण विभाग में शिक्षाशास्त्र (बी.एड.) का पाठ्यक्रम संचालित है तथा शिक्षाचार्य (एम.एड.) पाठ्यक्रम प्रस्तावित है। शोध विभाग में साहित्यशास्त्र, व्याकरणशास्त्र, शिक्षाशास्त्र एवं संस्कृत विद्या की अन्य धाराओं में विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि हेतु शोध छात्र अनुसंधान करते हैं।

पाठ्य सहगामी प्रवृत्तियाँ

संविद्-विकास-परिषद्- विद्यार्थियों की वाक्क्षमता, शास्त्रीय पाण्डित्य एवं प्रतिपादन सामर्थ्य के विकास के लिए परिसर में प्रति शुक्रवार संविद् विकास परिषद् का आयोजन होता है, जिसमें विद्यार्थी साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, शिक्षाशास्त्र एवं अन्य संबधित प्राच्यविद्याओं के अधीत गहन सिद्धांतों की चर्चा एवं व्याख्या करते हैं।

शास्त्रमीमांसा समिति- शास्त्र चर्चा के माध्यम से प्राध्यापकों में शास्त्रीय तेजस्विता के विकास के लिये शास्त्रमीमांसा समिति का संघटन किया गया है। शिक्षकों के संकल्पानुसार प्रतिमास आरम्भिक शुक्रवार को शास्त्रमीमांसा समिति का आयोजन किया जाता है, जिसमें पूर्व निर्धारित विषय पर प्राध्यापकों द्वारा शास्त्रचर्चा प्रस्तुत की जाती है। सत्रान्त में शास्त्रमीमांसा पत्रिका में शोध निबन्धों का प्रकाशन किया जाता है।

शास्त्रार्थ प्रशिक्षण- परिसर में विभिन्न शास्त्रों के मार्मिक एवं दुरूह पक्षों के परिष्कार हेतु विद्यार्थियों को शास्त्रार्थ का प्रशिक्षण दिया जाता है, जिसमें किसी शास्त्र के विशिष्ट सिद्धांत पर पूर्वपक्ष एवं उत्तरपक्ष के साथ शास्त्रसम्मत एवं प्रामाणिक तर्क उपस्थापित होते हैं। उसके अन्त में सैद्धांतिक निष्कर्ष तक पहुंचा जाता है।

शलाका एवं कंठपाठ- अध्येताओं की स्मृति, मेधा एवं अवबोधन शक्ति के परीक्षण हेतु विभिन्न शास्त्रों एवं काव्यों पर आधारित शलाका एवं कंठपाठ का अभ्यास कराया जाता है। शलाका परीक्षा में स्मृति, मेधा एवं अवबोधन तीनों का परीक्षण होता है। जबकि कंठपाठ में केवल स्मृति का ही परीक्षण होता है।

विस्तार व्याख्यानमाला- परिसर में शिक्षासत्र के मध्य विभिन्न शास्त्रों में विस्तार व्याख्यानमाला का आयोजन होता है, जिसमें विभिन्न शास्त्रों के विशिष्ट एवं पारंगत विद्वानों का व्याख्यान होता है, इससे विद्यार्थियों को अपने अधीत शास्त्रों के विस्तार हेतु मार्गदर्शन प्राप्त होता है।

स्मृति व्याख्यानमाला- सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन् की स्मृति में उनके जन्म दिवस के अवसर पर 5 सितम्बर को डॉ. राधाकृष्णन् स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन प्रतिवर्ष होता है।

प्रादेशिक वाक्स्पर्धा- भोपाल परिसर में अधिराज्यीय वाक्स्पर्धा का आयोजन किया जाता है, जिसमें मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ राज्यों के पारम्परिक संस्कृत विद्यार्थियों की निर्धारित आठ शास्त्रों में प्रतियोगिताएं आयोजित होती हैं। उनमें प्रतिशास्त्र एवं प्रतिराज्य विजेता छात्रों का राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा के लिए चयन किया जाता है। इस कार्यक्रम में शास्त्रीय शलाका, काव्य शलाका, कंठपाठ एवं श्लोकान्त्याक्षरी की प्रतियोगितायें भी आयोजित होती है।

अखिलभारतीय वाक्स्पर्धा- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा में भाग लेने के लिये प्रादेशिक वाक्स्पर्धा मे चुने हुए विद्यार्थियों को भोपाल परिसर में शास्त्रीय भाषण, शास्त्रीय शलाका, काव्य शलाका, कंठपाठ एवं श्लोकान्त्याक्षरी का विशेष प्रशिक्षण दिया जाता है।

क्रीडा एवं योगासन- परिसर में अध्ययनरत छात्र एवं छात्राओं के शारीरिक एवं आध्यात्मिक विकास हेतु विभिन्न शारीरिक क्रियाओं, योग एवं क्रीडा का प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रतिवर्ष विजेता छात्रो का अखिल भारतीय युवा महोत्सव हेतु चयन किया जाता है और उन्हें पुरस्कृत किया जाता है।

अखिल भारतीय युवमहोत्सव- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय युवमहोत्सव का आयोजन किया जाता है, जिसमें परिसरीय प्रतिभावान् युवा विद्यार्थियों को क्रीडा, योग, चित्रांकन, अभिनय, नृत्य, संगीत एवं श्लोक गान आदि विविध पाठ्यसहगामी प्रवृत्तियों के विकास हेतु प्रोत्साहन एवं प्रशिक्षण दिया जाता है।

नाट्याभिनय एवं कलाएं- परिसर में विद्यार्थियों को पारम्परिक नाट्य शास्त्रीय अभिनय कला का प्रशिक्षण दिया जाता है और ग्रीष्मावकाश में संस्थान के सहयोग से अन्य संस्थाओं में आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में प्रशिक्षण हेतु प्रेषित किया जाता है। प्रशिक्षित विद्यार्थियों के द्वारा संस्कृत नाटकों का रूपायन किया जाता है एवं उन्हें कौमुदी महोत्सव और युवमहोत्सव के अन्तर्गत आयोजित नाट्य प्रतियोगिताओं में प्रस्तुत किया जाता है।

अन्य शैक्षिक गतिविधियाँ

दूरस्थ शिक्षा- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में मुक्तस्वाध्यायपीठम् स्थापित है, जिसके अंतर्गत परिसर में दूरस्थ शिक्षण केन्द्र संचालित है। यह केन्द्र पंजीकृत स्वाध्यायी अध्येताओं को पाठ्यसामग्री भेजता है और आवश्यकतानुसार अवकाश के दिनों में स्वाध्यायी छात्रों के लिए कक्षाओं का आयोजन भी करता है। इस प्रकार परिसर से दूर अपने गृहनगर में रहने वाले पंजीकृत स्वाध्यायी छात्र भी इस केन्द्र के माध्यम से अध्ययन करके प्राक्शास्त्री, शास्त्री और आचार्य पाठ्यक्रमों की परीक्षा दे सकते हैं तथा उत्तीर्ण होने पर पाठ्यक्रमों का प्रमाणपत्र/उपाधि प्राप्त कर सकते हैं।

नाट्यशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र - पारम्परिक एवं सम-कालीन भारतीय रंगकर्म पर अनुसंधान एवं प्रयोग, संस्कृत रंगमंच की प्रायोगिक दिशाओं का अन्वेषण और नाट्यशास्त्रीय अनुसन्धान एवं प्रयोग में कार्यरत देश-विदेश की संस्थाओं से सक्रिय संबंध करने की दृष्टि से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, भोपाल परिसर में नाट्य शास्त्र अनुसन्धान केन्द्र स्थापित हुआ है। उसके अन्तर्गत नाट्यशास्त्रीय ग्रन्थ का प्रकाशन, नाट्यशास्त्रीय प्रशिक्षण, कार्यशाला, संस्कृतगानमण्डल एवं संस्कृत रंगमण्डल का गठन करके प्रयोग-कार्य प्रचलित हैं।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण- संस्कृत भाषा, संस्कृत के काव्य एवं संस्कृत शास्त्रों को शिक्षक के बिना स्वयं पढ़ने की क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से संस्थान ने संस्कृत स्वाध्याय पाठ्यक्रम का विकास किया है। इसमें पांच सत्र/दीक्षा हैं। प्रत्येक सत्र/दीक्षा में छह-छह मास अध्ययन करना होगा। निःशुक्ल कक्षा आयोजन की सूचना समय-समय पर समाचार पत्रों के माध्यम से दी जाती है।

भारतीय ज्योतिष परिचय पाठ्यक्रम- भारतीय फलित ज्योतिष में रूचि रखने वाले साधारण शिक्षितों के लिए भारतीय ज्योतिष परिचय का त्रैमासिक पाठ्यक्रम परिसर के द्वारा संचालित है, इस पाठ्यक्रम में अध्ययन करके किसी भी उम्र का कोई भी व्यक्ति फलित ज्योतिष के सामान्य सिद्धान्तों का परिचय प्राप्त कर सकता है। इसकी कक्षायें सायंकालीन होती हैं, जिसमें रूपये 1000/- मात्र पंजीकरण शुक्ल देय है। समाचार पत्रों के माध्यम से इस पाठ्यक्रम में प्रवेश की सूचना प्रसारित की जाती है।

संस्कृत अन्तर्जाल परियोजना- परिसर में संस्कृत के प्राचीन शास्त्रों को अन्तर्जाल में संस्थापित करने हेतु संस्कृत अन्तर्जालपरियोजना प्रचलित है। विभिन्न संस्कृत ग्रंथों को टंकित करके अन्तर्जाल में स्थापित करना इस परियोजना का मुख्य कार्य है। इस योजना के अन्तर्गत परिसर के द्वारा साहित्य दर्पण और अलंकार सर्वस्वम् ग्रंथ की स्थापना अन्तर्जाल में हो चुकी है। इसी प्रकार संस्कृतविद्वत्परिचायिका (who is who) नाम से संस्कृत विद्वानों की एक पंजिका

विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर जनवरी 2011 में प्रकाशित हो चुकी है और उसे अन्तर्जाल में स्थापित किया गया है।

शब्दकोश-परियोजना- बोली एवं उपबोली शब्दकोश परियोजना के अन्तर्गत परिसर में अभी बुन्देली एवं मालवी बोली संस्कृत शब्दकोश का निर्माण चल रहा है, जिसका यथाशीघ्र प्रकाशन होगा।

संगोष्ठी एवं कार्यशाला- परिसर में विभिन्न शास्त्रों पर राष्ट्रिय एवं क्षेत्रीय शोध संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का सफल आयोजन किया गया है। शास्त्रीय ज्ञान का आदान-प्रदान, शोध तथा वैदुष्य का विकास करना संगोष्ठी एवं कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य होता है।

प्रशिक्षण- अनौपचारिक संस्कृत भाषा विकास के शिक्षकों का उनके शिक्षण कौशल तथा पाण्डित्य में विकास हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का भी आयोजन होता है। संस्कृत भाषा एवं शास्त्रों के प्रति रूचि उत्पन्न कराना तथा उस दिशा में प्रावीण्य प्राप्त कराना प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य होता है।

पुस्तक विक्रय केन्द्र- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के द्वारा प्रकाशित संस्कृत विषय की पाठ्यपुस्तकें एवं अन्य महत्त्वपूर्ण ग्रन्थ सर्वसाधारण जन को उचित मूल्य पर उपलब्ध कराने के लिए परिसर में विक्रम केन्द्र का संचालन होता है।

विशिष्ट गतिविधियाँ 2011-12

संस्कृत सप्ताह समारोह

10-17 अगस्त 2011 भाषण कण्ठपाठ श्लोकान्त्याक्षरी सूत्रान्त्याक्षरी प्रश्नमंच आदि अनेक प्रतियोगिता का आयोजन पंडित प्रभुदयाल मिश्र जी का सम्मान प्रो. मूँगाराम त्रिपाठी, पं. शिवराम शर्मा, श्री जयप्रकाश, पं. मुन्नालाल शर्मा का विशिष्ट सम्मान।

श्रीराधाकृष्णस्मृतिव्याख्यान माला

5 सितम्बर 2011

मुख्यवक्ता - पद्मश्री रमेशचन्द्र शाह, विशिष्ट साहित्यकार, भोपाल

विषय - संस्कृतवाङ्मय और भर्तृहरिशतकम्

अध्यक्ष - प्रो. आजाद मिश्र, प्राचार्य, रा.सं.सं., भोपाल परिसर

अभिराज्यीय शास्त्रीय-स्पर्धा समागम

11-12 अक्टूबर 2011

मध्य प्रदेश - छत्तीसगढ राज्य के प्रतिभागी छात्रों में 08 विषयों की प्रतियोगिता का आयोजन.

निर्णायक-

प्रो. उमारमण झा, पूर्व प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

प्रो. पी.एन. शास्त्री, निदेशक, कालिदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन

हिन्दी दिवस समारोह

14 सितंबर 2011

समायोजन - डॉ. अर्चना दुबे, सहायकाचार्य (हिन्दी), अध्यक्ष, आधुनिक विभाग

प्रतिभागियों को पुरस्कृत

विस्तारित व्याख्यान

11 अक्टूबर 2011

विशिष्ठवक्ता - प्रो. उमारमण झा, पूर्व प्राचार्य, रा.सं.सं., लखनऊ परिसर

विषय - डा. सरगंगानाथझामहोदयानां व्यक्तित्वं कृतित्वं च।

कौमुदी महोत्सव

नाटक - प्रसन्नराघवम् (जयदेव कृत)

प्रस्तुति - प्रो. आजाद मिश्र, प्राचार्य, रा.सं.सं., भोपाल परिसर

युवा महोत्सव 2011

21-24 सितम्बर, 2011

पुरस्कार प्राप्ति

01 स्वर्ण पदक - रंगोली

06 रजत पदक - वाद-विवाद, संगणक प्रयोग-विज्ञान, प्रश्नमंचे योग

02 कांस्य पदक - कुश्ती

विश्वसंस्कृत पुस्तक मेला

05-10 जनवरी 2012, नई दिल्ली

शोध-पत्र वाचन - डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव, डॉ. संगीता गुन्देचा

संगीत प्रस्तुति - श्री संजय द्विवेदी

सारस्वत उपस्थिति - प्रो. आजाद मिश्र, प्राचार्य, रा.सं. सं., भोपाल परिसर

संस्कृत विदूत् परिचायिका (who is who) ग्रन्थ का लोकार्पण

सम्मेलन में आयोजित पुस्तक मेले से पुस्कालय एवं नाट्य शास्त्र अनुसंधान केन्द्र हेतु पुस्तकों का क्रय

अध्यापक एवं शिक्षाशास्त्री छात्रों की सहभागिता

कालिदास जयन्ती समारोह

8 नवम्बर, 2011

मुख्य अतिथि - श्री पी. सी. शर्मा, पूर्व विधायक

अध्यक्ष - प्रो. आजाद मिश्र

शिक्षा दिवस

मौलाना अब्दुल कलाम आजाद के जन्म दिवस उपलक्ष्य में शिक्षा दिवस आयोजित

निबन्ध स्पर्धा

23 नवम्बर, 2011

भारत-राजनीति में युवाओं की भागीदारी

परियोजना

संस्कृत विद्वत परिचायिका

प्रथम चरण प्रकाशित

उपभाषा कोश

बुन्देली-संस्कृत शब्दकोश (8,000 शब्द संग्रह), मालवी-संस्कृत शब्दकोश (10,000 शब्द संग्रह)

E-Text

अलङ्कारसर्वस्वम् प्रस्तुत

परिभाषेन्दुशेखर-अभिराजयशोभूषणम् का E-Text निर्माण सम्पन्न।

E-Library

12,000 ग्रन्थों की प्रविष्टि सम्पन्न

भारतीय ज्योतिष पाठ्यक्रम शिक्षण

9 फरवरी, 2012 से 9 मई, 2012 तक

फलित ज्योतिष में 71 तथा वास्तुशास्त्र में 30 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

मुक्तस्वाध्यायकेन्द्र

सत्र 2011-12

प्राक्शास्त्रीसेतु, शास्त्रीसेतु, शास्त्री, साहित्याचार्य पाठ्यक्रमों में कुल 11 छात्र अध्ययनरत हैं।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण

सत्र 2011-12

अध्यापक - श्री दिनेश चौबे,

समन्वयक - डा. कैलाशचन्द्र दाश

सारस्वत - प्रो. आजाद मिश्र

प्रकाशन

भोजराजपञ्चाङ्गम्

वि.सं. 2069 सन 2012-13 प्रकाशित

भोपाल के समय मानदंड पर आधारित पंचांग का निर्माण एवं प्रकाशन

शास्त्रमीमांसा (वार्षिक शोधपत्रिका)

शास्त्रमीमांसा - 2 वर्ष 2012

प्रधान संपादक - प्रो. आजाद मिश्र

संपादन - डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी एवं डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय

राष्ट्री-7

परिसरीय वार्षिक पत्रिका प्रकाशित

शैक्षिक उपलब्धि

व्याकरण विभाग

1. प्रो. आज़ाद मिश्र (प्राचार्य)

संस्कृत एवं हिन्दी टीका-साधनाशरण्यस्तव, सम्पादन-संस्कृत विमर्श, शास्त्रमीमांसा, भोजराजपंचांग, राष्ट्री, 05 नाट्य मार्गदर्शन, वार्ता प्रसारण-आकाशवाणी, युवमहोत्सव, कौमुदी, महोत्सव, विश्व संस्कृत सम्मेलन, विद्या सम्मेलन पण्डित परिषद् की गतिविधियों का संचालन।

2. प्रदीप कुमार पाण्डेय (सहायकाचार्य)

03 शोध पत्र प्रकाशित, 02 सम्पादन पत्रिका, 05 शोध सम्मेलन में भाग ग्रहण किया।

3. डॉ. कैलासचन्द्रदाश (सहायकाचार्य)

01 सम्पादन (संस्कृत विद्वत परियोजना), 02 संचालन (अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र), 02 लेख प्रकाशित, 02 सहभागिता (अन्तरराष्ट्रिय संस्कृत सम्मेलन)।

4. डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय

04 शोधपत्र प्रकाशित, 05 शोधपत्र वाचन (राष्ट्रिय संस्कृत संगोष्ठी), 02 पत्रिकाओं का सम्पादन (राष्ट्री), 03 कार्यो में सहभागिता (युवमहोत्सवादि)।

5. डॉ. हरिशंकर पाण्डेय (संविदा शिक्षक)

02 शोधपत्र वचन, 01 लेख प्रकाशित, 02 विभागीय कार्यो में सहभागिता।

साहित्य विभाग

6. प्रो. विद्यानन्द झा (आचार्य)

03 अ.भा.सं. में सहभागिता, 03 शोधपत्र प्रकाशित, 02 शोधनिर्देशन, 05 कार्यो में सहभागिता (युवमहोत्सवादि)।

7. डॉ. सनन्दन कुमार त्रिपाठी (सहायकाचार्य)

02 सम्पादन, 05 कार्यो में सहभागिता (राजस्थान विश्वविद्यालय में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम निर्माण आदि), 03 शोधपत्र वाचन।

8. डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव (सहायकाचार्य)

04 सम्पादन (E-Text) आदि), 05 शोधपत्र वाचन, 06 कार्यशाला में सहभागिता, संयोजन दूरस्थ शिक्षा, पन्द्रहवें विश्व संस्कृत सम्मेलन में शोधपत्र वाचन, 01 नाट्य निर्देशन, 2011 महर्षि वादरायण व्यास सम्मान, राष्ट्रपति, भारत सरकार।

9. कु. मोहिनी अरोड़ा (सहायकाचार्य)

02 नाट्य निर्देशन, 02 शोध निबन्ध प्रकाशित, 02 शोधपत्र वाचन, 05 सहभागिता (नाट्य अनुसंधान केन्द्र आदि)

10. डॉ. संगीता गुन्देचा (सहायकाचार्य)

03 कार्यो में सहभागिता (विश्व संस्कृत सम्मेलन, नाट्य अनुसंधान केन्द्र)।

ज्योतिष विभाग

11. डॉ. हंसधर झा (उपाचार्य)

ज्योतिर्विज्ञान वाराणसी द्वारा सम्मानित, 02 वार्ता प्रसारण (भोपाल दूरदर्शन केन्द्र), 04 विशिष्ट व्याख्यान ज्योतिष रा. सं.वि. तिरुपति, 05 सम्पादन (भोजराज पंचांग, राष्ट्री आदि), 05 राष्ट्रिय-अन्तरराष्ट्रिय सम्मेलनों में सहभागिता एवं उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन।

12. डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम (सहायकाचार्य)

05 पत्रिकाओं का सम्पादन, 03 कार्यों में सहभागिता (भारतीय ज्योतिष पाठ्यक्रम आदि)।

13. डॉ. अशोक थपलियाल (सहायकाचार्य)

03 सम्पादन, 03 राष्ट्रिय अन्तरराष्ट्रिय सम्मेलनों में सहभागिता, 04 शोधपत्र वाचन, 04 शोधनिबन्ध प्रकाशित।

14. श्री अवधेश कुमार श्रोत्रिय (संविदा शिक्षक)

02 शोधपत्र वाचन, 03 लेख प्रकाशित, 05 सहभागिता (अन्तरराष्ट्रिय संस्कृत सम्मेलन)।

शिक्षाशास्त्रविभाग

15. डॉ. वेदनारायण चौधरी (उपाचार्य)

05 शोध प्रबन्ध प्रकाशित, 03 सम्पादन, 05 सहभागिता, (पतंजलि सं.सं. पाठ्यक्रम निर्माण शिक्षाशास्त्र आदि)।

16. डॉ. प्रभादेवी चौधरी (उपाचार्य)

05 लेख प्रकाशित (माध्यमा, सारस्वतिम् E-Text), 05 विविध कार्यशालाओं में सहभागिता (हिन्दी अकादमी सोमवेतोपक्रम एवं विभागीय गतिविधियों में)।

17. डॉ. जे. भानुमूर्ति (उपाचार्य)

06 शोधपत्र/लेख प्रकाशित, 04 विविध कार्यशालाओं में सहभागिता, (कालिदास संस्कृत अकादमी उज्जैन एवं विभागीय कार्यो में)।

18. श्रीमती लीना तिवारी (सहायकाचार्य)

05 शोधपत्र/लेख प्रकाशित, 04 विविध कार्यो में सहभागिता, (रा.सं.सं. जयपुर परिसर शोध प्रविधि एवं पाण्डुलिपि)।

19. डॉ. नीलाभ तिवारी (सहायकाचार्य)

08 शोधपत्र/लेख प्रकाशित, 10 महर्षि पाणिनी सं. वि.

वि. के उड़नदस्ते, हिमाचल, वि.वि. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम शिक्षक प्रशिक्षण, भाषा प्रबोधन आदि कार्यो में सहभागिता)।

20. श्री नितिन जैन (संविदा शिक्षक)

04 शोध पत्र लेख प्रकाशित, 02 शोध पत्र वाचन, 05 विविध कार्यो में सहभागिता (म.प्र.उ.शि. विभाग एवं हिन्दी अकादमी, विभागीय कार्यो में।)

21. श्री दीप्तांशु भास्कर (संविदा शिक्षक)

05 शोधपत्र/लेख प्रकाशित, 04 शोधपत्र वाचन, 05 विविध कार्यशालाओं में सहभागिता।

22. श्री रमण मिश्र (संविदा शिक्षक)

04 शोधपत्र/लेख प्रकाशित, 03 शोधपत्र वाचन, 06 विविध कार्यशालाओं एवं विभागीय कार्यो में सहभागिता।

आधुनिक विभाग

23. डॉ. अर्चना दुबे (सहायकाचार्या हिन्दी)

04 शोधपत्र वाचन, 05 शोध निबंध/लेख प्रकाशित, 06 विविध कार्यशालाओं में सहभागिता, (हिन्दी संस्थान, आगरा, राष्ट्रिय प्रज्ञा परिषद् राजस्थान वि.वि. पाठ्यचर्या निर्माण)।

24. डॉ. अर्चना चौहान (अतिथि शिक्षक राजनीति शास्त्र)

02 सम्पादन, 05 शोध निबन्ध लेख प्रकाशित, 04 सहभागिता (युवामहोत्सव, राष्ट्री, ई-सारस्वतम् आदि)।

25. डॉ. अवनी शर्मा (अतिथि शिक्षक अंग्रेजी)

02 सेमिनार, 04 शोध निबन्ध लेख प्रकाशित, 02 सम्पादन (राष्ट्री पत्रिका), विभागीय कार्यो में सहभागिता।

26. श्री विवेक कुमार सिंह (अतिथि शिक्षक शारीरिक शिक्षा)

02 लेख प्रकाशित, 01 राष्ट्रिय सम्मलेन, 04 सहभागिता (संगोष्ठी आदि)।

27. श्री सुमित सक्सेना (संविदा शिक्षक संगणक)

02 व्याख्यान (संगणक प्रशिक्षण), 05 सहभागिता (युवमहोत्सव) तकनीकी सहयोग आदि।

28. श्रीमती निरुपमा सिंहदेव (संविदा शिक्षिका संगणक)

04 शोधपत्र/लेख प्रकाशित, 03 शोधपत्र वाचन (हरिद्वार सम्मेलन), 10 सहभागिता (महिला छात्रावास, संगणक शिक्षा, सांस्कृतिक गतिविधियों में) गुवाहाटी (असम) राष्ट्रिय सम्मेलन आदि)।

7.10 के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

परिसर के विषय में

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर की स्थापना 16 मई 2002 को तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार, डॉ. मुरली मनोहर जोशी द्वारा की गई। परिसर में इण्टर के समकक्ष प्राक्शास्त्री, बी.ए. के समकक्ष शास्त्री, एम.ए. (संस्कृत) के समकक्ष आचार्य एवं पी.एच.डी. (संस्कृत शास्त्रों के) के समकक्ष विद्यावारिधि का शिक्षण साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष विद्या विशेषों में प्रदान किया जाता है। पारम्परिक विषयों के अतिरिक्त आधुनिक विषय जैसे कि अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, कम्प्यूटर विज्ञान, एवं पर्यावरण विज्ञान भी संस्थान के पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षक कार्य सम्पन्न होता है। शिक्षा शास्त्री पाठ्यक्रम जो एक वर्ष का व्यवसायिक पाठ्यक्रम एवं रोजगार परक पाठ्यक्रम है में प्रशिक्षण संस्कृत हिन्दी एवं अंग्रेजी प्रणाली में 100 विद्यार्थी अध्ययनरत है। यह पाठ्यक्रम शैक्षिक सत्र 2006-07 से राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) की स्वीकृति के पश्चात आरम्भ किया गया था।

मानित विश्व विद्यालय घोषित होने के उपरान्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) का नाम पुनः के.जे. सौमय्या संस्कृत विद्यापीठम् हुआ। यह मुम्बई परिसर का मुख्य परिसर 405 स्का. मी. में है। भारत सरकार की जनगणना के आधार पर यह परिसर मुम्बई के शहरी क्षेत्र में है। इस विश्वविद्यालय के 18 विभागों में से मुम्बई परिसर में 3 विभाग साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष तथा व्यवसायिक पाठ्यक्रम शिक्षाशास्त्री वर्ष 2011-12 में आचार्य पाठ्यक्रम में 17 छात्र इसी राज्य के तथा शेष 56 छात्र भारत के अन्य राज्यों के थे। 6 छात्र प्राक्शास्त्री, 6 छात्र विद्यावारिधि में पंजीकृत हुये, दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से छः पाठ्यक्रमों (प्राक्शास्त्री सेतु, प्राक्शास्त्री, शास्त्री सेतु, शास्त्री, आचार्य-साहित्य और आचार्य-व्याकरण) में अध्ययन होता है। देवदत्त सरोदे के मार्गनिर्देशन में यह पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। वर्तमान सत्र 2011-12 में 23 छात्र इस पाठ्यक्रम में पंजीकृत हुये।

विश्वविद्यालय का शैक्षिक क्लैण्डर मुख्यालय, नई दिल्ली द्वारा तैयार किया जाता है तथा परिसर द्वारा इसका सख्ती से पालन किया जाता है। परिसर के पास मूर्धन्य अध्यापक संकाय है। जिसमें दो आचार्य, दो उपाचार्य, पॉच सहायक आचार्य नियमित रूप से तथा 9 सहायक आचार्य पूर्ण रूपेण तथा 5 अंशकालीन रूप से समेकित वेतनमान पर हैं। 24 संकाय सदस्यों में से 4 सदस्य महाराष्ट्र से तथा शेष देश के अन्य राज्यों से है। संकाय सदस्यों द्वारा 60 पुस्तकें, 15 सम्पादकीय पुस्तके, 137 लेख, 156 शोधलेख एवं 9 पुस्तकों की समीक्षा की गई है। देश में राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रिय संगोष्ठियों मे परिसर के संकाय सदस्यों द्वारा सक्रिय रूप से प्रतिभागिता रही। पिछले 5 वर्षो में आयोजित विभिन्न समारोहों ने संकाय सदस्यों द्वारा देश के विभिन्न भागों में 281 सम्मेलनों में भाग लिया। परिसर के संकाय सदस्यों द्वारा विभिन्न समारोहों में परिसर एवं महाराष्ट्र राज्य के अन्य स्थान पर संस्कृत विज्ञान प्रर्दशनी का आयोजन किया गया।

औपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र का संचालन परिसर मे वर्ष 2006 से आरम्भ हुआ। यह केन्द्र विश्वविद्यालय के आस-पास संस्कृत शिक्षण के लिये प्रशिक्षण के साथ ही साथ निरंतर समुदायिक विकास के लिए योगदान को बढ़ावा देता है। समाज की उन्नति के लिए इसमें जवान, व्यस्क एवं वृद्ध लोगों द्वारा संस्कृत शिक्षा को ग्रहण किया जाता है। परिसर "विद्यारश्मि" राष्ट्रीय वार्षिक शोध पत्रिका का प्रकाशन प्रतिवर्ष करता है। इसके अतिरिक्त परिसर विवणिका एवं वार्षिक हैण्डबुक का प्रकाशन भी करता है जिसमें छुट्टी, शैक्षिक क्लैंडर, अन्य सूचना एवं विकास से सम्बन्धित विभिन्न जानकारियाँ होती है, परिसर मे प्रतिवर्ष संस्कृत सप्ताहोत्सव, शिक्षक दिवस, विश्व हिन्दी दिवस, हिन्दी पखवाड़ा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, शास्त्रीय स्पर्धा, स्काउट एवं गाईड प्रशिक्षण, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण, भारतीय ज्योतिष शास्त्र का प्रारम्भिक पाठ्यक्रम, मुक्तस्वाध्यायपीठ विश्व-आंहिसा दिवस, विवेकानन्द जयन्ती, वार्षिक खेलकूद एवं वार्षिक समारोह आदि आयोजित किये जाते हैं।

पुस्तकालय में 6800 पुस्तकें, 1500 पाठ्यपुस्तकें, 3500 सम्बन्धित पुस्तकें एवं 30 पत्र-पत्रिकायें उपलब्ध है, संस्थान में अन्य परिसरों से प्राप्त श्री गुरुपर्व भौम् पौर्णमासी, सम्भाषण संदेश, परिसर संदेश, शोध-निबन्ध सार, उत्कल श्री मूजंषा,

वाक्यार्थ भारती, तन्त्र विहार, गोमती, उशती दि जर्नल आफ अनन्ताचार्य एक शोध संस्थान, संस्कृत मंदाकिनी, परोपकारी, इंडियन जर्नल आफ ओपन लर्निंग अक्षरक, सागरिका जर्नल आफ सुक्तिन्दा प्राच्य शोध संस्थान, विश्वविद्यालय समाचार, भंडारकर प्राच्य शोध संस्थान पुणे का वार्षिक जर्नल नागरी प्राचारिणी पत्रिका, प्राथमिक शिक्षक, स्कूल विज्ञान, अध्यापन सहायता, इंडियन जर्नल आफ अध्यापक शिक्षा, अन्वेषिका, नित्यम, गंगानाथ झा का जर्नल, अनुवांषिकी, विश्वसंस्कृतम्, शिक्षासुधा प्रतियोगिता दर्पण, रोजगार समाचार, नवभारत टाईम्स, दि टाईम्स आफ इण्डिया, दि मुम्बई मिरर, इण्डियनं एक्सप्रेस एवं लोकसत्ता हैं। परिसर पुस्तकालय में एक सलाहकार कमेटी है जो विभिन्न आवश्यकताओं एवं कार्यक्रमों पर नजर रखती है। पिछले दो वर्षो से परिसर को प्राप्त कुल बजट राशि का 5 प्रतिशत पुस्तकालय को उपलब्ध करवाया जाता है। पिछले वर्ष 979 पुस्तकें, जर्नलस् एवं पत्र पत्रिकायें रु 2,61,276 में क्रय की गई। सभी संकायों में छात्रों हेतु कम्प्यूटर लैब सहित 13 कम्प्यूटर उपलब्ध करवाये गये।

परिसर की स्थिति

के.जे. सोमैया संस्कृतविद्यापीठम्, 213, पोलिटेक्निक भवन, विद्याविहार (ई) मुम्बई-400077।

संचालित पाठ्यक्रम

इस परिसर में निम्नलिखित पाठ्यक्रम पढाए जाते हैं–

1.	प्राक् शास्त्री (2 वर्षीय)	+ दो
2.	शास्त्री (3 वर्षीय)	बी.ए.
3.	आचार्य (2 वर्षीय)	एम्.ए.
4.	शिक्षाशास्त्री (1 वर्षीय)	बी.एड्.
5.	विद्यावारिधि	पी.एच्.डी.

हम पारम्परिक धारा में व्याकरण, साहित्य और ज्योतिष प्राक् शास्त्री, शास्त्री और आचार्य स्तरों तक पढ़ाते हैं। हम आधुनिक विषय जैसे राजनीति विज्ञान, संगणक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान एवं आधुनिक भाषाएँ अंग्रेजी और हिन्दी आदि की भी शिक्षा प्रदान करते हैं। शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) एकवर्षीय कार्यक्रम हैं जिसमें प्रमुख वैकल्पिक विषय संस्कृत और द्वितीय विकल्प के रूप में हिन्दी और आंग्लभाषा शिक्षण का प्रावधान है। ये पाठ्यक्रम राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् तथा भारत के सभी विश्वविद्यालयों द्वारा मान्यता प्राप्त है।

2011-12 में विद्यार्थी संख्या निम्नलिखितानुसार थी–

1.	प्राक्शास्त्री	07
2.	शास्त्री	14
3.	आचार्य	09
4.	शिक्षाशास्त्री	45
5.	विद्यावारिधि	07
6.	दूरस्थशिक्षा	23

सह पाठ्यचर्या गतिविधियाँ/समारोह गोष्ठियाँ आदि का विवरण

शैक्षणिक सत्र 2011-12 का प्रारम्भ 21.06.2011 से हुआ।

15.07.2011 को परिसर में गुरुपूर्णिका का उत्सव आयोजित किया गया। इस शुभ अवसर पर छात्रों के द्वारा सभी गुरुजनों का श्रद्धापूर्वक सम्मान किया गया।

परिसर में 12.08.2011 से 16.08.2011 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलसचिव माननीय प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु द्वारा की गई। श्री समीर शान्तिलाल सोमैया जी प्रमुख अतिथि थे। प्रो. रामरूप मिश्र, सेवानिवृत्त प्राचार्य, मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, भारतीय विद्या भवन को सम्मान्य अतिथि के रूप में समादृत किया गया। प्रो. शशि कश्यप, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, एस्.एन्.डी.पी. महाविद्यालय, मुम्बई और श्री.वी. राघवन् सचिव, सोमैया ट्रस्ट, समापन समारोह में सम्मान्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

परिसर में 05.09.2011 को शिक्षक दिवस प्रो. प्रकाशचन्द्र प्राचार्य की अध्यक्षता में मनाया गया।

12.09.2011 से 27.09.2011 तक प्रो. प्रकाशचन्द्र माननीय प्रभारी प्राचार्य की अध्यक्षता में हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। डॉ. आनन्द राजवर्धन, सम्पादक यशोभूमि (हिन्दी दैनिक), तथा श्री प्रमोद तिवारी, भोजपुरी गायक क्रमशः इस अवसर पर तथा 16.09.2011 को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

22.09.2011 से 24.09.2011 तक श्री रणवीर परिसर जम्मू में युव महोत्सव मनाया गया। हमारे तीन विद्यार्थी गणेश गंगार्ध, (शिक्षाशास्त्री) ने कुश्ती में रजत पदक, विदुषी भोला (शास्त्री, प्रथम वर्ष) ने योग में कांस्य पदक और नम्रता

ठक्कर (शास्त्री, प्रथम वर्ष) ने रंगोली प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया।

परिसर में 11 नवम्बर, 2011 को शिक्षा दिवस मनाया गाय। डॉ. वसुन्धरा पद्मनाभन, प्राचार्य, के.जे. सौमैया बी.एड्. महाविद्यालय ने मुख्य अतिथि के रूप में पधार कर उत्सव की शोभा बढ़ाई। श्री एन्.डी.जोशी, प्राचार्य, केन्द्रीय विद्यालय, पनवेल ने इस शुभ अवसर पर अपने विद्वत्तापूर्ण वक्तव्य से छात्रों को अनुगृहीत किया। प्रो. अर्कनाथ चौधरी, प्राचार्य, परिसर ने समारोह की अध्यक्षता की।

प्राथमिक चिकित्सा शिविर, स्काउट्स एंड गाईड्ज प्रशिक्षण शिविर और शैक्षिक भ्रमण का आयोजन शिक्षा शास्त्री के विद्यार्थियों के लिए किया गया।

15वां विश्व संस्कृत सम्मेलन 2012 का आयोजन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा 05.01.2012 से 10.01.2012 तक किया गया जिसमें इस परिसर के निम्नलिखित शिक्षकों ने भाग लिया–

प्रो. अर्कनाथ चौधरी, प्राचार्य (प्रभारी)

प्रो. प्रकाशचन्द्र, विभागाध्यक्ष (व्याकरण)

डॉ. मदन मोहन झा, विभागाध्यक्ष (शिक्षा शास्त्री)

डॉ. बोध कुमार झा, सह-आचार्य (व्याकरण)

डा. आर्.जी. मुरलीकृष्ण, सह आचार्य (शिक्षाशास्त्री)

संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में छह विस्तार वक्तव्य वर्तमान शैक्षणिक सत्र 16.01.2012 से 18.01.2012 तक आयोजित और संचालित किए गए।

19.01.2012 को परिसर में दो दिवसीय राष्ट्रिय गोष्ठी को आयोजन किया गया जिसका विषय था साहित्य शास्त्र और काव्य सम्मेलनं इसमें 24 सुप्रसिद्ध विद्वानों और कवियों में अपने शोध पत्र और संस्कृत कविताएँ प्रस्तुत कीं।

इस परिसर के विद्यार्थियों ने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा 30.01.2012 से 01.02.2012 तक आयोजित कौमुदी महोत्सव में 'अभिषेक नाटकम्' प्रस्तुत करके तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

10. आर.टी.आई.-एक्ट 2005

आर.टी.आई. पत्र प्राप्ति संख्या	शून्य
उत्तर दिए गए	शून्य

7.11 दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

वर्तमान में दिल्ली परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय के भवन 56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी, नई दिल्ली-58 में स्थापित किया गया है। पत्राचार पाठ्यक्रम एवं दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम दिल्ली परिसर द्वारा चलाये जा रहे हैं, इस परिसर के पास पुस्तकालय, प्रकाशन खण्ड एवं शोध केन्द्र है। पत्राचार पाठ्यक्रम विभाग हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिये 2 वर्ष की अवधि वाले पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन दो स्तरों पर करता है। पाठ्यक्रम निम्न प्रकार से है।

(i) प्रथम वर्षीय कार्यक्रम हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम से।

(ii) द्वितीय वर्षीय कार्यक्रम हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम से।

पत्राचार पाठ्यक्रम में वर्ष 2011-12 के दौरान कुल 1405 छात्र पंजीकृत हुये जिसमें से प्रथम वर्ष हिन्दी माध्यम-731, द्वितीय वर्ष हिन्दी माध्यम 19, अंग्रेजी माध्यम प्रथम वर्ष 647, अंग्रेजी माध्यम द्वितीय वर्ष-8 छात्र थे।

दूरस्थ शिक्षा विभाग के कार्यक्रम

दूरस्थ शिक्षा परिषद (दू.शि.प., इग्नू, नई दिल्ली) से मान्यता प्राप्त है। वर्तमान में मुक्तस्वाध्याय पीठम् के निम्न कार्यक्रम संचालित है।

दिल्ली परिसर सहित सभी स्वाध्याय केन्द्रों में 250 छात्र पंजीकृत हुये। संस्थान के सभी परिसरीय एवं संस्थान मुख्यालय में दूरस्थ शिक्षा केन्द्र स्थापित किये गये हैं। दूरस्थ शिक्षा योजना में छात्रों को पुस्तकीय सामग्री के साथ-साथ दृश्यश्रव्य सामग्री भी उपलब्ध करवाई जाती है जिससे संस्कृत न जानने वाले लोग भी काफी कम समय में सरल संक्षिप्त मार्ग से संस्कृत का सामान्य ज्ञान एवं शास्त्रीय ज्ञान अर्जित कर सके। वर्ष 2010 में दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम का आरम्भ साहित्य, व्याकरण एवं ज्योतिष विषय से आरम्भ हुआ। भविष्य में अन्य शास्त्रीय विषयों की सुचारु व्यवस्था किये जाने की सुनिश्चित योजना है। निम्न प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम अतिशीघ्र आरम्भ करने की योजना है। पालि/प्राकृत में पत्रकारिता प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम, संस्कृत अनुवाद में प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (संस्कृत से अंग्रेजी, संस्कृत से हिन्दी), शारीरिक शिक्षा, वास्तुशास्त्र एवं भारतीय काव्य-शास्त्र भी।

दिल्ली परिसर के पास 1 शोध केन्द्र भी है। 16 शोध छात्र विद्यावारिधि की डिग्री प्राप्त करने के लिए विभिन्न विषयों में पंजीकृत है।

क्र.सं.	कक्षा का नाम	अवधि	विषय (शास्त्रीय)	विषय (आधुनिक)
1.	प्राक्शास्त्री	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, सहित्य, व्याकरण	इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र।
2.	शास्त्री	3 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण,	इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र।
3.	आचार्य	2 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण।	
4.	प्राक्शास्त्री सेतु (संस्कृतावतरणी)	6 माह	सामान्य संस्कृत।	
5.	शास्त्री सेतु (संस्कृतावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण।	
6.	आचार्य सेतु (शास्त्रावगाहनी)	1 वर्ष	फलित ज्योतिष, साहित्य, व्याकरण।	

8. योजनाएँ

भारत सरकार द्वारा 1956 में नियुक्त संस्कृत आयोग ने यह सिफारिश की थी कि ऐसी महत्त्वपूर्ण सक्रिय निजी शैक्षिक संस्थाओं और निकायों को सहायता तथा संरक्षण दिया जाए जो अपने-अपने क्षेत्र में संस्कृत प्रचार का कार्य कर रहे हैं। उनका पालन करते हुए भारत सरकार ने सम्बद्ध योजनाओं के अन्तर्गत आने वाले आवेदकों को वित्तीय सहायता देकर संस्कृत के प्रोत्साहन हेतु विविध योजनाएँ आरम्भ की हैं। पहले इन योजनाओं को मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार ने प्रारम्भ किया था, पश्चात् विधिवत् गठित सहायता अनुदान समिति की संस्तुति पर इनके निष्पादन एवं कार्यान्वयन हेतु इन्हें संस्थान को सौंप दिया गया है। इन योजनाओं का वर्णन यहाँ नीचे किया गया है :

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा विभिन्न स्थानान्तरित योजनाओं का विवरण-

क्र.सं.	फाईल संख्या	लागू होने की तिथि	योजनाओं का नाम
1.	11-1/91-सं.-1/ भारत सरकार (मा.स.वि.मं.) शिक्षा विभाग नई दिल्ली दिनांक 26.04.1991	1 अप्रैल, 1991 (1991-92)	1. आदर्श संस्कृत पाठशालाओं एवं अन्य स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में प्रख्यात साहित्यिक विद्वानों की सेवाओं के उपयोग हेतु योजना। 2. विशेष व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत पाण्डुलिपि विज्ञान, पुरालिपि शास्त्र एवं पुरालेख शास्त्र आदि हेतु वित्तीय सहायता। 3. संस्कृत ग्रन्थ क्रय योजना। 4. संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना। 5. डक्कन कॉलेज, पूना। 6. संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फारसी विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान पत्र, प्रदान करने की योजना। 7. उच्चमाध्यमिकोत्तर (परम्परागत) छात्रवृत्तियॉ प्रदान करने हेतु योजना। 8. परम्परागत पाठशालओं के छात्रों हेतु शोध छात्रवृत्तियॉ प्रदान करने की योजना। 9. दुर्लभ पाण्डुलिपियों के क्रय एवं प्रकाशन हेतु योजना।
2.	8-3/94-सं.-1 भारत सरकार (मा.स.वि.मं.) शिक्षा विभाग नई दिल्ली दिनांक 16.06.1995	1995-96	1. स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों हेतु वित्तीय सहायता। 2. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान। 3. अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा।

3.	18-32/2007-सं.-2 भारत सरकार (मा.सं.वि.मं.) उच्चत्तर शिक्षा विभाग संस्कृत-2 विभाग शास्त्री भवन नई दिल्ली दिनांक 04.04.2007	2007-08	1. असहाय परिस्थितियों वाले प्रसिद्ध पंडितों को वित्तीय सहायता देने की योजना। 2. माध्यमिक/उच्चत्तर माध्यमिक छात्रों हेतु छात्रवृत्तियॉ 3. विभिन्न सरकारी विद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों हेतु वित्तीय सहायता। 4. विभिन्न संस्कृत पाठशालाओं के आधुनिकीकरण हेतु वित्तीय सहायता। 5. विभिन्न राज्यसरकारों को संस्कृत की प्रोन्नति हेतु वित्तीय सहायता। 6. विभिन्न परियोजनाओं हेतु रा.सं.सं./मानित विश्व विद्यालयों/के.मा.शि.बोर्ड/एन.सी.ई.आर.टी./एस.सी.ई.आर.टी. को वित्तीय सहायता।

8.1 संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों, संस्थाओं तथा पाठशालाओं को वित्तीय सहायता

कार्यक्षेत्र

इस योजना के अन्तर्गत संस्कृत के प्रचार एवं विकास के क्षेत्र में संगठनों/संस्थाओं/व्यक्तियों को अपनी गतिविधियाँ जारी रखने और/या उनका विस्तार करने या नये क्षेत्रों का उद्घाटन करने हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। ये गतिविधियाँ निम्नलिखित में से किसी एक अथवा अधिक प्रयोजनों से संबद्ध हो सकती है:-

(क) नई संस्थाएं/पाठशालाएं खोलना और/या विकसित पाठशालाओं/संस्थाओं का अनुरक्षण करना।

(ख) संस्कृत शिक्षण की कक्षाएं चलाना।

(ग) संस्कृत शिक्षकों/प्रचारकों का प्रशिक्षण और नियुक्ति।

(घ) संस्कृत पुस्तकालयों तथा वाचनालयों की स्थापना, अनुरक्षण या बढ़ाना।

(ङ) संस्कृत प्रचार हेतु प्रचार उपस्करों को खरीदना।

(च) प्रमुख संस्कृत विद्वानों के व्याख्यानों, संस्कृत वाद-विवाद, वाक्स्पर्धा, संस्कृत नाटकों आदि का आयोजन।

(छ) द्विभाषीय शब्दकोश तैयार करना जिसकी एक भाषा संस्कृत हो।

(ज) संस्कृत पाण्डुलिपियां तैयार करना और प्रकाशित करना।

(झ) संस्कृत की पत्र-पत्रिकाएं तैयार करना, उनका प्रकाशन तथा उनके स्तर का अनुरक्षण तथा उनके सार और गुणवत्ता में सुधार।

(ञ) संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों हेतु पुरस्कारों की व्यवस्था।

(ट) भवनों का निर्माण, उनकी मरम्मत तथा उनका विस्तार। (सीमित सहयोग)

(ठ) अनुमोदित संस्कृत परम्पराओं का संगठन

(ड) संस्कृत में अनुसंधान।

(ढ) संस्कृत की समृद्धि, प्रचार और विकास में सहायता देने वाली कोई अन्य क्रियाकलाप।

सहायता का विस्तार

वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र (प्रकाशन परियोजनाओं को छोड़कर) इस प्रयोजन के लिए निर्धारित विहित आवेदन-पत्र फार्म पर नियमत: राज्य सरकारों के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं। अखिल भारतीय स्तर के संगठनों से अनुदान के आवेदन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सीधे भी प्राप्त कर सकता है। यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पर निर्भर है कि वह विशेष मामलों में आवेदन सीधे ही स्वीकार करे। वित्तीय सहायता के सभी आवेदनों पर उनके गुणों के आधार पर विचार किया जाता है और अनुदान केवल कार्य की अनुमोदित मदों के लिए ही स्वीकृत किया जाता है। अखिल भारतीय स्तर के आवेदनों को छोड़कर जिन संगठनों और संस्थाओं के आवेदन सीधे प्राप्त होते हैं, आवश्यकता पड़ने पर उनके लिए राज्य-सरकारों के विचार आमंत्रित किए जा सकते हैं।

कार्य की प्रगति और प्रारंभ परियोजना की प्रकृति के अनुसार अनुदान किस्तों में दिए जा सकते हैं।

आवेदन-पत्र भेजने की प्रक्रिया:

संबंधित राज्य-सरकार संगठन के आवेदन की जांच करेगी और अपनी सिफारिश भेजते हुए यह बताएगी कि–

(क) संगठन सुस्थापित क्षमता और योग्यता रखता है।

(ख) सिफारिश प्राप्त योजना से संस्कृत की अभिवृद्धि/प्रचार/प्रसार होगा (ब्योरे दिये जाएं)।

(ग) प्राक्कलनों की जांच हुई है और उन्हें उचित समझा गया है।

(घ) वह विशेष राशि जिसे राज्य सरकार उस संगठन/संस्था/व्यक्ति को देने हेतु सिफारिश राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से करती है, तथा

(ङ) सहायता-अनुदान की सिफारिश जिस निकाय हेतु है, वह दूषित भ्रष्टाचार व्यवहार से मुक्त है और प्रतिबन्ध लागू करने के उपाय (लेखा परीक्षा सहित) सोच निकाले हैं।

(च) कोई अन्य लाभदायक सूचना जो राज्य सरकारें संगठन/संस्था/व्यक्ति के आवेदन के बारे में देना चाहें।

किसी आवेदन पर अपनी सिफारिश भेजते वक्त राज्य-सरकारों को संगठन आदि की वास्तविकता और जिस कार्य के लिए अनुदान मांगा गया है, उसकी आवश्यकता और उपयोगिता के विषय में अपनी तसल्ली कर लेनी चाहिए। अनुदान सम्बन्धी प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ आवश्यक सूचना और दस्तावेज भेजे जाएँ।

अनुदान देने की शर्तें

स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों/संस्थाओं को संस्कृत के प्रचार और प्रसार हेतु अनुदानों के संबंध में निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा–

1. वित्तीय सहायता लेने वाली संस्था की जांच राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान या राज्य-शिक्षा-विभाग या भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा-विभाग का कोई अधिकारी किसी भी समय कर सकता है। यदि केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रदत्त अनुदान 25,000 रु. से अधिक है तो संस्था की जांच वहां जाकर की जा सकती है।
2. अनुदान लेने से पहले यह वचन देना होगा कि जिस काम के लिए सहायता दी गई है, उसे सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा नियत समय में पूरा किया जाएगा और अनुदान का केवल उसी उद्देश्य के लिए उपयोग होगा जिसके लिए वह स्वीकृत किया जाएगा। ऐसा न करने पर संस्था को पूरा अनुदान केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा निर्धारित ब्याज के साथ सरकार/संस्थान को वापस करना होगा।
3. किस्तों में दी जाने वाली अनुदान की बाद की किस्तें तब तक नहीं दी जाएंगी जब तक कि पहली किस्त का अधिकांश भाग खर्च न किया गया हो और जब तक पहली किस्त से किए गए काम की रिपोर्ट के साथ खर्च का प्रमाणित विवरण, अगली किस्त की प्राप्ति-प्रार्थना के साथ न भेजा जाए। काम की प्रगति के बारे में सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संतुष्ट हो जाने पर ही बाद की किस्त दी जाएगी।
4. भवन निर्माण/प्रकाशन के मामले में अनुदानों के लिए एक उचित समय निर्धारित किया जाना चाहिए। इस अवधि में संस्था को भवन निर्माण/प्रकाशन कार्य पूरा करना होगा, जब तक संस्थान प्रार्थना करने पर अवधि न बढ़ा दे।
5. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से अनुदान प्राप्त संस्था अपनी सम्पत्ति को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अनुमति के बिना किसी व्यक्ति/संस्था/संगठन के नाम हस्तांतरित नहीं कर सकती। यदि किसी समय संस्था बन्द हो जाए तो केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अनुदान में से बनाई गई सम्पत्ति या खरीदा गया सामान भारत सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को वापस हो जाएगा।
6. संस्था के लेखे उचित रूप से रखे जाने चाहिए और मांगे जाने पर पेश किए जाएं। इनकी जांच नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक कभी भी कर सकता है।
7. यदि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान/सरकार को यह विश्वास हो जाए कि संस्था का प्रबन्ध सुचारु रूप से नहीं हो रहा है, अथवा स्वीकृत धन का उपयोग अनुमोदित उद्देश्यों हेतु नहीं हो रहा है तो अनुदान की अदायगी रोकी जा सकती है।
8. संस्था, भारत के समस्त नागरिकों के लिए जाति, धर्म या

वर्ग के भेदभाव के बिना खुली रहेगी। जिस राज्य में संस्था स्थित हो उसके बाहर के राज्य के लोगों से व्यक्तिकर या कोई अन्य फीस नहीं ली जाएगी।

9. जिस काम के लिए अनुदान स्वीकृत है, उसके संबंध में संस्था राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निर्देशों और सुझावों के पालन के लिए बाध्य होगी। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किसी भी विषय पर कोई सूचना या स्पष्टीकरण मांगे जाने पर संस्था संस्थान द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर उसे मन्त्रालय को भेजेगी।
10. संगठन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान/भारत सरकार की पूर्व अनुमति के बिना भारत के बाहर के किसी भी विदेशी को आमन्त्रित नहीं करेगा।

वर्ष 2011-12 में प्राप्त आवेदनों के आधार पर जिन स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई है, उनका राज्य-वार विवरण **संलग्नक-झ** में दिया गया है।

8.2 अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा

संस्थान पारम्परिक संस्कृत छात्रों को शास्त्रीय संस्कृत भाषा में आशु भाषण के लिए प्रोत्साहित करने हेतु देश के विभिन्न भागों में प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता का आयोजन करता है। समस्या-पूर्ति की प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की जाती हैं। प्रत्येक राज्य सरकार/संघ शासित प्रदेश सरकार से अनुरोध किया जाता है कि वे आठ शास्त्रीय विषयों में प्रतियोगिता हेतु एक अध्यापक सहित आठ सहभागियों के नाम भेजें। सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगियों को प्रत्येक प्रतियोगिता में पदक व प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाते हैं। श्रेष्ठता के क्रम में क्रमशः रु. 2000/-, रु. 1500/- तथा रु. 1000/- के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय नकद पुरस्कार भी दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों के अतिरिक्त विजेताओं को पदक भी दिए जाते हैं। श्लोकान्त्याक्षरी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार की राशि बढ़ाकर रु. 7000/-, रु. 5000/- और रु. 3000/- कर दी गई है। परिशोधित पुरस्कार राशि वर्ष 2005-06 से प्रयोज्य है।

वर्तमान दस प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त "शास्त्र शलाका परीक्षा" का भी आयोजन किया जाता है।

प्रतियोगिता का स्वरूप भारत की प्राचीन परम्परा की शास्त्र शिक्षण पद्धति से लिया गया है। इसमें छात्र को अपनी स्मृति में टीका सहित सारे मूल-पाठ को रखना होता है और "रजत श्लाका" द्वारा प्रकट बिन्दु से वर्णन व व्याख्या करना अपेक्षित होता है। इस प्रतियोगिता का लक्ष्य परम्परा को पुनर्जीवित करना एवं छात्र की स्मरण-शक्ति को तीक्ष्ण करना है।

वर्ष 2011-12 में प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 26-28 नवम्बर 2011 तक दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, छरोड़ी, गुजरात में किया गया। निर्णायक पैनल द्वारा कर्नाटक राज्य को प्रथम घोषित किया गया।

8.3 शास्त्रचूडामणि योजना

संस्थान के परिसरों, आदर्श संस्कृत पाठशालाओं और राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्य संस्कृत कॉलेजों और स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में प्रख्यात साहित्यिक विद्वानों की सेवाओं के उपयोग हेतु योजना

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य उन विभिन्न केन्द्रों में विविध शास्त्रीय विषयों के संस्कृत में गहन अध्ययन को बढ़ावा देना है जहाँ छात्रों को पारम्परिक पद्धति से संस्कृत शिक्षण प्रदान किया जाता है। प्राचीन काल में शिक्षण पद्धति में शिष्य और गुरु के न्यूनतम 12 वर्ष तक साहचर्य का पूर्णकालिक होना ध्यान रखा जाता था। उनके पास विभिन्न दुर्बोध शास्त्रीय विषयों की व्याख्या करने का पर्याप्त समय होता था और छात्रों के पास विषय विशेष पर ध्यान व विस्तृत ढंग से नैपुण्य प्राप्त करने का अवसर रहता था। लेकिन हाल की आधुनिक शिक्षा पद्धति में सीमित अवधि के लिए पाठ्य-पुस्तकों में से चयनित व निर्धारित पाठ्यक्रम होता है। इससे संस्कृत शिक्षण पद्धति भी प्रभावित हुई है। परिणामस्वरूप, जहाँ संस्कृत विषय में छात्रों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्नातकोत्तर स्तर पर विशेषज्ञता प्राप्त करें, वहीं समयाभाव के कारण उच्चतर पाठ्य-पुस्तकों को विस्तार से एवं सम्पूर्णता से पढ़ाने की कोई सम्भावना नहीं है। परिणामतः इस पद्धति के अध्येता यद्यपि अपने विषयों के मूलभूत सिद्धान्तों में पूर्ण निपुण होते हैं, तथापि उनमें इन विषयों पर लिखित उच्चतर पुस्तकों के गहन एवं व्यापक ज्ञान का अभाव होता है।

स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के तुरन्त बाद घरेलू आवश्यकताएँ उन्हें आजीविकोपार्जन हेतु किसी व्यवसाय के लिए बाध्य कर देती हैं। इन्हीं स्नातकोत्तर परीक्षोत्तीर्ण व्यक्तियों में से अब हमें तरुण अध्यापक एवं प्राध्यापक भर्ती करने होते हैं। यद्यपि वे अपनी पढ़ाई आगे जारी रखने में

अत्यधिक रुचि रखते हैं तथापि जिन संस्थाओं में वे नियुक्त होते हैं उनमें ऐसा करने की सुविधाएँ नहीं होतीं। परिणामस्वरूप, ये प्राध्यापक अपने छात्रों को सम्बन्धित परीक्षाओं के लिए तैयारी करवाने से सम्बद्ध अपने कर्त्तव्य का निर्वहण तो प्रवीणता से कर देते हैं, फिर भी उन्हें अपने क्षेत्र में उतनी योग्यता प्राप्त नहीं होती जितनी योग्यता 2 या 3 दशाब्दि पूर्व उनके पूर्ववर्ती प्राप्त करने में सक्षम होते थे। उनकी शैक्षणिक रुचि का शोषण नहीं किया जाना चाहिए और उनकी अध्ययनशील रिक्ति दूर की जानी चाहिए। इससे वे इस उद्देश्य को पूर्ण करने में सक्षम होंगे और छात्रों की एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करने में समर्थ होंगे जो अपने-अपने विषयों में वास्तव में दक्ष होगी।

सौभाग्यवश इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु कुछ पुराने विद्वान् अभी भी जीवित हैं। वे शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से सजग हैं और कुछ अधिक वर्षों के लिए उनका सफल उपयोग किया जा सकता है। यह आवश्यक नहीं है कि वे किसी विश्वविद्यालय की उपाधि या योग्यता के कारण विद्वान् हों। लेकिन फिर भी वे अपने क्षेत्र में निपुण हैं और उनके चरणों में बैठकर तरुण शिक्षकों को अध्ययन करने में कोई अनुताप नहीं होगा। वे संस्था के शैक्षिक वातावरण में वृद्धि करेंगे और अध्यापकों तथा छात्रों के सन्देह-निराकरण करने हेतु सहज ही उपलब्ध रहेंगे।

कार्यान्वयन

इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रत्येक परिसर, आदर्श संस्कृत पाठशाला और संस्कृत विश्वविद्यालय में दो विद्वान् और राज्य सरकार द्वारा संचालित अथवा पर्याप्त रूप से वित्तपोषित संस्कृत कालेजों में एवं स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में एक विद्वान् की नियुक्ति सामान्यतया की जाती है। ऐसी नियुक्तियाँ सम्बद्ध संस्था के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के आधार पर विशेषज्ञों से युक्त सहायता अनुदान समिति की संस्तुतियों पर की जाती हैं। इस प्रकार से की गई नियुक्तियां प्रारम्भ में दो वर्ष की अवधि हेतु की जाती हैं। संस्था के प्रधान की विशिष्ट रिपोर्ट के आधार पर समिति द्वारा एक वर्ष का विस्तार प्रदान किया जाता है। नियुक्त विद्वान् को प्रतिमास रु. 6000/- का मानदेय प्रदान किया जाता है।

इस वर्ष विभिन्न संस्थाओं में 70 शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों की नियुक्ति की गई।

8.4 व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

परम्परागत संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं से शिक्षित छात्रों हेतु "प्रायोगिक प्रशिक्षण" संचालन के लिए पंजीकृत शैक्षिक संगठनों को वित्तीय सहायता

कुछ विशिष्ट विभागों में परम्परागत शिक्षण प्राप्त प्रत्याशियों को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पंजीकृत शैक्षिक निकायों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना आरम्भ की गई। इसके अन्तर्गत पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं से शिक्षित छात्रों को अल्पकालीन अनुकूलन पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। अध्यापन के विषय पाण्डुलिपि विज्ञान, सूची-निर्माण, पुरालिपि शास्त्र, संस्कृत टंकण व आशुलिपि, ज्योतिष, कर्मकाण्ड व पुरालेखशास्त्र इत्यादि हैं। ये प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सामान्यतया तीन से नौ सप्ताह तक की विभिन्न अल्पावधियों के लिए संचालित किए जाते हैं। इस अवधि में छात्रों को शिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से शैक्षिक निकाय से सम्बन्धित क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमन्त्रित किया जा सकता है। इच्छुक संस्थाएँ ऐसे किसी भी कार्यक्रम के आयोजन हेतु निर्धारित आवेदन-पत्र में आवेदन कर सकती हैं। उन्हें अल्पावधि पाठ्यक्रमों हेतु स्थानीय समाचार-पत्रों में भी विज्ञापन देना होता है और इसका लाभ प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों से आवेदन आमन्त्रित करने होते हैं। प्रत्येक छात्र से रु. 5/- का सामान्य पंजीकरण शुल्क लिया जा सकता है। प्रत्येक छात्र को प्रशिक्षण दिवसों में रु. 10/- प्रति दिन के हिसाब से फुटकर भत्ता दिया जाता है। विशेषज्ञ प्रशिक्षक को सामान्यतः प्रतिदिन रु. 100/- का मानदेय प्रदान किया जाता है।

योग्यता के आधार पर संस्तुति करने हेतु किसी विशेषज्ञ/सहायता अनुदान समिति द्वारा आवेदनों पर विस्तृत विचार किया जाता है। संस्थान द्वारा सम्बद्ध संस्था को समिति द्वारा अनुमोदित कुल अनुमानित व्यय का 75% अग्रिम के रूप में जारी किया जाता है और अवशिष्ट 25% का निर्मोचन लेखा-परीक्षित लेखों की प्राप्ति होने पर तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की रिपोर्ट मिलने पर किया जाता है।

8.5 संस्कृत शब्दकोश परियोजना

1500 ईसा पूर्व से 1900 ई॰ तक ऐतिहासिक सिद्धान्तों पर अति व्यापक संस्कृत कोश तैयार करने की योजना डेकन कॉलेज, पूना द्वारा आरम्भ की गई है। यह वर्ष 1948 में आरम्भ की गई थी। प्रधान सम्पादक द्वारा संस्कृत शब्दकोश

परियोजना विभाग, डेकन कॉलेज, पूना के नेतृत्व में 9 खण्ड प्रकाशित किए जा चुके हैं। यह योजना मुख्य रूप से भारत सरकार द्वारा और कुछ सीमा तक महाराष्ट्र सरकार द्वारा वित्त-पोषित की गई। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा वर्ष 2011-12 में संस्कृत शब्दकोश परियोजना हेतु रु. 30.00 लाख की राशि का निर्मोचन किया गया।

8.6 संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फ़ारसी विद्वानों को राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना

संस्कृत, अरबी और फ़ारसी भाषाओं के विद्वानों को सम्मानित करने के लिए 'राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना' 1958 में आरम्भ की गई। इस योजना को 1996 में पालि/प्राकृत तक विस्तारित किया गया। विद्वानों को उनके सम्बद्ध क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान की स्वीकृति में वर्ष में एक बार स्वतन्त्रता दिवस पर सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष 2008 से, एन.आर.आइ. अथवा किसी विदेशी द्वारा संस्कृत के क्षेत्र में उनकी आजीवन उपलब्धि हेतु एक अन्तरर्राष्ट्रीय पुरस्कार सम्मिलित करने के उद्देश्य से इस योजना का विस्तार किया गया। इस योजना के अधीन राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक विद्वान् को एक सनद तथा शाल प्रदान किए जाने के अतिरिक्त संस्कृत के विद्वानों को रु. 5.00 लाख का आर्थिक अनुदान तथा पालि/प्राकृत, फारसी एवं अरबी विद्वानों को आजीवन रु. 50,000/- का वार्षिक अनुदान देने पर विचार किया जाता है।

इस योजना के अन्तर्गत संस्कृत हेतु 15, अरबी और फ़ारसी में से प्रत्येक के लिए 3 और पाली/प्राकृत के लिए एक पुरस्कार है।

वर्ष 2002 से 30-40 वर्ष की आयु वर्ग के युवा विद्वानों के लिए संस्कृत में 5 पुरस्कार तथा पालि/प्राकृत, अरबी और फारसी में से प्रत्येक के लिए एक पुरस्कार आरम्भ किया गया है। इस पुरस्कार का नाम महर्षि बादरायण व्यास सम्मान है। प्रत्येक को सनद तथा शाल के अतिरिक्त रु. 1 लाख का एकमुश्त नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इन युवा विद्वानों से अपेक्षित है कि वे अन्त: विद्या विशेषों के अध्ययन में निपुण हों। इनमें आधुनिकता एवं परम्परा तथा इन भाषाओं में विज्ञान के प्रोत्साहन हेतु कार्यरत वैज्ञानिकों व आइ.टी. व्यावसायिकों के मध्य सह-क्रिया की प्रक्रिया में संस्कृत अथवा प्राचीन भारतीय प्रज्ञा का योगदान सम्मिलित है।

प्रतिवर्ष इन पुरस्कारों हेतु निम्नलिखित से प्रस्ताव आमन्त्रित किए जाते हैं :

(अ) भारत सरकार के सभी सचिव।

(आ) सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के मुख्य सचिव।

(इ) सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के शिक्षा-सचिव।

(ई) सभी भारतीय विश्वविद्यालयों और मानित विश्वविद्यालयों के कुलपति।

(उ) राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त विद्वान।

(ऊ) बाह्य मामले सम्बन्धी मन्त्रालय (सभी भारतीय दूतावासों हेतु)

सर्वप्रथम संस्तुतियों की जाँच मानव संसाधन विकास मन्त्री द्वारा अनुमोदित प्राथमिक चयन समिति करती है। सदस्य अपने-अपने कार्य क्षेत्र कि अत्यन्त प्रख्यात विद्वान् हैं।

प्राथमिक चयन समिति द्वारा की गई संस्तुतियाँ फिर मानव संसाधन विकास मन्त्री, प्रधान मन्त्री और तब अन्त में भारत के राष्ट्रपति को स्वीकृति हेतु भेजी जाती हैं।

8.7 संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान संदर्भ ग्रन्थ, मूल लेखन, शोध-प्रबन्ध, अनुवाद, हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची, समीक्षात्मक संस्करण, दुर्लभ अप्राप्य ग्रन्थों के पुनर्मुद्रण संस्करण और अन्य किसी भी प्रकार के प्रकाशन जो संस्कृत भाषा तथा साहित्य के प्रोत्साहन हेतु प्रेरक रूप में वैयक्तिक रूप से स्वीकृत हों-जैसे संस्कृत आधारित ग्रन्थों के प्रकाशन के लिए पंजीकृत संगठनों, लेखकों, सम्पादकों एवं अनुवादकों या विशिष्ट व्यक्तियों अथवा विचाराधीन ग्रन्थ का प्रकाशनाधिकार रखने वाले और उस ग्रन्थ के प्रकाशन के इच्छुक व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के अन्तर्गत सहायता राशि मूल लेखन के मामले में रचना की वास्तविक लागत की अधिकतम 80% स्वीकृत की जाती है और शोध-प्रबन्ध के मामले में यह अधिकतम 50% स्वीकृत की जाती है। तथापि, दुर्लभ हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची के लिए सहायता कुल व्यय का 100% तक हो सकती है।

आवेदकों को निर्धारित आवेदन प्रपत्र में प्रकाशन अनुदान हेतु आवेदन करना होता है। साथ में दो भिन्न-भिन्न मुद्रकों से रचना की अनुमानित लागत और प्रस्तावित कार्य के लगभग पैंतीस पृष्ठ भी प्रस्तुत करने होते हैं। इस प्रकार से प्राप्त नमूना पृष्ठों को प्रस्तावित कार्य की उपयोगिता पर विशेषज्ञों की राय

जानने हेतु भेजा जाता है। फिर प्रस्ताव और विशेषज्ञों की राय को आवश्यक संस्तुतियाँ करने हेतु सहायता अनुदान समिति के समक्ष रखा जाता है। स्वीकृत प्रस्तावों के आवेदकों को संस्वीकृति आदेश की तारीख से दो साल की अवधि के अन्दर ही ग्रन्थ को प्रकाशित करना होता है। मुद्रण के बाद ग्रन्थ की नमूना प्रति और मुद्रक बिल की जाँच विशेषज्ञ अभिकरण द्वारा की जाती है जो रचना की वास्तविक लागत का हिसाब लगाता है। उसके आधार पर निश्चित फॉर्मूला के अनुसार एक प्रति की कीमत निश्चित की जाती है। वास्तविक संस्वीकृत अनुदान सहित इसकी सूचना आवेदक को भेजी जाती है। अनुदान के बदले में आवेदकों को मामले के अनुसार ग्रन्थ की कुछ प्रतियाँ डाक द्वारा सूचीबद्ध पुस्तकालयों को नि:शुल्क भेजनी होती हैं। संस्थान डाक प्रभार अदा करता है और संस्वीकृत अनुदान जारी करता है। इसके साथ, संस्कृत पत्रिकाओं/समाचार-पत्रों के लिए वार्षिक संस्वीकृत प्रकाशन अनुदान भी जारी किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, समय-समय पर सहायता अनुदान समिति की सिफारिशों पर संस्थान दुर्लभ संस्कृत ग्रंथों के पुनर्मुद्रण हेतु कुछ शर्तों के आधार पर किसी विश्वविद्यालय अथवा पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन या सुप्रतिष्ठित व्यावसायिक प्रकाशक की सहायता कर सकता है। ऐसी सहायता अनुमोदित निम्न कीमत पर ऐसे प्रत्येक पुनर्मुद्रण की 500 प्रतियाँ खरीद कर की जा सकती है, बशर्ते कि प्रकाशक प्रथम क्रय आदेश की तारीख से तीन वर्ष के भीतर उसी कीमत पर 300 अतिरिक्त प्रतियों की आपूर्ति का वचन देता है।

वर्ष 2011-12 में वित्तीय सहायता से प्रकाशित एवं प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण क्रमश: **संलग्नक ञ और ट** में दिया गया है।

8.8 ग्रन्थ क्रय योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान लेखकों, प्रकाशकों, पुस्तकों के विक्रेताओं, संगठनों आदि से संस्कृत भाषा और साहित्य से सम्बद्ध पुस्तकों की प्रतियाँ थोक में खरीद कर उनको वित्तीय सहायता प्रदान करता है, बशर्ते कि ऐसी पुस्तकें संस्थान की किसी अन्य योजना के अन्तर्गत सहायता पाकर प्रकाशित नहीं हुई हैं। हालांकि, जिन पुस्तकों के लिए नकद राज्य पुरस्कारों के माध्यम से अथवा प्रशंसात्मक उल्लेख के माध्यम से मान्यता दी गई है वे भी इसके पात्र हैं।

आवेदक निर्धारित आवेदन-प्रपत्र में संस्थान को आवेदन भेजते हुए पुस्तकों की कम-से-कम दो प्रतियाँ मानार्थ भेजें। ये मानार्थ प्रतियाँ प्रत्यावर्तनीय नहीं हैं। सहायता अनुदान समिति की सिफारिशों पर आवेदकों को क्रय आदेश के साथ उन पुस्तकालयों की सूची भी भेजी जाती है जिन्हें निर्धारित संख्या में पंजीकृत पार्सल के द्वारा प्रतियाँ भेजनी हैं। आवेदक से अपेक्षित है कि वह न्यूनतम 25% व्यापारिक बट्टा प्रदान करे। आवेदक बिल में पैकिंग व्यय और पंजीकृत पार्सल व्यय जोड़ सकता है जिनका वहन भी संस्थान करता है। आवेदक प्रतियों के प्रेषण-सम्बन्धी मूल डाक रसीदों सहित सम्बन्धित बिल भुगतान की संस्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जाता है।

वर्ष 2011-12 में इस योजना के अन्तर्गत रुपये 0.17 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

8.9 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य पारम्परिक संस्कृत विद्या तथा शोध को सहायता देना एवं प्रोत्साहित करना है। इस योजना के अन्तर्गत इसी प्रयोजन से, संस्कृत महाविद्यालयों को प्राक्शास्त्री, शास्त्री एवं आचार्य स्तर पर पाठ्यक्रमों का संचालन करने हेतु और शोध संस्थानों को पी-एच.डी. एवं पी-एच.डी. से उच्च स्तरों पर शोध का आयोजन तथा संचालन हेतु सहायता प्रदान की जाती है। ऐसी अनुदानग्राही संस्थाएं स्वीकृत आवर्ती का 95%, स्वीकृत अनावर्त्ती का 75% प्राप्त करती हैं।

मान्यता एवं वित्तीय सहायता की शर्तें :

इस योजना के अन्तर्गत केवल संस्कृत महाविद्यालयों अथवा शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाएँ वित्तीय सहायता हेतु विचारणीय हैं। हालांकि, मान्यता के कारण किसी भी संस्था को स्वत: वित्तीय सहायतार्थ अधिकार नहीं मिलता और न ही सहायता अनुदान का जारी रहना अधिकार की बात होती है।

कोई भी पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन जो संस्कृत महाविद्यालय या शोध संस्थान का अनुरक्षण करता हो, यदि वह सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के अन्तर्गत 'सोसाइटी' अथवा 'पंजीकृत न्यास' है, तो वह मान्यता हेतु आवेदन कर सकता है। निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने पर ही भारत सरकार द्वारा मान्यता देने पर विचार किया जाता है।

(i) महाविद्यालय में पारम्परिक पद्धति से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य अथवा समकक्ष पाठ्यक्रमों का अध्यापन होता हो। शोध संस्थान में विभिन्न पारम्परिक संस्कृत विद्या विशेषों में क्रियात्मक शोध जारी रखा जाता हो;

(ii) महाविद्यालय/शोध संस्थान ऊपर (i) में उल्लिखित स्तर पर कम-से-कम सात साल से अस्तित्व में होना चाहिए। हालांकि, पहली योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का इस संशोधित योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने का अधिकार बना रहेगा;

(iii) संस्थाओं के पास उपयुक्त भवनों तथा परिसरों का स्वामित्व एवं नियन्त्रण होना चाहिए। संस्थाओं के पक्ष में 99 वर्ष का पट्टा भी स्वीकार्य होगा;

(iv) इस योजना के अन्तर्गत भविष्य में मान्यता एवं वित्तीय सहायता हेतु आवेदन करने वाले पंजीकृत मूल निकाय को सावधि जमा खाते में न्यूनतम रु. 2.00 लाख की राशि जमा करवानी होगी। हालांकि, पुरानी योजना के अधीन पहले से सहायता प्राप्त जिन संस्थाओं ने महाविद्यालय/शोध संस्थान के पक्ष में रुपये 1 लाख जमा करवाए हैं, उन्हें इस शर्त से छूट दी जाएगी;

(v) महाविद्यालय/शोध संस्थान या तो केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा अधिनियम बनाकर विधिवत् संस्थापित किसी विश्वविद्यालय से या राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से सम्बद्ध होना चाहिए;

(vi) एक महाविद्यालय में छात्रों की संख्या 50 से कम नहीं होनी चाहिए, एक शोध संस्थान में 12 सक्रिय शोधकर्त्ताओं से कम संख्या नहीं होनी चाहिए।

मान्यता प्रदान करने हेतु आवेदन मिलने पर सरकार तत्काल निरीक्षण करवाएगी और विशेषज्ञ समिति द्वारा उसका आकलन होगा तथा मान्यता हेतु इसका निर्णय आवेदनकर्त्ता संगठन को सूचित किया जाएगा। इसके पश्चात् विशेषत: इस उद्देश्य से संगठित अनुवीक्षण समिति द्वारा वर्तमान स्टाफ की छानबीन की जाएगी।

इस योजना के अन्तर्गत सभी मान्यता-प्राप्त संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान वित्तीय सहायता हेतु विचार किए जाने के पात्र होंगे, बशर्ते कि वे इस योजना में बताई गई शर्तों का पालन करने हेतु वचनबद्ध हों। इसके अतिरिक्त उन्हें योजना में उल्लिखित अनुसार प्रबन्धन समिति के स्वरूप एवं संरचना, इसके कार्य, स्टाफ का स्वरूप, उपयोज्य अनुदान आदि से सम्बद्ध शर्तों का भी अनुपालन करना होगा।

संस्थान से वार्षिक अनुदान प्राप्त करने वाले आदर्श महाविद्यालयों/शोध संस्थानों की सूची **संलग्नक-ठ** में दी गई है।

8.10 शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु योजना

इस योजना के अन्तर्गत शिक्षा की + 2 पद्धति, स्नातक, स्नातकोत्तर और पारम्परिक पद्धति के समकक्ष पाठ्यक्रमों एवं पी-एच.डी. की मार्गदर्शक शोध अथवा संस्कृत अध्ययन में समकक्ष उपाधि जिसमें पाली व प्राकृत भाषाएँ भी एक विषय के रूप में सम्मिलित हैं-इन सभी के नियमित छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। प्रत्येक वर्ष में प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या निधि की उपलब्धता पर निर्भर है। आरक्षण समय-समय पर सरकार की नीति के अनुसार प्रदान किया जाता है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नौवीं व दसवीं अथवा समकक्ष स्तर के छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान करता है।

संस्कृत में न्यूनतम 60% अंक लेकर अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण परीक्षार्थी इन छात्रवृत्तियों के पात्र हैं। आरक्षित वर्ग के परीक्षार्थियों के मामले में अंकों की प्रतिशतता की अर्हता को घटाकर 50% किया जा सकता है। प्रार्थी छात्रों से अपेक्षित है कि वे छात्रवृत्तियाँ पाने हेतु अपने आवेदन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को उन संस्थाओं के माध्यम से भेजें जिनमें वे अपना अध्ययन/शोध जारी रखने के इच्छुक हों। ये छात्रवृत्तियाँ इस उद्देश्य से गठित चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर प्रदान की जाती है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तक के छात्रों हेतु ये छात्रवृत्तियाँ 10 मास के एक शैक्षिक वर्ष के लिए समर्थनीय हैं। क्योंकि ये वार्षिक परीक्षा परिणामों के आधार पर प्रदान की जाती हैं, अत: छात्रों को प्रति वर्ष नये सिरे से आवेदन करना होता है। शोध छात्रवृत्ति दो पूर्ण वर्षों के लिए दी जाती है और दूसरे वर्ष की छात्रवृत्ति उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं छात्र के कार्य की प्रगति की रिपोर्ट प्राप्त होने पर प्रदान की जाती है।

जो छात्र किसी अन्य संस्था से कोई भी छात्रवृत्ति प्राप्त करता है या छात्रवृत्ति के कार्यकाल में किसी अन्य वृत्तिकारी कार्य में संलग्न रहता है, या किसी अन्य पाठ्यक्रम का

अध्ययन करता है जिसमें संस्कृत अध्ययन का प्रावधान नहीं हो, उसे छात्रवृत्ति के अधिकार से वंचित कर दिया जाता है। प्रत्येक प्रत्याशी से सभी आवश्यक शर्तों को प्रमाणित करने की अपेक्षा की जाती है।

अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु छात्रवृत्ति की निम्नलिखित दरें हैं :

(1) संस्कृत के साथ नवम एवं दशम कक्षाएँ तथा समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 250/- प्रतिमाह।

(2) संस्कृत के साथ ग्यारहवीं एवं बारहवीं कक्षाएँ तथा समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 300/- प्रतिमाह।

(3) बी.ए./बी.ए. (आनर्स) तथा त्रिवर्षीय समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 400/- प्रतिमाह।

(4) संस्कृत/पालि/प्राकृत में एम.ए. तथा इसके समकक्ष स्नातकोत्तर उपाधि रु. 500/- प्रतिमाह।

(5) संस्कृत/पालि/प्राकृत में पी-एच.डी. और समकक्ष रु. 1500/- प्रतिमास + रु. 2000/- प्रतिवर्ष आनुषंगिक अनुदान के रूप में (दो वर्ष तक)।

8.11 असहाय परिस्थितियों वाले प्रसिद्ध संस्कृत पंडितों को सम्मान राशि देने की योजना

इस योजना के अन्तर्गत, 55 वर्ष की आयु से अधिक वाले प्रसिद्ध उन योग्य विद्वानों को सम्मान राशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत को अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है। ऐसे सुझाव राज्य-सरकारों से सीधे प्राप्त होते हैं अथवा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से पहुंचते हैं। प्रत्येक चयनित विद्वान को रुपये 24000/- प्रतिवर्ष, अन्य आय की कटौती बिना दिये जाते हैं। इस उद्देश्य हेतु केवल उन्हीं पंडितों पर विचार किया जाता है जिसकी आय रुपये 24000/- प्रतिवर्ष से कम है। किसी अन्य गुणवत्ता का निर्धारण नहीं है। संस्कृत पंडितों को यह वित्तीय सहायता 'राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान', नई दिल्ली के माध्यम से बांटा जाता है तथा लाभार्थी व्यक्ति के बैंक खाते में जमा किया जाता है।

प्राप्तकर्ता की दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की दशा में, यह सहायता उसके पति/पत्नी को मृत्युपर्यन्त लगातार दी जाती है।

योजना व्यय पर खर्च (वर्ष 2011-2012)

क्र.सं.	योजना का नाम	व्यय (रू लाख में)
1.	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान	2034.35
2.	राष्ट्रपति पुरस्कार	258.54
3.	आधुनिक/संस्कृत अध्यापकों को अनुदान	59.76
4.	परम्परागत संस्कृत पाठशाला/स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	695.72
5.	सम्मान राशि	55.64
6.	गै.स.सं./गै.स.सं. विश्वविद्यालयों	114.50
7.	संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना	21.21
8.	छात्रवृत्ति	206.92
9.	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्र	213.63
10.	ग्रन्थ क्रय योजना	0.17
11.	शास्त्रचूडामणि	54.58
12.	व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	5.36
13.	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा	33.87
14.	उच्चतर माध्यमिक/माध्यमिक विद्यालयों के संस्कृत अध्यापकों का अनुदान	40.73
15.	उत्तरपूर्वी राज्य	178.93
16.	दूरस्थ शिक्षा योजना	79.48
17.	डेकेन कॉलेज-पूना	30.00
18.	पालि-प्राकृत	21.03
	कुल योग	**4154.09**

9. 2011-12 वर्ष की प्रमुख गतिविधियाँ

9.1 सम्मान समारोह (6 मई 2011)

राष्ट्रपति सम्मान-पत्र प्रदान करने के लिए 6 मई 2011 को राष्ट्रपति भवन में सम्मान समारोह समायोजित हुआ जिसमें संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी, फारसी और महर्षि बादरायण व्यास सम्मान 2008, 2009 हेतु चयनित विद्वानों ने भारत की राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील के कर कमलों से सम्मानपत्र प्राप्त किया।

भारत की राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील के साथ वर्ष 2008 के लिये राष्ट्रपति समानपत्र तथा महर्षि बादरायण व्यास सम्मान से सम्मानित विद्वानों का सामूहिक चित्र।

भारत की राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील के साथ वर्ष 2009 के लिये राष्ट्रपति समानपत्र तथा महर्षि बादरायण व्यास सम्मान से सम्मानित विद्वानों का सामूहिक चित्र।

महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील, भारत की माननीय राष्ट्रपति,
सम्मान पत्र प्रदान करती हुई - वर्ष 2008

महामहिम श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटील, भारत की माननीय राष्ट्रपति,
सम्मान पत्र प्रदान करती हुई - वर्ष 2009

9.2 15वां विश्व संस्कृत सम्मेलन (5-10 जनवरी 2012)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा संस्कृत स्टडीज अन्तर्राष्ट्रीय संघ के सहयोग से 5 जनवरी से 10 जनवरी 2012 तक विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 15वें विश्व संस्कृत सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्घाटन भारत के माननीय प्रधानमन्त्री डा. मनमोहन सिंह द्वारा 5 जनवरी 2012 को प्रात: 10.30 बजे किया गया।

15वें विश्व संस्कृत सम्मेलन के समय विज्ञानभवन में उद्घाटन समारोह के अवसर पर माननीय डा. मनमोहन सिंह एवं माननीय मानव संसाधन मंत्री श्री कपिल सिब्बल दीप प्रज्वलित करते हुए

उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री कपिल सिब्बल द्वारा की गई। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में गंगानाथ झा परिसर द्वारा तैयार किया गया 10 खण्डों में संकलित 57000 पाण्डुलिपियों के संग्रह का विमोचन किया गया। उद्घाटन सत्र के तुरन्त पश्चात् डॉ. अशोक अक्लूजकर एवं डॉ. लोकेशचन्द्र के विशेष भाषण हुए। इस सत्र की अध्यक्षता डा. कपिला वात्स्यायन द्वारा की गई। इस सम्मेलन में भारत से भिन्न 32 देशों से 203 विद्वानों तथा भारत से 1000 विद्वानों ने भाग लिया।

डॉ. कपिला वात्स्यायन पुस्तक का विमोचन करती हुई

इस अवसर पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा विभिन्न प्रदर्शनियां भी आयोजित की गईं। 'विश्ववारा' शीर्षक के अन्तर्गत प्रदर्शनी का आयोजन इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (IGNCA) के संयुक्त तत्त्वावधान में हुआ। सभी प्रदर्शनियां वर्ग पाण्डुलिपि विज्ञान और पुस्तकों के विक्रय-केन्द्र का प्रबन्ध इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में ही किया गया।

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र में "विश्ववारा" प्रदर्शनी का उद्घाटन समारोह

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र के भवन में एक संस्कृत पुस्तक मेले का भी आयोजन किया गया। प्रदर्शनियाँ और पुस्तक मेले के विक्रय केन्द्र सम्मेलन की अवधि के समय प्रात: 10 बजे से सायं 8 बजे तक खुली रहती थीं जिससे अनेक विद्वानों, विद्यार्थियों, प्रतिनिधियों और संस्कृत प्रेमियों ने भरपूर लाभ उठाया। पुस्तकों की प्रदर्शनी विद्वानों को आधुनिकतम प्रकाशनों से परिचित होने का विशिष्टतम अवसर प्रदान कर रही थीं। विश्ववारा प्रदर्शनी के निम्नलिखित विभाग थे-

- भारतीय वैज्ञानिक परम्पराओं पर केन्द्रित पाण्डुलिपि-निधि के माध्यम से ज्ञान की शाखाओं को पुनर्जीवित करना;
- दक्षिण पूर्व एशिया में संस्कृत शिलालेखों, पाण्डुलिपियों के द्वारा भारत की ऐतिहासिक परम्पराओं का दिग्दर्शन;
- संस्कृत विषयक सूचना तकनीकी और संगणक साधन युक्त प्रदर्शनी।

4 जनवरी 2012 को 15वें विश्व संस्कृत सम्मेलन के प्रारम्भ का श्रीगणेश करने के लिए 'पूर्वरङ्ग' कार्यक्रम आयोजित किया। दिल्ली सरकार के उद्योग, श्रम और निर्वाचन मन्त्री डा. रमाकान्त गोस्वामी, ने संस्कृत के पुस्तक मेले का उद्घाटन किया। श्री चिन्मय आर् गरेखन, अध्यक्ष इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र ने भवन में आयोजित पुस्तक मेले का उद्घाटन किया। इस सम्मेलन के अवसर पर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा एक पांचदिवसीय नाटक समारोह का भी आयोजन किया गया। भारतीय पारम्परिक नाट्य शैलियों-कुटि्टयम, कथकली, नंगियर, कुट्टु, यक्षगानम्, अङ्कीयनट और मणिपुरी रास आदि का भी प्रदर्शन निम्नलिखित द्वारा किया गया-

तिथि	**कार्यक्रम**	**प्रस्तुति**
05.01.2012	कुट्टीयाट्टम्	मार्गी मधु; अभिषेकनाटकम्
6.10.2012	नांगियर कुट्टु	उषा नांगियर
	कथाकली-दु:शासनवधम्	इ एन नारायणन्, पी.एम्. दामोदरन्, साहित्य विभाग, श्री शङ्कराचार्य विश्वविद्यालय, कलाडी
07.01.2012	यक्षगानम्	गजानन हेगडे एवं उनके साथी
08.01.2012	अङ्कीय नट	श्रीमन्त शंकरदेव, कलाक्षेत्र, गुवाहाटी
09.01.2012	गीतगोविन्दम् (मणिपुरी रास)	राधामाधव संस्कृत महाविद्यालय, मणिपुर

15वें विश्व संस्कृत सम्मेलन के मुख्य क्षण

पञ्चदशं विश्वसंस्कृतसम्मेलनम्
15th WORLD SANSKRIT CONFERENCE
New Delhi, 5th-10th January 2012

पञ्चदशं विश्वसंस्कृतसम्मेलनम्
नवदेहली, जनवरी, ५-१०, २०१२
SANSKRIT CONFERENCE
January 2012

Models and Theories in
Sanskrit Grammar and
Linguistics

नवदेहली, जनवरी, ५-१०
15th WORLD SANSKRIT
New Delhi, 5th-10th Janu
RAMAKANT GOSWAMI

15th WORLD
SANSKRIT CONFERENCE
New Delhi, 5th-10th January 2012
Dr. Manmohan Singh

विज्ञान भवन में 5 जनवरी, 2012 के मध्याह्न से सम्मेलन के विभिन्न विषयों पर तकनीकि सत्रों का प्रारम्भ हुआ और यह चक्र 10 जनवरी 2012 तक चलता रहा। सम्मेलन में 20 वर्ग थे–वेद, भाषा विज्ञान, महाकाव्य (रामायण और महाभारत) पुराण, तन्त्र और आगम, व्याकरण, काव्य, नाटक, सौन्दर्याभिव्यक्ति (aesthetics), संस्कृत और एशिया की अन्य भाषाएँ और साहित्य, संस्कृत और विज्ञान, बुद्धदर्शन विषयक अध्ययन, जैन दर्शन, दर्शन साहित्य, धार्मिक अध्ययन, कर्मकाण्डीय अध्ययन, शिलालेख विज्ञान, तकनीकी विश्व में संस्कृत, आधुनिक संस्कृत साहित्य, पण्डित-परिषद्, कविसमवाय, विधि एवं समाज, पाण्डुलिपि विज्ञान आदि। इन सत्रों के अतिरिक्त निम्नलिखित विशेष बहुविज्ञ चर्चाएं (पेनल डिस्कशन) भी आयोजित की गईं-

तकनीकी सत्र में बहुविज्ञ विवेचन

1. संस्कृतव्याकरणभाषाशास्त्रयोः प्रतिदर्शाः सिद्धान्तश्च (Models and Theories in Sanskrit Grammar and Linguistics). संयोजक-जेन. ई. एम्. हाउबेन (Jan. E.M. Houben).
2. इतिहासकाव्ययोः वैद्युतीयं समायोजनम् (Electronic Concordance of the Great Epics. (Conveners : Ramkaran Sharma and Les Morgen). संयोजकगण - रामकरणशर्मा और लेस् मार्गन।
3. पाणिनेः पुनर्मीमांसा (Re-interpreting Panini) संयोजक - रामनाथ शर्मा।
4. आधुनिके जगति नाट्यशास्त्रम् (Natyasastra in Modern World) संयोजक - राधावल्लभ त्रिपाठी।
5. संयोजक तन्त्रागमपरम्परासु प्रतिष्ठापनप्रयोगाः Pratishtha, Rites of installation in the Tantric/Agamic Traditions. दिवाकर आचार्य।
6. संस्कृतविज्ञानग्रन्थानां पुनर्नवावलोकनम् (New Perspectives on Scientific Literature in Sanskrit) संयोजक - पी. सी. मुरलीमाधवन् तथा के. सुब्रह्मण्यन्।
7. विशिष्टो विमर्शः - भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध-परिषद् (Bounderies of Yoga in Indian Philosophical Literature) संयोजक - स्टुअर्ड सरबेकर, जीरेल्ड जेम्स लारसन।

8. शैवदर्शनम् (Saiva Philosphy) संयोजन – लाइन बंसट् बुडोन एवं ज्यूडिट टोर्ज्सोक (Conveners: Lyne Bansat-Boudon and Judit Torzsok)
9. संस्कृतशिक्षणे नवाचारा: (Innovations in Sanskrit Teaching) संयोजक – चमूकृष्ण शास्त्री।
10. दक्षिणपूर्वेशियादेशेषु संस्कृतशिलालेखा: (Sanskrit Inscriptions in South-East Asian Countries) संयोजक डोमिनिक गूडल, सच्चिदानन्द सहाय और अमरजीवलोचन।
11. पाण्डुलिपयस्तासां बौद्धिकं संरक्षणं च (Manuscripts and their Intellectual Preservations) संयोजक – विजय शंकर शुक्ल।
12. वैश्विकपरिप्रेक्ष्ये संस्कृतम् (Sanskrit in Global Perspectives) संयोजक – वी. आर्. पञ्चमुखी।

सम्मेलन का समापन समारोह विज्ञानभवन नई दिल्ली में 10 जनवरी 2012 को सायं 6.00 बजे सम्पन्न हुआ। डा. कर्णसिंह, माननीय संसद सदस्य एवं अध्यक्ष भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध-परिषद् समापन सत्र में प्रमुख अतिथि थे। इस सत्र की अध्यक्षा दिल्ली की माननीया मुख्य मन्त्री श्रीमती शीला दीक्षित थी। समापन सत्र में दिल्ली विधान सभा के अध्यक्ष श्री योगानन्द शास्त्री, और दिल्ली सरकार में मन्त्री डा. रमाकान्त गोस्वामी एवं डा. किरण वालिया उपस्थित थीं।

बायें से : प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु, प्रो. किरण वालिया, डा. रमाकान्त गोस्वामी, श्रीमती शीला दीक्षित, डा. कर्ण सिंह, डा. अशोक कुमार चौहान, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी तथा प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री

सम्मेलन के परिणाम वेद विभाग– निम्नलिखित विषयों पर विशेष चर्चा हुई। ग्रीक मिथक विज्ञान से तुलना, वैदिक विश्व परिप्रेक्ष्य में समय और स्थान की अवधारणाएँ, वैदिक कहानियाँ, कर्मकाण्ड और उनका महत्त्व, पर्यावरण विज्ञान, कृषि विज्ञान, तथा वैदिक ग्रन्थों में औषधीय चिकित्सा विज्ञान।

भाषाविज्ञान विभाग– निम्नलिखित विषयों पर विशेष चर्चा हुई–फ्रेंच व्याकरण और पाणिनि व्याकरण, भाषा विज्ञान के नए सिद्धान्त और संस्कृत भाषाविज्ञान, संगणकात्मक भाषाविज्ञान, आधुनिक भारतीय भाषाविज्ञान के साथ तुलना, भर्तृहरि के व्याकरणात्मक दर्शन की प्रासंगिकता।

महाकाव्य और पुराण- निम्नलिखित विषयों पर विशेष चर्चाएँ हुईं- मानचित्र विज्ञान, भूगोल, पवित्र भूगोल, महाभारत के आख्यान, भारतीय महाकाव्यों के ग्रीक संदर्भ।

तन्त्र और आगम- निम्नलिखित विषयों पर विशेष चर्चा हुई तन्त्रों की सामाजिक-दार्शनिक प्रासंगिकता तथा मानवीकरण पक्ष।

काव्य, नाटक और सौन्दर्यमिमांसा- निम्नलिखित विषयों पर प्रमुख रूप से चर्चा हुई-संगीत और सौन्दर्यशास्त्र पर नई पाण्डुलिपियाँ, इन्हीं पाण्डुलिपियों के आलोचनात्मक संस्करण, संस्कृत काव्यशास्त्र की अवधारणाओं का स्थायित्व।

संस्कृत और एशियन भाषाएँ- विश्व संस्कृत सम्मेलन में यह विषय पहली बार जोड़ा गया- एशिया की अन्य भाषाओं के साथ संस्कृत के अन्त:सम्बन्धों पर बहुत महत्त्वपूर्ण पत्र प्रस्तुत किए गए-ये भाषाएँ थीं-ख्मेर, थाई, भारतीय भाषाएँ, बोलियाँ और उपबोलियाँ।

संस्कृत और विज्ञान, तकनीकी युग में संस्कृत - इन वर्गों में संस्कृत ग्रन्थों और उनकी आधुनिक वैज्ञानिक विकास परम्परा में प्रासंगिकता से सम्बद्ध पत्र प्रस्तुत किए गए- आयुर्वेद की कई अवधारणाएँ, बीजगणित (एल्जेब्रा), धातु विज्ञान, प्राचीन भारत में जल प्रबन्धन आदि इन विषयों की चर्चा आधुनिक समस्याओं के संदर्भ में की गई। भारतीय तकनीकी अनुसंधानों की प्रासंगिकता पर भी विचार हुआ। प्राचीन भारतीय पर्यावरणविज्ञान और परिस्थिति विज्ञान विषयक अवधारणाओं पर विस्तृत चर्चाएँ हुईं।

बौद्ध धर्म और जैन धर्म

विश्व सम्मत धर्म के रूप में बौद्ध धर्म और शान्ति और अहिंसा की अवधारणाओं की प्रासंगिकता पर बल दिया गया।

पाण्डुलिपि विज्ञान

बहुत सी अज्ञात पाण्डुलिपियों के विषय में सूचना दी गई, पाण्डुलिपियों के संरक्षण के विषय पर गहन विस्तृत चर्चाएं हुईं।

कई अन्य विशिष्ट मंच सम्मेलनों में पहली बार प्राचीन भारतीय अध्ययन से सम्बद्ध विशेष विषयों पर चर्चा हुई। दक्षिणपूर्व एशियन देशों में संस्कृत शिलालेखों के बहुविज्ञ सम्मेलन में कई अज्ञात शिलालेखों पर प्रकाश डाला गया। संस्कृत शिक्षण के नवाचार मंच में संस्कृत शिक्षण पद्धति के अन्तर्गत नये नये परीक्षणों पर चर्चाएँ हुईं। आधुनिक विश्व में नाट्यशास्त्र पर मंचीय चर्चा में विश्व थियेटर के सन्दर्भ में नाट्यशास्त्र की व्यवस्थाओं और उनकी प्रासंगिकता और महत्त्व पर चर्चा हुई।

15वें विश्व संस्कृत सम्मेलन ने संस्कृत विद्वानों के अन्तर्राष्ट्रीय भ्रातृत्व के लिए एक सार्थक मञ्च प्रदान किया है जिसके माध्यम से वे विश्व परिप्रेक्ष्य में संस्कृत के महत्त्व पर नए अनुसन्धान कर सकें और इस प्रकार अपने इन विचारों का आदान-प्रदान कर सकें।

9.3 शंकर जयन्ती व्याख्यानमाला (9 मई 2011)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली द्वारा द्वितीय शंकर जयन्ती स्मृति व्याख्यानमाला का आयोजन भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् के सहयोग से 09.05.2011 को इंडिया इन्टरनेशनल सेन्टर, नई दिल्ली की एनेक्सी में किया गया। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने समारोह की अध्यक्षता की और शंकराचार्य के विषय में वक्तव्य प्रस्तुत किया। प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु, कुलसचिव (प्रभारी) ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। प्रो. गोदावरीशमिश्र ने अपने वक्तव्य में स्वामी परमानन्द द्वारा अद्वैत वेदान्त के विषय में किए गए अत्यन्त महत्त्वपूर्ण कार्य की व्याख्या प्रस्तुत की।

बायें से : प्रो. गोदावरीश मिश्र, स्वामी परमानन्द और प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी

9.4 बुद्ध जयन्ती व्याख्यान (12 मई, 2011)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में 12.5.2011 को इंडिया इन्टरनेशनल सेन्टर, नई दिल्ली में बुद्धजयन्ती विषयक भाषण का आयोजन किया गया। सुप्रसिद्ध संस्कृत विद्वान् प्रो. गोविन्दचन्द्र पाण्डे ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. रिंग पोचे, केन्द्रीय तिब्बतन उच्चतर अध्ययन केन्द्र के पूर्व निदेशक मुख्य वक्ता थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थान, नई दिल्ली ने बुद्ध जयन्ती व्याख्यान कार्यक्रम के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

बायें से : प्रो. गोविन्द चन्द्र पांडे, प्रो. रिंग पोचे, प्रो. गोदावरीश मिश्र तथा प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी

9.5 प्राकृत कार्यशाला (08-21 मई, 2011)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने प्राकृत पाण्डुलिपियों के सम्बन्ध में भोगीलाल लहरचन्द प्राच्य विद्या संस्थान, अलीपुर के संयुक्त तत्त्वावधान में एक 21 दिवसीया कार्यगोष्ठी का आयोजन किया। प्रो. एस्.एस्. राणा, अध्यक्ष प्राकृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रमुख अतिथि थे और उद्घाटन सत्र में प्रो. सत्यरंजन बनर्जी विशिष्ट अतिथि थे। इस कार्यशाला में प्रो. जगतराम भट्टाचार्य, डा. दीनानाथ शर्मा, डा. कमलेश कुमार जैन, डा. दामोदर शास्त्री तथा डा. कमल किशोर जैन कार्यशाला में संदर्भ व्यक्ति थे। 17 शोध विद्वानों ने कार्यशाला में भाग लिया।

इस कार्यशाला का समापन समारोह 21 मई 2011 को सम्पन्न हुआ। प्रो. मिथिलेश चतुर्वेदी, अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली प्रमुख वक्ता थे तथा प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु कुलसचिव (प्रभारी) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, समापन समारोह में विशेष अतिथि थे। इस अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए किए।

समापन समारोह

9.6 गुवाहाटी में राष्ट्रिय संस्कृत महासम्मेलन (19-21 मई, 2011)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने 19-21 मई 2011 की अवधि में गुवाहाटी विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में फणीधर दत्त ऑडिटोरियम; गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में **'पूर्वोत्तर भारत की पौराणिक विरासत'** विषय पर एक महासम्मेलन का आयोजन किया।

उद्घाटन समारोह

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी भाषण देते हुए

19 मई 2011 को दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने समारोह की अध्यक्षता की। डा. एस्.पी. शर्मा, संस्कृत विभागाध्यक्ष, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि थे और उद्घाटन समारोह में उद्घाटन भाषण के लिए राष्ट्रपति द्वारा सम्मान प्रमाणपत्र प्राप्तकर्ता और प्रसिद्ध प्राच्यविद्या विशेषज्ञ श्री अशोक कुमार गोस्वामी को आमन्त्रित किया गया था। प्रो. सुजाता पुरकायस्थ, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, गोहाटी विश्वविद्यालय ने अतिथियों का धन्यवाद किया।

समापन समारोह 21 मई 2011 को आयोजित हुआ। प्रो. सुजीत सिकदर, आचार्य वाणिज्य विभाग, गोहाटी विश्वविद्यालय ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान प्रमुख अतिथि थे और प्रो. अपूर्व चन्द्र वरठकुरिया, राष्ट्रपति सम्मान प्राप्तकर्त्ता, इस समारोह में सम्माननीय अतिथि थे। इस अवसर पर एक पुस्तकों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई थी। सम्मेलन में चुने गए विशिष्ट विषयों पर 69 विद्वानों ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

राष्ट्रिय संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर प्रस्तुत संस्कृत बिहु नृत्य

9.7 अखिल भारतीय संस्कृत/हिन्दी सम्मेलन (26-28 मई, 2011)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली ने एक त्रिदिवसीय अखिल भारतीय संस्कृत/हिन्दी सम्मेलन का 26 मई से 28 मई 2011 तक केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, दीमापुर, नागालैण्ड के संयुक्त तत्त्वावधान में 'पूर्वोत्तरराज्यानां जनजातीयभाषाणां विकासे संस्कृतस्य हिन्द्याश्च योगदानम्' विषय पर एक सम्मेलन सुपरमार्किट, सारामती भवन, दीमापुर में आयोजित किया। श्री. एन खेवितो सेमा प्रमुख अतिथि थे। प्रो. शम्भूनाथ, पूर्व निदेशक, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान दीमापुर, सम्माननीय अतिथि थे। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने सम्मेलन की अध्यक्षता की। इस अवसर पर 32 विद्वानों और शोध छात्रों ने विषय से सम्बद्ध अपने अपने पत्र प्रस्तुत किये।

उद्घाटन समारोह

9.8 संस्कृत सप्ताहोत्सव (10-16 अगस्त, 2011)

संस्कृत सप्ताहोत्सव का आयोजन पूरे सप्ताह 10 से 16 अगस्त 2011 तक आयोजित किया गया। 13 अगस्त 2011 को संस्कृत दिवस मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार और श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली के संयुक्त तत्त्वावधान में राष्ट्रीय संग्रहालय के प्रेक्षागृह में मनाया गया। इस समारोह के अध्यक्ष थे माननीय श्री विजय कृष्ण हैण्डीक, पूर्व उत्तर पूर्वी राज्य मन्त्री, भारत सरकार। माननीय न्यायाधीश डा. मुकुन्दकम् शर्मा इस अवसर पर प्रमुख अतिथि थे।

प्रो. शशि प्रभा जैन, कुलपति (प्रभारी) श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली ने स्वागत भाषण से इस अवसर पर अतिथियों को सम्बोधित किया और प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने उपस्थित सभी अतिथि महानुभावों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर निम्नलिखित ग्रन्थों और पाण्डुलिपियों के प्रकाशनों का लोकार्पण हुआ–

1. स्मृतिसार: - डॉ. उदयनाथझा
2. काव्यकावेरी - डॉ. परमानन्द झा
3. आचार्यशान्तिदेवप्रणीत: बोधिचर्यावतार: - (सम्पा.) - प्रो. संघसेन सिंह
4. आधुनिक संस्कृत काव्य की परिक्रमा - डॉ. मञ्जुलता शर्मा

बायें से : श्रीमती अहिल्या गोगई, प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु, प्रो. शशिप्रभा जैन, श्री विजय कृष्ण हैण्डीक, न्यायमूर्ति डॉ. मुकुन्दकाम शर्मा, श्री एम.एन. कृष्णामणि, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी एवं प्रो. गयाचरण त्रिपाठी

5. जगन्नाथसुभाषितम् – डॉ. बनमालीबिश्वालः
6. तारा-अरुन्धती – (अनु.) डॉ. बनमालीबिश्वालः
7. रूपकत्रयी – डॉ. जतिनपण्ड्या
8. व्युत्पत्तिवादः (द्वितीयभागः) – प्रो. हरेरामत्रिपाठी
9. संस्कृतसाहित्यस्य विकासे पूर्वोत्तरराज्यानां योगदानम्
10. वैदिक देवता, उद्भव और विकास – प्रो. गयाचरण त्रिपाठी
11. यशस्तिलक : जैन धर्म, भारतीय विचार और संस्कृति के पक्ष (पुनर्मुद्रित) – कृष्णकान्त हैण्डीक
12. भज गोविन्दम् (पुनर्मुद्रणम्) – एम्.एन्. कृष्णमणिः
13. संस्कृतवार्ता (एकादशाङ्क)
14. दो ई. पाठ्यपुस्तकें (Two E-Text)

बायें से : प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी एवं डॉ. पुष्पा दीक्षित

संस्कृत सप्ताहोत्सव के अन्तर्गत कार्यक्रमों की एक पूर्ण शृंखला का आयोजन हुआ।

एक 'विद्वत् सपर्या' विचार मन्थन का आयोजन किया गया जिसमें पाणिनि शोध संस्थान, विलासपुर की निदेशिका डा. पुष्पा दीक्षित की कृतियों पर निम्नलिखित समसामयिक संस्कृत विद्वानों ने अपने अपने विचार प्रस्तुत किए –

1. डा. बृज भूषण ओझा (लखनऊ)

2. डा. विष्णुकान्त पाण्डेय (जयपुर)

3. डा. रमाकान्त पाण्डेय (जयपुर)

कवि सपर्या–

एक समसामयिक संस्कृत कवि के विषय में 11 अगस्त 2011 को संस्थान के सम्मेलन कक्ष में 3.00 बजे मध्याह्न से कवि–सपर्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डा. महाराजदीन पाण्डे उद्घाटन सत्र में प्रमुख अतिथि थे। निम्नलिखित कवियों इलाहाबाद के डा. जगन्नाथ पाठक की साहित्यिक उपलब्धियों पर अपने अपने विचार प्रस्तुत किए।

1. प्रो. अभिराज राजेन्द्रप्रसाद मिश्र, शिमला

2. डा. बनमाली विश्वाल, इलाहाबाद

3. डा. रमाकान्त शुक्ल, दिल्ली

4. डा. मञ्जुलता शर्मा, आगरा

14.8.2011 को 'संस्कृत शास्त्रपरम्परा–नूतन सम्भावना' विषय पर एक चर्चा का आयोजन किया गया। इस चर्चा में संस्थान के शास्त्र चूडामणि विद्वानों और सम्मान प्रमाणपत्र विजेताओं को विचार विमर्श हेतु आमन्त्रित किया गया था। ये विद्वान थे–

1. डा. जगन्नाथ पाठक, इलाहाबाद
2. डा. गयाचरण त्रिपाठी, नई दिल्ली
3. डा. उमारमण झा, लखनऊ
4. प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, जम्मू
5. प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी, बिहार
6. डा. रमाकान्त शुक्ल, दिल्ली
7. डा. हेन्बेन एन्. हिण्डोचा, राजकोट, गुजरात
8. डा. बी. नरसिंहाचार्य, हैदराबाद
9. डा. राम शंकर त्रिपाठी, वाराणसी
10. डा. राम शरण त्रिपाठी, इलाहाबाद
11. डा. विद्याशंकर त्रिपाठी, भदोही, उत्तर प्रदेश
12. श्री शिवशंकर त्रिपाठी, इलाहाबाद
13. श्री भास्कर चन्द्र त्रिपाठी, देवरिया, उ.प्र.

संस्कृत सप्ताहोत्सव में 6ठी कक्षा से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए संस्कृत श्लोक, भाषण और निबन्ध प्रतियोगिताएँ 11–12 अगस्त 2011 को आयोजित की गईं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के 62 विभिन्न विद्यालयों के 322 विद्यार्थियों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। विजेता छात्रों को पुरस्कार, स्मृति चिह्न और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

16 अगस्त 2011 को आयोजित समापन समारोह के अवसर पर माननीय डा. सरोजिनी महिषी पूर्व उपाध्यक्ष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मुख्य अतिथि थीं। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में सभी योगदाताओं, प्रतियोगियों और कार्यक्रम के दर्शकों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की।

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी डा. जगन्नाथ पाठक को सम्मानित करते हुए।

संस्कृत सप्ताहोत्सव का समापन समारोह

9.9 पूर्वोत्तर क्षेत्र में बौद्ध धर्मविषयक अध्ययन के लिए भारतीय सभा का ग्यारहवां वार्षिक सम्मेलन (16-18 सितम्बर 2011)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली ने 16-18 सितम्बर 2011 को तिब्बतन समुदाय भवन, नामनंग रोड, गंगटोक में पूर्वोत्तर भारतीय क्षेत्र में बौद्धधर्मविषयक अध्ययन के लिए भारतीय सभा का11वां वार्षिक सम्मेलन जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं काश्मीर के बौद्धधर्म अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित किया। श्री सी.एस्. राव, शिक्षा सचिव, मानव संसाधन विकास विभाग, सिक्किम सरकार, मुख्य अतिथि थे। प्रो. भागचन्द्र जैन, पूर्व प्रोफेसर, पालि विभाग, नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर सम्मानित अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने सम्मेलन के कार्यक्रमों का सभापतित्व किया। प्रो. महेन्द्र लामा, कुलपति, सिक्किम केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम एवं प्रो. धर्मचन्द जैन, महासचिव ने बौद्धिक अध्ययन की भारतीय सभा के 16.9.2011 को आयोजित उद्घाटन समारोह में प्रमुख विषयवस्तु पर भाषण दिया।

उद्घाटन समारोह

16-18 सितम्बर 2011 तक आयोजित विभिन्न सत्रों में विद्वानों द्वारा निम्नलिखित शोधपत्र प्रस्तुत किए गए-

16.9.2011

1. सत्र-I पालिभाषा और साहित्य
2. सत्र-II पालि व्याकरण के प्राविधिक शब्दों का विवेचनात्मक अध्ययन

17.9.2011

1. सत्र-I बौद्धधर्मविषयक संस्कृत भाषा एवं साहित्य
2. सत्र-II भारत में और भारत से बाहर बौद्धधर्म का इतिहास
3. सत्र-III भारत और भारत से बाहर बौद्धधर्म का इतिहास एवं अपभ्रंश साहित्य में बौद्धधर्म।

18.9.2011

1. सत्र-I बौद्धधर्म दर्शन

समापन समारोह 18 सितम्बर 2011 को 3.3. बजे चिन्तन भवन, गंगटोक में आयोजित किया गया। श्री नरेन्द्र कुमार प्रधान, मन्त्री, मानव संसाधन विकास विभाग, सिक्किम सरकार, मुख्य अतिथि थे। प्रो. सत्यप्रकाश शर्मा अध्यक्ष, बौद्धधर्म के अध्ययनार्थ भारतीय सभा, जम्मू ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु, कुलसचिव (प्रभारी) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली समापन समारोह में सम्मान्य अतिथि थे।

समापन समारोह

9.10 युवा महोत्सव (21-24 सितम्बर 2011)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने चतुर्थ युवा महोत्सव (अन्त:परिसरीय युवा महोत्सव) 21-24 सितम्बर 2011 को श्री रणवीर परिसर, जम्मू में आयोजित किया जिसमें दसों परिसरों से विविध कार्यक्रमों में 400 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ

1. स्तोत्रपाठ 2. चित्रकला 3. भित्तिपत्र-चित्रांकन 4. रंगोली 5. वादविवाद 6. कार्टून चित्रांकन 7. शास्त्रीय नृत्य 8. शास्त्रीय वाचिक संगीत 9. वाद्य संगीत (शास्त्रीय) 10. एकल अभिनय 11. प्रश्न मंच 12. संस्कृत गीत 13. शास्त्रीय नृत्य 14. सृजनात्मक लेखन 15. वादविवाद 16. समूह नृत्य।

खेल विषयक प्रतियोगिताएँ

1. योग 2. एथलैटिक्स (100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर) 3. उँची कूद, लम्बी कूद 4. फेंकना (शाट-पुट, डिस्कस, जैवलिन) 5. वॉलीबाल 6. कबड्डी 7. कुश्ती (50 कि.ग्रा., 55 कि.ग्रा., 60 कि.ग्रा., 66 कि.ग्रा. तथा 74 कि.ग्रा.) 8. बैडमिन्टन 9. शतरंज 10 खो-खो।

श्री राजीव गांधी परिसर को युवा महोत्सव का सर्वश्रेष्ठ विजेता (चैम्पियन) घोषित किया गया।

श्री रमन भल्ला, माननीय मन्त्री, राजस्व और पुनर्वास विभाग, जम्मू एवं कश्मीर सरकार, प्रमुख अतिथि थे। प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, पूर्व कुलपति, श्री सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र. सम्मान्य अतिथि थे। श्री पवन मेहता, अवर सचिव (संस्कृत), मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार उद्घाटन समारोह में अतिथि के रूप में आमन्त्रित किए गए थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली ने उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की।

युवा महोत्सव का उद्घाटन सत्र

श्री राजिन्दर सिंह छिब, माननीय मन्त्री, चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, खेल और युवा सेवाएँ, जम्मू कश्मीर सरकार मुख्य अतिथि थे। प्रो. रामानुज देवनाथन, माननीय कुलपति, जगद्गुरु रामानन्दाचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान) समापन समारोह में मान्य अतिथि थे।

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु, कुलसचिव (प्रभारी), राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, प्राचार्य, श्री रणवीर परिसर, जम्मू ने अतिथियों और सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद किया। डा. शुक्ला मुखर्जी ने उन सभी विद्यार्थियों को बधाई दी जिन्होंने अखिल भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा आयोजित खेलों और युवा महोत्सव के विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया था। इस वर्ष विभिन्न परिसरों से निम्नलिखित टीमों ने अखिल भारतीय स्तरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया–

खेल कार्यक्रम

उत्तरी क्षेत्र

–वाली बाल	जम्मू परिसर
–बैडमिन्टन (पु.)	लखनऊ परिसर
–बैडमिन्टन (स्त्री.)	गरली परिसर और जम्मू परिसर
–कबड्डी (पु.)	लखनऊ परिसर
–बॉक्सिंग	जयपुर परिसर

अखिल भारतीय अन्तः विश्वविद्यालय स्तर पर

–बॉक्सिंग	जयपुर परिसर
–कुश्ती	जयपुर परिसर
–जूडो	जयपुर परिसर
–योग (पु.)	लखनऊ परिसर
–योग (स्त्री.)	लखनऊ परिसर

सांस्कृतिक कार्यक्रम

उत्तरी क्षेत्र

–समूह नृत्य	जयपुर परिसर
–रंगोली	भोपाल परिसर
–शास्त्रीय वाचिक	शृंगेरी परिसर
–शास्त्रीय वाद्य संगीत (एकल)	शृंगेरी परिसर
–शास्त्रीय वाद्य संगीत (एकल)	शृंगेरी परिसर
–क्विज	भोपाल परिसर
–एकांकी नाटक	भोपाल परिसर

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, एवं श्री राजिन्दर सिंह छिब, माननीय मन्त्री, चिकित्सा एवं तकनीकी शिक्षा, खेल व युवा सेवाएँ, जम्मू तथा कश्मीर सरकार, श्री रणवीर परिसर, जम्मू परिसर में आयोजित युवा महोत्सव के अवसर पर विजेताओं को पुरस्कार देते हुए

युवामहोत्सव 2011 के विजेता

9.11 हिन्दी पखवाड़ा (14-30 सितम्बर, 2011)

हिन्दी पखवाड़े का आयोजन मुख्यालय परिसर में तथा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के सभी परिसरों में 14-30 सितम्बर 2011 तक किया गया। 14 सितम्बर 2011 को मुख्यालय परिसर में हिन्दी कविगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने अध्यक्षता की, डा. कैलाश वाजपेयी, प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र, प्रो. रमाकान्त शुक्ल, प्रो. इच्छाराम द्विवेदी तथा डा. अनामिका ने अपनी कविताएँ प्रस्तुत कीं। इस अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। संस्थान के कार्यालय के सदस्यों ने भी अत्यन्त उत्साह से प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

हिन्दी पखवाड़ा

9.12 स्थापना दिवस समारोह (15 अक्टूबर, 2011)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली) का स्थापना दिवस 14 अक्टूबर 2011 को संस्थान के सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया। माननीय डा. सरोजिनी महिषी, पूर्व उपाध्यक्ष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली, मुख्य अतिथि थीं। प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु, कुलसचिव (प्रभारी) ने समारोह की अध्यक्षता की। डा. गोपीरमण मिश्र, उपनियंत्रक (परीक्षा) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली ने अतिथियों का धन्यवाद किया।

मुख्य अतिथि द्वारा हिन्दी पखवाड़ा प्रतियोगिताओं के पुरस्कार भी विजेता कर्मचारियों को प्रदान किये गए।

स्थापना दिवस

9.13 अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता और शलाका परीक्षा

अखिल भारतीय संस्कृत भाषण प्रतियोगिता (स्वर्ण जयन्ती महोत्सव) का आयोजन 26 से 28 नवम्बर 2011 को दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय के भवन में, श्री स्वामीनारायण गुरुकुल विश्वविद्यापीठ, छरोदी, अहमदाबाद में किया गया जिसमें देश के 19 राज्यों से 238 विद्यार्थियों ने 8 शास्त्रों में भाषण स्पर्धा में और सात ग्रन्थों में से शलाका परीक्षा में, चार विषयों में कण्ठस्पर्धा, समस्यापूर्ति और अन्त्याक्षरी प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

दर्शन संस्कृत महाविद्यालय अहमदाबाद (गुजरात) में अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह

समारोह का उद्घाटन डा. हर्षद भाई त्रिवेदी, संस्कृत अकादमी, गांधीनगर, गुजरात, और डा. राजेन्द्र नानावती, सुप्रसिद्ध संस्कृत विद्वान विशिष्ट अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी ने उत्सव की अध्यक्षता की। उद्घाटन समारोह **परम सम्माननीय श्री माधव प्रियदास स्वामी** जी अध्यक्ष, श्री स्वामीनारायण गुरुकुल विश्व विद्या प्रतिष्ठान के सान्निध्य में उनके आशीर्वाद से प्रारम्भ हुआ। प्रो रामकरण शर्मा सम्माननीय अतिथि थे और प्रो. पंकज लाल जानी, कुलपति, श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, डा. मणिभाई प्रजापति, प्रो. गौतम भाई पटेल, डा. वसन्त भाई एवं शास्त्री नरेन्द्र भाल समापन समारोह में विशिष्ट अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली ने समारोहों की अध्यक्षता की।

अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता के मुख्य क्षण

सभी कार्यक्रमों में कर्णाटक राज्य प्रथम रहा। गुजरात राज्य द्वितीय स्थान पर रहा तथा राजस्थान प्रदेश तृतीय रहा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगियों के साथ-साथ, अनेकों संस्कृत विद्वानों, स्टाफ, विद्यार्थियों और सामान्य जनता ने भी बड़े उत्साह से इन कार्यक्रमों का आनन्द उठाया। निम्नलिखित प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई थीं–

कण्ठपाठस्पर्धाविषया:

काव्यकण्ठपाठ:	–	कुमारसम्भवे 1-5 सर्गा:
अष्टाध्यायीकण्ठपाठ:	–	सम्पूर्णा अष्टाध्यायी
अमरकोषकण्ठपाठ:	–	सम्पूर्ण: अमरकोष
धातुरूपकण्ठपाठ:	–	निर्दिष्टानां 100 धातूनां दशसु लकारेषु रूपाणि

शलाकापरीक्षाविषया:

साहित्यशास्त्रशलाका	–	ध्वन्यालोक: 1-4 अद्योता
व्याकरणशलाका	–	महाभाष्ये द्वितीयम् आह्निकम्
न्यायशलाका	–	न्यायसिद्धान्तमुक्तावल्याम् शब्दखण्ड:
सिद्धान्तज्योतिषशलाका	–	सिद्धान्तशिरोमणे: आदित: त्रिप्रश्नाधिकारपर्यन्तम्
वेदान्तशलाकापरीक्षा	–	विवेकचूडामणि:
पुराणेतिहासशलाकापरीक्षा	–	श्रीमद्भागवते 10-11 स्कन्धौ
मीमांसाशलाकापरीक्षा	–	मीमांसापरिभाषा (सम्पूर्णा)
शास्त्रार्थविचार:	–	शास्त्रार्थपरम्परायां दिक्कालविमर्श:

अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता के विजेता

9.14 वसन्तोत्सव (30-1, फरवरी 2012)

अन्तः परिसरीय संस्कृत नाट्य प्रतियोगिता **"वसन्तोत्सव"** 30 जनवरी से 1 फरवरी 2012 तक लिटिल थियेटर ग्रुप आडिटोरियम, नई दिल्ली में आयोजित की गई। समारोह का उद्घाटन न्यायाधीश डा. मुकुन्दकाम शर्मा कुलाधिपति, श्री लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली ने किया। श्री पवन मेहता, अवर सचिव, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार विशिष्ट अतिथि थे और प्रो. चमूकृष्ण शास्त्री उद्घाटन समारोह के माननीय अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने उत्सव की अध्यक्षता की।

न्यायमूर्ति डॉ. मुकुन्दकाम शर्मा दीप प्रज्वलित करते हुए

प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु, कुलसचिव (प्रभारी), राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन दिया।

निम्नलिखित नाटकों का मञ्चन परिसरों के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। इस वर्ष नाटकों की विषयवस्तु थी–"युगावतार श्री श्रीराम"।

1.	सीताराघवम्	श्री राजीवगांधी परिसर, शृंगेरी
2.	आश्चर्यचूडामणि	गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिशूर
3.	कुन्दमाला	जयपुर परिसर, जयपुर
4.	उत्तररामचरितम्	श्री सदाशिव परिसर, पुरी
5.	अभिषेकनाटकम्	मुम्बई परिसर, मुम्बई
6.	प्रतिमानाटकम्	वेदव्यास परिसर, गरली
7.	महावीरचरितम्	लखनऊ परिसर, लखनऊ
8.	प्रसन्नराघवम्	भोपाल परिसर, भोपाल
9.	बालरामायणम्	श्री रणवीर परिसर, जम्मू
	सर्वोत्तम अभिनेता	सुव्रत सारंगी (राम) उत्तमरामचरितम्
	सर्वोत्तम अभिनेत्री	दीपा हेगडे (मन्थरा) सीताराघवम् (शृंगेरी)
	सर्वोत्तम निर्देशक	पुरी
	सर्वोत्तम संगीत निर्देशक	भोपाल
	सर्वोत्तम प्रकाश व्यवस्था	शृंगेरी
	सर्वोत्तम वेशभूषा और सर्वोत्तम मंच प्रबन्धन	जयपुर

नाटकों में निर्णय करने वाले थे–

1. प्रो. कमला भारद्वाज
2. श्री के. एस्. राजेन्द्रन्
3. श्रीमति शशिप्रभा गोयल
4. डा. बलदेवानन्द सागर
5. श्रीमती बिधु खरे

सीताराघवम्

उत्तररामचरितम्

अभिषेकनाटकम्

कुन्दमाला

पूर्वरंग

आश्चर्यचूड़ामणि

महावीरचरितम्

बालरामायण

प्रसन्नराघवम्

प्रतिमानाटकम्

श्री रमाकान्त गोस्वामी, उद्योग, श्रम और निर्वाचन मन्त्री, दिल्ली सरकार मुख्य अतिथि थे। श्री तरुण विजय, संसद सदस्य (राज्यसभा) समापन समारोह में सम्मान्य अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु, कुलसचिव (प्रभारी) ने अतिथियों का और उपस्थित दर्शकों का धन्यवाद किया। सुप्रसिद्ध संस्कृत विद्वानों और अन्य विशिष्ट विभूतियों ने प्रतियोगिता की सराहना की।

बायें से– श्री पवन मेहता, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, श्री रमाकान्त गोस्वामी, श्री तरुण विजय एवं प्रो. के.बी सुब्बरायुडु

9.15 अखिल भारतीय संस्कृत नाट्योत्सव (9-11 मार्च, 2012)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने चतुर्थ अखिल भारतीय संस्कृत नाट्योत्सव का आयोजन 9-11 मार्च 2012 को भवभूति भोपाल परिसर, भोपाल में किया। प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी, निदेशक, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र, वाराणसी ने आगम परम्परा और प्रो. के.एस. राजेन्द्र, राष्ट्रीय नाटक स्कूल ने नाट्यशास्त्र के प्रयोगों पर भाषण दिए। प्रो. सतीश मेहता,

श्री केवलम् पन्नीकर भाषण देते हुए

निदेशक, रंग, समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे तथा डा. कमल वशिष्ठ निदेशक, नाटक संस्थान, ग्वालियर, सम्माननीय अतिथि थे। प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने दोनों समारोहों में अध्यक्षता की। विभिन्न सांस्कृतिक वर्गों द्वारा निम्नखित नाटकों का मञ्चन किया गया–

1. प्रसन्नराघवम् एवं मशकधानी (प्रहसन) -- भोपाल
2. सुशीला
3. कनुप्रिया

प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी भाषण देते हुए

भोपाल परिसर के 'प्रसन्नराघवम्' नाटक का दृश्य

वर्ष 2011-12 में निम्नलिखित विशेष भाषणमालाओं का आयोजन किया गया

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने निम्नलिखित विद्वानों और महान व्यक्तित्वों की स्मृति में विशेष भाषणों का आयोजन किया–

14.04.2011	डा. बी.आर. अम्बेडकर स्मृति व्याख्यान	(लखनऊ)
07.06.2011	पं. मण्डन मिश्र स्मृति व्याख्यान	(इलाहाबाद में)
22.08.2011	प्रो. वी. राघवन् स्मृति व्याख्यान	(चेन्नई)
05.09.2011	डा. राधाकृष्णन् स्मृति व्याख्यान	(भोपाल)
07.09.2011	पं. गोपीनाथ कविराज स्मृति व्याख्यान	(लखनऊ)
03.10.2011	प्रो. हीरालाल जैन स्मृति व्याख्यान	(जयपुर)
07.11.2011	एम्.एम्. मधुसूदन ओझा स्मृति व्याख्यान	(जयपुर)
16.01.2012	श्री राजीव गांधी अन्ताराष्ट्रिय स्मृति भाषणमाला	(शृंगेरी)
02.02.2012	पं. गौरीनाथ शास्त्री स्मृति व्याख्यान	(कलकत्ता)
23.02.2012	श्री. कुरियाकोस स्मृतिपरक व्याख्यान	(गुरुवायूर)

प्रबन्ध मण्डल के सदस्यों की सूची

1.	प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली।	अध्यक्ष
2.	प्रो. लोकेश चन्द्र (भूतपूर्व संसद सदस्य लोक सभा) जे-22, हौज खास एंक्लेव, नई दिल्ली-110016	सदस्य
3.	प्रो. डी. प्रहलादाचार 120/2, 15वां क्राँस, गंगामा लेआऊट, बीएसकेएस प्रथम स्टेज, बेंगलुरू (कर्नाटक)	सदस्य
4.	श्री ओ.पी. आचार्य निदेशक, आचार्य नित्यानन्द स्मृति संस्कृत शिक्षा शोध संस्थान गिरिजा निकेतन, ए-136, लेक गार्डन, कोलकता-700045	सदस्य
5.	डॉ. (श्रीमति) सरोजा भाटे भूतपूर्व आचार्या, संस्कृत विभाग, पूना विश्वविद्यालय, पूना वर्तमान- सचिव भंडारकर प्राच्या शोध संस्थान पूना (महाराष्ट्र)	सदस्य
6.	प्रो. शारदा शर्मा (वि.अ.आ. द्वारा नामित) संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली-110007	सदस्य

क्रमशः....

7.	वित्त सलाहकार उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
8.	निदेशक (भाषाएं) उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
9.	डॉ. जी. गगन्ना प्राचार्य राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) श्री सदाशिव परिसर पुरी-7522001 (उडीसा)	सदस्य
10.	प्रो. यशपाल खजूरिया आचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) श्री रणबीर परिसर, कोट-भलवाल, जम्मू-181122	सदस्य
11.	डॉ. एस. राधा उपाचार्या, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के.जे.सोमेया संस्कृत विद्यापीठम्, द्वितीय तल, SIMSR भवन, विद्या विहार, मुम्बई-400077 (महाराष्ट्र)	सदस्य
12.	डॉ. के. सरला देवी सहायकाचार्या, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गुरुवायूर् परिसर, पो.ओ. पुरानाटुकरा-680551 जिला-त्रिचूर (केरल)	सदस्य
13.	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु प्रभारी कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), जनकपुरी, नई दिल्ली-110058	सदस्य-सचिव

वित्त समिति के सदस्यों की सूची

1.	प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	श्री जे.वीरा राघवन निदेशक, भारतीय विद्याभवन, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।	सदस्य (अध्यक्ष द्वारा नामित)
3.	प्रो. डी. प्रहलादाचार 120/2, 15वां क्रॉस, गंगामा लेआऊट, बीएसकेएस प्रथम स्टेज, बेंगलूरू (कर्नाटक)	सदस्य (प्रबन्ध मंडल द्वारा नामित)
4.	डॉ. बी.के. महापात्र कुलसचिव, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली-110016	सदस्य (प्रबन्ध मंडल द्वारा नामित)
5.	निदेशक (वित्त) उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य (सरकारी प्रतिनिधि)
6.	निदेशक (भाषाएँ) उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	विशेष सदस्य
7.	श्री नारायण सिंह भूतपूर्व संयुक्त सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एच-3/21, बंगाली कॉलोनी, महावीर एंक्लेव, नई दिल्ली-110045	सदस्य (वि.अ.आ. द्वारा नामित)
8.	प्रो. के.बी. सुब्बरायुडु प्रभारी कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली-110058	सदस्य-सचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सर्वनारायण झा	प्रभारी-प्राचार्य	ज्योतिष
2.	डॉ. (श्रीमती) एस. के. मिश्र	आचार्य	साहित्य
3.	डॉ. वी. एन. गिरि	उपाचार्य	साहित्य
4.	डॉ. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय	उपाचार्य	साहित्य
5.	डॉ. अपराजिता मिश्रा	सहायकाचार्या	साहित्य
6.	डॉ. बनमाली बिस्वाल	उपाचार्य	व्याकरण
7.	डॉ. ललित कुमार त्रिपाठी	उपाचार्य	व्याकरण
8.	डॉ. उदय नाथ झा	उपाचार्य	व्याकरण
9.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	उपाचार्य	व्याकरण
10.	श्रीमती बीना मिश्र	संग्रहाध्यक्ष	शोध
11.	श्री राम रूप	पुस्तकालयाध्यक्ष	शोध
12.	डॉ. (श्रीमती) शैलजा पाण्डेय	शोध सहायक	शोध
13.	डॉ. राम किशोर झा	प्रतिलिपिक	शोध

2. श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. जी. गंगन्ना	प्राचार्य	अद्वैत वेदान्त
2.	डॉ. रंजीत कुमार बर्मन	उपाचार्य	अद्वैत वेदान्त
3.	डॉ. शम्भुनाथ माहलिक	उपाचार्य	अद्वैत वेदान्त
4.	डॉ. भगवान सामन्तराय	उपाचार्य	अद्वैत वेदान्त
5.	श्री दयानन्द पाणिग्रही	संविदागत अध्यापक	अद्वैत वेदान्त
6.	प्रो. अतुल कुमार नन्दा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	धर्मशास्त्र
7.	प्रो. खगेश्वर मिश्र	आचार्य	धर्मशास्त्र
8.	डॉ. ललित कुमार साहू	उपाचार्य	धर्मशास्त्र
9.	डॉ. प्रिया रंजन रथ	संविदागत अध्यापक	अद्वैत वेदान्त

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
10.	डॉ. प्रभात कुमार महापात्र	उपाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
11.	डॉ. विश्वरंजन पति	सहायकाचार्य	ज्योतिष
12.	डॉ. श्रीमती विजय लक्ष्मी महापात्रा	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
13.	डॉ. सत्य स्वरूप वाजपेयी	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
14.	डॉ. के.वी. सोमयाजुलु	उपाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	नव्य व्याकरण
15.	डॉ. (श्रीमती) अनुपमा परुस्ती	सहायकाचार्य	नव्य व्याकरण
16.	डॉ. दुर्गा चरण सारंगी	सहायकाचार्य	नव्य व्याकरण
17.	डॉ. उमेश चन्द्र मिश्र	संविदागत अध्यापक	नव्य व्याकरण
18.	डॉ. जयश्री दास	संविदागत अध्यापक	नव्य व्याकरण
19.	डॉ. महेश झा	उपाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	नव्यन्याय
20.	डॉ. गणपति शुक्ला	सहायकाचार्य	नव्यन्याय
21.	के. बी. द्विवेदी	संविदागत अध्यापक	नव्यन्याय
22.	डॉ. फकीर मोहन पण्डा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	पुराणेतिहास
23.	डॉ. (श्रीमती.) मिनति रथ	उपाचार्य	पुराणेतिहास
24.	डॉ. मखलेश कुमार उपाध्याय	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास
25.	डॉ. राधामणि प्रतिहरि	सहायकाचार्य	पुराणेतिहास
26.	डॉ. सूर्यमणि रथ	उपाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
27.	डॉ. उदय नाथ झा	उपाचार्य	साहित्य
28.	डॉ. कृपाशङ्कर शर्मा	सहायकाचार्य	साहित्य
29.	श्रीमती विजयलक्ष्मी मोहन्ती	टी.जी.टी. (वरिष्ठ ग्रेड)	साहित्य
30.	डॉ. राघवेन्द्र पाठक	संविदागत अध्यापक	साहित्य
31.	श्री अशोक कुमार मीणा	सहायकाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	सांख्ययोग
32.	डॉ. (श्रीमती) सुकान्ति बारिक	संविदागत अध्यापक	सांख्ययोग
33.	डॉ. के रघुनाथन	उपाचार्य	सर्वदर्शन
34.	डॉ. एस.के. सेनापति	उपाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	सर्वदर्शन
35.	डॉ. (श्रीमती) सावित्री सतपथी	उपाचार्य	सर्वदर्शन
36.	श्री नन्दीघोष महापात्रा	संविदागत अध्यापक	सर्वदर्शन
37.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षा-शास्त्र
38.	डॉ. रमाकान्त मिश्रा	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
39.	डॉ. (श्रीमती) एन. पाणिग्रही	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
40.	डॉ. बृंदाबन पात्र	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
41.	डॉ. विजयपल कच्छवाह	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
42.	डॉ. बी.पी.एम. श्रीनिवास	सहायकाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
43.	श्री लक्ष्मीधर पंडा	संविदागत अध्यापक	शिक्षा-शास्त्र
44.	डॉ. जे.के. रायगुरु	संविदागत अध्यापक	शिक्षा-शास्त्र
45.	श्री एस.वी.आर. मूर्ति	उपाचार्य एवं विभागाध्यक्ष (अंग्रेजी)	आधुनिक-संकाय
46.	श्री बिमल प्रसाद मोहन्ती	प्रवक्ता वरिष्ठ ग्रेड (शारीरिक शिक्षा)	आधुनिक-संकाय
47.	डॉ. (श्रीमती) केतकी महापात्र	सहायकाचार्य (हिन्दी)	आधुनिक-संकाय
48.	डॉ. नरसिंह चरन साहू	सहायकाचार्य (उड़िया)	आधुनिक-संकाय
49.	श्री पी.सी. महापात्र	सहायकाचार्य (इतिहास)	आधुनिक-संकाय
50.	श्री दुर्गा प्रसाद दास माहापात्र	सहायकाचार्य (इतिहास)	आधुनिक-संकाय
51.	डॉ. प्रमोद कुमार दलाई	अतिथि अध्यापक (उड़िया)	आधुनिक-संकाय
52.	श्रीमती रश्मि मिश्रा	अतिथि अध्यापक (अंग्रेजी)	आधुनिक-संकाय
53.	श्री परिक्षित चरण साहू	अतिथि अध्यापक (गणित)	आधुनिक-संकाय
54.	श्री सुशान्त कुमार शथपथी	संविदागत अध्यापक (संगणक)	आधुनिक-संकाय
55.	श्री बिश्वनाथ मिश्रा	संविदागत अध्यापक (संगणक)	आधुनिक-संकाय

3. श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. यशपाल खजूरिया	प्रभारी प्राचार्य	व्याकरण
2.	डॉ. हरि नारायण तिवारी	उपाचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. रामजी पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. एस.एन. शर्मा	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. इन्दर मणि दास	आचार्य	ज्योतिष
6.	डॉ. भारतभूषण मिश्रा	उपाचार्य	ज्योतिष
7.	डॉ. चन्द्र मौलि रैना	उपाचार्य	ज्योतिष
8.	डॉ. उपेन्द्र भार्गव	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
9.	श्री नरेश शर्मा	अतिथि अध्यापक	ज्योतिष
10.	डॉ. वी.एन. झा	आचार्य	साहित्य
11.	डॉ. सतीश कुमार कपूर	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. राम दास संगोत्रा	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	कुमारी नीतू शर्मा	संविदागत अध्यापक	साहित्य

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
14.	डॉ. धनंजय मिश्रा	संविदागत अध्यापक	साहित्य
15.	डॉ. प्रीतम चन्द शास्त्री	अतिथि अध्यापक	साहित्य
16.	डॉ. राम चन्द्र शास्त्री	अतिथि अध्यापक	साहित्य
17.	प्रो. एम. चन्द्रशेखर	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. जगदीश राज शर्मा	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. नागेन्द्र नाथ झा	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. गोविन्द पाण्डेय	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	श्रीमती स्नेह लता मिश्रा	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
22.	श्री कृष्णकांत तिवारी	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. डमरुधर पाढ़ी	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
24.	श्री मनीश कुमार चण्ड़क	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
25.	श्री नारायण वैद्य	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
26.	डॉ. सागरिका नंदा	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
27.	श्री परमेश कुमार शर्मा	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
28.	डॉ. बैद्यनाथ झा	आचार्य	दर्शन
29.	डॉ. पीतांबर मिश्रा	संविदागत अध्यापक	दर्शन
30.	डॉ. ज्योति प्रकाश नंदा	संविदागत अध्यापक	दर्शन
31.	श्री कृष्णा मुरारी मणि त्रिपाठी	संविदागत अध्यापक	दर्शन
32.	श्री शरतचन्द्र शर्मा	उपाचार्य (अंग्रेजी)	आधुनिक-संकाय
33.	श्रीमती निर्मल गुप्ता	सहायकाचार्य (डोगरी/हिन्दी)	आधुनिक-संकाय
34.	श्रीमती रेणु मल्होत्रा	अतिथि अध्यापक (राजनीति विज्ञान)	आधुनिक-संकाय
35.	डॉ. विनोद कुमार गुप्ता	अतिथि अध्यापक (हिन्दी)	आधुनिक-संकाय
36.	कुमारी मीनाक्षी बावा	अतिथि अध्यापक (कम्प्यूटर)	आधुनिक-संकाय
37.	श्रीमती आशा रानी	अतिथि अध्यापक (कम्प्यूटर)	आधुनिक-संकाय
38.	डॉ. मंजु सिंह	अतिथि अध्यापक	इतिहास

4. गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. एम.ए. बाबू	प्रभारी प्राचार्य	शिक्षा शास्त्र
2.	प्रो. च.ल.न. शर्मा	आचार्य	शिक्षा शास्त्र
3.	डॉ. के.के. शाइन	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
4.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
5.	डॉ. अशोक कुमार कछवाह	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
6.	डॉ. के. गिरिधर राव	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
7.	डॉ. सुशान्तकुमार राय	संविदागत अध्यापक	शिक्षा शास्त्र
8.	डॉ. वेणुगोपाल राव	संविदागत अध्यापक	शिक्षा शास्त्र
9.	प्रो. (श्रीमती) वी.के. शैलज	आचार्य	व्याकरण
10.	डॉ. (श्रीमती) के. सरलादेवी	सहायकाचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. प्रसन्ना उन्निथान	सहायकाचार्य	व्याकरण
12.	डॉ. ललिथा चन्द्रन	सहायकाचार्य	व्याकरण
13.	डॉ. विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन्	सहायकाचार्य	व्याकरण
14.	डॉ. नन्दकिशोर तिवारी	सहायकाचार्य	व्याकरण
15.	प्रो. के. पी. केसवन	आचार्य	साहित्य
16.	डॉ. के. कृष्णन् नम्बूदिरि	सहायकाचार्य	साहित्य
17.	डॉ. ई.एम. राजन	सहायकाचार्य	साहित्य
18.	डॉ. (श्रीमती) पी. इन्दिरा	सहायकाचार्य	साहित्य
19.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	सहायकाचार्य	साहित्य
20.	डॉ. के.विश्वनाथन	सहायकाचार्य	साहित्य
21.	डॉ. पी.वी श्रीदेवी	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
22.	श्री ए.एम.सी. त्रिविक्रम नम्बूदिरि	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
23.	डॉ. च.ल.न. प्रसाद राव	उपाचार्य	अद्वैत वेदान्त
24.	डॉ. (श्रीमती) आर.प्रतिभा	उपाचार्य	अद्वैत वेदान्त
25.	डॉ. एस. सुब्रह्मण्य शर्मा	उपाचार्य	अद्वैत वेदान्त
26.	डॉ. सुरेश कुमार पी.टी.	संविदागत अध्यापक	अद्वैत वेदान्त
27.	कुमारी गायत्रीदेवी जी.	संविदागत अध्यापक	अद्वैत वेदान्त
28.	डॉ. के.ई. मधूसूदन	उपाचार्य	न्याय
29.	डॉ. आर. बालमुरुगन	उपाचार्य	न्याय
30.	डॉ. एन.आर. श्रीधरन	सहायकाचार्य	न्याय
31.	डॉ. ओ.आर. विजयराघवन	सहायकाचार्य	न्याय
32.	श्रीमती सुबीता के.ए.	संविदागत अध्यापक	न्याय
33.	डॉ. निगम पाण्डेय	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
34.	श्रीमती के. ए. जेस्सी	सहायकाचार्य (मलयालम)	आधुनिक-संकाय

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
35.	श्रीमती के.यू. जया	कनिष्ठ व्याख्याता (इतिहास)	आधुनिक-संकाय
36.	श्रीमती वी. के. सुबैदा	कनिष्ठ व्याख्याता (हिन्दी)	आधुनिक-संकाय
37.	श्रीमती एम.के. शीबा	अतिथि अध्यापक (अंग्रेजी)	आधुनिक-संकाय
38.	कुमारी मणिचित्रा पी.एस.	अतिथि अध्यापक (संगणक)	आधुनिक-संकाय
39.	कुमारी दिविया एन.वी.	अतिथि अध्यापक (संगणक)	आधुनिक-संकाय
40.	श्री शाजी ए.के.	संविदागत अध्यापक (शारीरिक शिक्षा)	आधुनिक-संकाय

5. जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. वासुदेव शर्मा	प्रभारी प्राचार्य	ज्योतिष
2.	डॉ. शिवकान्त झा	प्रोफेसर	व्याकरण
3.	डॉ. कमल चन्द्र योगी	उपाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. श्रीधर मिश्र	उपाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय	उपाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. ईश्वर भट्ट	उपाचार्य	ज्योतिष
7.	डॉ. (श्रीमती) शुभस्मिता मिश्रा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
8.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
9.	डॉ. नीलमदेवदास	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
10.	प्रो. श्रेयांस कुमार सिंघई	आचार्य	जैन-दर्शन
11.	डॉ. कमलेश कुमार जैन	उपाचार्य	जैन दर्शन
12.	डॉ. सत्यम कुमारी	उपाचार्य	सर्वदर्शन
13.	डॉ. रामकुमार शर्मा	उपाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. किशोर कुमार दलाई	उपाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी	सहायकाचार्य	साहित्य
16.	डॉ. हरिश चन्द तिवारी	सहायकाचार्य	साहित्य
17.	प्रो. (श्रीमती) भगवती सुदेश	आचार्य	धर्मशास्त्र
18.	श्रीमती कृष्णा शर्मा	संविदागत अध्यापक	धर्मशास्त्र
19.	सिद्धार्थशंकर दास	संविदागत अध्यापक	धर्मशास्त्र
20.	प्रो. (श्रीमती) संतोष मित्तल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	प्रो. फतेह सिंह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. सोहन लाल पाण्डेय	आचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
23.	डॉ. वाई.एस. रमेश	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. बत्तीलाल मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
25.	डॉ. पवन कुमार	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
26.	श्री दरियाव सिंह	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
27.	डॉ. शीशराम	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
28.	श्री गोरांग बाग	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
29.	डॉ. हरिओम शर्मा	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
30.	श्री सुरेन्द्र सिंह राजावत	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
31.	डॉ. ओम प्रकाश भड़ाना	उपाचार्य (शारीरिक शिक्षा)	आधुनिक-संकाय
32.	डॉ. सीमा अग्रवाल	सहायकाचार्य (राजनीति विज्ञान)	आधुनिक-संकाय
33.	डॉ. सुरेश सिंह राठौर	सहायकाचार्य (तदर्थ) (हिन्दी)	आधुनिक-संकाय
34.	डॉ. पर्वत सिंह	संविदागत अध्यापक (अंग्रेजी)	आधुनिक-संकाय
35.	डॉ. विनि	अतिथि अध्यापक (राजनीतिशास्त्र)	आधुनिक-संकाय
36.	डॉ. सुभाष चन्द्र	संविदागत अध्यापक (हिन्दी)	आधुनिक-संकाय
37.	श्रीमती रुचि शर्मा	संविदागत अध्यापक (अंग्रेजी)	आधुनिक-संकाय
38.	श्रीमती रिचा शर्मा	संविदागत अध्यापक (पर्यावरण)	आधुनिक-संकाय
39.	श्रीमती नमिता मित्तल	संविदागत अध्यापक (संगणक)	आधुनिक-संकाय
40.	श्री मोहित कुमार झालानी	संविदागत अध्यापक (संगणक)	आधुनिक-संकाय
41.	श्री प्रदीप मिश्रा	संविदागत अध्यापक (संगणक)	आधुनिक-संकाय
42.	डॉ. अवधेश कुमार कौशिक	पुस्तकालयाध्यक्ष	आधुनिक-संकाय

6. लखनऊ परिसर, लखनऊ

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. सुरेन्द्र झा	प्राचार्य	शिक्षा शास्त्र
2.	प्रो. सुरेन्द्र पाठक	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	व्याकरण
3.	डॉ. धनीन्द्र कुमार झा	उपाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. भारत भूषण त्रिपाठी	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. ब्रज भूषण ओझा	सहायकाचार्य	व्याकरण
6.	डॉ. राम लखन पाण्डेय	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	साहित्य
7.	डॉ. गजाला अंसारी	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	श्री पवन कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
9.	डॉ. माला चंद्रा	सहायकाचार्य	साहित्य
10.	प्रो. विजय कुमार जैन	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	बौद्ध दर्शन
11.	डॉ. अवधेश कुमार चौबे	उपाचार्य	बौद्ध-दर्शन
12.	डॉ. गुरचरन सिंह नेगी	सहायकाचार्य	बौद्ध दर्शन
13.	डॉ. मदन मोहन पाठक	उपाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
14.	डॉ. श्यामदेव मिश्र	सहायकाचार्य	ज्योतिष
15.	डॉ. अमित कुमार शुक्ला	सहायकाचार्य	ज्योतिष
16.	डॉ. उमेश कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य (अंशकालिक)	ज्योतिष
17.	प्रो. लोकमान्य मिश्रा	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. लक्ष्मीनिवास पाण्डेय	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. अवनीश अग्रवाल	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. बच्चा भारती	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
23.	श्री कुलदीप शर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. गजेन्द्र प्रकाश शर्मा	उपाचार्य एवं विभागाध्यक्ष	शारीरिक शिक्षा
25.	प्रो. शिशिर कुमार पाण्डेय	आचार्य एवं विभागाध्यक्ष	आधुनिक-संकाय
26.	श्री जगन्नाथ झा	सहायकाचार्य	आधुनिक-संकाय
27.	डॉ. एस.पी. सिंह	सहायकाचार्य	आधुनिक-संकाय
28.	श्रीमती कविता बिसारिया	सहायकाचार्य	आधुनिक-संकाय
29.	डॉ. राम बहादुर दूबे	सहायकाचार्य	आधुनिक-संकाय

7. श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री	प्राचार्य	अद्वैत वेदान्त
2.	डॉ. महाबलेश्वर पी.भट्ट	उपाचार्य	अद्वैत वेदान्त
3.	श्री गणेश ईश्वर भट्ट	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
4.	डॉ. सुब्राय वी. भट्ट	उपाचार्य	मीमांसा
5.	डॉ. सूर्यनारायण भट्ट	सहायकाचार्य	मीमांसा
6.	श्री शंकर एम. हैबर	संविदागत अध्यापक	मीमांसा
7.	डॉ. एस. राधा	उपाचार्य	साहित्य

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
8.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	सहायकाचार्य	साहित्य
9.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	सहायकाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. चंद्रकला आर. कोन्डी	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. वेंकटरमन भट्ट	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. गणेश टी. पंडित	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	डॉ. के. गिरिधर राव	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. सी.एस.एस.एन. मूर्ति	सहायकाचार्य	व्याकरण
17.	डॉ. चंद्रशेखर भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण
18.	श्री कृष्णनाथन पद्मनाभम्	सहायकाचार्य	व्याकरण
19.	डॉ. नवीन होल्ला	सहायकाचार्य	नव्य न्याय
20.	श्री श्यामसुन्दर	संविदागत अध्यापक	नव्य न्याय
21.	श्री मधुकेश्वर भट्ट	संविदागत अध्यापक	नव्य न्याय
22.	श्री अनन्तकृष्णा	संविदागत अध्यापक	नव्य न्याय
23.	श्री प्रभाकर	संविदागत अध्यापक (इतिहास)	आधुनिक-संकाय
24.	श्री विनय एम.एस.	संविदागत अध्यापक (अंग्रेजी)	आधुनिक-संकाय
25.	श्रीमती श्यामनाथन जे.एस.	संविदागत अध्यापिका (हिन्दी)	आधुनिक-संकाय
26.	श्री शशिधर के.वी.	संविदागत अध्यापक (कम्प्यूटर)	आधुनिक-संकाय

8. वेदव्यास परिसर, बलहार (हिमाचल प्रदेश)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. एच.के. महापात्र	प्रभारी प्राचार्य	व्याकरण
2.	डॉ. सुबोध शर्मा	उपाचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. अशोक कुमार गौड़	उपाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. मधुकेश्वर	उपाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. भानु शर्मा	संविदागत अध्यापक	व्याकरण
6.	डॉ. विजयपाल शास्त्री	उपाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. सुज्ञान कुमार मोहन्ती	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. राधावल्लभ शर्मा	संविदागत अध्यापक	साहित्य
9.	श्री देवाशीश त्रिपाठी	संविदागत अध्यापक	साहित्य

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
10.	डॉ. विष्णु कुमार निर्मल	सहायकाचार्य	ज्योतिष
11.	डॉ. एच.एन. द्विवेदी	सहायकाचार्य	ज्योतिष
12.	डॉ. मनोज श्रीमल	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
13.	श्री अरुण कुमार	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
14.	श्रीमती गौरप्रिया दास	सहायकाचार्य	वेदांत
15.	श्री सम्बित महापात्रा	संविदागत अध्यापक	वेदांत
16.	डॉ. रामनारायण ठाकुर	अतिथि अध्यापक (इतिहास)	आधुनिक-संकाय
17.	श्री सन्दीप कुमार	अतिथि अध्यापक (हिन्दी)	आधुनिक-संकाय
18.	श्री मनीश कुमार	अतिथि अध्यापक (अंग्रेजी)	आधुनिक-संकाय
19.	श्रीमती मोनिका शर्मा	अतिथि अध्यापक (अर्थशास्त्र)	आधुनिक-संकाय
20.	डॉ. संजय कुमार मनकोटिया	अतिथि अध्यापक (शारीरिक शिक्षा)	आधुनिक-संकाय
21.	श्री अमित वालिया	अतिथि अध्यापक (संगणक)	आधुनिक-संकाय
22.	श्री राकेश कुमार	अतिथि अध्यापक (संगणक)	आधुनिक-संकाय

9. भोपाल परिसर, भोपाल (म.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. आजाद मिश्र	प्राचार्य	व्याकरण
2.	डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. कैलाश चन्द्र दाश	सहायकाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. नरेश कुमार पाण्डेय	सहायकाचार्य	व्याकरण
5.	डॉ. हरिशंकर पाण्डेय	संविदागत अध्यापक	व्याकरण
6.	प्रो. विद्यानाथ झा	आचार्य	साहित्य
7.	डॉ. सनंदन कुमार त्रिपाठी	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव	सहायकाचार्य	साहित्य
9.	कुमारी मोहिनी अरोड़ा	सहायकाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. संगीता गुन्देचा	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. हंसधर झा	उपाचार्य	ज्योतिष
12.	डॉ. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यन्	सहायकाचार्य	ज्योतिष
13.	डॉ. अशोक थपलियाल	सहायकाचार्य	ज्योतिष
14.	अवधेश कुमार स्रोत्रिय	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
15.	डॉ. वेदनारायण चौधरी	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. प्रभादेवी चौधरी	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
17.	डॉ. जे. भानुमूर्ति	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	श्रीमती लीना तिवारी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. नीलाभ तिवारी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. नितिन जैन	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. दीप्तांशु भास्कर	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
22.	श्री रमन मिश्रा	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. अर्चना दूबे	सहायकाचार्य (हिन्दी)	आधुनिक-संकाय
24.	डॉ. अर्चना चौहान	अतिथि अध्यापक (राजनीति शास्त्र)	आधुनिक-संकाय
25.	डॉ. अवनी शर्मा	अतिथि अध्यापक (अंग्रेजी)	आधुनिक-संकाय
26.	श्री विवेक कुमार सिंह	अतिथि अध्यापक (शारीरिक शिक्षा)	आधुनिक-संकाय
27.	श्री सुमित सक्सेना	संविदागत अध्यापक (संगणक)	आधुनिक-संकाय
28.	श्रीमती निरुपमा सिंहदेव	संविदागत अध्यापक (संगणक)	आधुनिक-संकाय

10. के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	प्रो. अर्कनाथ चौधरी	प्रभारी प्राचार्य	व्याकरण
2.	प्रो. प्रकाश चन्द्र	आचार्य	व्याकरण
3.	डॉ. बोध कुमार झा	उपाचार्य	व्याकरण
4.	डॉ. माधव दत्त पाण्डेय	संविदागत अध्यापक	व्याकरण
5.	श्री प्रियव्रत मिश्रा	संविदागत अध्यापक	व्याकरण
6.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	सहायकाचार्य	साहित्य
7.	डॉ. (श्रीमती) सी. शांथा	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. एन्.एन्. जोशी	शास्त्र चूड़ामणि	साहित्य
9.	डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्रा	संविदागत अध्यापक	साहित्य
10.	डॉ. मंथा श्रीनिवास	संविदागत अध्यापक	साहित्य
11.	डॉ. मदनमोहन झा	उपाचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. देवदत्त सरोदे	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	श्री वी.एस.वी.भास्कर रेड्डी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. आर. गायत्री मुरली कृष्णा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
15.	श्री वाचस्पति नाथ झा 'मणि'	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. स.ल. सीताराम शर्मा	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र

क्रमशः....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
17.	डॉ. मंथा श्रीनिवास	संविदागत अध्यापक	शिक्षाशास्त्र
18.	श्री भारत गर्ग	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
19.	डॉ. (श्रीमती) चन्द्रश्रीपाण्डेय	संविदागत अध्यापक	ज्योतिष
20.	डॉ. (श्रीमती) श्वेता सूद	अतिथि अध्यापक (अंग्रेजी)	आधुनिक-संकाय
21.	डॉ. (श्रीमती) गीता दुबे	अतिथि अध्यापक (हिन्दी)	आधुनिक-संकाय
22.	डॉ रंजय कुमार सिंह	अतिथि अध्यापक (राजनीति-विज्ञान)	आधुनिक-संकाय
23.	श्री संतोष जादव	अतिथि अध्यापक (कम्प्यूटर विज्ञान)	आधुनिक-संकाय
24.	श्री शंकर आंधले	अतिथि अध्यापक (शारीरिक शिक्षा)	आधुनिक-संकाय

11. दिल्ली परिसर, नई दिल्ली

क्रमांक	नाम	पदनाम	विभाग
1.	डॉ. प्रकाश पाण्डेय	प्राचार्य/विशेषकार्याधिकारी	मुख्यालय
2.	डॉ. रमाकान्त पाण्डेय	उपाचार्य/निदेशक (मुक्तस्वाध्यायपीठम्)	साहित्य
3.	डॉ. एस.एन. तिवारी	उपाचार्य	साहित्य
4.	श्री रमेश सिंह	उपाचार्य	शारीरिक शिक्षा
5.	डॉ. जय प्रकाश नारायण	सहायकाचार्य	साहित्य
6.	डॉ. रत्न मोहन झा	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
7.	श्री के.वेंकेटेश मूर्त्ति	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
8.	डॉ. अजय कुमार मिश्र	सहायकाचार्य	दूरस्थ शिक्षा
9.	डॉ. छोटी बाई मीणा	सहायकाचार्य	साहित्य
10.	डॉ. परमानन्द वत्स	सहायकाचार्य	साहित्य
11.	डॉ. सुनीता गुप्ता	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. मो. हनीफ खान	सहायकाचार्य	साहित्य
13.	डॉ. परफुल्ल गडपाल	सहायकाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. टी. महेन्द्रा	सहायकाचार्य	साहित्य

क्रमश:....

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
1.	सुश्री अंजना पाण्डेय (951)	जयपुर परिसर, जयपुर	श्रीरामभद्राचार्यप्रणीत भार्गवराघवीय-महाकाव्यस्य पर्यालोचनम्।	साहित्य
2.	श्री नितिन कुमार जैन (948)	भोपाल परिसर, भोपाल	अध्यापकशिक्षकैः सूचनासम्प्रेषणप्रौद्योगिक्या प्रभाव्यनुप्रयोगस्य स्तराविस्थतेः समीक्षात्मकमध्ययनम्।	शिक्षाशास्त्र
3.	श्री अखिलेश कुमार मिश्र (930)	गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	स्वातन्त्र्योत्तर महाकाव्यं प्रति उत्तरप्रदेशस्य योगदानम्।	साहित्य
4.	श्री शिवशंकर (942)	गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	श्री विश्वेश्वरपण्डितप्रणीतालंकारशास्त्रीय-ग्रन्थानां समीक्षात्मकमध्ययनम्।	साहित्य
5.	श्री देवेन्द्र प्रकाश शर्मा (925)	गरली परिसर, गरली	मथुरानाथशास्त्रिणे नवलघुकथा काव्यानां समीक्षात्मकमध्ययनम्।	साहित्य
6.	श्री हरिओम शरण शर्मा (949)	जयपुर परिसर, जयपुर	वाक्यपदीयब्रह्मकाण्डस्यप्रत्येकार्थ-प्रकाशिकाऽऽनन्दाम्बकर्त्रिटीकात्रयस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्।	व्याकरण
7.	श्री लक्ष्मी नारायण जोशी (938)	जयपुर परिसर, जयपुर	रसिकोपनाम्ना श्रीकृष्णचन्द्रचतुर्वेदेन रचितस्य प्रेमपत्रमहाकाव्यस्य समालोचनम्।	साहित्य
8.	श्री हंसराज शर्मा (920)	जयपुर परिसर, जयपुर	ग्रहलाघव-केतकीग्रहगणितयोस्तुलनात्मकम् अध्ययनम्।	सिद्धान्तज्योतिष
9.	श्री भवरलाल चौधरी (939)	जयपुर परिसर, जयपुर	राजस्थानस्याधुनिकसंस्कृतसाहित्ये दीनानाथ-त्रिवेदस्य योगदानम्।	साहित्य
10.	श्री कमलाकान्त बहुगुणा (921)	जयपुर परिसर, जयपुर	आचार्यमधुसूदननौझाकृतवेदमन्त्रव्याख्यानस्य महर्षिदयानन्दकृतवेदभाष्येण सहतुलनात्मक-मध्ययनम्।	व्याकरण
11.	श्री नीलाभ तिवारी (955)	भोपाल परिसर, भोपाल	समाजिकबुद्धि-शैक्षिकोपलब्धि-चिन्ता-पारिवारिक-वातावरणानां सम्बन्धे छात्राणां सामाजिकपरि-पक्वताया अध्ययनम्।	शिक्षाशास्त्र
12.	श्री सेवक राम (945)	गरली परिसर, गरली	बालमुकुन्दभट्टविरचितरुक्मिणीमंगलमहाकाव्यस्य।	साहित्य

क्रमशः....

क्र.	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
13.	श्री वेदप्रकाश (944)	भोपाल परिसर, भोपाल	विवाह वृन्दावनस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्।	फलित ज्योतिष
14.	श्री शिव बहादुर यादव (953)	गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	पार्वतीयपरिणयस्य नाट्यदृष्ट्या समीक्षात्मकमध्ययनम्	
15.	श्री राकेश शर्मा (871)	गरली परिसर, गरली	अग्निपुराणोक्तजौषिविषयाणां समीक्षात्मक-मध्ययनम्	ज्योतिष
16.	श्री अवधेश कुमार श्रोत्रिय (950)	जयपुर परिसर, जयपुर	सिद्धान्तशिरोमणेः स्पष्टाधिकारस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्।	ज्योतिष
17.	श्री प्रफुल्ल गड़पाल (961)	जयपुर परिसर, जयपुर	स्वातन्त्र्योत्तरसंस्कृतसाहित्ये बुद्धचरिताश्रित-साहित्यस्य विकासः	साहित्य
18.	सुश्री शस्मिता मिश्रा (941)	पुरी परिसर, पुरी	अद्भुतसागरे सूर्याद्भुतार्क्तादारभ्य ऋक्षाद्यद्भुतावर्त्त यावत् प्रथमखण्डस्य समीक्षणम्	
19.	श्रीमती कृष्णा शर्मा (913)	जयपुर परिसर, जयपुर	क्षेमकरमिश्रप्रणीतस्य तिथिनिर्णयसार इति ग्रन्थस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्।	व्याकरण
20.	श्री परमानन्द वत्स (957)	संस्थान मुख्यालय	वरदराजकृत व्यवहार निर्णयस्य विधिशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
21.	श्री सन्तोष कुमार ओझा (943)	गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद	छान्दोयोजना दृष्ट्या पंचमहाकाव्यानां सामीक्षिकमध्ययनम् (रघुवंश-कुमारसंभव-किरातार्जुनीयम्-शिशुपालवधम् नैषधीयचरितम्)	साहित्य
22.	श्रीमती यशु वशिष्ठ (907)	संस्थान मुख्यालय नई दिल्ली	भारतीय दर्शनेष्वेकानेकात्मवाद-योस्तुलनात्मकम् अध्ययनम्।	दर्शन
23.	श्री शिवकुमार शास्त्री (960)	जयपुर परिसर, जयपुर	वैदिकविवाहसंस्कारानुशीलनम्। परिशीलनम्	धर्मशास्त्र
24.	श्री जगदीश (956)	लखनऊ परिसर, लखनऊ	वैयाकरणसिद्धान्तकौमुद्याः कारकप्रकरणस्य विविधटीकाश्रितमध्ययनं।	व्याकरण
25.	श्री अनिल कुमार (962)	भोपाल परिसर, भोपाल	श्री मधुसूदनओझाप्रणीतस्यकादम्बिनी ग्रन्थस्यानुशीलनम्।	ज्योतिष
26.	श्री प्रियव्रत वेहेरा (964)	पुरी परिसर, पुरी	महामहिमोपाध्यायपण्डितकृष्णमाधवझाशर्मणः नव्यन्यायेऽवदानम्	नव्य-न्याय

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) से सम्बद्ध संस्थाएं

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
बिहार		
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्या आश्रम	प्रथमा-तृतीय
	संस्कृत विद्यालय, पोस्ट अफिस-लगमा	पूर्वमध्यमा-प्रथम
	वाया-लोहना रोड़, जिला दरभंगा-847407(बिहार)	उत्तरमध्यमा-प्रथम
2.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय (संस्कृतनगर) रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटेली, वाया-ऊजियारपुर, जिला–समस्तीपुर, पिन–848132 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
3.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, प्राचीन व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, सर्वदर्शन)
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ जिला–दरभंगा (बिहार) 846003	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, सिद्धान्त ज्योतिष, नव्यव्याकरण)।
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला-बेगूसराय, बिहार–851101	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोल बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमशः....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	वाया बहेरा, जिला–दरभंगा 847407 (बिहार)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)
7.	डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय, संजात, जिला–बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
8.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लढोरा, जिला–समस्तीपुर–848302 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य फलित ज्योतिष)
9.	लक्ष्मी हरिकान्त प्राथमिक संस्कृत प्राथमिक सहमाध्यमिक विद्यालय झंझारपुर, जिला–मधुबनी, बिहार–847404	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
10.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम-कालीधाम, पो. कथरा जिला–दरभंगा (बिहार) 847423	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
11.	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार) 847407	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, वेद, व्याकरण और धर्मशास्त्र)।
दिल्ली		
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली–110015	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य– (साहित्य, व्याकरण, न्याय)
13.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली–2	प्रथमा–प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
14.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली–110092	आचार्य–प्रथम, द्वितीय (फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, पौरोहित्य)
15.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली–110057	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
16.	राम दल संस्कृत महाविद्यालय 1612 दरीबा कलाँ, दिल्ली–6	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
17.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, 1021-1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
18.	समन्त भद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, जैन-दर्शन)
19.	श्री महावीर विश्व विद्यापीठ ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110063	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन)
20.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली–110027	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
21.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली–110060	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
22.	राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय करावला, दिल्ली–110081	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
		प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
23.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली–110039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय (परम्परागत शास्त्र एवं आधुनिक ऐच्छिक विषय)
24.	बाल विद्या मन्दिर (नजदीक रोहिणी-सेक्टर-20), पूठ कलाँ दिल्ली–110041	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
गुजरात		
25.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात–380007	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
हरियाणा		
26.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) – 123039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
27.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो. बघौला, तहसील–पलवल जिला–फरीदाबाद (हरियाणा) 121102	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
28.	श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा) 134102	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
29.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
जम्मू व कश्मीर		
30.	श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमश:....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
	जिला–राजौरी, जम्मू	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष वेद)
झारखण्ड		
31.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड, पिन : 814112	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
कर्नाटक		
32.	पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर–560028	विद्यावारिधि
केरल		
33.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिल्हारा रोड, वाया मंडुर जिला–कन्नूर – 670501 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
34.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो.–अरुणापुरम, पलै जिला–कोट्टायम – 686574 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (अद्वैत वेदान्त)
35.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला–क्वीलोन (केरल) 691505	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
36.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला–कालीकट – 673612	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, अद्वैत वेदान्त)
37.	कोंडगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर जिला–त्रिचूर (केरल) - 680664	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)

क्रमांक संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
38. वूमेंस चैरिटेबल सोसाइटी, श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ, ओवर बिज जंक्शन, एम.जी. रोड़ तिरुवन्तपुरम, 695003 केरल	प्राक् शास्त्री-प्रथम, द्वितीय
39. महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर जिला–कोजीकोड–673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
महाराष्ट्र	
40. मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग मुम्बई–400007	प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, शास्त्री-प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त)
41. श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र) – 400097	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
मणिपुर	
42. मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय डी.एम. कॉलेज कैम्पस, इम्फाल, मणिपुर–795001	पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय, प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य-प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
43. राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, पो. नाम्बोल, मणिपुर–795134	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष व सर्वदर्शन)
पंजाब	
44. बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी श्रीदसनामी अखाड़ा सरहिन्द शहर, जिला–फतेहगढ़ साहिब, पंजाब 140406	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
45. श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज पो0 खन्ना, जिला–लुधियाना (पंजाब) 141401	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
राजस्थान		
46.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, सिंधी कालोनी, गंगापुर सिटी, जिला–सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–द्वितीय
उत्तर-प्रदेश		
47.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी उत्तरप्रदेश	उत्तरमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, फलित ज्योतिष, सिद्धान्त ज्योतिष, कर्मकाण्ड, सर्वदर्शन एवं वेद)
48.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी–221010	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण)
49.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद–201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
50.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश–248005	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
51.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद-212107 (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
52.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय ग्रा. व पो. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
53.	रानी पद्मावती योग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
उत्तराखण्ड		
54.	ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय श्री. ज्वल्पाधाम, पो. पाटीसैण जिला-पौडी गढ़वाल-246167 उत्तराखण्ड	शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
55.	आदर्श संस्कृत विद्यापरिषद् सल्ड महादेव, तहसील-धूमाकोट जिला–पौडी गढ़वाल–246279 उत्तराखण्ड	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पश्चिम बंगाल		
56.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता–700035	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, नव्यन्याय, अद्वैत वेदान्त, वेद, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्म-शास्त्र)
57.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय लिंग्से, दार्जीलिंग हरलोक लिंग्से, वाया रीनोक (प. बं.) – 737133	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
58.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव–कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला–मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) – 721430	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, धर्मशास्त्र और अद्वैत वेदान्त)
59.	मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, ग्राम व प्रो. तेनोहरी, जिला–उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल) – 733123	प्रथमा–प्रथम, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
60.	भारती चतुष्पठी संस्कृत महाविद्यालय, श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) – 741302	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, अद्वैत वेदान्त)

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
61.	रामकृष्ण मठ विवेवकानन्द वेद विद्यालय, पो. ओ. वेलूर मठ जिला–हावड़ा (पश्चिम बंगाल) – 711202	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
62.	ठाकुर गदधर संस्कृत विद्यापीठ पोस्ट ऑफिस आरामबाग (कलिपुर) जिला हुगली (पश्चिम बंगाल)-712601	प्रथमा-तृतीय, पूर्वमध्यमा-प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री-प्रथम, द्वितीय

संलग्नक-च

उन सरकारों के नामों की सूची जिन्होंने संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता दे दी है

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	–वही–
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	–वही–
4.	गोआ, दमन व दीव, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	–वही–
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दि. 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.

क्रमशः....

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री- उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ(2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वोल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	–वही–
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
14.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 स्वीकृत दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री-बी.ए. 3. आचार्य-एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट्
15.	उड़ीसा सरकार 176/10/ईवाइई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री-बी.ए. 2. आचार्य-एम.ए.
16.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी-II/89	शिक्षाशास्त्री-बी.एड.
17.	बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित 3. शास्त्री-(अंग्रेजी सहित) बी.ए. 4. आचार्य-(बी.ए. अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण) एम.ए.

उन विश्वविद्यालयों के नामों की सूची जिन्होंने संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता दे दी है

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी-एच.डी. डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)

क्रमशः....

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया	मध्यमा	हायर सेकेण्डरी
	पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया	शास्त्री	बी.ए.
	दिनांक 4.12.73	आचार्य	एम.ए.
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू	मध्यमा	प्री-यूनिवर्सिटी
	पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99	शास्त्री-भाग-1	बी.ए. (भाग-1)
	दिनांक 14.2.1974	शास्त्री-भाग-3	बी.ए. (अंतिम वर्ष)
		आचार्य	एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय	शास्त्री	बी.ए.
	एल. डिस्. पी-बी 21/83/73	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 22.2.1974		
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान	मध्यमा	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
	आर.सी.आई/सम/141/376/74		
	दिनांक 24.6.74	शास्त्री	कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष)
		आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	डी.फिल्.
		वाचस्पति	डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर	शास्त्री	बी.ए.
	पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 22.11.74		
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं.	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
	ए सी-1/आर.एम./171/51046/75		
	दिनांक 1.7.1975		
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना	प्राक्शास्त्री	प्री-डिग्री
	ईएलजी/सम-109/3949	शास्त्री	बी.ए. (संस्कृत)
	दिनांक 26.4.1975	आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय,	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. ई./3013	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 13.5.1975		

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	शास्त्री	बी.ए., शास्त्री
	पत्र सं. ए सी एम-II/6115	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 6.6.1975 और ए सी		
	एम/II/137/76/18904		
	दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139		
	दिनांक 19.3.81		
	ए सी एम-II/08/एफ/37/3695 दिनांक 1-4-08	प्राक्शास्त्री	+2 स्तर परीक्षा
	ए सी एम-II/08/एफ/37/4788 दिनांक 25-4-08	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद,	शास्त्री	बी.ए.
	परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 17.9.1975		
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली	प्रथमा	आठवीं
	देखिए डी.ओ.सं. 80628	पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष	दसवीं
	दिनांक 27-5-1988	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री-II	बारहवीं
	सी बी.एस.इ./कोआर्ड/एसओसीडी/2009/6147		
	दिनांक 3.3.09		
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. सी.-3/720/76	आचार्य	एम.ए.
	जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76,	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
	एसी. सी 3/1600/77 दिनांक 3.1.81	वाचस्पति	डी.लिट्
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43	शास्त्री	बी.ए.
	दिनांक 23.4.76	आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ	शास्त्री	बी.ए.
	संघ पत्र सं. ईवी II/(227)/76/32765	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली		
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक)	शिक्षा-शास्त्री	बी.एड.
	दिनांक 2.7.77, 3-27/79	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 4.7.80	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	शास्त्री	बी.ए. पासकोर्स
	पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84		(एम.ए. संस्कृत में प्रवेश
	दिनांक 14.11.84		के प्रयोजन से)
		आचार्य	एम.ए.

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85 संभलपुर	शास्त्री	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु)
		आचार्य	एम.ए.
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा	मध्यमा
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
		शिक्षाशास्त्री	शिक्षाशास्त्री
		विद्यावारिधि	विद्यावारिधि
		वाचस्पति	विद्या वाचस्पति
26.	कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री	बी.ए.
		आचार्य	एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा	प्राज्ञ
		मध्यमा	विशारद
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा	प्रथमा
		पूर्वमध्यमा	मध्यमा
		उत्तरमध्यमा	उपशास्त्री
		शास्त्री	शास्त्री
		आचार्य	आचार्य
		विद्यावारिधि	विद्यावारिधि
		वाचस्पति	वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहामपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84 सं 5/01/शैक्षिक-I दिनांक 3.6.2005	शास्त्री	बी.ए. (पास)
		आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षा शास्त्री	बी.एड.

क्रमशः....

क्रमांक	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा/पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री/शिक्षा-आचार्य	प्रथमा/पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री/शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) शास्त्री आचार्य	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। शास्त्री एम.ए. (यदि विद्यार्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.ए. I/3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्री.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी.

क्रमांक	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल सूचना दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्वारा सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण) एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओसमानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै.दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड.
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/ प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा/प्राक् शास्त्री	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
46.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल स्कूल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्.
47.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर II/3/71-एस.ई. दि. 30 अगस्त 1972	-वही-	-वही-

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में कर्मचारियों की अनुभागवार कार्यरत संख्या

1.	**शैक्षणिक अनुभाग**		
	I	उप-निदेशक	1
	II	अनुभाग अधिकारी	1
	III	अवर श्रेणी लिपिक	1
	IV	ग्रुप-सी	1
2.	**शोध एवं प्रकाशन अनुभाग**		
	I	सहायक आचार्य	1
	II	सहायक निदेशक	1
	III	अवर श्रेणी लिपिक	1
3.	**दूरस्थ शिक्षा विभाग**		
	I	सहआचार्य	3
	II	सहायकाचार्य	7
	III	अवर श्रेणी लिपिक	1
	IV	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	1
4.	**परीक्षा अनुभाग**		
	I	उपनियंत्रक	1
	II	सहायक निदेशक	1
	III	अनुदेशक	1
	IV	सहायक	2
	V	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	3
	VI	ग्रुप-सी	2
5.	**प्रशासन अनुभाग**		
	I	सहायक आचार्य/उपनिदेशक	1
	II	अनुभाग अधिकारी	1
	III	सहायक	3
	IV	प्रवर श्रेणी लिपिक	3
	V	कनिष्ठ अशुलिपिक	1

क्रमशः....

		कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	5
		दफ्तरी	2
		ग्रुप-सी	8
6.	**वित्त अनुभाग**		
	I	उपनिदेशक	1
	II	लेखा अधिकारी	1
	III	सहायक	1
	IV	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
	V	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	2
	VI	ग्रुप-सी	2
7.	**योजना अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	3
	III	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
	IV	ग्रुप-सी	1
8.	**पुस्तकालय**		
	I	पुस्तकालयाध्यक्ष	1
	II	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	1
9.	**आदर्श पाठशाला योजना एकक**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	1
10.	**छात्रवृत्ति अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	1
	III	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	2
	IV	ग्रुप-सी	1
11.	**कुलपति एवं कुलसचिव कार्यालय**		
	I	अनुभाग अधिकारी	3
	II	वरिष्ठ अशुलिपिक	1

	III	स्टॉफ कार ड्राईवर	2
	IV	ग्रुप-सी	3
12.	**पत्राचार पाठ्यक्रम**		
	I	सहायक आचार्य	1
	II	सहायक	1
	III	अनुदेशक	1
	IV	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
13.	**विक्रय**		
	I	सहायक	1
14.	**पालि**		
	I	विकास अधिकारी	1
	II	कनिष्ठ शोध अध्येता	1
15.	**प्राकृत**		
	I	वरिष्ठ शोध अध्येता	1
	II	कनिष्ठ शोध अध्येता	3

सम्बद्ध राज्य सरकारों के माध्यम से प्रेषित आवेदनों के आधार पर जिन स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वर्ष 2011-12 के मध्य वार्षिक अनुदान स्वीकृत किया गया, उनकी राज्यवार संख्या का विवरण

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	16
2.	असम	01
3.	बिहार	29
4.	छत्तीसगढ़	01
5.	दिल्ली	11
5.	गुजरात	07
6.	हरियाणा	26
7.	हिमाचल प्रदेश	04
8.	जम्मू और कश्मीर	02
9.	झारखण्ड	03
10.	कर्नाटक	26
11.	केरल	22
12.	मध्य प्रदेश	30
13.	महाराष्ट्र	15
14.	मणिपुर	04
15.	ओड़िशा	13
16.	पाण्डिचेरी	01
17.	पंजाब	06
18.	राजस्थान	35
19.	सिक्किम	17
20.	तमिलनाडु	15
21.	उत्तर प्रदेश	188
22.	उत्तराखंड	63
23.	पश्चिम बंगाल	241
	कुल	**776**

संलग्नक-ञ

संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्रमांक	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
1.	श्री अरुण कुमार उपाध्याय	गायत्री पञ्चदशी	13,544
2.	डॉ. श्वेता ओझा	आहार्य अभिनय एक समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	19,523
3.	श्री अरुण कुमार उपाध्याय	पुरुष सूक्त	29,732
4.	डॉ. गणेश कुमार शुक्ला	'परिभाशेन्दुशेखररसयमूतितिजयाटीकयौ'	13,995
5.	डॉ. शंकर लाल शास्त्री	'शिशुपालवध महाकाव्य में माघ का जीवन दर्शन'	47,129
6.	डॉ. सच्चिदानन्द तिवारी	'नानकचन्द्रोदयमहाकाव्यम्' (एक परिशीलन)	25,892
7.	डॉ. विश्वनाथ स्वाई	"दानखण्डनाटिका"	22,446
8.	डॉ. निरिलाकृष्णामूर्त्ति	"तौलव-मण्डलस्य संस्कृत कृति-समीक्षा"	11,076
9.	डॉ. राय जीवन द्विवेदी	"गोस्वामी तुलसीदास चरितम् महाकाव्यम्"	38,020
10.	डॉ. शक्तिधर झा	An Objective Histroy of verse of Ramvilas sharma	28,466
11.	डॉ. उदय नाथ झा	आर्यसप्तशती (गोवर्द्धनाचार्य की सचल मिश्र कृत व्याख्या, समीक्षा सहित)	52,762
12.	डॉ. बालाजी शतपती	इष्टापूर्त कौमुदी	22,893
13.	प्रो. पुष्पेन्द्र कुमार	हिन्दू धर्मशास्त्र (भाग-1 से 6)	4,78,068
14.	श्री का. हनुमंतराव	श्री वाल्मीकि रामायण	1,29,679
15.	प्रो. पी.एन. केवठेकर	भूलोकविलोकनम	44,464
16.	प्रो. रेवा प्रसाद द्विवेदी	स्वातन्त्रसंभवम्	1,29,935

प्रकाशन-अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	डा. रामाशीष पाण्डेय, रॉची, (झारखण्ड)	"यास्कालीन पर्यावरण"	59,400
2.	डा. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस' (पश्चिम बंगाल)	कालिदास वाङ्मय मे नारी	32,360
3.	श्री प्रदीप कुमार पाण्डेय नई दिल्ली-86	'भाणपरम्परायां पञ्चायुधप्रपञ्चभाणस्य पर्यालोचनम्'	27,965
4.	डा. वत्सला झलवाडा (राजस्थान)	संस्कृत साहित्य में ययाति कथा और ययाति चरित एक समीक्षात्मक अध्ययन	49,703
5.	डा. इन्देश पथिका हरीद्वार, (उत्तराखण्ड)	वेदः प्रज्ञापुराणश्च	32,400
6.	डा. सुशीला सर गुडगॉव (हरियाणा)	"ईश्वर कौल कृत कश्मीर शब्दामृतम् टीका सहित"	60,832
7.	डा. वसन्त एम, कालीकट (केरल)	अद्वैतवेदान्ते भामतीप्रस्थानस्य तुलनात्मकमध्ययनम्	36,763
8.	प्रो. ग्यान प्रकाश शास्त्री, हरिद्वार (उत्तराखंड)	ऋग्वेद-पदार्थ कोषः	10,60,400
9.	डा. उमेश चन्द मिश्रा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गरली परिसर, कांगडा (हि.प्र.)	काव्यशास्त्रे शब्द शास्त्रस्योपयोगः	39,400
10.	डा. उदय नाथ झा 'अशोक' राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, पुरी (ओडीशा)	मिथिला में काव्य शास्त्र	46,440
11.	डा. रामराज उपाध्याय, नई दिल्ली-30	अनुष्ठान विधानम्	51,520

क्रमशः....

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
12.	स्वामी हरिहरनन्दन, बारेली, (उ.प्र.)	हनुमच्चरित्रवाटिका	2,73,600
13.	डा. (श्रीमती) शान्ति पाण्डेय, सीगारा, वाराणसी (उ.प्र.)	भारतीय दर्शनिक परम्परा में सत्	86,000
14.	डा. राम नारायण ठाकुर, गरली परिसर, कांगडा (हि.प्र.)	पुराणों में वर्णित भारत के तीर्थो का महत्त्व	44,744
15.	डॉ. राजनीश शुक्ला, नई दिल्ली-62	पालि-प्राकृत काव्य	57,750
16.	डा. भगवत शरण शुक्ला, बी.एच.यू. वाराणसी (उ.प्र.)	महाभाष्यतत्त्वविमर्शः (प्रदीपोद्योतमतविमृष्टि)	55,972
17.	डा. संजू मिश्रा, बेंगलूरू, (कर्नाटक)	पद्मपुराण का साहित्यिक अनुशीलन (पाताल खण्ड)	25,670
18.	डा. महेश झा, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पुरी परिसर (ओडीशा)	न्यायसूत्रम् (वात्स्यायनभाष्यसहितम्) (खद्योत-भाष्यचन्द्र-संवलिनम्)	89,120
19.	डा. कृष्णा, झारखण्ड	कुमारसम्भव का शास्त्रीय अध्ययन (1 से 8 सर्ग)	30,120
20.	डा. पवन कुमार शास्त्री, वाराणसी (उ.प्र.)	"श्रीगणेशसहस्रनामस्तोत्रम् अन्नपूर्णा हिन्दीभाष्य"	88,240
21.	डॉ. रामेशवर माहापात्रा, ओडीशा	"साहित्ये औचित्यम्"	25,688
22.	डा. नारायण दास, नरेन्द्रपुर, कोलकता, (प.बं.)	'समकालीनसंस्कृतसाहित्ये पश्चिमबंगस्यावदानम्'	65,400
23.	डा. सुधा गुप्ता, कानपुर, (उ.प्र.)	'आत्मोत्कर्षक स्त्रोत-सूर्य'	74,817
24.	डा. शीतला प्रसाद उपाध्याय वाराणसी (उ.प्र.)	'तान्त्रिक-निबन्ध-मञ्जरी'	97,123

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) से वार्षिक अनुदान प्राप्तकर्ता आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों का विवरण

1. कालीकट
आदर्श संस्कृत विद्यापीठ,
पो. बालुसरी,
जिला-कोजीकोड,
केरल-673612

2. श्री रंगलक्ष्मी
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
वृन्दावन, उत्तर प्रदेश-281121

3. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ,
पो. बघोला, (पलवल),
जिला-फरीदाबाद,
हरियाणा

4. जे.एन.बी. आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
पो. लगमा,
वाया-लोहना रोड,
जिला-दरभंगा,
बिहार-847407

5. श्री भगवानदास आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
पो. गुरुकुल कांगड़ी,
जिला-हरिद्वार,
उत्तराञ्चल

6. मद्रास संस्कृत कॉलेज
एवं एस.एस.वी. पाठशाला
84, रोयपेटा हाई रोड,
मइलापुर, चेन्नई-600004,
तमिलनाडु

7. लक्ष्मी देवी सर्राफ
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
काली रेखा, जिला-देवघर,
झारखण्ड-814112

8. श्री एकरसानन्द
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
जिला-मैनपुरी,
उत्तर प्रदेश-205001

9. मुम्बा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
द्वारा भारतीय विद्या भवन,
के.एम. मुंशी मार्ग, मुम्बई
महाराष्ट्र-400007

10. एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज,
डोहगी, जिला-ऊना,
हिमाचल प्रदेश-174307

11. हिमाचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
जांगला (रोहड़ू), जिला-शिमला
हिमाचल प्रदेश-171207

12. श्री दीवान कृष्ण किशोर
एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज,
अम्बाला कैंट, हरियाणा-133001

13. राजकुमारी गणेश शर्मा
संस्कृत विद्यापीठ, कोलहन्टा, पटोरी,
जिला-दरभंगा, बिहार-846003

14. स्वामी प्राङ्कुशाचार्य आदर्श संस्कृत
महाविद्यालय, हुलासगंज, गया,
बिहार-804407

क्रमशः....

15. श्री सीताराम वैदिक
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड,
कोलकाता-700035
पश्चिम बंगाल

16. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
मालीघाट, मुजफ्फरपुर,
बिहार-842001

17. कालियाचक विक्रम किशोर
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
ग्राम-कालियाचक, पो. हरिया
जिला-पूर्वमेदिनीपुर,
पश्चिम बंगाल-721430

18. रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी
उत्तर प्रदेश-221003

19. अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
मदुरान्तकम्,
चेन्नई (तमिलनाडु)

20. श्री राम सुन्दर संस्कृत विश्वा विद्या प्रतिष्ठान,
लक्ष्मी नाथ नगर, रामाउली-सैलोन,
वाया-बेहार, जिला-दरभंगा, बिहार-847201

21. राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, नम्बोल,
मणीपुर-795134

शोध संस्थान

22. वैदिक संशोधन मंडल,
तिलक विद्यापीठ,
गुलटेकड़ी,
पुणे-400037

23. पूर्णप्रज्ञा संशोधन मंदिरम,
काठीगुप्पा मेन रोड, बंगलोर,
कर्नाटक-560028

24. संस्कृत अकादमी
(शोध संस्थान)
ओसमानिया यूनिवर्सिटी,
हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश

25. चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन शोध संस्थान
वेलियानाद, एरनाकुलम् (केरल)

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

31 मार्च 2012 को समाप्त वर्ष के लिए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के लेखों पर भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की पृथक् लेखा-रिपोर्ट

1. हमने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (रा.स.स.) के 31 मार्च, 2012 के संलग्न तुलनपत्र और 31 मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखों/प्राप्ति एवं भुगतान लेखों की लेखा-परीक्षा, नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कार्य, शक्तियाँ व सेवा शर्तें) अधिनियम की धारा 20 (1) के अन्तर्गत सम्पन्न की हैं। लेखा-परीक्षा 2012-13 तक की अवधि के लिए सौंपी गई हैं। ये वित्तीय विवरण संस्थान के कार्यकर्ताओं का उत्तरदायित्व है। इन वित्तीय विवरणों में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के दस एककों के लेखे सम्मिलित हैं। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षा के आधार पर मूल्यांकन प्रकट करना है।

2. इस पृथक् लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (सी.ए.जी.) की टिप्पणी केवल लेखा-विवेचन पर है जो श्रेष्ठ लेखा रीतियों, लेखा-मानकों एवं प्रकटन मानदंडों आदि सहित वर्गीकरण समनुरूपता से सम्बद्ध हैं। विधि, नियम तथा विनियम (उपयुक्तता और नियमितता) के अनुपालन से संबधित वित्तीय लेन-देन तथा कार्यक्षमता-सह-निष्पादन पहलुओं आदि पर लेखा-परीक्षा टिप्पणी कोई हो, निरीक्षण रिपोर्टों/सी.ए.जी. की लेखा-परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक् रूप से सूचित की जाती है।

3. हमने अपनी लेखा-परीक्षा सामान्यत: भारत में स्वीकृत लेखा-परीक्षा मानकों के अनुरूप सम्पन्न की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के आर्थिक, अयथार्थ विवरणों से मुक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए हम लेखा-परीक्षा आयोजित एवं सम्पन्न करें। लेखा-परीक्षा के वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन समर्थक साक्ष्यों की नमूना आधार पर जांच शामिल है। प्रयुक्त लेखा-सिद्धान्तों तथा प्रबन्धन द्वारा किए गए महत्त्वपूर्ण प्राक्कलनों और वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन भी लेखा-परीक्षा में अन्तर्विष्ट है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा-परीक्षा हमारे विचार को उचित आधार प्रदान करती है।

4. हमारी लेखा-परीक्षा के आधार पर हम सूचित करते हैं कि:-

   (i) हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार हमने लेखा-परीक्षा के लिए आवश्यक समस्त सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

   (ii) इस प्रतिवेदन के तुलन-पत्र, आय एवं व्यय लेखे/प्राप्ति एवं भुगतान लेखे भारत सरकार वित्त मन्त्रालय द्वारा निर्धारित फार्मेट में तैयार **नहीं** किए गए हैं।

   (iii) हमारा विचार है कि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने उचित लेखा बहियों तथा अन्य सम्बद्ध रिकार्डों का अनुरक्षण किया है। हमारे द्वारा अब तक परीक्षित ऐसी बहियों से यहीं प्रकट होता है।

   (iv) हम आगे सूचित करते हैं कि:-

क. तुलन-पत्र

क.1 स्थायी परिसम्पत्तियाँ

क.1.1 स्थायी परिसम्पत्तियों में न्यूनोक्ति

(i) रु. 2.22 करोड़ मूल्य की पुस्तकालय पुस्तकों पर मूल्य-ह्रास नहीं लगाया गया है परिणाम स्वरूप परिसम्पतियों को अधिक करके एवं रु 1.33 करोड़ (2.22 करोड़ का 60%) व्यय को कम करके दर्शाया गया है।

क्रमश:....

क.1.2 निवेश (सामान्य भविष्य निधि)

वित्त मंत्रालय, भारत सरकार की अधिसूचना सं. - 5/88/2006 - ई.पी.आर., दिनांकित 14.8.08 ने भविष्य निधि का निवेश करने के लिये निर्धारित स्वरूप नियत किया है। तथापि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भविष्य निधि का सम्पूर्ण धन रूपये 17.29 करोड़ केवल बैंक में सावधि जमा के रूप में जमा किया है।

ख. सामान्य

ख.1 संस्थान के सामान्य भविष्य निधि खातों की समीक्षा से निम्लनिलिखत कमियों का पता चला।

रूपये 63,21,871 का भुगतान मुख्य खाते से सामान्य भविष्य निधि अंशदान के ब्याज के रूप में किया गया किन्तु सामान्य भविष्य निधि के समेकित तुलन पत्र में प्राप्तियों एवं भुगतान लेखे में रु 52,04,728 मुख्य खाते में स्थानांतरित किया गया है। रु. 11,17,143 के अन्तर का लेखा समाधान आवश्यक है।

सामान्य भविष्य निधि के तुलन पत्र में मूलधननिधि को योगदानकर्त्ताओं के प्रति कुल देनदारियों के आधार पर मूल विवरण के अनुसार नहीं बनाया गया है अर्थात् योगदानकर्त्ताओं से प्राप्त कुल योगदान, योगदान कर्त्ताओं को देय/प्रदत्त ब्याज, अग्रिम एवं निकासी का समायोजन, इत्यादि। इसके स्थान पर निवेश तथा बैंक शेष को मूलधन निधि के रूप में लिया गया है। इसलिए सामान्य भविष्यनिधि के खाते में अधिशेष घटा सामान्य भविष्यनिधि के खाते पर योगदानकर्ता की ओर कुल देयता लेखा-परीक्षा में सत्यापित नहीं किया जा सकता है।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुम्बई परिसर में रूपये 11.99 लाख (अनन्तिम राशि) का गबन वर्ष 2008-2009 में हुआ, जिसमें से रूपये 6.28 लाख की राशि आशंकित खाते में दर्शाइ गई है। तुलन पत्र में सामान्य भविष्य निधि से सम्बन्धित रूपये 5.71 लाख की राशि को हिसाब में सम्मिलित नहीं किया गया है। वर्ष 2009-10 के दौरान रूपये 1 लाख की वसूली हुई जो कि लेखे में दर्शायी गई। वर्ष 2010-11 एवं 2011-12 में कोई भी वसूली नही हुई। मामले की वर्तमान स्थिति को लेखों पर आख्या में प्रकट नहीं किया गया है।

ख.2 नई पेंशन योजना की प्राप्तियों एवं भुगतान लेखे में अंशदान में संस्थान का हिस्सा रु. 31,08,332 दर्शाया गया है जबकि मुख्य लेखे के प्राप्ति एवं भुगतान लेखे में आय-व्यय खाते में रु. 38,06,915 दर्शाया गया है। रु. 6,98,583 के अन्तर का लेखा समाधान आवश्यक है।

ख.3 नई पेंशन योजना के प्राप्ति एवं भुगतान लेखे में आरम्भिक रोकड़ बकाया रु. 18,27,618 दर्शाया गया है जबकि पूर्व वर्ष में अन्तिम रोकड़ बकाया रु. 16,82,213 है। रु. 1,45,405 के अन्तर का लेखा समाधान आवश्यक है।

जैसा कि प्राप्तियाँ एवं भुगतान लेखे में अन्तिम रोकड़ बकाया रु. 18,29,485 दर्शाया गया है जबकि पूर्व के तुलन पत्र में अन्तिम रोकड़ बकाया रु. 16,84,080 दर्शाया गया है। रु. 1,45,405 के अन्तर का लेखा समाधान आवश्यक है।

ख.4 आय एवं व्यय लेखें में रु. 108 करोड़ अनुदान राशि रु. 8.27 करोड़ कैपिटल अनुदान के साथ दर्शाया गया है। जिसके परिणामस्वरूप अनुदान की अत्युक्ति आय एवं व्यय लेखे में है।

ग. सहायता अनुदान

वर्ष 2011-12, में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय से कुल रु. 108.00 करोड़ (योजना रु. 53.50 करोड़, योजनेत्तर रु. 49.00 करोड़ तथा उत्तरपूर्वी राज्यों रुपये 5.50 करोड़) का अनुदान प्राप्त किया जिसमें से रु. 12.94 करोड़ (योजना रु. 4.00 करोड़ और योजनेत्तर रु.

8.94 करोड़) मार्च 2012 में प्राप्त किये गये। संस्थान द्वारा पूर्व वर्ष का रु. 4.28 करोड़ (योजना रु. 2. 63 करोड़ तथा योजनेत्तर रु. 1.65 करोड़) अव्ययित शेष था। संस्थान ने रु. 2.64 करोड़ (योजना रु. 0. 60 करोड़ और योजनेत्तर रु. 2.04 करोड़) की आय अपने स्त्रोतों से अर्जित की। इन्होंने रु. 106.70 करोड़ (योजना रु. 56.46 करोड़ तथा योजनेत्तर रु. 50.24 करोड़) का उपयोग कर रु. 8.22 करोड़ (योजना रु. 5.77 करोड़ तथा योजनेत्तर रु. 2.45 करोड़) अपव्ययित शेष रहा।

घ. प्रबन्धन पत्र

उपचारी/सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक् प्रबन्धन-पत्र जारी किया गया। उसमें उन कमियों की सूचना कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को दी गई जिन्हें लेखा-परीक्षा रिपोर्ट में सम्मिलित नहीं किया गया है।

(v) पूर्ववर्ती पैराग्राफों की हमारी टिप्पणी के अधीन, हम सूचित करते हैं कि रिपोर्ट से सम्बन्धित तुलन-पत्र और आय-व्यय एवं लेखा/प्राप्ति एवं भुगतान लेखा की लेखा बहियों से अनुरूपता है।

(vi) हमारे विचार में तथा हमें उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार उक्त वित्तीय विवरण, लेखंकन नीतियों और खातों पर टिप्पणी के साथ मिलकर करें। उपर्युक्त महत्त्वपूर्ण मामलों एवं प्रस्तुत लेखा-परीक्षा रिपोर्ट के संलग्नक में उल्लिखित अन्य मामलों के अधीन, भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धान्तों के समनुरूप सत्य एवं स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

(अ) जहाँ तक यह 31 मार्च 2012 के अनुसार राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कार्यकलापों के तुलनपत्र से सम्बद्ध है; एवं

(ब) जहां तक यह उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए अधिशेष के आय-व्यय लेखे से संबद्ध है।

कृते एवं की ओर से

स्थान - नई दिल्ली
दिनांक - 27-11-2012

ह०
महानिदेशक लेखा-परीक्षा
केन्द्रीय व्यय

नोट: 'प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'

लेखा-परीक्षा रिपोर्ट का संलग्नक

1. आन्तरिक लेखा-परीक्षा की पर्याप्तता

आन्तरिक लेखा परीक्षा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान मुख्यालय एवं परिसरों में से गठित कर्मचारियों द्वारा किया गया।

वर्ष 2011-12 के दौरान 10 परिसरों में से 9 परिसरों का लेखा-परीक्षण किया गया।

आपत्तियों के निस्तारण हेतु उचित कदम नहीं उठाये गए।

2. आन्तरिक नियन्त्रण-प्रणाली की पर्याप्तता

नियन्त्रण वातावरण

वित्त अधिकारी का आवश्यक पद 2002 से रिक्त है।

अनुवीक्षण

लेखा-परीक्षा की आपत्तियों के प्रति प्रबन्धन की अनुक्रिया प्रभावकारी न होने से वर्ष 2000-01 से 2010-11 तक की अवधि के 28 पैराग्राफ बकाया है।

3. परिसम्पत्तियों के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

स्थायी परिसम्पत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन सितम्बर, 2010 में किया गया।

4. सामान-सूची के प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रणाली

पुस्तकों एवं प्रकाशनो का प्रत्यक्ष सत्यापन की प्रक्रिया जारी है एवं लेखन तथा उपभोज्य सामग्रियों का सत्यापन सितम्बर, 2010 के बाद नही किया गया।

5. सांविधिक देय राशि के भुगतान की नियमितता

31-3-2012 को उपलब्ध लेखा के अनुसार सांविधिक देय से सम्बन्धित कोई भी भुगतान छः महीने से अधिक समय तक बकाया नहीं था।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2012 का समेकित तुलन पत्र

राशि रुपयों में

समग्र/पूंजी निधि एवं देनदारियाँ	मुख्य खाता	सा.भ.नि.खाता	न.पें.यो. खाता	दूरस्थ खाता	विद्यार्थी निधि	वि.सं.सम्मेलन	योग
1. समग्र/पूंजी निधि	962302790.00						962302790.00
2. चिन्हित/अक्षय निधि (दान)	821717.00						821717.00
3. वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	2442443.00						2442443.00
4. सामान्य भविष्य निधि देयता	210885965.00	210885965.00					421771930.00
5. मुम्बई परिसरीय-देयता	100000.00						100000.00
6. नई पेंशन योजना	13968059.00		13968059.00				27936118.00
7. विद्यार्थी निधि					4217838.00		4217838.00
8. अक्षय निधि-गुरुवायुर	173334.00						173334.00
9. विश्व संस्कृत सम्मेलन						12527.00	12527.00
10. दूरस्थ शिक्षा				620149.00			620149.00
11. सावधि जमा भविष्य निधि	27000000.00						27000000.00
योग	**1217694308.00**	**210885965.00**	**13968059.00**	**620149.00**	**4217838.00**	**12527.00**	**1447398846.00**
परिसम्पतियाँ							
1. सावधि परिसम्पतियाँ	415844651.00						415844651.00
2. जमा/अक्षय निधि/निवेश	712326.00						712326.00
3. चालू परिसम्पतियाँ, ऋण, अग्रिम आदि	9072094.00						9072094.00
4. अन्तिम शेष							0.00
ए. हाथ में रोकड़	337671.00			10266.00		12527.00	360464.00
वी. बैंक में रोकड़	81854473.00						81854473.00
सी. वि.वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति)	84400.00						84400.00
डी. दूरस्थ (इंडियन ओवरसीज बैंक)				609883.00			609883.00
ई. विश्व संस्कृत सम्मेलन (इंडियन ओवरसीज बैंक)							0.00
5. आशंकित लेखा	569000.00						569000.00
6. नकद	59122.00						59122.00
7. निर्माण कार्य प्रगति पर	433445900.00						433445900.00
8. सा.भ.नि. देयता	210885965.00	210885965.00					421771930.00
9. नई पेंशन योजना	13968059.00		13968059.00				27936118.00
10. विद्यार्थी निधि					4217838.00		4217838.00
11. अक्षय निधि-गुरुवायुर	173033.00						173033.00
12. सावधि जमा (भविष्य निधि/सामान्य)	50500000.00						50500000.00
13. सुरक्षा जमा (बी.एस.ई.एस.)	174065.00						174065.00
14. अन्य मद	13549.00						13549.00
योग	**1217694308.00**	**210885965.00**	**13968059.00**	**620149.00**	**4217838.00**	**12527.00**	**1447398846.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2012 तक समेकित आय एवं व्यय का लेखा

राशि रुपयों में

	आय	मुख्य खाता	सा.भ.नि. खाता	योग
i.	अनुदान	1080000000.00	0.00	1080000000.00
ii.	निवेश से आय			
	ए. अक्षय निधि पर ब्याज (दान)			
	बी. सावधि जमा पर ब्याज		13671840.00	13671840.00
iii.	अर्जित ब्याज			
	ए. बचत खाता पर	5094966.00	2104874.00	7199840.00
	बी. ऋण/अग्रिम (कर्मचारी) पर	93974.00		93974.00
iv.	अन्य आय			
	ए. प्रकाशनों का विक्रय	3219132.00	0.00	3219132.00
	बी. प.पा. प्राप्ति	722957.00	0.00	722957.00
	सी. परीक्षा प्राप्ति	4025683.00	0.00	4025683.00
	डी. पू.शि.शा. परीक्षा प्राप्ति	2158940.00	0.00	2158940.00
	ई. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	1143583.00	0.00	1143583.00
	एफ. ज्ञान दर्शन	545373.00	0.00	545373.00
	जी. अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान	458546.00	0.00	458546.00
	एच. पुस्तकालय	1689.00	0.00	1689.00
	आई. के.लो.नि. विभाग से वापसी (चैकों का निरस्तीकरण)	497529.00	0.00	497529.00
v.	अन्य विविध-प्राप्तियाँ	7084209.00	0.00	7084209.00
	योग	**1105046581.00**	**15776714.00**	**1120823295.00**
	व्यय			
1.	स्थापना व्यय	356174330.00	0.00	356174330.00
2.	अन्य प्रशासनिक व्यय	169179583.00	0.00	169179583.00
3.	विविध-परियोजनाओं/योजनाओं के लिए भुगतान			
	ए. योजनाएँ/परियोजनाएँ	391965980.00	0.00	391965980.00
4.	बैंक प्रभार		0.00	0.00
5.	सा.भ.निधि लेखा पर प्रदत्त ब्याज		5204728.00	5204728.00
6.	मूल्य ह्रास	25565429.00	0.00	25565429.00
	योग (बी)	**942885322.00**	**5204728.00**	**948090050.00**
अधिक आय पर अधिक व्यय शेष (ए-बी)		**162161259.00**	**10571986.00**	**172733245.00**
अधिक व्यय पर अधिक आय शेष (ए-बी)				
शेष अधिशेष/समग्र/पूंजी निधि घाटा		**162161259.00**	**10571986.00**	**172733245.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2012 की समेकित प्राप्तियों एवं भुगतान का विवरण

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	मुख्य खाता	सा.भ.नि.खाता	न.पें.यो.खाता	दूरस्थ	विद्यार्थी निधि	वि.सं.सम्मेलन	योग	भुगतान	मुख्य खाता	सा.भ.नि.खाता	न.पें.यो.खाता	दूरस्थ	विद्यार्थी निधि	वि.सं.सम्मेलन	योग
i. पूर्व बकाया								1. **व्यय**							
a) हाथ में रोकड़	294137.00						294137.00	a. स्थापना व्यय	356174330.00						356174330.00
b) बैंक में शेष							0.00	b. प्रशासनिक व्यय	169179583.00			1968237.00			171147820.00
i) बचत खाता	42511570.00	15713893.00	1827618.00	277227.00	4217838.00		64548146.00	**ii. विभिन्न परियोजनायें/योजनाओं**							
c) वि.वि.अ.आ. की छात्रवृत्ति	243196.00						243196.00	**के लिये भुगतान**							
ii. अनुदान प्राप्त								a. योजनायें/परियोजनायें	371752415.00			3767000.00		30317516.00	405836931.00
a. भारत सरकार से प्राप्त	1048672778.00			5000000.00		26327222.00	1080000000.00	b. परिसरों को निर्गत अनुदान							0.00
b. वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति)	5981563.00						5981563.00	**iii. सावधि परिसम्पतियों पर व्यय एवं**							
iii. निवेश पर ब्याज								**पूंजीगत कार्य प्रगति पर**							
a. अक्षय निधि-(दान)	61939.00						61939.00	a. सावधि परिसम्पतियों का क्रय	34064392.00						34064392.00
b. सावधि जमा	9924309.00	13671840.00	413302.00				24009451.00	b. सावधि परिसम्पतियों का क्रय	85048579.00						85048579.00
iv. अर्जित ब्याज								**iv. अन्य भुगतान**							
a. बचत खाते पर	5094966.00	2104874.00	73004.00				7272844.00	a. प्रेषित राशि	93287941.00						93287941.00
b. ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी) पर	93974.00						93974.00	b. वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति)							0.00
c. सा.भ.नि. पर निवेश							0.00	c. सा.भ.नि. अग्रिम		9670495.00					9670495.00
d. नई पेंशन योजना			757877.00				757877.00	d. सा.भ.नि. निकासी		24858485.00					24858485.00
v. अन्य आय								e. सा.भ.नि./न.पें.यो. शेष अन्य परिसरों में स्थानांतरित		24436234.00	12535.00				24448769.00
a. छुट्टी वेतन* एवं पेंशन अंशदान (यदि कोई हो)	458546.00						458546.00	f. न.पें.यो. निधि खाता			3981143.00				3981143.00
b. प्रकाशनों की बिक्री								f. सावधि जमा पुननिवेश/क्रय	51154226.00	60179412.00	5376119.00				116709757.00
b.1 मंत्रालय	1296103.00						1296103.00	g. ब्याज अदायगी							0.00
b. 2 संस्थान	1923029.00						1923029.00	h. बैंक प्रभार		6578.00	1755.00				8333.00
c. बिक्री/नीलामी की प्रक्रिया							0.00	i. ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी)	16488106.00						16488106.00
d. प.पा. से प्राप्ति	722957.00						722957.00	j. सा.भ.नि./न.पें.यो. ब्याज का मुख्य खाते में स्थानांतरित		345955.00	49529.00				395484.00
e. परीक्षा से प्राप्ति	4025683.00						4025683.00	**v. अन्तिम शेष**							
f. पू.शि.शा. परीक्षा	2158940.00						2158940.00	a. हाथ में नकद	337671.00						337671.00
g. ज्ञान दर्शन	545373.00						545373.00	b. बैंक में नगद	81854473.00	24703011.00	1829485.00	609883.00	4217838.00	12527.00	113227217.00
h. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	1143583.00						1143583.00	i.) स्टेट बैंक ऑफ इंडिया							0.00
i. अन्य स्रोतों से प्राप्ति							0.00	ii.) अन्य (वि.स.स.)							0.00
j. वि.सं.सम्मेलन						4002821.00	4002821.00	iii.) अन्य (दूरस्थ)				10266.00			10266.00
vi. अन्य प्राप्तियाँ								iv.) वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्र वृत्ति)	84400.00						84400.00
a. प्रेषित राशि	92950714.00						92950714.00								
b. वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति)							0.00								
c. इंदिरा गांधी स्नाकोत्तर छात्रवृत्ति							0.00								
d. वापसी (ऋण एवं अग्रिम) कर्मचारी	15694621.00	8144974.00					23839595.00								
e. दान (यदि कोई हो)							0.00								
f. सामान्य भविष्यनिधि पर अंशदान		33219663.00					33219663.00								
i. पुस्तकालय पुस्तकें	1689.00						1689.00								
ii. अन्य परिसरों को स्थानांतरित राशि		20045935.00					20045935.00								
iii. सावधि जमा योजना		46094263.00	1385836.00				47480099.00								
g. डायेक सोसायटी							0.00								
h. बयाना राशि व सुरक्षा जमा							0.00								
i. अन्य विविध प्राप्तियाँ	7084209.00			1078159.00			8162368.00								
j. सावधि जमा (अक्षय निधि)	17766891.00						17766891.00								
k. निरस्त चैक (के.लो.नि.वि.)	775346.00						775346.00								
l. नई पेंशन योजना पर अंशदान															
i. सरकारी			3108332.00				3108332.00								
ii.कर्मचारी			3684597.00				3684597.00								
vii. मुख्य खाते सा.भ.नि. पर ब्याज स्थानांतरण		5204728.00					5204728.00								
	1259426116.00	**144200170.00**	**11250566.00**	**6355386.00**	**4217838.00**	**30330043.00**	**1455780119.00**		**1259426116.00**	**144200170.00**	**11250566.00**	**6355386.00**	**4217838.00**	**30330043.00**	**1455780119.00**

* अवकाश वेतन एवं पेंशन योगदान तथा पूर्व शिक्षा शास्त्री परीक्षा

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
31 मार्च 2012 की प्राप्तियां एवं भुगतान का विवरण

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	भुगतान	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. पूर्व बकाया				**1. व्यय**			
a) हाथ में रोकड़		294137.00	328976.00	ए. स्थापना व्यय	(2)	356174330.00	324009760.00
b) बैंक में शेष				बी. प्रशासनिक व्यय	(2)	169179583.00	103686829.00
i) बचत खाता		42511570.00	26498983.00	**ii. विभिन्न परियोजनाओं/योजनाओं**			
c) वि.अ.आ. की छात्रवृत्ति		243196.00	214790.00	**के लिए भुगतान**			
ii) अनुदान प्राप्ति				ए. योजनायें/परियोजनाओं	(2)	403079637.00	395343313.00
a. भारत सरकार से		1080000000.00	884800000.00	बी. परिसरों के लिये निर्गत अनुदान			
b) वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्र वृत्ति)		5981563.00		**iii. सावधि परिसम्पतियों एवं पूंजी कार्य**			
iii. निवेश पर ब्याज				**के प्रगति पर व्यय**			
a) अक्षय निधि (दान)	(1)	61939.00	14697.00	a. सावधि-परिसम्पतियों का क्रय	(2)	34064392.00	13118070.00
b) सावधि जमा		9924309.00		b. पूंजी कार्य के प्रगति पर व्यय	(2)	85048579.00	62871432.00
iv. ब्याज की प्राप्ति				**iv. अन्य भुगतान**			
a) बचत खाता पर	(1)	5094966.00		a. प्रेषित राशि	(2)	93287941.00	78746308.00
b) ऋण/बकाया (कर्मचारी) पर	(1)	93974.00		b. वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्र वृत्ति)			243196.00
c) सा.भ.नि. के निवेश पर				c. सा.भा.नि. अग्रिम/निकासी			
d) नई पेंशन योजना पर				d. अन्य परिसरों को सा.भ.नि. शेष स्थानांतरण			
v. अन्य आय				e. न.पें.यो. निधि खाता			
a) छुट्टी वेतन एवं पेंशन अंशदान (यदि कोई हो)	(1)	458546.00	805201.00	j. सा.ज. योजना पुनः निवेशित/क्रय	(2)	51154226.00	154226.00
b) प्रकाशनों की बिक्री				g. ब्याज भुगतान			
b.1 मंत्रालय	(1)	1296103.00	477973.00	h. बैंक प्रभार			
b. 2संस्थान	(1)	1923029.00	1937392.00	i. ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी)	(2)	16488106.00	15071530.00
सी) बिक्री/निलामी की प्रक्रिया				j.सा.भ.नि. ब्याज का मुख्य लेखा में स्थानान्तरंण			
डी) प.पा. प्राप्ति	(1)	722957.00	192628.00	**v. अन्तिम शेष**			
ई) परीक्षा प्राप्ति	(1)	4025683.00	3132715.00	a. हाथ में रोकड़	(2)	337671.00	294137.00
एफ) पू.शि.शा.प.*	(1)	2158940.00	3233805.00	b. बैंक में नगद	(2)	81854473.00	42511570.00
जी) ज्ञान दर्शन	(1)	545373.00	241761.00	i)स्टेट बैंक ऑफ इंडिया			0.00
एच) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	(1)	1143583.00	1102744.00	ii) अन्य (वि.सं. सम्मेलन)			0.00
आई) अन्य स्रोतों से आय			0.00	iii) अन्य (दूरस्थ)			0.00
जे) वि.सं.सं.			0.00	iv) वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्र वृत्ति)	(2)	84400.00	0.00
vi. अन्य प्राप्तियाँ							
ए) प्रेषित राशि	(1)	92950714.00	79267548.00				
बी) वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्र वृत्ति)			2002949.00				
सी) इं.गाँ. स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति							
डी) वापसी (ऋण/अग्रिम कर्मचारियों से)	(1)	15694621.00	15292883.00				
ई) दान (यदि कोई हो)							
एम) सा.भ.नि. अंशदान							
आई) पुस्तकालय पुस्तके	(1)	1689.00					

क्रमश.....

ii) अन्य परिसरों में स्थानान्तरित										
				2019177.00						
g. डोएक सोसाइटी				45401.00						
h. बयाना राशि एवं सुरक्षा जमा										
i. अन्य विविध-प्राप्तियाँ		(1)	7084209.00	14262578.00						
j. सावधि जमा योजना (अक्षय निधि)		(1)	17766891.00	168170.00						
k. निरस्त चैक (के.लो.नि.वि.)		(1)	775346.00							
l.नई पेंशन योजना में योगदान										
i. सरकारी										
ii. कर्मचारी										
vii. गबन राशि की वापसी				0.00						
		योग	**1290753338.00**	**1036040371.00**				**योग**	**1290753338.00**	**1036050371.00**

*** अवकाश वेतन एवं पेंशन योगदान तथा पूर्व शिक्षा शास्त्रि परीक्षा**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2012 की आय एवं व्यय का विवरण

राशि रुपयों में

	आय	अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
i. अनुदान/सहायता			1080000000.00	884800000.00
ii. निवेश पर आय				
	ए. अक्षय निधि पर ब्याज (दान)			0.00
	बी. सावधि जमा पर ब्याज	**(1A)**	0.00	0.00
	सी. उपार्जित ब्याज			0.00
iii. अर्जित ब्याज				
	ए. बजत खाता पर	**(1A)**	5094966.00	0.00
	बी. ऋण/अग्रिम (कर्मचारी)	**(1A)**	93974.00	0.00
iv. अन्य आय				
	ए. प्रकाशनों की बिक्री	**(1A)**	3219132.00	2415365.00
	बी. प.पा. प्राप्ति	**(1A)**	722957.00	192628.00
	सी. परीक्षा प्राप्ति	**(1A)**	4025683.00	3132715.00
	डी. पू.शि.शा.प.	**(1A)**	2158940.00	3233805.00
	ई. विक्रय/निलामी की प्रक्रिया		0.00	0.00
	एफ. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	**(1A)**	1143583.00	1102744.00
	जी. ज्ञान-दर्शन	**(1A)**	545373.00	241761.00
	एच. डोएक सोसाइटी		0.00	45401.00
	आई. छुट्टी वेतन एवं पेंशन अंशदान	**(1A)**	458546.00	805201.00
	जे. सा.भ.नि. के ब्याज का मुख्य लेखे में स्थानान्तरण		0.00	2019177.00
	के. अन्य स्त्रोतों से आय		0.00	0.00
	एल. पुस्तकालय	**(1A)**	1689.00	0.00
	एम. दूरस्थ शिक्षा		0.00	0.00
	एन. विश्व संस्कृत सम्मेलन		0.00	0.00
	ओ. के.लो.नि.वि. से वापसी (चैकों का निरस्तीकरण)	**(1A)**	497529.00	0.00
v. अन्य विविध-प्राप्तियां		**(1A)**	7084209.00	14262578.00
	योग		**1105046581.00**	**912251375.00**
	व्यय			
1. स्थापना व्यय		**(2A)**	356174330.00	324009760.00
2. अन्य प्रशासकीय व्यय		**(2A)**	169179583.00	103686829.00
3. विविध-परियोजनाओं/योजनाओं के लिए भुगतान				
	a. योजनायें/परियोजनाओं	**(2A)**	391965980.00	385789277.00
	b. परिसरों के लिये निर्गत अनुदान		0.00	0.00

क्रमश.....

4. बैंक प्रभार								0.00	0.00
5. सा.भ.नि. लेखो पर प्रदत्त ब्याज								0.00	0.00
6. मूल्य ह्रास							(3)	25565429.00	21903814.00
						योग (बी)		**942885322.00**	**835389680.00**
अधिक आय पर अधिक व्यय शेष (ए-बी)								**162161259.00**	**76861695.00**
अधिक व्यय पर अधिक आय शेष (ए-बी)									
शेष अधिशेष/समग्र/पूंजी निधि घाटा								**162161259.00**	**76861695.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31 मार्च 2012 का तुलन पत्र

राशि रुपयों में

समग्र/पूंजी निधि एवं देनदारियाँ		अनुसूची	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1. समग्र/पूंजी निधि		(4)	962302790.00	803640169.00
2. विहित/अक्षय निधि-(दान)		(5)	821717.00	509778.00
3. वर्तमान देयताएँ/प्रावधान		(6)	2442443.00	7436440.00
4. सा.भ.नि. देयता			210885965.00	187014167.00
5. मुम्बई परिसरीय देयता			100000.00	100000.00
6. नई पेंशन योजना			13968059.00	9975909.00
7. विद्यार्थी निधि				3222815.00
8. अक्षय निधि-गुरुवायूर			173334.00	173334.00
9. सावधि जमा (भविष्य निधि)		(7)	27000000.00	17075691.00
योग			**1217694308.00**	**1029148303.00**
परिसम्पतियाँ				
1. सावधि-परिसम्पतियाँ		(3)	415844651.00	383583820.00
2. जमा/अक्षय निधि/निवेश		(8)	712326.00	499300.00
3. चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि		(9)	9072094.00	8278609.00
4. अन्तिम शेष				
	ए. हाथ में रोकड़		337671.00	294137.00
	बी. बैंक में रोकड़		81854473.00	42511570.00
	सी. वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति)		84400.00	243196.00
	डी. दूरस्थ (इंडियन ओवरसीज बैंक)			0.00
	ई. विश्व संस्कृत सम्मेलन (इंडियन ओवरसीज बैंक)			0.00
5. आशंकित लेखा			569000.00	569000.00
6. नकद			59122.00	59122.00
7. निर्माण कार्य प्रगति पर		(4A)	433445900.00	375460320.00
8. सा.भ.नि. देयता			210885965.00	187014167.00
9. नई पेंशन योजना			13968059.00	9975909.00
10. विद्यार्थी योजना				3222815.00
11. अक्षय निधि-गुरुवायुर			173033.00	173033.00
12. सावधि-जमा (सा.भ.नि./सामान्य)		(7)	50500000.00	17075691.00
13. सुरक्षा जमा (बी.एस.ई.एस.)			174065.00	174065.00
14. अन्य मद			13549.00	13549.00
योग			**1217694308.00**	**1029148303.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

वर्ष 2011-12 की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा अनुसूची

प्राप्तियाँ — चालू वर्ष — अनुसूची (1)

क्र.सं.		योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1.	**विविध प्राप्तियाँ**				
	प.पा. प्राप्ति	0.00	722957.00	722957.00	192628.00
	परीक्षा प्राप्ति	0.00	4025683.00	4025683.00	3132715.00
	अन्य विविध प्राप्ति	785314.00	6298895.00	7084209.00	14262578.00
	ऋण/अग्रिम पर ब्याज (कर्मचारी)	2100.00	91874.00	93974.00	0.00
	पू.शि.शा.प. प्राप्ति	0.00	2158940.00	2158940.00	3233805.00
	संस्थान प्रकाशन	33901.00	1889128.00	1923029.00	1937392.00
	मन्त्रालय प्रकाशन	1148882.00	147221.00	1296103.00	477973.00
	अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान	314160.00	144386.00	458546.00	805201.00
	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	1143583.00	0.00	1143583.00	1102744.00
	ज्ञान दर्शन/संस्कृत नेट	545373.00	0.00	545373.00	241761.00
	पुस्तकालय		1689.00	1689.00	0.00
	सावधि जमा पर ब्याज		9924309.00	9924309.00	0.00
	अन्य स्त्रोतों से आय			0.00	0.00
	डोएक सोसाइटी		0.00	0.00	45401.00
	बचत खाते पर ब्याज	1369628.00	3725338.00	5094966.00	2019177.00
	विश्व संस्कृत सम्मेलन			0.00	4863.00
	चैक निरस्त (के.लो.नि.वि.)	775346.00		775346.00	0.00
	दूरस्थ शिक्षा			0.00	1033966.00
	कुल	**6118287.00**	**29130420.00**	**35248707.00**	**28490204.00**
	अक्षय निधि				
	सावधि जमा पर ब्याज (दुबे पुरुस्कार)	0.00	418.00	418.00	0.00
	सावधि जमा पर ब्याज (जिन्दल ट्रस्ट)	0.00	10341.00	10341.00	0.00
	सावधि जमा पर ब्याज (सोम्मया ट्रस्ट)	0.00	51180.00	51180.00	14125.00
	सावधि जमा पर ब्याज (शुक्ला पुरुस्कार)	0.00	0.00	0.00	572.00
	योग	**0.00**	**61939.00**	**61939.00**	**14697.00**
2.	**प्रेषित राशि**				
	आयकर	5043020.00	18794632.00	23837652.00	17957111.00
	सामान्य भविष्य निधि	4807760.00	39746726.00	44554486.00	38391743.00
	नई पेंशन योजना	1299356.00	2017079.00	3316435.00	6658971.00
	सामूहिक बीमा योजना	221681.00	649951.00	871632.00	661016.00
	सामूहिक बीमा योजना (किश्त)	0.00	424236.00	424236.00	2112463.00
	अन्य विभागों को प्रेषित राशि	2740421.00	13235200.00	15975621.00	12159749.00
	जीवन बीमा निगम (वेतन योजना)	9129.00	2068282.00	2077411.00	540964.00

क्रमश.....

अनुसूची (1)

	मियादी जमा (डाकघर)	0.00	0.00	0.00	130500.00
	टी.डी.एस.	29933.00	1068351.00	1098284.00	354198.00
	छात्रकोश		121800.00	121800.00	98000.00
	सुरक्षा राशि की वापसी			0.00	0.00
	जीवन बीमा निगम			0.00	0.00
	डाक जीवन बीमा	0.00	311203.00	311203.00	134033.00
	अर्जित राशि एवं जमा	14600.00	273454.00	288054.00	68800.00
	जीवन बीमा निगम (किस्त)			0.00	0.00
	अंशदायी भविष्य निधि			0.00	0.00
	वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति)	0.00	0.00	0.00	0.00
	व्यावसायिक कर			0.00	0.00
	पुस्तकालय जमानती राशि		73900.00	73900.00	0.00
	योग	**14165900.00**	**78784814.00**	**92950714.00**	**79267548.00**
3.	**सावधि जमा**				
	सावधि-जमा क्रय (जी.पी.)		17075691.00	17075691.00	0.00
	सावधि-जमा (जिन्दल ट्रस्ट)		148226.00	148226.00	161628.00
	सावधि-जमा (दुबे पुरुस्कार)		6000.00	6000.00	6542.00
	सावधि-जमा (सोम्मया ट्रस्ट)		286974.00	286974.00	0.00
	सावधि-जमा (राम करण शर्मा)		250000.00	250000.00	0.00
	योग	**0.00**	**17766891.00**	**17766891.00**	**168170.00**
4.	**अग्रिम लेखा**				
	अवकाश यात्रा रियायत	249300.00	240800.00	490100.00	1744300.00
	यात्रा भत्ता	930000.00	4879056.00	5809056.00	4245530.00
	त्योहार	26325.00	364575.00	390900.00	406800.00
	वाहन	73450.00	1091149.00	1164599.00	1311211.00
	आकास्मिक	406600.00	6165732.00	6572332.00	6233966.00
	गृह निर्माण अग्रिम	0.00	348629.00	348629.00	551090.00
	चिकित्सा	0.00	211125.00	211125.00	190000.00
	संगणक	105440.00	602440.00	707880.00	609986.00
	दूरस्थ शिक्षा			0.00	10000.00
	परीक्षा			0.00	0.00
	योग	**1791115.00**	**13903506.00**	**15694621.00**	**15302883.00**
	कुल योग	**22075302.00**	**139647570.00**	**161722872.00**	**123243502.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

वर्ष 2011-12 की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा अनुसूची

संलग्नक ठ (क्रमश.....)

भुगतान — चालू वर्ष — अनुसूची (2)

क्र.सं.		योजना	योजनेत्तर	कुल	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1.	**स्थापना व्यय**				
	i. वेतन एवं भत्ते	68938990.00	231122283.00	300061273.0	268528414.00
	ii. सेवानिवृत्ति लाभ				
	a. पेंशन/पेंशन का परिवर्तित मूल्य	861947.00	32403666.00	33265613.0	27759692.00
	b. उपदान	0.00	7051614.00	7051614.0	8934750.00
	c. अवकाश नकदीकरण	0.00	4120873.00	4120873.0	4949384.00
	iii. अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान	79291.00	731257.00	810548.0	9391.00
	iv. सामान्य भविष्य निधि-अंशदान पर ब्याज	1193601.00	5128270.00	6321871.0	5472715.00
	v. भविष्य निधि-पर अंशदान			0.0	240764.00
	vi. नई पेंशन योजना पर संस्थान हिस्सा	1700472.00	2106443.00	3806915.0	4108062.00
	vii. नई पेंशन योजना पर कर्मचारी को ब्याज			0.0	0.00
	viii. नई पेंशन योजना निधि कोष		735623.00	735623.0	0.00
	ix. अंशदायी भविष्य निधि (परिसर)	0	0.00	0.0	0.00
	योग	**72774301.00**	**283400029.00**	**356174330.0**	**320003172.00**
2.	**प्रशासनिक व्यय**				
	किराया दर एवं कर	1838841.00	659083.00	2497924.0	2245192.00
	मरम्मत एवं रखरखाव	2185464.00	7721851.00	9907315.0	3495775.00
	डाक, टेलिफोन एवं संचार पर	269552.00	2421499.00	2691051.0	2535324.00
	यात्रा भत्ता एवं वाहन भत्ता व्यय	2795384.00	8905214.00	11700598.0	8864886.00
	विज्ञापन	158457.00	1125274.00	1283731.0	3354400.00
	स्टेशनरी एवं मुद्रण	583133.00	3443999.00	4027132.0	2170146.00
	लेखा-परीक्षण शुल्क	127370.00	391389.00	518759.0	423666.00
	जल एवं विद्युत	1105784.00	4950975.00	6056759.0	5125363.00
	विविध-आकास्मिक व्यय	4814588.00	22419853.00	27234441.0	23630801.00
	परीक्षा आकास्मिक व्यय	181775.00	11321869.00	11503644.0	6488884.00
	प.पा.अकास्मिक व्यय	27726.00	60014.00	87740.0	289146.00
	वर्दियाँ	0.00	46158.00	46158.0	35307.00
	विधिक व्यय	0.00	1318460.00	1318460.0	1284718.00
	स्टॉफ कार व्यय	293384.00	1432792.00	1726176.0	939982.00
	पूर्व शिक्षा शास्त्री परीक्षा	3520.00	713518.00	717038.0	1138659.00
	संगणक शिक्षा	2410686.00	99375.00	2510061.0	902960.00
	कार्यशाला/गोष्ठी	773215.00	2164153.00	2937368.0	415656.00
	दीक्षान्त/वार्षिक समारोह	683239.00	1639642.00	2322881.0	805108.00
	विश्व संस्कृत सम्मेलन (मुख्य रोकड़ बही)	25991621.00	142867.00	26134488.0	2493953.00
	विश्व संस्कृत सम्मेलन (सम्मेलन रोकड़ बही)			0.0	36330.00
	वसन्तोत्सव/कौमुदी महोत्सव	2152562.00	121364.00	2273926.0	1884352.00

क्रमश.....

	युवा महोत्सव	2175770.00	155360.00	2331130.00	2862356.00
	कवि भास्करी	12000.00	31899.00	43899.00	273549.00
	कवि सम्मेलन	0.00	0.00	0.00	0.00
	कन्टेंट जनरेशन	0.00	15377.00	15377.00	0.00
	दूरस्थ शिक्षा (मुख्य रोकड़ बही)	7947564.00	0.00	7947564.00	2322575.00
	दूरस्थ शिक्षा (रोकड़ बही)			0.00	856739.00
	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	21571152.00	3314.00	21574466.00	15310488.00
	एन.एम.ई.-आई.सी.टी. परियोजना	4963500.00	0.00	4963500.00	0.00
	भाषामन्दाकिनी	378571.00	0.00	378571.00	0.00
	शोध प्राविधि	0.00	0.00	0.00	0.00
	ज्ञान दर्शन	1991881.00	3463.00	1995344.00	4937083.00
	पालि एवं प्राकृत	5896506.00	0.00	5896506.00	5691683.00
	सी.डैक परियोजना	1700672.00		1700672.00	0.00
	चिकित्सा प्रतिपूर्ति	730585.00	4106319.00	4836904.00	4006588.00
	अखिल भारतीय नाट्य महोत्सव	0.00		0.00	610771.00
	योग	**93764502.00**	**75415081.00**	**169179583.00**	**105432440.00**
3.	**योजनायें**				
	i. शास्त्र चूड़ामणि	5457600.00		5457600.00	2362500.00
	ii. विशेष ओरियंटेशन पाठ्यक्रम	536400.00		536400.00	660600.00
	iii. संस्कृत ग्रन्थों का क्रय	51198.00		51198.00	627457.00
	iv. संस्कृत ग्रन्थों का पुर्नमुद्रण	432479.00		432479.00	790642.00
	v. संस्कृत साहित्य की वृद्धि/संवर्द्धन	2121489.00		2121489.00	1306738.00
	vi. डेक्कन कॉलेज, पूना	3000000.00		3000000.00	3165000.00
	vii. राष्ट्रपति पुरस्कार	14019016.00	11835070.00	25854086.00	21802700.00
	viii. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	122908910.00	80526375.00	203435285.00	191700620.00
	ix. छात्रवृत्ति	23477928.00	6,603,540.00	30081468.00	40749457.00
	x. स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	69572626.00		69572626.00	73511828.00
	xi. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा	3387967.00		3387967.00	2808492.00
	xii. उत्तर पूर्वी राज्य	17893431.00		17893431.00	29122332.00
	xiii. गैर सरकारी संगठन/गैर सरकारी संगठन, विश्वविद्यालय	11404526.00		11404526.00	9340223.00
	xiv. आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	5976000.00		5976000.00	7431000.00
	xv. माध्यामिक/उच्चतर माध्यमिक को अनुदान	4072542.00		4072542.00	648000.00
	xvi. कनिष्ठ शोध-छात्रवृत्ति	6140359.00		6140359.00	1974543.00
	xvii. सम्मान राशि	5563970.00		5563970.00	6748851.00
	xviii. इंदिरा गांधी स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति	0.00		0.00	40000.00
	xix. अखिल भारतीय प्राच्य संगोष्ठी, पूना	0.00		0.00	0.00
	xx. उर्दू संस्कृत परियोजना	1712118.00		1712118.00	32000.00
	xxi. नैक/आर.जी.सी. शुल्क	20195.00		20195.00	270000.00
	xxii. महिला अध्ययन (संस्कृत)	500570.00		500570.00	0.00
	xxiii. डी.ई.ओ/ई-ग्रन्थालय/ई-बुक	3355328.00		3355328.00	2554046.00
	xxiv. परियोजना (हू इज हू/साहित्य)	10000.00		10000.00	0.00
	xxv. नाट्य शास्त्र	2500000.00		2500000.00	0.00

अनुसूची (2)

	xxvi. पण्डित परिषद्	0.00		0.00	250330.00
	योग	**304114652.00**	**98964985.00**	**403079637.00**	**397897359.00**
4.	**प्रेषित राशि**				
	i. आय कर	5045831.00	18955057.00	24000888.00	17957318.00
	ii. सामान्य भविष्य निधि	4807760.00	39746726.00	44554486.00	38391743.00
	iii. नई पेंशन योजना	1299356.00	2017079.00	3316435.00	6658971.00
	iv. समूह बीमा योजना	284563.00	735314.00	1019877.00	621408.00
	v. समूह बीमा अंशदान	0.00	359286.00	359286.00	2031730.00
	vi. अन्य विभागों को प्रेषित राशि	3119389.00	13325653.00	16445042.00	11816663.00
	vii. जीवन बीमा निगम (वेतन योजना)	9129.00	2065711.00	2074840.00	540964.00
	viii. मियादी जमा (डाकघर)	0.00	0.00	0.00	130500.00
	ix. टी.डी.एस.	29933.00	1068351.00	1098284.00	354198.00
	x. बयाना राशि एवं सुरक्षा जमा			0.00	35080.00
	xi. पुस्तकालय जमा रकम		34100.00	34100.00	0.00
	xii. छात्रकोष		73500.00	73500.00	73700.00
	xiii. जीवन बीमा निगम			0.00	0.00
	xiv. डाक जीवन बीमा	0.00	311203.00	311203.00	134033.00
	xv. जीवन बीमा (अंशदान)			0.00	0.00
	xvi. अंशदायी भविष्य निधि			0.00	0.00
	xvii. वि.अ.आ. (कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति)	0.00		0.00	0.00
	योग	**14595961.00**	**78691980.00**	**93287941.00**	**78746308.00**
5.	**पूंजीगत व्यय**				
	i. भवन (निर्माण कार्य प्रगति पर)	85048579.00		85048579.00	62871432.00
	ii. फर्नीचर एवं फिक्चर	6031275.00	5405367.00	11436642.00	3787358.00
	iii. मशीनरी एवं उपकरण	5091094.00	4643417.00	9734511.00	2684325.00
	iv. पुस्तकालय की पुस्तकें	900120.00	2906620.00	3806740.00	1560245.00
	v. प्रकाशन	716090.00	3504236.00	4220326.00	4074497.00
	vi. प्रयोगशाला यन्त्र	452309.00		452309.00	0.00
	vii. कार	631930.00		631930.00	705701.00
	viii. भूमि	532125.00		532125.00	
	ix. संगणक	715175.00	2534634.00	3249809.00	305944.00
	योग	**100118697.00**	**18994274.00**	**119112971.00**	**75989502.00**
6.	**सावधि जमा**				
	i. सावधि जमा क्रय (भविष्य निधि)		27000000.00	27000000.00	0.00
	ii. सावधि जमा क्रय (सामान्य)		23500000.00	23500000.00	0.00
	iii. सावधि जमा क्रय (जिन्दल ट्रस्ट)		148226.00	148226.00	148226.00
	iv. सावधि जमा क्रय (दुबे पुरस्कार)		6000.00	6000.00	6000.00
	v. सावधि जमा क्रय (सोमैया ट्रस्ट)		250000.00	250000.00	0.00
	vi. सावधि जमा क्रय (रामकरण शर्मा)		250000.00	250000.00	0.00
	योग	**0.00**	**51154226.00**	**51154226.00**	**154226.00**
7.	**अग्रिम लेखा**				
	i. अवकाश यात्रा रियायत	78700.00	300460.00	379160.00	1731600.00

क्रमश.....

अनुसूची (2)

	ii. यात्रा भत्ता	860000.00	4744056.00	5604056.00	4670530.00
	iii. त्योहार	21750.00	357000.00	378750.00	387000.00
	iv. वाहन	0.00	947000.00	947000.00	1404000.00
	v. आकास्मिक	406600.00	7592135.00	7998735.00	6168955.00
	vi. चिकित्सा	0.00	221125.00	221125.00	200000.00
	vii. अग्रिम गृह निर्माण	0.00	371280.00	371280.00	0.00
	viii. संगणक	146500.00	441500.00	588000.00	499445.00
	ix. स्कूटर/कार			0.00	0.00
	x. आकास्मिक (दूरस्थ शिक्षा)			0.00	10000.00
	योग	**1513550.00**	**14974556.00**	**16488106.00**	**15071530.00**
8.	**अन्तिम शेष**				
	हाथ में रोकड़	66305.00	271366.00	337671.00	294137.00
	बैंक शेष				
	बचत खाता	57581796.00	24272677.00	81854473.00	42511570.00
	कनिष्ठ शोध-छात्रवृत्ति	84400.00		84400.00	243196.00
	कुल योग	**644614164.00**	**646139174.00**	**1290753338.00**	**1036343440.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

आय एवं व्यय की अनुसूची

अनुसूची (1ए)

क्र.सं.		योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1.	**विविध प्राप्तियाँ**				
	प.पा. से प्राप्ति	0.00	722957.00	722957.00	192628.00
	परीक्षा से प्राप्ति	0.00	4025683.00	4025683.00	3132715.00
	अन्य विविध प्राप्तियाँ	785314.00	6298895.00	7084209.00	14262578.00
	ऋण/अग्रिम पर ब्याज (कर्मचारी)	2100.00	91874.00	93974.00	0.00
	पूर्व.शि.शा.प्र. से प्राप्ति	0.00	2158940.00	2158940.00	3233805.00
	संस्थान प्रकाशन	33901.00	1889128.00	1923029.00	1937392.00
	मंत्रालय प्रकाशन	1148882.00	147221.00	1296103.00	477973.00
	अवकाश वेतन/पेंशन अंशदान	314160.00	144386.00	458546.00	805201.00
	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	1143583.00	0.00	1143583.00	1102744.00
	ज्ञान दर्शन/संस्कृत नेट	545373.00	0.00	545373.00	241761.00
	पुस्तकालय		1689.00	1689.00	0.00
	सावधि जमा पर ब्याज		0.00	0.00	0.00
	अन्य स्त्रोतों से आय			0.00	0.00
	डोएक सोसाइटी		0.00	0.00	45401.00
	बचत खाते पर ब्याज	1369628.00	3725338.00	5094966.00	2019177.00
	विश्व संस्कृत सम्मेलन			0.00	4863.00
	चैक निरस्त (के.लो.नि.वि.)	497529.00		497529.00	0.00
	दूरस्थ शिक्षा			0.00	1033966.00
	योग	**5840470.00**	**19206111.00**	**25046581.00**	**28490204.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

आय एवं व्यय की अनुसूची

अनुसूची (2ए)

क्र.सं.		योजना	योजनेत्तर	कुल	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1.	**स्थापना व्यय**				
	वेतन एवं भत्ते	68938990.00	231122283.00	300061273.00	268528414.00
	सेवा निवृत्ति लाभ				
	पेंशन/पेंशन का परिवर्तित मूल्य	861947.00	32403666.00	33265613.00	27759692.00
	उपदान	0.00	7051614.00	7051614.00	8934750.00
	अवकाश नगदीकरण	0.00	4120873.00	4120873.00	4949384.00
	अवकाश वेतन एवं पेंशन अंशदान	79291.00	731257.00	810548.00	9391.00
	सामान्य भविष्य निधि पर अंशदान	1193601.00	5128270.00	6321871.00	5472715.00
	सामान्य भविष्य निधि अंशदान पर ब्याज			0.00	240764.00
	नई पेंशन योजना पर संस्थान का हिस्सा	1700472.00	2106443.00	3806915.00	4108062.00
	नई पेंशन योजना पर ब्याज			0.00	0.00
	नई पेंशन योजना ट्रस्ट कोष		735623.00	735623.00	0.00
	अंशदायी भविष्यनिधि (परिसर)	0	0.00	0.00	0.00
	योग	**72774301.00**	**283400029.00**	**356174330.00**	**320003172.00**
2.	**प्रशासनिक व्यय**				
	किराया दर एवं कर	1838841.00	659083.00	2497924.00	2245192.00
	मरम्मत एवं रखरखाव	2185464.00	7721851.00	9907315.00	3495775.00
	पोस्ट एवं टेलिफोन संचार व्यय	269552.00	2421499.00	2691051.00	2535324.00
	यात्रा भत्ता एवं वाहन भत्ता व्यय	2795384.00	8905214.00	11700598.00	8864886.00
	विज्ञापन	158457.00	1125274.00	1283731.00	3354400.00
	स्टेशनरी एवं मुद्रण	583133.00	3443999.00	4027132.00	2170146.00
	लेखा-परीक्षा शुल्क	127370.00	391389.00	518759.00	423666.00
	जल एवं विद्युत	1105784.00	4950975.00	6056759.00	5125363.00
	विविध-आकस्मिक व्यय	4814588.00	22419853.00	27234441.00	23630801.00
	परीक्षा आकास्मिक	181775.00	11321869.00	11503644.00	6488884.00
	प.पा. आकास्मिक व्यय	27726.00	60014.00	87740.00	289146.00
	वर्दियाँ	0.00	46158.00	46158.00	35307.00
	विधिक व्यय	0.00	1318460.00	1318460.00	1284718.00
	स्टाफ कार व्यय	293384.00	1432792.00	1726176.00	939982.00
	पूर्व शिक्षा शास्त्री परीक्षा	3520.00	713518.00	717038.00	1138659.00
	सगंणक शिक्षा	2410686.00	99375.00	2510061.00	902960.00
	कार्यशाला/गोष्ठी	773215.00	2164153.00	2937368.00	415656.00
	दीक्षान्त/वार्षिक समारोह	683239.00	1639642.00	2322881.00	805108.00
	विश्व संस्कृत सम्मेलन (मुख्य रोकड़ बही)	25991621.00	142867.00	26134488.00	2493953.00
	विश्व संस्कृत सम्मेलन (सम्मेलन रोकड़ बही)			0.00	36330.00
	वसन्तोत्सव/कौमुदी महोत्सव	2152562.00	121364.00	2273926.00	1884352.00

क्रमश.....

अनुसूची (2ए)

	युवा महोत्सव	2175770.00	155360.00	2331130.00	2862356.00
	कवि भास्करी	12000.00	31899.00	43899.00	273549.00
	कवि सम्मेलन	0.00	0.00	0.00	0.00
	कंटेंट जनरेशन	0.00	15377.00	15377.00	0.00
	दूरस्थ शिक्षा (मुख्य रोकड़ बही)	7947564.00	0.00	7947564.00	2322575.00
	दूरस्थ शिक्षा (रोकड़ बही)			0.00	856739.00
	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	21571152.00	3314.00	21574466.00	15310488.00
	एन.एम.ई.आई.सी.टी. परियोजना	4963500.00	0.00	4963500.00	0.00
	भाषा मन्दाकिनी	378571.00	0.00	378571.00	0.00
	शोध-प्राविधि	0.00	0.00	0.00	0.00
	ज्ञानदर्शन	1991881.00	3463.00	1995344.00	4937083.00
	पालि एवं प्राकृत	5896506.00	0.00	5896506.00	5691683.00
	सीडैक परियोजना	1700672.00		1700672.00	0.00
	चिकित्सा क्षतिपूर्ति	730585.00	4106319.00	4836904.00	4006588.00
	अखिल भारतीय नाट्य महोत्सव	0.00		0.00	610771.00
	योग	**93764502.00**	**75415081.00**	**169179583.00**	**105432440.00**
3.	**योजनाएँ**				
	शास्त्र चूडामणि	5457600.00		5457600.00	2362500.00
	विशेष प्राच्य पाठ्यक्रम	536400.00		536400.00	660600.00
	संस्कृत ग्रन्थों का क्रय	51198.00		51198.00	627457.00
	संस्कृत साहित्य का संवर्धन	2121489.00		2121489.00	1306738.00
	डेकन कॉलेज, पूना	3000000.00		3000000.00	3165000.00
	राष्ट्रपति पुरस्कार	14019016.00	11835070.00	25854086.00	21802700.00
	आदर्श स.महा.वि.	122908910.00	80526375.00	203435285.00	191700620.00
	छात्रवृत्ति	23477928.00	6,603,540.00	30081468.00	40749457.00
	स्वैच्छिक संस्कृत संगठन	69572626.00		69572626.00	73511828.00
	अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा	3387967.00		3387967.00	2808492.00
	उत्तर पूर्वी राज्य	17893431.00		17893431.00	29122332.00
	गैर सरकारी संगठन/गैरसरकारी संगठन वि.वि.	11404526.00		11404526.00	9340223.00
	आधुनिक शिक्षक अनुदान	5976000.00		5976000.00	7431000.00
	वरिष्ठ माध्यामिक/उच्च विद्यालय को अनुदान	4072542.00		4072542.00	648000.00
	सम्मान राशि	1023151.00		1023151.00	6748851.00
	इंदिरा गांधी स्नातकोत्तर छात्रवृत्ति	0.00		0.00	40000.00
	अखिल भारतीय प्राच्य संगोष्ठी, पूना	0.00		0.00	0.00
	उर्दू संस्कृत परियोजना	1712118.00		1712118.00	32000.00
	नैक/आर.जी.सी. शुल्क	20195.00		20195.00	270000.00
	महिला अध्ययन संस्कृत में	500570.00		500570.00	0.00
	टी.ई.ओ./ई. ग्रन्थालय/ई बुक	3355328.00		3355328.00	2554046.00
	परियोजना (हू इज हू/ साहित्य)	10000.00		10000.00	0.00
	नाट्य शास्त्र	2500000.00		2500000.00	0.00
	पण्डित परिषद्	0.00		0.00	250330.00
	योग	**293000995.00**	**98964985.00**	**391965980.00**	**395132174.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

अनुसूची (3)

सावधि परिसम्पतियाँ एवं मूल्य ह्रास चार्ट	ओ.बी.	वर्तमान वित्तीय वर्ष में क्रय	विक्रय	योग	वर्तमान वर्ष में मूल्य ह्रास	31 मार्च तक वर्तमान मूल्य
भूमि						
भवन	290621308.00	27082335.00	0.00	317703643.00	14531065.00	303172578.00
प्लांट एवं मशीनरी एवं उपकरण						
a. जनरेटर	19650648.00	9734511.00	0.00	29385159.00	4912662.00	24472497.00
b. प्रयोगशाला उपकरण	357886.00	452309.00	0.00	810195.00	53682.00	756513.00
वाहन						
a. स्टॉफ कार	1396211.00	631930.00	0.00	2028141.00	279242.00	1748899.00
फर्नीचर एवं फिक्चर	37735208.00	11436642.00	0.00	49171850.00	5660281.00	43511569.00
a. कैबिनेटस/आलमारियाँ/फाईलिंग रैकस						
b. एयर कंडिशनरर्स/एयर कंडिशनिग प्लांट						
c. एयर कूर्लस						
d. वाटर कूर्लस						
e. टेबल/कुर्सियाँ/सोफा/कारपेट्स						
f. लकड़ी का बाड़ा/अस्थायी ढांचा						
g. वोल्टेज स्टेबलाईजर्स, यू.पी.एस. सिस्टम						
h. अन्य वस्तुएँ						
कार्यालीय उपकरण						
a. टाईपराईटर्स						
b. फोटोकापी/डूपलीकेटर्स						
c. फैक्स मशीन						
कम्प्यूटर/बाह्य उपकरण	214161.00	3249809.00	0.00	3463970.00	128497.00	3335473.00
विद्युत स्थापना						
a. विद्युत मशीनरी						
b. विद्युत प्रकाश/पंखा						
c. स्विच गियर उपकरण						
d. ट्रांसफार्मर						
e. विद्युत वाईरिंग एवं फिटिंग						
सभी पुस्तकालीय पुस्तकें	18440648.00	3806740.00	1689.00	22245699.00		22245699.00
प्रकाशन						
a. मंत्रालय प्रकाशन						
b. संस्थान प्रकाशन	8613853.00	4220326.00	1923029.00	10911150.00		10911150.00
संस्कृत पुस्तकों (पुर्नमुद्रण) का क्रय	6553897.00	432479.00	1296103.00	5690273.00		5690273.00
कुल योग	**383583820.00**	**61047081.00**	**3220821.00**	**441410080.00**	**25565429.00**	**415844651.00**

25565429.00 *

* वर्ष 2011-12 में कुल मूल्य ह्रास

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

अनुसूची (4)

समग्र/पूंजीगत निधि की अनुसूची	ओ.बी.	चालू वर्ष		योग
		जोड़ा	घटाया	
प्रारंभिक शेष	432658927.00	26229430.00	3220821.00	455667536.00
जोड़ा- आय से अधिक व्यय	73392354.00	162161259.00	15000000.00	220553613.00
घटाया- सावधि जमा (सा.भ.नि.)	0.00	0.00	0.00	0.00
केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में जमा	312588888.00		26507247.00	286081641.00
				962302790.00

अनुसूची (4ए)

परिसम्पतियों की अनुसूची		ओ.बी.	चालू वर्ष		योग
			जोड़ा	घटाया	
पूंजीगत कार्य प्रगति पर		375460320.00	85048579.00	27062999.00	**433445900.00**
					433445900.00

अनुसूची (5)

चिन्हित अनुसूची/अक्षय निधि (दान)	योजना	योजनेत्तर	योग
जिन्दल ट्रस्ट (पूर्व शेष)		176259.00	
जोड़ (ब्याज)		158567.00	
कम उपभोग/व्यय		148226.00	
योग			**186600.00**
दुबे पुरुस्कार (पूर्व योग शेष)		8116.00	
जोड़ (ब्याज)		6418.00	
कम उपयोग/व्यय		6000.00	
योग			**8534.00**
सोमैया ट्रस्ट (पूर्व शेष)		320403.00	
जोड़ (ब्याज)		338154.00	
कम उपभोग/व्यय		286974.00	
योग			**371583.00**
शुक्ला ट्रस्ट (पूर्व शेष)		5000.00	
जोड़ (ब्याज)		0.00	
कम उपयोग/खर्च		0.00	
योग			**5000.00**
रामकरण शर्मा (पूर्व शेष)		250000.00	
जोड़ (ब्याज)		0.00	
कम उपयोग/खर्च		0.00	
योग			**250000.00**
		1704117.00	**821717.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

अनुसूची (6)

वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान की अनुसूची	ओ.बी.	चालू वर्ष		योग
		जोड़ा	घटाया	
समूह बीमा निगम	253438.00	871632.00	1019877.00	105193.00
समूह बीमा निगम अंशदान	193687.00	424236.00	359286.00	258637.00
अन्य परिसर/विभागों से प्रोषित राशि	1471091.00	16018466.00	16445042.00	1044515.00
वि.अनु.आ. कनिष्ठ/वरिष्ठ छात्रवृत्ति	243196.00	5981563.00	6140359.00	84400.00
अन्य निधियों में निवेश				
अर्जित राशि एवं सुरक्षा जमा	60335.00	288054.00		348389.00
पुस्तकालय सुरक्षा राशि	189557.00	73900.00	34100.00	229357.00
छात्रकोश	135100.00	121800.00	73500.00	183400.00
आयकर	200.00	23837652.00	24000888.00	-163036.00
सम्मान राशि	4540819.00	0.00	4540819.00	0.00
जीवन बीमा निगम (वेतन योजना)	-53338.00	2077411.00	2074840.00	-50767.00
नई पेंशन योजना	407930.00	0.00	0.00	407930.00
टी.डी.एस.	-5575.00	1098284.00	1098284.00	-5575.00
	7436440.00	**50792998.00**	**55786995.00**	**2442443.00**

अनुसूची (7)

सावधि जमा/भविष्य निधि की अनुसूची	ओ.बी.	चालू वर्ष		योग
		जोड़ा	घटाया	
सावधि जमा (सा.भ.नि.)	17075691.00	27000000.00	17075691.00	27000000.00
सावधि जमा (सामान्य)	0	23500000.00	0	23500000.00
	17075691.00	**50500000.00**	**17075691.00**	**50500000.00**

अनुसूची (8)

जमा राशि की अनुसूची अक्षय निधि/निवेश	
डी.ए.वी.पी. के पास जमा	53100.00
अक्षय निधि/निवेश (जिन्दल ट्रस्ट)	148226.00
आचार्य के विद्यार्थियों हेतु मैडल/निवेश (दूबे पुरस्कार)	6000.00
अक्षय निधि ,, (सोमैया ट्रस्ट)	250000.00
,, (शुक्ला पुरस्कार)	5000.00
,, (रामकरण शर्मा)	250000.00
योग	**712326.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

अनुसूची (9)

वर्तमान परिसम्पतियां, ऋण, अग्रिम (पेशगी) आदि की अनुसूची		ओ.बी.	चालू वर्ष		योग
			जोड़ा	घटाया	
a. अन्य निधियों में निवेश					
b. वर्तमान परिसम्पतियाँ, ऋण, अग्रिम आदि					
i.	वि.अ.आ. कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध छात्रवृत्ति (व्ययरहित)				
ii.	आकास्मिक अग्रिम (शेष मूल राशि)	-270243.00	7998735.00	6572332.00	1156160.00
iii.	अवकाश यात्रा रियायत (शेष मूल राशि)	71270.00	379160.00	490100.00	-39670.00
iv.	भवन निर्माण अग्रिम (शेष मूल राशि)	1931910.00	371280.00	348629.00	1954561.00
v.	संगणक अग्रिम (शेष मूल राशि)	1755288.00	588000.00	707880.00	1635408.00
vi.	यात्रा अग्रिम (शेष मूल राशि)	495458.00	5604056.00	5809056.00	290458.00
vii.	वाहन अग्रिम (शेष मूल राशि)	3921842.00	947000.00	1164599.00	3704243.00
viii.	चिकित्सा अग्रिम (शेष मूल राशि)	153394.00	221125.00	211125.00	163394.00
ix.	त्योहार अग्रिम (शेष मूल राशि)	219690.00	378750.00	390900.00	207540.00
	योग	**8278609.00**	**16488106.00**	**15694621.00**	**9072094.00**

महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों एवं टिप्पणी के लिए खातों पर अनुसूची

1. वर्ष 2011-12 के लिए संस्थान के वार्षिक खातों को नये स्वरूप के रूप में सी.जी.ए. द्वारा निर्धारित हैं और वर्ष 2002-03 के बाद से भारत के सी.ए.जी. द्वारा किए गए अनुमोदन पर तैयार किये गये हैं।
2. संस्थान पूरी तरह से अनुदान सहायता पर संचालित है इसलिए वित्त पोषण संगठन पर आयकर लागू नहीं है।
3. सरकारी अनुदान/सब्सिडी प्राप्ति आधार पर जिम्मेवार है।
4. कर योग्य आय नहीं होने के दृष्टव्य में यह आवश्यक माना गया है कि यहाँ आयकर अधिनियम 1961, आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं है।
5. खातो को नगदी आधार पर तैयार किया गया है (केवल 2011-12 के लिए) जहाँ कहीं भी आवश्यक हो समझा जाये।
6. अनुसूचियाँ जहाँ आवश्यक हों, सलंग्न हैं।
7. सम्पति पर आयकर अधिनियम 1961 में निर्दिष्ट दरों के अनुसार मूल्यह्रास ह्रासमान शेष पद्धति द्वारा तैयार किया गया है।
8. निर्माण कार्य केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जा रहा है।
9. यह कोई लाभप्रद संगठन नहीं है लेकिन मूल्यांकन के बाद देश में संस्कृत के समग्र विकास एवं सवंर्द्धन के लिए बनायी गयी है।
10. प्रत्येक वर्ष में निवेश का कार्यक्रम तैयार किया जाता है।
11. सेवानिवृत्ति लाभ भारत सरकार के नियमानुसार लागू है।
12. संस्थान के वार्षिक खातों पर वर्ष 2011-12 के लिए सक्षम प्राधिकारी अर्थात् वित्त समिति/बोर्ड आफ मैनेंजमेंट द्वारा 28.6.2012 को अनुमोदित है।

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2011-12 की सामान्य भविष्य निधि/केन्द्रीय भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

राशि रुपयों में

प्राप्तियाँ

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	कुलयोग
1.	आदि शेष	4791015.00	750268.00	1240862.00	1560511.00	1384716.00	2274231.00	2000152.00	25960.00	451300.00	1171261.00	63617.00	**15713893.00**
2.	सा.भ.नि. अंशदान	8548382.00	4755700.00	3510620.00	2648700.00	2082304.00	4048800.00	3273000.00	684705.00	875865.00	1967025.00	824562.00	**33219663.00**
3.	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	1030321.00	1733955.00	816703.00	548175.00	1109000.00	1267805.00	1123100.00	291790.00	0.00	224125.00	0.00	**8144974.00**
4.	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली (नगद)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
5.	सावधि जमा पूर्ण	7300000.00	6481830.00	1960805.00	12870454.00	6500000.00	3393078.00	2000000.00	1400000.00	2753449.00	0.00	1434647.00	**46094263.00**
6.	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	6511489.00	775629.00	1439020.00	1238121.00	1871247.00	219654.00	0.00	0.00	826605.00	790075.00	0.00	**13671840.00**
7.	बचत खाता पर ब्याज	197983.00	90975.00	74400.00	0.00	565746.00	72057.00	996257.00	54244.00	0.00	48827.00	4385.00	**2104874.00**
8.	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	3683250.00	2391333.00	567731.00	1290397.00	3470331.00	1053492.00	465817.00	830250.00	3291023.00	120000.00	2882311.00	**20045935.00**
9.	संस्थान का योगदान	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
10.	मुख्य खाते से सा.भ.नि. ब्याज का स्थानान्तरण	0.00	1537072.00	500240.00	0.00	0.00	2022593.00	57173.00	355141.00	0.00	732509.00	0.00	**5204728.00**
11.	बचत खाते पर टी.डी.एस. प्रमाणित ब्याज	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
12.	अंशदायी भविष्य निधि पर ब्याज	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
	योग	**32062440.00**	**18516762.00**	**10110381.00**	**20156358.00**	**16983344.00**	**14351710.00**	**9915499.00**	**3642090.00**	**8198242.00**	**5053822.00**	**5209522.00**	144200170.00
	भुगतान												
1.	अन्तिम भुगतान	4125000.00	1447000.00	450000.00	2895000.00	4035580.00	6127461.00	4122690.00	814900.00	338226.00	190000.00	312628.00	**24858485.00**
2.	सा.भ.नि. अग्रिम	910500.00	3222412.00	613478.00	608280.00	1231095.00	1193900.00	1416000.00	384830.00	0.00	90000.00	0.00	**9670495.00**
3.	सावधि-जमा की खरीद	20500000.00	0.00	3439020.00	14757002.00	10871247.00	0.00	3920537.00	950000.00	5241606.00	500000.00	0.00	**60179412.00**
4.	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	1002602.00	7785097.00	3916946.00	1243727.00	567058.00	4165577.00	280103.00	1336119.00	1665014.00	732509.00	1741482.00	**24436234.00**
5.	मुख्य खाते में सा.भ.नि. ब्याज स्थानान्तरण	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	291711.00	0.00	54244.00	0.00	0.00	0.00	**345955.00**
6.	बैंक प्रभार	3022.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3528.00	0.00	28.00	**6578.00**
7.	सा.भ.नि. (लघु-अन्तर)	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
8.	अंशदायी को देय ब्याज	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
	नगद शेष												
9.	बैंक में रोकड़	5521316.00	6062253.00	1690937.00	652349.00	278364.00	2573061.00	176169.00	101997.00	949868.00	3541313.00	3155384.00	**24703011.00**
	योग	**32062440.00**	**18516762.00**	**10110381.00**	**20156358.00**	**16983344.00**	**14351710.00**	**9915499.00**	**3642090.00**	**8198242.00**	**5053822.00**	**5209522.00**	144200170.00

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2011-12 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ | भुगतान | राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	आदि शेष	15713893.00	17233186.00	1	अन्तिम भुगतान	24858485.00	27155322.00
2	सा.भ.नि. से अंशदान	33219663.00	31092520.00	2	सा.भ.नि. अग्रिम	9670495.00	8663764.00
3	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	8144974.00	8006072.00	3	सावधि जमा की खरीद	60179412.00	77508185.00
4	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली (नकद)	0.00	83960.00	4	अन्य परिसरों को स्थान्तारित राशि	24436234.00	12213233.00
5	सावधि जमा परिपक्वता	46094263.00	65618008.00	5	मुख्य खाते मं स.भ.नि. ब्याज स्थानान्तरित	345955.00	2019177.00
6	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	13671840.00	3596053.00	6	बैंक प्रभार	6578.00	678.00
7	बचत खाता पर ब्याज	2104874.00	2832710.00	7	सा.भ.नि. (लघु-अन्तर)	0.00	66157.00
8	अन्य संस्थाओं से प्राप्त राशि	20045935.00	9405903.00	8	अशंदायी को देय ब्याज	0.00	727989.00
9	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	0.00	0.00		नगद शेष		
10	मुख्य खाते में सा.भ.नि. पर ब्याज का स्थानान्तरण	5204728.00	5472715.00	9	बैंक में रोकड़	24703011.00	15714611.00
11	बचत खाते पर टी.डी.एस. प्रमाणित ब्याज	0.00	0.00				
12	सा.भ.नि. अंशदान पर अर्जित ब्याज	0.00	727989.00				
	कुल योग	**144200170.00**	**144069116.00**		**कुल योग**	**144200170.00**	**144069116.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

31.3.2012 तक का सामान्य भविष्य निधि का तुलनपत्र

देयताएँ | परिसम्पतियाँ | राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	**पूंजी निधि**				1.	सा.भ.नि. अग्रिम			
	पूर्व शेष	174507161.00				पूर्व वर्ष	11779016.00		
	वर्ष में जमा	188665689.00				वर्ष में जमा	9670495.00		
	वर्ष में समायोजन	165591422.00	**197581428.00**	**174507161.00**		वर्ष में समायोजन	8144974.00	**13304537.00**	**11779016.00**
2.	**सामान्य भविष्य निधि (अग्रिम)**				2.	सावधि जमा लेखा			
	पूर्व शेष	11779016.00				पूर्व शेष	158792550.00		
	वर्ष में जमा	9670495.00				वर्ष में जमा	60179412.00		
	वर्ष में समायोजन	8144974.00	**13304537.00**	**11779016.00**		वर्ष में समायोजन	46094263.00	**172877699.00**	**158792550.00**
					3.	बचत खाता			
						पूर्व वर्ष	15714611.00		
						वर्ष में जमा	128486277.00		
						वर्ष में समायोजन	119497159.00	**24703729.00**	**15714611.00**
	कुल योग		**210885965.00**	**186286177.00**		**कुल योग**		**210885965.00**	**186286177.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
वर्ष 2011-12 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ

राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायुर	जयपुर	लखनऊ	शृंगेरी	गरली	भोपाल	मुम्बई	योग
i)	आदि शेष	129688.00	0.00	692574.00	0.00	493860.00	0.00	0.00	2600.00	0.00	472878.00	36018.00	**1827618.00**
ii)	कर्मचारी अंशदान	146633.00	540048.00	195514.00	178393.00	443244.00	399922.00	481487.00	769519.00	296032.00	0.00	233805.00	**3684597.00**
iii)	संस्थान/परिसर का अंशदान	145029.00	540048.00	102340.00	178393.00	443244.00	399922.00	0.00	769519.00	296032.00	0.00	233805.00	**3108332.00**
iv)	परिसरों से नई पे.यो. पर ब्याज	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	757877.00	0.00	0.00	0.00	**757877.00**
v)	पूर्व शेष	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
v)	बचत खाते से प्राप्त ब्याज	0.00	0.00	0.00	0.00	26096.00	0.00	0.00	36262.00	0.00	8273.00	2373.00	**73004.00**
vi)	अन्य परिसरों के प्राप्त राशि	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
vii)	सावधि जमा परिपक्व	0.00	0.00	0.00	0.00	1000000.00	0.00	0.00	0.00	0.00	385836.00	0.00	**1385836.00**
viii)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	0.00	0.00	0.00	0.00	303061.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6189.00	104052.00	**413302.00**
ix)	ब्याज का अन्तर	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
x)	टी.आर	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
xi)	पूर्व त्रुटि	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
	कुल योग	**421350.00**	**1080096.00**	**990428.00**	**356786.00**	**2709505.00**	**799844.00**	**481487.00**	**2335777.00**	**592064.00**	**873176.00**	**610053.00**	**11250566.00**
	भुगतान												
i)	सावधि जमा क्रय	0.00	0.00	0.00	0.00	2653061.00	0.00	0.00	2250000.00	0.00	473058.00	0.00	**5376119.00**
ii)	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	0.00	0.00	0.00	0.00	12535.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**12535.00**
iii)	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	36262.00	0.00	13267.00	0.00	**49529.00**
iv)	बैंक प्रभार	740.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	1015.00	0.00	**1755.00**
v)	अन्तिम भुगतान	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
vi)	परिसरीय खातों में स्थानानन्तरण F/W	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
vii)	अंशदायी से अधिक राशि की वापसी	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
viii)	नई पेंशन योजना न्यास निधि लेखा	285030.00	1080096.00	0.00	356786.00	0.00	799844.00	481487.00	0.00	592064.00	385836.00	0.00	**3981143.00**
	बैंक में शेष	135580.00	0.00	990428.00	0.00	43909.00	0.00	0.00	49515.00	0.00	0.00	610053.00	**1829485.00**
	कुल योग	**421350.00**	**1080096.00**	**990428.00**	**356786.00**	**2709505.00**	**799844.00**	**481487.00**	**2335777.00**	**592064.00**	**873176.00**	**610053.00**	**11250566.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
वर्ष 2011-12 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ

राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
1	**नगद शेष**					1	सावधि जमा क्रय	2723058.00	2653061.00	5376119.00	2948650.00
						2	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	0.00	12535.00	12535.00	0.00
i)	आदि शेष	511496.00	1316122.00	1827618.00	6954958.00	3	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज	49529.00	0.00	49529.00	162471.00
ii)	कर्मचारी अंशदान	1299356.00	2385241.00	3684597.00	3247539.00	4	बैंक प्रभार	1015.00	740.00	1755.00	0.00
iii)	संस्थान का योगदान	1299356.00	1808976.00	3108332.00	3129377.00	5	अन्तिम भुगतान	0.00	0.00	0.00	1669930.00
iv)	परिसरों से नई पेंशन योजन पर ब्याज	757877.00	0.00	757877.00	317142.00	6	परिसरीय खातों में स्थानान्तरण F/W	0.00	0.00	0.00	0.00
v)	बचत खाते पर ब्याज	46908.00	26096.00	73004.00	718692.00	7	अंशदायी को अधिक राशि की वापसी	0.00	0.00	0.00	36599.00
vi)	पूर्व शेष	0.00	0.00	0.00	0.00	8	नई पेंशन न्यास निधि लेखा	977900.00	3003243.00	3981143.00	10735519.00
vii)	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	0.00	0.00	0.00	12535.00	9	**बैंक में शेष**	659568.00	1169917.00	1829485.00	1682213.00
viii)	सावधि जमा की परिपक्वता	385836.00	1000000.00	1385836.00	2651080.00						
ix)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	110241.00	303061.00	413302.00	183836.00						
x)	ब्याज पर अन्तर	0.00	0.00	0.00	0.00						
xi)	टी.आर.	0.00	0.00	0.00	0.00						
xii)	पूर्व त्रुटि	0.00	0.00	0.00	20223.00						
	कुल योग	**4411070.00**	**6839496.00**	**11250566.00**	**17235382.00**		**कुल योग**	**4411070.00**	**6839496.00**	**11250566.00**	**17235382.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
वर्ष 2011-12 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित तुलन पत्र

देयताएं | परिसम्पतियां | राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	पूंजी निधि				1.	सावधि जमा			
i)	पूर्व शेष	9975909.00			i)	पूर्व वर्ष	8293696.00		
ii)	वर्ष में जमा	14799067.00			ii)	वर्ष में जमा	5376119.00		
iii)	वर्ष में समायोजन	10806917.00	**13968059.00**	**9975909.00**	iii)	वर्ष में समायोजन	1385836.00	**12283979.00**	**8293696.00**
					2.	बचत खाता			
					i)	पूर्व शेष	1682213.00		
					ii)	वर्ष में जमा	9422948.00		
					iii)	वर्ष में समायोजन	9421081.00	**1684080.00**	**1682213.00**
	कुल योग		**13968059.00**	**9975909.00**		**कुल योग**		**13968059.00**	**9975909.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
वर्ष 2011-12 हेतु मुक्तस्वाध्यायपीठम् का प्राप्ति एवं भुगतान विवरण

प्राप्तियां | भुगतान | राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना
1	**आदि शेष**	277227.00	1	परिसरों को मुक्त राशि-	
i)	प्राप्त अनुदान	5000000.00	i	पुरी परिसर	400000.00
			ii	जम्मू परिसर	350000.00
			iii	इलाहाबाद परिसर	350000.00
	विविध प्राप्तियाँ		iv	गुरुवायुर परिसर	350000.00
i)	पंजीकरण शुल्क	996304.00	v	जयपुर परिसर	350000.00
ii)	ब्याज	75429.00	vi	लखनऊ परिसर	350000.00
vii)	विक्रय	6426.00	vii	शृंगेरी परिसर	350000.00
	योग	**6355386.00**	viii	गरली परिसर	567000.00
			ix	भोपाल परिसर	350000.00
			x	मुम्बई परिसर	350000.00
				योग	**3767000.00**
			2	**स्थापना व्यय**	
			i	विद्वानों का मानदेय	66454.00
			3	**प्रशासनिक व्यय**	
				डाक एवं तार	23422.00
				यात्रा एवं मंहगाई भत्ता	316583.00
				विज्ञापन	52275.00
				स्टेशनरी एवं मुद्रण	288291.00
				विविध आकास्मिकता	76387.00
				परीक्षा आकास्मिकता	195614.00
				पाठ्यक्रम (ऑन लाइन)	15000.00
				संस्थान प्रकाशन	264318.00
				मु.स्वा.पीठ	669893.00
				योग	**1968237.00**
			4	**पूर्व शेष**	
			i	हाथ में नगद	10266.00
				बैंक में शेष	
			i	बचत खाता	609883.00
				योग	**620149.00**
	कुल योग	**6355386.00**		**कुल योग**	**6355386.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमश.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय

नई दिल्ली

वर्ष 2011-12 हेतु विश्व संस्कृत सम्मेलन का प्राप्ति एवं भुगतान विवरण

प्राप्तियां | भुगतान | राशि रुपयों में

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	योजना
1	**आदि शेष**	0.00	1		
i)	प्राप्त अनुदान	26327222.00	i	विश्व संस्कृत सम्मेलन	23524853.00
			ii	मानदेय	108228.00
			iii	स्टेशनरी एवं मुद्रण	437819.00
	विविध प्राप्तियाँ	4002821.00	iv	विविध आकस्मिकता	814901.00
			v	यात्रा एवं महंगाई भत्ता	3869847.00
			vi	विश्व संस्कृत सम्मेलन पुस्तक प्रदर्शनी भुगतान	899868.00
			vii	इनाम	662000.00
	योग	**30330043.00**			0.00
				योग	**30317516.00**
			2	**पूर्व शेष**	
			i	हाथ में रोकड़	12527.00
				बैंक में शेष	
			i	बचत खाता	0.00
				योग	**12527.00**
	कुल योग	**30330043.00**		कुल योग	**30330043.00**

ह०
लेखा अधिकारी

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
कुलसचिव